बुन्देलखण्ड सम्भाग में अनुसूचित जाति के किशोर - वर्ग विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का शैक्षिक - निष्पत्ति, बुद्धि, स्मृति तथा आकाँक्षा - स्तर से सम्बन्ध
एक अध्ययन

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

में

पी - एच० डी० (शिक्षा) की उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध – ग्रन्थ

1996

पर्यवेक्षक :

डॉ. वी. पी. अग्रवाल

एम० ए० (अर्थ०, इति०) एम० एड०

पी–एच० डी०, डी० लिट् (शिक्षा)

रीडर (परास्नातक शिक्षक प्रशिक्षण विभाग)

ए०एन०डी०टीचर्स ट्रेनिंग कालेज, सीतापुर

विषय विशेषज्ञ–आर० डी० सी० (शिक्षा)

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी (उ०प्र०)

शोधकर्ता :

उमाकान्त पोरवाल

अध्यक्ष–शिक्षा शास्त्र विभाग

बुन्देलखण्ड महाविद्यालय

झांसी (उ० प्र०)

डॉ. वी.पी. अग्रवाल
एम.ए. (अर्थ. इति.) एम.एड.
पी-एच.डी. (शिक्षा) डी.लिट्. (शिक्षा)

फोन : ४४२२० (निवास)
एस.टी.डी. कोड : ०५८६२

■ रीडर (परा० शिक्षक प्रशिक्षण विभाग)
ए.एन.डी.टी.टी (पो.ग्रे.) कालेज, शिक्षा संकाय कालेज,
सीतापुर (कानपुर विश्वविद्यालय)
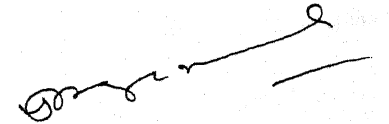
विषय विशेषज्ञ :
■ आर.डी.सी. (शिक्षा)
बुन्देलखण्ड वि.वि. झांसी (उ.प्र.)

ए-७१, पंचवटी आवास विकास कालोनी,
सीतापुर - २६१ ००१. (उ.प्र.).

दिनांक 01/7/96

प्रमाण - पत्र
****

मैं प्रमाणित करता हूँ कि श्री उमाकान्त पोरवाल ने "बुन्देलखण्ड सम्भाग में अनुसूचित जाति के किशोर वर्ग विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का शैक्षिक निष्पत्ति, बुद्धि, स्मृति तथा आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध-एक अध्ययन " विषय पर बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी के शोध अध्यादेश में उल्लिखित निर्धारित अवधि तक उपस्थित रहकर मेरे निर्देशन में परिश्रम के साथ शोध कार्य पूर्ण किया है । इसकी विषय सामग्री मौलिक है । यह बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के पीएच0 डी0 के सभी उपबन्धों की पूर्ति करता है । मैं संस्तुति करता हूँ कि यह इस योग्य है कि मूल्यांकन हेतु विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किया जाये ।

(डा0 वी0 पी0 अग्रवाल)
रीडर, एम0एड0 विभाग,
आचार्य नरेन्द्र देव टी0टी0 पो0ग्रे0 कालेज,
सीतापुर (उ0प्र0)

प्राक्कथन

शिक्षा किसी भी विकास के समुदाय का सबसे महत्वपूर्ण साधन मानी गयी है। विश्व के सभी देशों में मानव संसाधन के विकास में शिक्षा की भूमिका को अपरिहार्य माना गया है। भारतीय समाज में जन सामान्य के लिये और विशेष रूप से अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के बहुमुखी विकास के लिये शैक्षिक सुविधाओं के विकास की आवश्यकता अनुभव की गयी है। वर्तमान बदली हुई परिस्थितियों और प्रगति के नये अवसरों के साथ समाज के कमजोर वर्गो के लिये अपना समुचित समायोजन कर सके, इस दृष्टि से शिक्षा का विशेष महत्व है। अनुसूचित जातियों के लिये शिक्षा एक ऐसा प्रेरणा स्त्रोत है जिससे न केवल उनका आर्थिक विकास होता है बल्कि उनमें आत्मविश्वास और नई चुनौतियों का सामना करने की क्षमता भी विकसित होती है ।
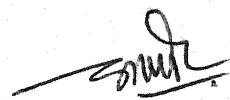
ब्रिटिश शासन काल में इन जातियों की दशा सुधारने के लिये प्रयत्न किये जा रहे । स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् केन्द्रीय सरकार और सम्बन्धित राज्य सरकारें इनकी शिक्षा तथा आर्थिक दशा सुधारने के लिए लगातार प्रयत्नशील है। अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के शैक्षिक उन्नयन के लिए केन्द्र सरकार ने एक **'मेरिट उन्नयन'** योजना 1987-88 से प्रारम्भ की है। इसका उद्देश्य इन जातियों के छात्रों के शैक्षिक स्तर को उन्नत करना है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग प्रत्येक वर्ष इन वर्गो के छात्रों को जूनियर फैलोशिप देता है परन्तु फिर भी इन जातियों का साक्षरता का प्रतिशत बहुत कम है। तथा शिक्षा प्रसार की गति धीमी है। अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को ज्यादा शैक्षिक सुविधायें देने के बाद भी इनके शैक्षिक पिछड़ेपन के कारणों को जानने की आवश्यकता अनुभव की गयी । इसकी खोज करने के लिये ही हरिजन छात्रों की बैद्धिक उपलब्धि, आकांक्षा स्तर तथा शैक्षिक निष्पत्ति का अध्ययन करना भी आवश्यक हो गया। इसी उद्देश्य से शोध हेतु यह विषय लिया गया ।

शोध ~~प्रबन्ध~~ ग्रन्थ डॉ0 वी0 पी0 अग्रवाल, रीडर, आचार्य नरेन्द्र देव पोस्ट ग्रेजुएट टीचर्स ट्रेनिंग कालेज, सीतापुर के सुयोग्य निर्देशन में लिखा गया है। विषय चयन, सामग्री संकलन तथा विश्लेषण में पग-पग पर उनका सहयोग तथा उत्साहवर्धन आशीष मुझे मिला है । मैं उनके विद्वतापूर्ण उपकार का ऋणी हूँ । उनके इस उपकार की अनुभूति मेरी वैयक्तिक थाती है मैं उनके इस उपकार एवं सहयोग के लिये किसी औपचारिक शब्द के प्रयोग से कम नहीं करना चाहता ।

शोधकर्ता डॉ0 कमलेश शर्मा, अनुभाग अधिकारी, (रिसर्च) बुन्देलखण्ड विश्व विद्यालय झाँसी का आभारी है जिनकी प्रेरणा से यह शोधकार्य पूरा हो सका ।

मैं अपनी पत्नी तथा बच्चों का उल्लेख किये बिना नहीं रह सकता जिनको मेरी व्यस्तता के कारण दैनिक जीवन में अनेक कठिनाइयां उठानी पड़ी फिर भी उनका सभी कार्यो में पूर्ण सहयोग रहा ।

शोधकर्ता उन विद्यालयों के समस्त अध्यापकों तथा प्रधानाध्यापकों का आभारी है जिन्होंने विद्यालयों एवं अपने निजी कार्यो में व्यस्त होते हुये भी उपकरण भरवाने में सहायता प्रदान की।

उमाकान्त पोरवाल
अध्यक्ष,
शिक्षाशास्त्र विभाग
बुन्देलखण्ड कालेज
झाँसी

तालिकाओं की सूची

तालिका क्रमांक	विवरण	पेज नं0
3.1	बीस जोड़े स्मृति परीक्षण सम्बन्धी सूची	74-75
3.2	अभिवृत्ति मापन हेतु प्रथम ड्राफ्ट के अन्तर्गत चुने गये विद्यालयो की सूची ।	78
3.3	विद्यार्थियों के विवरण सम्बन्धी पत्रक ।	79-80
3.4	उच्च एवं निम्न समूह के उत्तर देने के तरीके का विवरण ।	80-81
3.5	'टी' मूल्य की गणना ।	
4.1	नगरीय विद्यालय में कक्षावार प्रयोगार्थियों की संख्या ।	84
4.2	ग्रामीण विद्यालयों में कक्षावार प्रयोगार्थियों की संख्या ।	85
4.3	अनुसूचित जाति तथा सामान्य जाति के छात्रों की कुल संख्या ।	86
4.4	ग्रामीण तथा नगरीय विद्यालयों की कुल संख्या ।	86
4.5	अभिवृत्ति मापने की विश्वसनीयता की जानकारी हेतु प्रत्येक सातवें अंक का चयन सम्बन्धी तालिका ।	93
4.6	सम अंकों तथा विषम अंकों सम्बन्धी सहसम्बन्ध गुणांक तालिका	94-95
4.7	शिक्षकों द्वारा अभिवृत्ति मापन तथा सहसम्बन्ध विवरणॉक ।	97-98
4.8	तत्व निर्धारण तालिका	101
5.1-अ-	विभिन्न घटकों तथा उनके स्तरानुकुल संकेतॉक ।	128
5.1-ब-	विभिन्न समूहों के संकेतॉक ।	128
5.1-स-	विभिन्न चरों के संकेतॉक ।	129
5.1-द-	'जेड' तत्वों के संकेतॉक ।	129
5.2	'एनोवा' तालिका - विश्लेषण के आधार पर ।	130
5.3-अ-	शैक्षिक उपलब्धि हेतु विश्लेषण तालिका ।	133
5.3-ब-	तालिकाओं का मध्यमान ।	134

तालिका क्रमांक	विवरण	पेज नं0
5.3-स-	तुलनात्मक तालिका (ए × जेड़)	135
5.3-द-	अनुसूचित जातियों हेतु समायोजन के विशलेषण सम्बन्धी तालिका ।	137
5.3-य-	समायोजन मध्यमान तथा विश्वासनीयता परीक्षण ।	137
5.3-र-	सामान्य जाति हेतु समायोजन का विश्लेषण सम्बन्धी तालिका ।	138
5.3-ल-	समायोजन मध्यमान तथा विश्वसनीयता परीक्षण ।	138
5.4-अ-	स्मृति हेतु विश्लेषण सम्बन्धी तालिका ।	140
5.4-ब-	मध्यमान तालिका ।	140
5.4-स-	तुलनात्मक तालिका (ए × जेड़)	141
5.4-द-	अनुसूचित जाति हेतु विश्लेषण सम्बन्धी तालिका ।	143
5.4-य-	समायोजन मध्यमान तथा विश्वसनीयता परीक्षण ।	143
5.4-र-	सामान्य जाति हेतु विश्लेषण तालिका ।	144
5.4-ल-	समायोजन मध्यमान तथा विश्वसनीयता परीक्षण ।	144
5.5-अ-	आकॉक्षा स्तर हेतु विश्लेषण तालिका ।	146
5.5-ब-	मध्यमान तालिका ।	146
5.5-स-	तुलनात्मक तालिका (ए×जेड़)	147
5.5-द-	अनुसूचित जाति हेतु विश्लेषण तालिका ।	150
5.5-य-	समायोजन मध्यमान एवं विश्वसनीयता परीक्षण .	150
5.5-र-	सामान्य जाति हेतु विश्लेषण तालिका ।	151
5.5-ल-	समायोजन मध्यमान तथा विश्सनीयता परीक्षण ।	151
5.6-अ-	अभिवृत्ति हेतु विश्लेषण तालिका ।	153
5.6-ब-	मध्यमान तालिका ।	153
5.6-स-	तुलनात्मक तालिका (ए×जेड़)	154
5.6-द-	अनुसूचित जाति हेतु विश्लेषण तालिका ।	156
5.6-य-	समायोजन मध्यमान तथा विश्वसनीयता परीक्षण ।	156

तालिका क्रमॉक	विवरण	पेज नं0
5.6-र-	अनुसूचित जाति हेतु विश्लेषण तालिका ।	157
5.6-ल-	समायोजन मध्यमान तथा विश्वसनीयता परीक्षण ।	157
5.7-अ-	बुद्धि हेतु विश्लेषण तालिका ।	159
5.7-ब-	मध्यमान तालिका ।	159
5.7-स-	तुलनात्मक तालिका ।	160
5.7-द-	अनुसूचित जाति हेतु विश्लेषण तालिका ।	162
5.7-य-	समायोजन मध्यमान तथा विश्वसनीयता परीक्षण ।	162
5.7-र-	सामान्य जाति हेतु विश्लेषण तालिका ।	164
5.7-ल-	समायोजन मध्यमान तथा विश्वसनीयता परीक्षण ।	164
5.8-अ-	कुल सहसम्बन्ध गुणॉक (जीरो आर्डर) अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिये ।	167
5.8-ब-	ऑशिक सहसम्बन्ध गुणॉक ।	167
5.9-अ-	कुल सहसम्बन्ध गुणॉक (जीरो आर्डर) सामान्य के विद्यार्थियों के लिए ।	168
5.9-ब-	ऑशिक सहसम्बन्ध गुणॉक ।	168
5.10-अ-	ग्रामीण विद्यार्थियों हेतु कुल सहसम्बन्ध गुणॉक (जीरो आर्डर)	170
5.10-ब-	ऑशिक सहसम्बन्ध गुणॉक ।	170
5.11-अ-	नगरीय विद्यार्थियों हेतु सहसम्बन्ध गुणॉक (जीरो आर्डर)	172
5.11-ब-	ऑशिक सहसम्बन्ध गुणॉक ।	172
5.12-अ-	कुल सहसम्बन्ध गुणॉक (जीरो आर्डर) केवल बालकों हेतु ।	174
5.12-ब-	ऑशिक सहसम्बन्ध गुणॉक ।	174
5.13-अ-	कुल सहसम्बन्ध गुणॉक (जीरो आर्डर) केवल बालिकाओं हेतु ।	176
5.13-ब-	ऑशिक सहसम्बन्ध गुणॉक ।	176
5.14-अ-	सभी विद्यार्थियों हेतु सहसम्बन्ध गुणॉक (जीरो आर्डर)	178
5.14-ब-	ऑशिक सहसम्बन्ध गुणॉक ।	178

अनुक्रमाणिका

****

अध्याय			पेज नं0
	प्रमाण पत्र		
	आभार स्वीकृति पत्र		
	तालिकाओं की सूची		
प्रथम	**प्रस्तावना**		1-26
	1.1	शोध समस्या की आवश्यकता एवं महत्व	
	1.2	समस्या के पदों को परिभाषीकरण	
	1.21	अभिवृत्ति	
	1.22	अनुसूचित जाति	
	1.23	सामान्य जाति	
	1.24	शिक्षा	
	1.25	शैक्षिक उपलब्धि	
	1.26	किशोरावस्था	
	1.27	बुद्धि	
	1.28	स्मृति	
	1.29	आकांक्षा का स्तर	
	1.3	शोध के उद्देश्य	
	1.4	शोध की परिकल्पना	
	1.5	शोध का प्रारूप	
द्वितीय	**सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण**		27-66
	2.1	सम्बन्धित साहित्य का महत्व	
	2.2	भारत तथा विदेशों में हुये शोधकार्य	
	2.3	सम्बन्धित शोधों के आधार पर निष्कर्ष	
	2.4	सामान्य निष्कर्ष	

अध्याय			पेज नं.
तृतीय	**शोध की विधि**		67-81
	3.1	शोध में प्रयुक्त विधियां	
	3.11	ऐतिहासिक विधि	
	3.12	प्रयोगात्मक विधि	
	3.13	वर्णनात्मक विधि	
	3.2	शोध में प्रयुक्त विवरणात्मक विधि का औचित्य	
	3.3	स्मृति परीक्षण का निर्माण	
	3.4	अभिवृत्ति मापनी का निर्माण	
	3.41	अभिवृत्ति मापनी का प्रशासन	
	3.42	स्वनिर्मित अभिवृत्ति की गणना	
	3.431	छात्रों का विषय पत्रक	
	3.432	उत्तर देने की प्राविधि	
	3.5	आकांक्षा स्तर का मापन परीक्षण	
	3.51	अभिवृत्ति मापनी परीक्षण	
	3.6	बुद्धि परीक्षणों का विवरण	
	3.7	शैक्षिक उपलब्धि प्राप्तांकों का एकत्रीकरण	
चतुर्थ.	**आँकड़ों का एकत्रीकरण**		82-127
	4.1	शोध की जनसंख्या	
	4.2	अभिवृत्ति मापनी	
	4.21	अभिवृत्ति मापनी की विश्वसनीयता	
	4.22	अभिवृत्ति मापनी की वैधता	
	4.23	अभिवृत्ति मापनी के निर्धारक तत्व	
	4.24	अभिवृत्ति मापनी द्वारा प्राप्त आँकड़ों का विवरण	

अध्याय			पेज नं.
	4.3	स्मृति परीक्षणों का प्रशासन	
	4.31	स्मृति परीक्षण द्वारा ऑकड़ों का एकत्रीकरण	
	4.4	एल.ए. कोडिंग परीक्षण का प्रशासन	
	4.41	एल.ए. कोडिंग परीक्षण द्वारा ऑकड़ों एकत्रीकरण	
	4.5	बुद्धि परीक्षणों का प्रशासन	
	4.51	बुद्धि परीक्षण द्वारा ऑकड़ों का एकत्रीकरण	
	4.6	शैक्षिक उपलब्धि के ऑकड़े	
	4.7	विभिन्न चरों हेतु समूह के आधार पर ऑकड़ों का एकत्रीकरण	
	4.71	ग्रामीण अनुसूचित जाति के लड़के	
	4.72	ग्रामीण अनुसूचित जाति की लड़कियां	
	4.73	शहरी अनुसूचित जाति के लड़के	
	4.74	शहरी अनुसूचित जाति की लड़कियां	
	4.75	ग्रामीण सामान्य लड़के	
	4.76	ग्रामीण सामान्य लड़कियां	
	4.77	शहरी सामान्य लड़के	
	4.78	शहरी सामान्य लड़कियां	
पंचम	**ऑकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण**		128-180
	5.1	ऑकड़ो का विभेदीकरण	
	5.2	सह सम्बन्ध गुणांक	
षष्टम्	**ऑकड़ों का विभेदीकरण तथा निष्कर्ष**		181-202
	6.1	परिकल्पनाओं का सत्यापन	
	6.2	उद्देश्यों की प्राप्ति	
	6.3	उपरोक्त अध्ययन के आधार पर निकाले गये निष्कर्ष	
	6.4	सामान्य निष्कर्ष	

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची पेज नं.

परिशिष्ट 203-214

परिशिष्ट नं.0 1 अभिवृत्ति मापनी परीक्षण (प्रथम ड्राफ्ट)

परिशिष्ट नं0 2 अभिवृत्ति मापनी परीक्षण (फाइनल ड्राफ्ट)

परिशिष्ट नं0 3 सामान्य बुद्धि परीक्षण का समूह परीक्षण (द्वारा डा0 जलोटा)

परिशिष्ट नं0 4 सामान्य बुद्धि परीक्षण-समूह परीक्षण की उत्तर सूची ।

परिशिष्ट नं0 5 सामान्य बुद्धि परीक्षण-समूह परीक्षा-उत्तरमाला

परिशिष्ट नं0 6 एल.कोड़िग टेस्ट, डा. अनवर अन्सारी तथा डा. गजला अन्सारी

प्रथम अध्याय

प्रथम अध्याय
****

भारत का संविधान केवल वैधानिक उपलब्धि का संकलन मात्र नहीं है अपितु इसमें राष्ट्र की आत्मा के भी दर्शन होते हैं। इसमें देश की जनता की आशाओं , आकांक्षाओं और जीवन लक्ष्यों की झाँकी परिलक्षित होती है। भारतीय संविधान में अतीत की महत्ता वर्तमान का संघर्ष और भविष्य की उज्ज्वलता का संकेत प्राप्त होता है, संविधान तो एक प्रकार का साधन है साध्य तो देश की स्वतन्त्रता, समानता और सुरक्षा को अक्षुण्य रखते हुये प्रत्येक देशवासियों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय प्रदान करना है। भारत गणराज्य का आदर्श और उद्देश्य किस प्रकार के राष्ट्र का निर्माण करता है , इसका निर्देशन संविधान की प्रस्तावना में किया गया है ।

भारतीय संविधान की धारा-15 के अनुसार "राज्य किसी भी नागरिक के साथ, जन्म, स्थान फर्म तथा लिंग के आधार पर भेद-भाव नहीं करेगा ।"

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 45 में प्राविधान है कि लोकतंत्र को सफल बनाने तथा उसकी सुरक्षा एवं जीवितता (सरवाइवल) के लिये सभी नागरिकों का शिक्षित होना अति आवश्यक है। लोकतन्त्र वह शासन पद्धति होती है जिसमें सर्वोच्च सत्ता शासन के हाथ होती है। अब लोकतंत्र के लिये सार्वजनिक मताधिकार का होना आवश्यक समझा जाता है और मताधिकार का समुचित प्रयोग करने के लिये मतदाता को कुछ न कुछ सामान्य शिक्षा देना परमावश्यक है ।

भारत वर्ष में आज भी पूरा समाज स्पष्ट रूप से दो भागों में विभाजित है। प्रथम 'उच्च वर्ग' तथा दूसरा 'निम्न वर्ग' । इस प्रकार हमारा पूरा भारत देश इन दो वर्गों में सिमट कर रह गया है। उच्च वर्ग के व्यक्तियों को प्रत्येक प्रकार की सुविधायें आर्थिक पक्ष मजबूत होने के कारण उपलब्ध है जबकि निम्न आय वर्ग को कदम कदम पर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता

है तथा "समान अधिकार" की सरकार द्वारा की गयी घोषणायें केवल सब्जबाग दिखाई पड़ती है। सबसे बडी खाईं तो स्वतन्त्र भारत में 'सवर्ण' और 'हरिजनों' के बीच आज भी है। हरिजन जिन्हें आज भी भारतीय समाज "अछूत" कहकर बुलाता है 'अछूत' शब्द के साथ एक लम्बा इतिहास जुड़ा हुआ है। महात्मा गाँधी के अथक प्रयास से इनकी स्थिति में काफी सुधार आया है तथा लोग तथा सरकार अब इन्हें 'हरिजन' कहकर पुकारते हैं । सरकारी नौकरियों में इनके स्थान आरक्षित किये जाने से इनके स्तर में भी काफी सुधार आया है। भारत सरकार तथा विभिन्न प्रदेशों की सरकारों द्वारा इनके जीवन स्तर तथा शैक्षिक स्तर सुधारने हेतु प्रत्येक प्रकार की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है तथा आज डाक्टर, इंजीनियर प्रशासक, वकील तथा शिक्षक सभी स्थानों पर इस वर्ग के लोग आसीन है परन्तु सरकार द्वारा इस वर्ग पर खर्च की जाने वाली धनराशि का समुचित तथा सही उपयोग हुआ है, हो रहा है, यह एक विचारणीय प्रश्न है । आज देश में पठन पाठन की समान सुविधायें संवर्ण और हरिजनों को समान रूप से प्राप्त है तथा एक ही कक्षा में एक ही अध्यापक द्वारा एक ही परिसर में दोनों वर्गो के छात्र अध्ययन कर रहे हैं, परन्तु फिर भी "हरिजन" वर्ग आज भी अपने को पिछड़ा हुआ समझ रहा है । हमारे देश को आजादी मिले लगभग 45 वर्ष गुजर चुके हैं परन्तु इस वर्ग के लोगों पर खर्च की जाने वाली भारी धनराशि का कोई उत्साहजनक परिणाम सामने नहीं आया है ।

किसी भी विद्यार्थी की स्कूल विषयों में सफलता उसके आन्तरिक गुणों पर निर्भर करती है। उसकी शैक्षिक उपलब्धि का सीधा सम्बन्ध बुद्धि तथा इससे सम्बन्धित कई तथ्यों से होता है । जिनमें कार्य के प्रति अभिवृत्ति , सीखने में रूचि स्मृति , अभिव्यक्ति, सीखने की आदत तथा पास पड़ोस का वातावरण मुख्य है । किसी भी अध्ययन में एक साथ इन सभी तथ्यों अथवा इससे कुछ अधिक तथ्यों का अध्ययन करना सम्भव नहीं है अतः प्रस्तुत शोध में अभिवृत्ति शैक्षिक उपलब्धि, स्मृति, बुद्धि तथा आकांक्षा स्तर को ही लिया गया है। स्कूल के कार्य में अनमनस्क रूप से भाग लेने के कारण छात्रों की उपलब्धि निराशाजनक रहती है इनके कारणों को भी ढूँढा गया है।

सरकारी तथा बहुत सी सामाजिक संस्थायें इस वर्ग को भर पूर आर्थिक सहयता दे रही है परन्तु इस वर्ग के लोगों द्वारा अभी तक जो प्रदर्शन किया गया है वह प्रशंसनीय नहीं कहा जा सकता । अतः शैक्षिक द्रृष्टि से यह समस्या अत्यन्त ज्वलन्त प्रतीत होने के कारण शोध हेतु निम्न समस्याओं का चयन किया गया।

" बुन्देल खण्ड सम्भाग में अनुसूचित जाति के किशोर वर्ग विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का शैक्षिक निष्पत्ति, वुद्धि, स्मृति तथा आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध "

समस्या को मूर्तरूप से अध्ययन करने के उद्देश्य से लड़के तथा लड़कियों दोनों की (नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र) समान समान संख्या को लिया गया । प्रस्तुत शोध समस्या से जो परिणाम प्राप्त होगें वे निश्चित रूप से सरकार द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों की शिक्षा पर खर्च की जाने वाली धनराशि की उचित दिशा निश्चित करने में सफल होगें ।

शोध समस्या का परिभाषीकरण:-

अभिवृत्ति-

अभिवृत्ति मनुष्य के व्यवहार तथा व्यक्तिगत का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। अभिवृतित मनुष्य की संवेदात्मक, प्रेरणात्मक तथा अभिव्यक्तितात्मक भावनाओं का ऐसा समूह है जो व्यक्ति को सम्पूर्णता प्रदान करता है बिना इन आन्तरिक शक्तियों के मनुष्य मात्र पशुवत व्यवहार करता रहेगा और समाज में व्यक्ति के व्यक्तित्व शून्य हो जायेगा । अभिवृत्ति की क्षमता को यद्यपि मनुष्य के अनुवांशिक गुण किसी न रूप अवश्य प्रभावित करते हैं परन्तु विशेष रूप से अभिवृत्ति क्षमता का विकास मनुष्य उस समूह के लोगों से सीखकर करता है जिनसे वह किसी न किसी रूप में भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है। वास्तविकता में यह अभिवृत्ति मनुष्य के पूर्व अनुभव ही है जो दूसरों के समाने व्यक्त करता है तथा सामूहिक रूप से अभिव्यक्त होने पर उन्हें नवीन परिस्थितियों में प्रयोग में लाता है। अभिवृत्ति मनुष्य के व्यवहार को किसी भी वस्तु के प्रति उसके

दृष्टिकोण को निश्चितता और सुदृढ़ता प्रदान करने में सहायक होती है। इसके साथ ही यह मनुष्य की शैक्षिक एवं व्यावसायिक रूप से समायोजित तो करता ही है आपसी सम्बन्धों को सुदृढ़ करके लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है।

आलपोर्ट ने मनोविज्ञान तथा समाज शास्त्र में अभिवृत्ति के प्रारम्भिक इतिहास तथा के बारे में अपने विचार व्यक्त किये हैं । उन्होंने अभिवृत्ति (*Attitude*) शब्द की उत्पतित लैटिन शब्द *optus* से बतलायी जिसके सामान्य रूप से दो अर्थ है। प्रथम मनुष्य की मानसिक तैय्यारी की दशा *mental State of radiness* तथा दूसरा - मनुष्य की मानसिक क्षमता का इंजन *a Moter set*

थामस एवं जैनैनिको (1918) ने अपने अध्ययन में बताया कि अभिवृत्ति से तात्पर्य मनुष्य के केन्द्रीय मनोविज्ञान, से है। वर्तमान में अभिवृत्ति के उपरोक्त दोनों ही अर्थ प्रयोग में लाये जा रहे हैं । आलपोर्ट ने अभिवृत्ति को निम्न प्रकार परिभाषित किया है ।

" अभिवृत्ति मनुष्य की एक ऐसी दशा है जिसमें उसका मष्तिष्क तथा तंत्रिका तथा दोनों की पूर्ण तैय्यारी की अवस्था में होते हैं तथा जिसका प्रयोग वह अपने पूर्व अनुभवों के आधार पर किसी भी व्यक्ति अथवा वस्तु पर विभिन्न परिस्थितियों में करता है जो किसी न किसी रूप में उससे जुड़ी हुई है ।"

आलपोर्ट द्वारा लगभग 40 वर्ष लिखी गयी अभिवृत्ति की यह परिभाषा आज भी विल्कुल सटीक तथा तथ्यपरक है और ऐसा प्रतीत होता है जैसे किसी व्यक्ति ने अपने बालों को सुन्दरता प्रदान करने के उद्देश्य से अभी अभी कंघे से उसे सजीवता प्रदान की हो ।

बहुत से ऐसे परम्परागत लेखक भी है जिन्होंने अभिवृत्ति को परिभाषित करते समय प्रभाविकता, व्यवहारिकता तथा सामूहिक क्षमता तीनों तथ्यों पर बहुत ज्यादा जोर दिया है

प्रमुख रूप से अधिकतर कार्य अभिवृत्ति के सामूहिक तथा प्रभाविकता वाले क्षेत्रों में ही हुआ है। मनुष्य के व्यावहारिक अभिवृत्ति से सम्बन्धित शोध गिने चुने ही है।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य मे क्रैच तथा क्रूचफील्ड ने अभिवृत्ति के सम्बन्ध में निम्न परिभाषा दी है:-

"अभिवृत्ति मनुष्य का एक ऐसा तंत्र है जो धनात्मक तथा ऋणात्मक दोनों प्रकार के विकास संवेदात्मक भावनाओ तथा किसी सामाजिक लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु किये गये वाह्य एव आन्तरिक प्रयासों से सीधा जुड़ा हुआ है ।"

कुछ अन्य, लेखकों जिनमें से कैम्प वैल ‡1950‡, आसगुड इटस 1957, सरनाफ 1960, रोजनवर्ग तथा हावलैण्ड ‡1960‡ ने भी अभिवृत्ति के सम्बन्ध में कुछ ऐसी ही मिलती जुलती परिभाषायें दी है ।

नवीन अभिधारणा के सम्बन्ध में शॉ तथा ब्राइट के विचार कुछ इस प्रकार हैं:-

"अभिवृत्ति मनुष्य के पूर्णत:विकसितएं व प्रभावपूर्ण प्रतिक्रियाओं का आन्तरिक रूप से विकसित सापेक्षिक तंत्र है जो किसी भी सामाजिक वस्तु अथवा उसके समूह की विशेषताओं को समझाने में समर्थ है ।"

इस नवीन अभिधारणा को प्राय: स्वीकार किया जा रहा है । क्योंकि इससे अभिवृत्ति की नवीन विधियों तथा अभिवृत्ति को मापने में काफी सहायता मिल रही है । नवीन धारणा में अभिवृत्ति की कुछ प्रमुख विशेषतायें दृष्टिगोचर हुई है:-

1- अभिवृत्ति प्रमुखरूप से विकासात्मक तथ्यों पर आधारित है तथा यह प्रेरणात्मक व्यवहार का जनक है ।

2- अभिवृत्ति गुणवत्ता तथा क्षमता के अनुसार परिवर्तित होता रहता है तथा इसकी दिशा धनात्मकता की ओर से उदासीनता तथा ऋणात्मकता की ओर जाती है ।

3- यह तथ्य किसी सामाजिक लक्ष्य, घटना अथवा परिस्थिति के कारण ही प्रकाश में आते हैं तथा सीखने में सहायता प्रदान करते हैं इनमें मनुष्य की विचार शक्ति तथा तर्कशक्ति के परिवर्तन के साथ परिवर्तन होना स्वाभाविक है ।

4- अभिवृत्ति का विशेष सामाजिक स्वरूप होने के कारण इसका प्रभाव विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों में समान रूप से परिलक्षित होता है ।

5- अभिवृत्ति की क्षमता प्रत्येक व्यक्ति में अलग अलग होती है जो उनकी आपसी निकटता पर निर्भर करती है तथा इसका सीधा प्रभाव मनुष्य के केन्द्रीय तथा आस-पास के वातावरण पर पड़ता है ।

6- अभिवृत्ति सामान्यतः स्थायी होती है परन्तु केन्द्रीय अभिवृत्ति के तत्व बाहरी तत्वों से अधिक देर तक स्थायी रहते हैं ।

अनुसूचित जाति

अनुसूचित जाति का व्यक्ति कौन है ?

भारत के हिन्दू समाज में ऐसे व्यक्ति जो समाज के अन्तिम वर्ण से सम्बन्ध रखते हैं उन्हें "शूद्र" अथवा "अवर्ण" की श्रेणी में रक्खा गया है ऐसे व्यक्ति हजारों वर्षो से सामाजिक तथा आर्थिक दोनों ही दृष्टिकोणों से बहुत पिछड़े हुये है। ऐसे व्यक्तियों को जाति से बाहर का माना जाता है तथा उन्हें "अत्याज" की श्रेणी में रखते हैं । सामान्यतः उनको इस दृष्टि से बाहरी कहा जाता है कि उन्हें गॉव अथवा शहर की सीमा के बाहर रहने हेतु बाध्य है ।

उनके साथ कोई भी अन्य वर्ण सामाजिक समबन्ध नहीं रखता तथा इसीलिये उन्हें 'अछूत' की संज्ञा दी जाती है ।

कनार्टक में महाराजाओं के राज्य के समय ऐसी जातियों को होलिया, पेठिगा, वेदा, कोर्चा, कोरमा आदि नामों से पुकारा जाता था । वर्ष 1909 तक इन जातियों के लोगों को उनकी

जाति के आधार पर ही पुकारा जाता था परन्तु बाद में उन्हें एक नये नाम , "पंचमास" से पुकारा जाने लगा । बाद में इस वर्ग के लोगों को समाज का 'दलित वर्ग' कहा जाने लगा वर्ष 1932 में सरकार द्वारा अधिकारिक रूप से इन्हें 'अछूत' कहकर परिभाषित किया गया ।

डा0 भीमराव अम्बेदकर ने उपरोक्त शब्दों को जोरदार विरोध किया तथा उन्होंने इसके स्थान पर अनुसूचित जाति का हिन्दू *Protestant Hindu* शब्द प्रयोग करने का सुझाव दिया। अन्ततः साइमन कमीशन की सिफारिश के आधार पर 'अनुसूचित जाति' भारत सरकार द्वारा स्वीकृति कर दिया गया ।

1933 में गाँधी जी ने एक नये शब्द का प्रयोग इस जाति के लोगों हेतु प्रयोग करने हेतु सुझाव दिया तथा 'हरिजन' शब्द प्रचलन में आया । इस शब्द का , गुजराती , मराठी, हिन्दी तथा अन्य भाषाओं में अर्थ है, एक ऐसा बच्चा जिसके माता-पिता का कोई अता-पता न हो अर्थात ' दोगली सन्तान' । अतः 'हरिजन' शब्द को न केवल नापसन्द किया गया वरन् उसे अत्यंत घृणित कहते हुये अछूतों का जबरजस्त विरोध किया । डा0 भीमराव अम्बेदकर ने भी उपरोक्त कारणों से इसका घोर विरोध किया ।

उपरोक्त के परिणाम स्वरूप बम्बई विधान सभा में 'हरिजन' को प्रयोग में लाये जाने वाले बिल को लेकर न केवल जबरजस्त विरोध हुआ वरन् इसके खिलाफ प्रदर्शन भी हुआ । अन्ततः 'हरिजन' शब्द के स्थान पर वर्ष 1938 से 'अनुसूचित जाति' शब्द का प्रयोग किये जाने हेतु सरकार द्वारा विधिवत् घोषणा की गयी तबसे आज तक सरकारी तथा गैर सरकारी कार्यो में इसी शब्द का प्रयोग किया जा रहा है ।

'अनुसूचित जाति' से तात्पर्य उस जाति, वर्ग तथा उपजाति अथवा समूह से है जिनका निर्धारण भारत के राष्ट्रपति के द्वारा भारतीय संविधान की धारा 341 में इंगित किया गया है । भारत के राष्ट्रपति ने भारत के अन्य प्रदेशों की राज्य सरकारों को भी यह अधिकार प्रदान कर दिये कि

वह ऐसे लोगों की एक सूची तैयार कर सम्बन्धित राज्य के राज्यपाल से सलाह मशविरा करने के बाद निर्गत कर दें ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने आदेश जिसका पत्रांक 1442-26-818-57 दिनांक 6 मई 1957 है के द्वारा अनुसूचित जाति के विभिन्न वर्गो की सूची निम्नानुसार प्रकाशित कर दी - अगरिचा, वादी, वेधिक, बहेलिया, वैगा, वेतवार, बजरिया, बेड़िया, भॉट , पहला, भूइयर, कोरिया, चमार, डोमर, ढुलाव, धरनी धरिण, शोल डिबूइयां, हरी, हेर, लालबत्ती, मझवार, मंझानी, मुसहर, नट, परहिया, धोबी, धुनिया, जाटव, बाल्मीकी, बंगाली, वनमानुष , कंजड़ , कपाड़िया , करोल, खटिक, रावत, सलेरिया, आदि ।

सामान्य वर्ग

ऐसे सभी व्यक्तियों को जो संविधान की धारा पैरा 1:22 के अन्तर्गत नहीं रखे गये है उन्हें अनुसूचित जाति से उच्च वर्ग का माना गया है तथं सामान्य वर्ग में रक्खा गया है ।

शिक्षा -

शिक्षा शब्द लैटिन के 'एजूकेटर' शब्द से उत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ है 'शिक्षित करना ' शिक्षा का सीधे से अर्थ है बच्चों को शिक्षित करना अर्थात उद्देश्य पूर्ण एवं प्रभाव पूर्ण ढंग से बालक को समाज में सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराया जाना जिसमें व्यक्तिगत रूप से भी बालक को स्कूल अथवा कालेज में प्रभावपूर्ण ढ़ग से सामाजिक परिवेश में नियंत्रित करना शामिल है । शिक्षा, शिक्षण से अधिक वृहद तथा विस्तृत प्रक्रिया है। शिक्षण के अन्तर्गत शिक्षक के व्यक्तित्व का बालक का उतना प्रभाव नहीं पड़ता जितना कि शिक्षा विधि का लेकिन यदि 'शिक्षा' को सम्पूर्ण रूप से देखा जाये तो हम पायेगें कि इसमें मनुष्य का ज्ञान कौशल तथा तर्कशक्ति किसी भी व्यक्ति को न केवल मानसिक रूप से शब्दों का ज्ञान कराकर समाज में रहने के लिये तैयार

करती है वरन् बच्चे के व्यक्तित्व को पूर्णतः प्रभावित करती है अर्थात उसके आन्तरिक एवं बाह्य सभी प्रवृत्तियों को समुचित रूप से विकास की ओर अग्रसर करने में सहायक होती है ।

अतः शिक्षा एक ऐसे जान बूझी प्रक्रिया है जिसमें एक व्यक्ति का व्यक्तित्व इस उद्देश्य से दूसरे व्यकितत्व को प्रभावित करता है ताकि उसका सर्वांगीण विकास हो सके तथा उसके शरीर तथा मष्तिष्क का उपयोग समाज की भलाई के लिये किया जा सके ।

महात्मा गाँधी द्वारा शिक्षा की परिभाषा भारतीय आवश्यकताओं एवं उद्देश्यों के सन्दर्भ में वर्तमान समय में सर्वाधिक उपयुक्त प्रतीत होती है ।

"शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक और मनुष्य के शरीर , मन और आत्मा के उच्चतम विकास से है ।"

गाँधी जी के विचार से मनुष्य जीवन का अन्तिम उद्देश्य मुक्ति है। वे पहले शारीरिक, मानसिक , आर्थिक और राजनैतिक मुक्ति की बात करते थे और फिर आत्मिक मुक्ति की । यह कि कारण था कि वे शिक्षा द्वारा मुनष्य के शरीर, मन और आत्मा का उच्चतम विकास करना चाहते थे ।

शिक्षा के व्यापक अर्थ में हम सब एक दूसरे से कुछ न कुछ सीखते हैं इसीलिये हम सभी शिक्षार्थी और सभी शिक्षक है परन्तु उनके संकुचित अर्थ में कुछ विशेष व्यक्ति जो जान-बूझकर दूसरों को प्रभावित करते हैं और उनके आचार विचार में परिवर्तन करते हैं, शिक्षक कहे जाते हैं ।

किसी राष्ट्र की उन्नति विशेष रूप से शिक्षा पर ही निर्भर करती है । शिक्षा मनुष्य को सम्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक की कोटि में पहुँचाने में सहायक होती है परन्तु यह समाज विशेष की मान्यताओं एवं आकांक्षाओं पर निर्भर करती है । शिक्षा प्रक्रिया को निम्न शब्दों में व्यक्त करना सर्वाधिक उचित है :-

" शिक्षा किसी समाज में सदैव चलने वाली वह सोद्‌देश्य सामाजिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा मनुष्य की जन्य जात शक्तियों का विकास उसके ज्ञान एवं कला कौशल में वृद्धि तथा व्यवहार में किया जाता है और इस प्रकार उसे सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है । इसके द्वारा व्यक्ति एवं समाज दोनों निरन्तर विकास करते हैं ।"

अतः शिक्षा समाज में निरन्तर चलने वाली सोद्‌देश्य सामाजिक प्रक्रिया है जो सीखने और सिखाने वाले के बीच चलती रहती है ।

शैक्षिक उपलब्धता

विद्यालय का कार्य सफलता पूर्वक करने की योग्यता ही शैक्षिक उपलब्धता है विद्यालय में विषयों का ज्ञान प्राप्त करना एक लिखित प्रमाण है जो विद्यार्थी विषयक कार्य के बारे में सूचित करता है । प्राप्त ज्ञान एवं विकसित कौशल दैनिक, मासीय एवं वार्षिक परीक्षाओं में प्राप्त अंकों से ज्ञात हो जाता है कि विद्यार्थी किसी विशिष्ट विषय या विशिष्ट अध्याय का अध्ययन कैसे करेगें इसके लिए एक अध्यापक नई विधि प्रयोग करने का प्रयत्न करता है। शिक्षा का मौलिक प्रयोजन व्यवहार के परिवर्तन से सम्बन्धित है ।

कोई व्यक्ति सत्यता से कितना शिक्षित है यह न तो इसके अधीन है कि वह क्या जानता है न ही इसके कि उसने कितनी मात्रा में जानकारी उपार्जित की है लेकिन यह इस पर निर्भर करता है कि वह क्या करने योग्य है । योग्यता की माप करना बहुत कठिनाई से सम्भव है क्योंकि प्रथमतः ऐसी मापें असाध्य होती है क्योंकि इच्छित व्यवहार देर से दृष्टिगोचर होता है दूसरे प्राकृतिक व्यवहार श्रंखला निरीक्षक के लिए अप्राप्त होती है अथवा निरीक्षण द्वारा शीघ्रता से ध्यान पूर्वक इसका निरीक्षण नहीं हो पाता है ।

तीसरे निर्दिष्ट किये हुए व्यवहार या आचरण के लिए सामान्य अवसरों की विरलता होना ।

चौथे विभिन्न व्यक्तियों द्वारा प्राप्त व्यवहारों या आचरणों के नमूनों में तुलनात्मकता की कमी होना ।

पॉचवे यह प्रायः समय एवं व्यवसाय की दृष्टि से बहुत कीमती होता है और इस प्रकार यह प्रयोग में नहीं लाया जा सकता अर्थात यह असाध्य है यद्यपि अभी यह दूसरे प्राकर से सम्भव है और अन्ततोगत्वा बहुत से सैद्धान्तिक व्यवहार श्रंखलाओं की सापेक्षिक जटिलता और विश्लेषित करने की कठिनाइयां अथवा प्रेक्षण और अनुमापन में प्रथम करने की कठिनाइयां, ये सभी जटिलताएं अनुमापन के प्रासंगिक है ।

उपरोक्त कारणों से ज्ञान का सीधा अनुमापन करना असम्भव एवं असाध्य है इसलिए अध्यापक द्वारा विद्यार्थी की वस्तुस्थिति का मूल्यांकन विषय परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर करना ही एक बेहतर तरीका है ।

यौवन प्राप्तिः- शैशवावस्था एवं यौवनावस्था के बीच की अवधि के दौरान विकास एवं उसके ठीक रखने की प्रक्रिया को माध्यमिक या परिवर्तन की अवधि कहते हैं । मानव शास्त्र की रीति के अनुसार यौवन प्राप्ति की प्रक्रिया शिशु का वयस्क में रूपान्तरण है यौवन प्राप्त करने की अवस्था, उत्पन्न करने वाली क्रियाएं , जनन क्रियाओं का प्रारम्भ (भोर) कुछ में तीव्र गति से हाता है, कुछ में मन्दगति से होता है यह सभी इसी अवधि में परिलक्षित होते हैं । लौकिक रूप से लड़कों के लिए 13-17 वर्ष के बीच की उम्र तथा लड़कियों में 12-16 वर्ष के बीच की उम्र की अवधि में लिंग के आधार पर, जीवन क्रम के आधार पर, जलवायु, व्यक्तिगत रचना के आधार पर अन्तर उत्पन्न हो जाते हैं ।

पॉच से आठ वर्षो के उपरान्त यौवन प्राप्ति की अवधि समाप्त हो जाती है इस सामान्य विचार पर विभिन्न प्रकार से विभिन्न लेखकों द्वारा विचार किया गया जिसमें कुछ के विचार जीव विज्ञान से सम्बन्धित थे तथा कुछ के विचार संस्कृति से सम्बन्धित थे यौवल विकास के बृहद

क्षेत्र को निम्न प्रकार निर्दिष्ट किया जा सकता है- (1) शारीरिक वृद्धि (2) मानसिक वृद्धि सम्बन्धी परिवर्तन (3) (हम उम्र) बराबर के सम्बन्धों में परिवर्तन (4) कौतुक या उत्तेजना का परिवर्तन (5) मूल्यों या माहात्म्य में परिवर्तन (6) माता-पिता से सम्बन्धों में परिवर्तन (7) व्यवसायिकता का विकास ।

बुद्धि :-

बुद्धि की परिभाषाओं पर विचार करने से ज्ञात होता है कि इन परिभाषाओं में समानता नहीं है फिर भी इन परिभाषाओं से हमें यथार्थ परिभाषा प्राप्त होती है यह एक आदर्श विषय या घटना है इसके लक्षण एवं प्रकृति को समझना तो आसान है लेकिन इसको परिभाषित करना अत्यन्त कठिन है। यह व्यवहार अर्थात आचरण ही है जिसके द्वारा हम बुद्धि को माप सकते हैं 'बिनेट' जो कि बुद्धि परीक्षण के पिता थे उन्होंने प्रकाशित बुद्धि की परिभाषाओं में इसको कभी भी निर्दिष्ट नहीं किया इन्होंने स्मरण शक्ति एवं मन की कल्पना, निर्णय, सामान्य बुद्धि या स्वयं का ध्यान आदि पर बल दिया । बाद में 'बिनेट' सोचने अथवा समस्या हल करने सम्बन्धी क्रियाओं की तरफ लौटे जिसमें उन्होंने तीन पदों को प्रमाणित किया जो निम्न है - निर्देश या लक्ष्य, अनुकूलन और अपने गुण-दोषों की विवेचना । तत्पश्चात उन्होंने ज्ञान अर्थात समझ नामक चौथा पद जोड़ा ।

बुद्धि का मापन निम्न द्वारा किया जा सकता है - (1) कठिनता अथवा लक्ष्य पूरा कर सकना (2) कार्य प्रारम्भ कर सकना या प्रयत्न करना (3) कार्य करने की गति । कठिन कर्तव्य को पूरा करना ही बुद्धिमत्ता का परिचायक है ।

स्मरण शक्ति -

पूर्व अर्जित ज्ञान अर्थात पहले हमने क्या पढ़ा है इसको याद रखना ही स्मरण शक्ति है जो चार भिन्न रूपों के मिलने से बनती है जो निम्न है - (1) याद करना अथवा सीखना (2) धारण शक्ति (3) चिन्तन करना (पुनरावलोकन) (4) मान्यता ।

सीखे गये अनुभव हमारे मस्तिष्क में किसी न किसी रूप में धारण कर लिए जाते हैं यह धारण शक्ति मस्तिष्क स्वास्थ्य, रूचि, विचार या चिन्तन और तर्क शक्ति पर निर्भर करती है ।

एम.सी. दुगाल के अनुसार स्मरण शक्ति या याददास्त पूर्वकाल से सम्बन्धित होती है जो अनेक मानसिक क्रियाओं के पराधिकाराधीन है यह अन्य क्रिया कलापों की अपेक्षा अधिक स्पष्ट एवं मुख्य होती है ।

व्यक्ति जो पूर्व एवं वर्तमान अनुभवों के सम्बन्ध के बारे में सोचता है ' रॉस' के अनुसार स्मृति एक नया अनुभव है जिसका निर्धारण पूर्व अनुभवों की तैय्यारी से होता है पूर्व अनुभवों एवं उनकी तैयारी के बीच पाये जाने वाले सम्बन्धों पर स्पष्ट रूप से विचार किया जाता है ।

पुरानी अवधारणा के अनुसार स्मृति एक प्रकार की आन्तरिक शक्ति है जो याद रखने में सहायता करती है लेकिन यह अवधारणा बहुत समय पहले ही अमान्य घोषित कर दी गयी थी । स्मृति मुख्यतया इस पर आधारित है कि हमने क्या सीखा और कैसे सीखा यथा पदार्थ या वस्तु के पूर्व ज्ञान (प्रभुत्व) पर, पदार्थ की प्रकृति पर कि अर्थपूर्ण अथवा अर्थहीन, सीखने एवं स्मरण करते समय भावमय सम्बन्धता पर , व्यक्ति की रूचि एवं बुद्धि पर इत्यादि। इन खण्डों की अनुपस्थिति ही स्मृति को विस्मृति में बदलने के लिए उत्तरदायी हैं कप्पास्वामी के अनुसार विस्मृति के निम्नलिखित खण्ड (कारण) हैं -

(1) समय का चुपके से चला जाना

(2) नवीन क्रम

(3) कार्य निमित्त रूकावट

(4) बीती घटना पर कार्य करने में रूकावट

(5) अप्रिय पढ़ना या सीखना

परन्तु स्मृति या धारणा शक्ति को निम्नलिखित द्वारा विकसित किया जा सकता है-

(1) फिर से ताजा करना या पुनर्जीवित करना

(2) अत्यधिक सीखना या जानना

(3) अर्थ पूर्ण पदार्थ को पढ़ना, जानना

(4) पढ़ने या सीखने की सर्वोत्तम विधि का प्रयोग करना ।

स्मरण करने से पहले समय के चुपके से चले जाने एवं भूलने की मात्रा के बीच सम्बन्ध होता है याद करने या सीखने के तुरन्त बाद भूलने की गति अत्यधिक होती है स्मरण अर्थात दुबारा परीक्षण कई अन्तरालों पर आवश्यक है और भूलने की गति को मन्द करने के लिए निरन्तर पढ़े या सीखे गये पदार्थ को नये सन्दर्भ में प्रयोग करते रहना चाहिए।

अभिलाषा या लालसा स्तर :-

भविष्य में अपने कर्तव्यों अर्थात कार्यो का भली भाँति संचालन करना जिसके द्वारा हम विषय से भली-भाँति सुपरिचित होंगे अभिलाषा स्तर कहते हैं । विषय अपने बीते हुए कल के अनुभवों से भली-भाँति परिचित है और इन्हीं पूर्वकाल के अनुभवों के आधार पर वह कार्य को मात्रात्मक रूप में पूरा करने की आशा करता है शुरूआत में उसकी आकांक्षा बहुत उच्चकोटि की होगी, लेकिन जैसे-जैसे अपने कार्य से परिचित होता जात है उसकी कार्य करने की य: कार्य को पूरा करने की आकांक्षा कम होती जाती है ।

अभिलाषा निर्धारित की हुई प्रचण्ड इच्छा या मनोरथ को पूरा करना है पूर्वकाल के अनुभवों की क्षमता या ज्ञान के आधार पर भविष्य में कार्य सम्पादन की योग्यता तथा व्यक्ति को अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए प्रयत्न करना अभिलाषा के स्तर से सम्बद्ध है ।

इस विधि में अभिलाषा का स्तर न्यायपूर्वक अपने लक्ष्य के सन्निकट पहुँचने से अर्थात् किसी पूर्ण रूपेण अज्ञात वस्तु को जानना, सम्भावित सफलता के निकट होने आदि से सम्बन्धित

है व्यक्ति में निर्धारित उच्च कोटि के लक्ष्य को पूरा करने की आकांक्षा में ही उसकी सफलता का अवसर होता है । निम्न कोटि का लक्ष्य निर्धारण करने से सफलता प्राप्त नहीं हो पाती है नयी अज्ञात वस्तु, प्राप्त न हो सकने वाली वस्तु को प्राप्त कर लेने से हमें संतोष प्राप्त होता है ।

हम फैली हुई कठिनाइयों को सीमित कर दें जो किसी समय सफलता या असफलता की अनुभूति करा सकती है, यह एक सीमा है जिसमें कोई आत्मा से सम्बद्ध हो सकता है ।

आत्मा से सम्बद्धता का अर्थ है सफलता जो कि व्यक्ति को अपने कर्तव्य या कार्य में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है कर्तव्य में या कार्य में आत्मा का सम्बद्धता गर्वानुभूति कराती है सफल होने के लिए आत्मसम्मान कम होना चाहिए ।

अध्ययन या ज्ञानार्जन का प्रयोजन:-

(1) शिक्षा प्राप्ति अथवा शैक्षिक उपलब्धता एवं उसकी स्थिति के बीच सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना ।

(2) बुद्धि एवं उसकी अवस्था के सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना ।

(3) स्मृति एवं उसकी अवस्था के बीच सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना ।

(4) अभिलाषा का स्तर एवं अवस्था या स्थिति के मध्य सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना ।

(5) शैक्षिक उपलब्धता एवं बुद्धि के बीच सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना ।

(6) शैक्षिक उपलब्धता एवं स्मृति के मध्य सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना ।

(7) शैक्षिक उपलब्धता एवं अभिलाषा के स्तर के मध्य सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना।

(8) बुद्धि एवं स्मृति के बीच सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना ।

(9) बुद्धि एवं अभिलाषा स्तर के बीच सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना ।

(10) स्मृति एवं अभिलाषा स्तर के मध्य सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना ।

(11) शैक्षिक उपलब्धता एवं स्थिति के मध्य सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना ।

(12) बुद्धि एवं स्थिति के बीच सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना, जब किसी समय शैक्षिक उपलब्धता, स्मृति और अभिलाषा के स्तर के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया हो ।

(13) स्मृति एवं स्थिति के मध्य सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन जब किसी समय पर शैक्षिक उपलब्धता, बुद्धि एवं अभिलाषा स्तर आदि के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया हो ।

(14) अभिलाषा स्तर एवं स्थिति के बीच सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन जब किसी समय शैक्षिक उपलब्धता, बुद्धि और स्मृति के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया हो ।

(15) शैक्षिक उपलब्धता एवं बुद्धि के मध्य सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना, जब स्थिति, स्मृति और अभिलाषा स्तर के प्रभाव को आंशिक रूप से पृथक कर दिया गया हो ।

(16) शैक्षिक उपलब्धता एवं स्मृति के मध्य सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना, जब स्थिति , बुद्धि एवं अभिलाषा स्तर के प्रभाव को आंशिक रूप से पृथक कर दिये गये हों।

(17) अभिलाषा स्तर एवं शैक्षिक उपलब्धता के मध्य सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना, जब स्थिति, बुद्धि एवं स्मृति के प्रभाव को आंशिक रूप से पृथक कर दिया गया हो ।

(18) बुद्धि एवं स्मृति के मध्य सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना जब किसी समय स्थिति, शैक्षिक उपलब्धता एवं अभिलाषा स्तर के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया हो ।

§19§ बुद्धि एवं अभिलाषा स्तर के मध्य सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन जब किसी समय स्थिति , शैक्षिक उपलब्धता एवं स्मृति के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया हो ।

§20§ स्मृति एवं अभिलाषा स्तर के बीच सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन करना जब एक समय पर स्थिति, शैक्षिक उपलब्धता एवं बुद्धि के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया हो ।

§21§ ग्रामीण क्षेत्र के सुवर्ण लड़कों एवं हरिजन लड़कों की स्थिति के बीच असमानता का पता लगाना ।

§22§ ग्रामीण क्षेत्र की सुवर्ण लड़कियों एव हरिजन लड़कियों की स्थिति के मध्य असमानता का पता लगाना ।

§23§ शहरी क्षेत्र के सुवर्ण लड़कों एवं हरिजन लड़कों को स्थिति के मध्य असमानता का पता लगाना ।

§24§ शहरी क्षेत्र के सुवर्ण लड़कियों एवं हरिजन लड़कियों की स्थिति के मध्य असमानता का पता लगाना ।

§25§ हरिजन युवावर्ग एवं सुवर्ण के मध्य स्थिति के आधार पर असमानता का पता लगाना

§26§ ग्रामीण क्षेत्र के सुवर्ण लड़कों एवं हरिजन लड़कों की शैक्षिक उपलब्धता के मध्य समानता का पता लगाना ।

§27§ ग्रामीण क्षेत्र की सुवर्ण लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धता एवं हरिजन लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धता के मध्य असमानता का पता लगाना ।

§28§ शहरी क्षेत्र के सुवर्ण लड़कों एवं हरिजन लड़कों की शैक्षिक उपलब्धता के मध्य असमानता का पता लगाना ।

§29§ शहरी क्षेत्र की सुवर्ण लड़कियों एवं हरिजन लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धता के मध्य असमानता का पता लगाना

(30) हरिजन युवावर्ग एवं सवर्ण युवावर्ग की शैक्षिक उपलब्धता के मध्य असमानता का पता लगाना ।

(31) ग्रामीण क्षेत्र के हरिजन लड़कों एवं सवर्ण लड़कों की बुद्धि में असमानता का पता लगाना ।

(32) ग्रामीण क्षेत्र की हरिजन लड़कियों एवं सवर्ण लड़कियों की बुद्धि में असमानता का पता लगाना ।

(33) शहरी क्षेत्र के हरिजन लड़कों एवं सवर्ण लड़कों के बीच बुद्धि के आधार पर असमानता का पता लगाना।

(34) शहरी क्षेत्र की हरिजन एवं सवर्ण लड़कियों के बीच बुद्धि के आधार पर असमानता का पता लगाना ।

(35) हरिजन युवावर्ग एवं सुवर्ण युवावर्ग के मध्य बुद्धि के आधार पर असमानता का पता लगाना ।

(36) ग्रामीण क्षेत्र के हरिजन एवं सवर्ण लड़कों की स्मृति में असमानता का पता लगाना ।

(37) ग्रामीण क्षेत्र की हरिजन एवं स्वर्ण लड़कियों के मध्य स्मृति के आधार पर असमानता का पता लगाना ।

(38) शहरी क्षेत्र के हरिजन एवं सवर्ण लड़कों के बीच स्मृति के आधार पर असमानता का पता लगाना ।

(39) शहरी क्षेत्र की हरिजन एवं सवर्ण लड़कियों के बीच स्मृति में असमानता का पता लगाना ।

(40) स्मृति के आधार पर हरिजन युवावर्ग एवं सुवर्ण युवावर्ग के बीच असमानता का पता लगाना ।

(41) ग्रामीण क्षेत्र के हरिजन एवं सुवर्ण लड़कों के मध्य लालसा स्तर की असमानता का पता लगाना ।

(42) ग्रामीण क्षेत्र की हरिजन लड़कियों एवं सवर्ण लड़कियों के बीच अभिलाषा स्तर की सहायता का पता लगाना ।

(43) शहरी क्षेत्र की हरिजन एवं सवर्ण लड़कों में पायी जाने वाले अभिलाषा की असमानता का पता लगाना ।

(44) शहरी क्षेत्र की हरिजन एवं सवर्ण लड़कियों के बीच अभिलाषा के स्तर में असमानता का पता लगाना ।

(45) हरिजन एवं सुवर्ण युवावर्ग के बीच अभिलाषा के स्तर के आधार पर असमानता का पता लगाना ।

(46) स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धता के सम्बन्धों में यदि कोई असमानता लिंगीय कारणों से उत्पन्न हुई हो तो उसका निर्धारण करना ।

(47) लिंगीय कारणों से यदि कोई असमानता स्थिति एवं बुद्धि के सम्बन्धों के मध्य उत्पन्न हुई हो तो उसका निर्धारण करना ।

(48) स्थिति एवं स्मृति के सम्बन्धों में यदि कोई असमानता लैंगिक कारणों से उत्पन्न हुई हो तो उसका निर्धारण करना ।

(49) लैंगिक कारणों से यदि कोई असमानता स्थिति एवं अभिलाषा के स्तर के सम्बन्धों के मध्य उत्पन्न हुई हो तो उसका निर्धारण करना ।

(50) शैक्षिक उपलब्धता एवं बुद्धि के बीच यदि कोई असमानता लिंगीय कारण से उत्पन्न हुई हो तो उसका निर्धारण करना ।

(51) शैक्षिक उपलब्धता एवं स्मृति के सम्बन्धों के मध्य यदि कोई असमानता लिंगीय कारण से उत्पन्न हुई हो तो उसका निर्धारण करना ।

(52) शैक्षिक उपलब्धता एवं अभिलाषा के स्तर के सम्बन्धों के मध्य यदि कोई असमानता लिंगीय कारण से उत्पन्न हुई हो तो उसका निर्धारण करना ।

(53) शैक्षिक उपलब्धता एवं अभिलाषा स्तर के सम्बन्धों के मध्य यदि कोई असमानता लिंग के कारण उत्पन्न हुई हो तो उसका निर्धारण करना ।

(53) बुद्धि एवं स्मृति के सम्बन्धों के मध्य यदि कोई असमानता लिंगीय कारणों से उत्पन्न हुई हो तो उसका निर्धारण करना ।

(54) बुद्धि एवं अभिलाषा स्तर के सम्बन्धों के मध्य यदि कोई असमानता लिंगीय कारणों से उत्पन्न हुई हो तो उसका निर्धारण करना ।

(55) स्मृति एवं अभिलाषा स्तर के सम्बन्धों के मध्य यदि कोई असमानता लिंगीय कारण से उत्पन्न हो रही हो तो उसका निर्धारण करना ।

कल्पना :-

मोनरों के अनुसार 'एक कल्पना है एक अनुमान, एक सिद्धान्त अथवा एक प्रकार की व्याख्या या भाष्य जो प्रयोग रीति से आगे के अन्वेषण के लिए रोक ली गई हो क्योंकि ज्ञान के संगठन एवं अन्वेषण की दिशा में इसका मूल्य होता है । अन्वेषण के नीचे की समस्याओं के बारे में प्रयोग सम्बन्धी अनुमान एक कल्पना है।' माउली के विचार के अनुसार, 'यह एक स्वीकृत बात अथवा प्रतिशा है जिसकी प्रयोगात्मकता का परीक्षण इसके झंझटों के साथ प्रयोगसिद्ध प्रमाणों और पूर्वज्ञान के आधार पर किया जाता है।' कल्पना परिणाम के लिए ढाँचे का कार्य करती है वह प्रासंगिक निर्दिष्ट सिद्धान्तों को संग्रह करने और सम्भावित साधन के प्रकाश में इस निर्दिष्ट सिद्धान्त की व्याख्या करना सम्भव करती है ।

निष्फल आकृति या सादृष्य में निम्नलिखित विशिष्ट कल्पनाएं जिनका इस अध्ययन में परीक्षण किया जा चुका है :-

अ- **मुख्य कल्पना-**

1- स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धता के मध्य सम्बन्ध नहीं होता है ।

2- स्थिति एवं बुद्धि के मध्य सम्बन्ध नहीं होता है ।

3- स्थिति एवं स्मृति के मध्य सम्बन्ध नहीं होता है ।

4- स्थिति एवं अभिलाषा के स्तर के मध्य सम्बन्ध नहीं होता है ।

5- शैक्षिक उपलब्धता एवं बुद्धि के मध्य सम्बन्ध नहीं होता है ।

6- शैक्षिक उपलब्धता एवं स्मृति के मध्य सम्बन्ध नहीं होता है ।

7- शैक्षिक उपलब्धता एवं अभिलाषा के स्तर के मध्य सम्बन्ध नहीं होता है ।

8- स्मृति एवं बुद्धि के मध्य कोई सम्बन्ध नहीं होता है ।

9- अभिलाषा का स्तर एवं बुद्धि के बीच कोई सम्बन्ध नहीं होता है ।

10- बुद्धि एवं अभिलाषा के स्तर के बीच सम्बन्ध नहीं होता है ।

11- स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धता के मध्य सम्बन्ध नहीं होता है जब किसी समय पर बुद्धि, स्मृति और अभिलाषा स्तर के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया हो ।

12- स्थिति एवं बुद्धि के मध्य कोई सम्बन्ध नहीं होता है जब किसी समय पर शैक्षिक उपलब्धता, स्मृति एवं अभिलाषा स्तर के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया हो ।

13- स्थिति एवं स्मृति के मध्य सम्बन्ध नहीं होता है जब किसी समय पर शैक्षिक उपलब्धता, बुद्धि एवं अभिलाषा के स्तर के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया हो ।

14- स्थिति एवं अभिलाषा स्तर के बीच सम्बन्ध नहीं होता है जब किसी समय शैक्षिक उपलब्धता बुद्धि एवं स्मृति के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया है ।

15- शैक्षिक उपलब्धता एवं बुद्धि के बीच सम्बन्ध नहीं होता है जब स्थिति, बुद्धि एवं अभिलाषा के प्रभाव को आंशिक रूप से पृथक कर दिया गया है ।

16- शैक्षिक उपलब्धता एवं स्मृति के मध्य सम्बन्ध नहीं होता है जब स्थिति बुद्धि एवं अभिलाषा स्तर के प्रभाव को आंशिक रूप से पृथक कर दिया गया हो ।

17- शैक्षिक उपलब्धता एवं अभिलाषा स्तर के मध्य सम्बन्ध नहीं होता है जब स्थिति बुद्धि और स्मृति के प्रभाव को आंशिक रूप से पृथक कर दिया है ।

18- बुद्धि एवं स्मृति के मध्य कोई सम्बन्ध नहीं होता है जब किसी एक समय पर स्थिति शैक्षिक उपलब्धता और अभिलाषा स्तर के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया हो ।

19- बुद्धि एवं अभिलाषा स्तर के मध्य कोई सम्बन्ध नहीं होता है जब एक समय पर स्थिति, शैक्षिक उपलब्धता और स्मृति के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया हो।

20- स्मृति एवं अभिलाषा स्तर के मध्य सम्बन्ध नहीं होता जब किसी एक समय पर स्थिति शैक्षिक उपलब्धता एवं बुद्धि के प्रभाव को स्थिर कर दिया गया हो ।

ब- सहायक कल्पना:-

21- ग्रामीण क्षेत्र के हरिजन एवं सुवर्ण लड़कों की स्थिति के मध्य भेद नहीं होता है ।

22- ग्रामीण क्षेत्र की हरिजन एवं सुवर्ण लड़कियों की स्थिति के मध्य भेद नहीं होता है ।

23- शहरी क्षेत्र के हरिजन एवं सुवर्ण लड़कों की स्थिति के मध्य असमानता नहीं होती है ।

24- शहरी क्षेत्र की हरिजन एवं सुवर्ण लड़कियों की स्थिति के मध्य असमानता नहीं होती है ।

25- हरिजन एवं सुवर्ण जाति के युवावर्ग की स्थिति के मध्य असमानता नहीं होती है ।

26- ग्रामीण क्षेत्र के हरिजन एवं सुवर्ण लड़कों की शैक्षिक उपलब्धता के मध्य असमानता नहीं होती है ।

27- ग्रामीण क्षेत्र की हरिजन एवं सुवर्ण लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धता के मध्य असमानता नहीं होती है ।

28- शहरी क्षेत्र के हरिजन एवं मवर्ण लड़कों की शैक्षिक उपलब्धता के मध्य असमानता नहीं होती है ।

29- शहरी क्षेत्र की हरिजन एवं सवर्ण लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धता के मध्य असमानता नहीं होती है ।

30- हरिजन एवं स्वर्ण जाति के युवावर्ग में शैक्षिक उपलब्धता के आधार पर असमानता नहीं होती है ।

31- ग्रामीण क्षेत्र के हरिजन एवं सवर्ण जाति के लड़कों की बुद्धि में असमानता नहीं होती है ।

32- ग्रामीण क्षेत्र की हरिजन एवं स़वर्ण लड़कियों की बुद्धि में असमानता नहीं होती है ।

33- शहरी क्षेत्र के हरिजन एवं स़वर्ण लड़कों की बुद्धि के मध्य असमानता नहीं होती है।

34- शहरी क्षेत्र की हरिजन एवं स़वर्ण लड़कियों की बुद्धि के मध्य असमानता नहीं होती है।

35- हरिजन एवं सवर्ण जाति के युवावर्ग की बुद्धि के मध्य असमानता नहीं होती है ।

36- ग्रामीण क्षेत्र के हरिजन एवं सवर्ण जाति के लड़कों की स्मृति के मध्य असमानता नहीं होती है ।

37- ग्रामीण क्षेत्र की हरिजन एवं सवर्ण लड़कियों की स्मृति के मध्य असमानता नहीं होती है ।

38- शहरी क्षेत्र के हरिजन एवं सवर्ण लड़कों की स्मृति के मध्य असमानता नहीं होती है ।

39- शहरी क्षेत्र की हरिजन एवं सवर्ण लड़कियों की स्मृति के मध्य असमानता नहीं होती है।

40- हरिजन एवं सुवर्ण जाति के युवावर्ग के मध्य स्मृति के आधार पर अन्तर नही होता है।

41- ग्रामीण क्षेत्र के हरिजन एवं सवर्ण लड़कों की अभिलाषा स्तर के मध्य असमानता नहीं होती है ।

42- ग्रामीण क्षेत्र की हरिजन एवं सवर्ण जाति की लड़कियों की अभिलाषा स्तर के मध्य

असमानता नहीं होती है ।

43- शहरी क्षेत्र के हरिजन एवं सुवर्ण लड़कों की अभिलाषा स्तर के मध्य असमानता नहीं होती है ।

44- शहरी क्षेत्र की हरिजन एवं सुवर्ण जाति की लड़कियों की अभिलाषा स्तर के मध्य असमानता नहीं होती है ।

45- हरिजन एवं सुवर्ण जाति के युवावर्ग के मध्य अभिलाषा स्तर के आधार पर कोई असमानता नहीं होती है ।

46- स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धता के सम्बन्धों के मध्य लिंगीय कारण से कोई असमानता उत्पन्न नहीं होती है ।

47- स्थिति एवं बुद्धि के सम्बन्धों के मध्य लिंगीय आधार पर कोई असमानता उत्पन्न नहीं होती है ।

48- स्थिति एवं स्मृति के सम्बन्धों के मध्य कोई असमानता लिंगीय कारण से उत्पन्न नहीं होती है ।

49- स्थिति एवं अभिलाषा स्तर के सम्बन्धों के मध्य लिंगीय कारण से कोई असमानता उत्पन्न नहीं होती है ।

50- शैक्षिक उपलब्धता एवं बुद्धि के सम्बन्धों के मध्य कोई असमानता लिंगीय कारणों से उत्पन्न नहीं होती है ।

52- शैक्षिक उपलब्धता एवं स्मृति के सम्बन्धों के मध्य कोई असमानता लिंगीय कारणो से उत्पन्न नहीं होती है ।

53- बुद्धि एवं स्मृति के सम्बन्धों के मध्य लैंगिक कारण से कोई असमानता उत्पन्न नहीं होती है ।

54- बुद्धि एवं अभिलाषा स्तर के सम्बन्धों के मध्य लैंगिक कारण से कोई असमानता उत्पन्न नहीं होती है ।

55- स्मृति एवं अभिलाषा स्तर के सम्बन्धों के मध्य कोई असमानता लैंगिक कारणों से उत्पन्न नहीं होती है ।

पी एच0डी0 (डाक्टरी) उपाधि के लिए उपस्थित किए गये स्वतन्त्र निबन्ध की कल्पना :-

प्रस्तुत निबन्ध को सात अध्यायों में विभक्त किया गया है-

प्रथम अध्याय प्रस्तावना में, समस्या की आवश्यकता एवं महत्व, सम्बन्द्ध शब्दों की परिभाषा, अध्ययन का प्रयोजन, कल्पनाओं की रचना आदि को रखा गया है ।

द्वितीय अध्याय में सम्बन्धित साहित्य का पुनरीक्षण जो कि भारत तथा अन्य देशों में किये गये अध्ययन पर आधारित है जिसका अनुसरण प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्षो के आधार पर किया गया है ।

तृतीय अध्याय में अन्वेषण की विधियों का अध्ययन, अन्वेषण की विधि जैसे- ऐतिहासिक, प्रयोगात्मक और संक्षिप्त वर्णनात्मक आदि इसके अतिरिक्त स्थिति स्तर का निर्माण, स्मृति परीक्षण का निर्माण, बुद्धि परीक्षण का वर्णन एवं अभिलाषा स्तर परीक्षण भी सन्निहित किये गये हैं ।

चतुर्थ अध्याय निर्दिष्ट सिद्धान्तों को एकत्रित करने से सम्बन्धित है जिनमें बुन्देलखण्ड संभाग-के नगरीय/ग्रामीण क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं उच्च स्तर माध्यमिक विद्यालयों में पाये जाने वाले हरिजन एवं सवर्ण विद्यार्थियों की संख्या दी गयी है। विभिन्न परीक्षाओं के प्रशासन के बारे में भी विचार व्यक्त किये गये हैं ।

पंचम अध्याय अध्याय चार के अन्तर्गत एकत्रित निर्दिष्ट सिद्धान्तों और परस्पर सम्बन्धों के गुणक, भिन्न पारस्परिक सम्बन्धों, मत भेदों आदि के परिणामों का परिगणन सम्बन्धी विश्लेषण की व्याख्या की गई है इसके साथ ही परिणामों की व्याख्या पर भी विचार किया गया है ।

षष्टम अध्याय में कल्पनाओं का प्रमाणीकरण, उद्देश्य प्राप्ति सन्निहित है तथा अध्ययन पर आधारित अन्य निष्कर्षो को भी दिया गया है ।

अन्तिम अध्याय में प्रस्तुत स्वतन्त्र निबन्ध का सारांश, आगे के अध्ययन के लिए क्षेत्र, पुस्तक विद्या या ग्रन्थ सूची और परिशिष्ट आदि दिया गया है ।

द्वितीय अध्याय

द्वितीय अध्याय
****

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण:-

व्यवहारिक रूप में हम समस्त मानवीय ज्ञान को पुस्तकों एवं पुस्तकालय से प्राप्त कर सकते हैं । मनुष्य के अलावा जितने भी पशु है वे सभी अपनी वंश की नयी उत्पत्ति के साथ ही एक नया अध्याय प्रारम्भ करते हैं परन्तु अपने बीते हुये कल के अनुभवों, एवं ज्ञान का संकलन करता है तथा इस अर्जित पूर्व ज्ञान का संग्रहीत कर पुस्तकों एवं पुस्तकालयों में सुरक्षित कर देता है । जान वेस्ट[10]

सम्बन्धित साहित्य का महत्व:-

किसी भी शोध के मूल तक जाने के लिये सम्बन्धित विषय का सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त करना अत्यन्त आवश्यक है क्योंकि जब तक शोधकर्ता पुस्तकालयों एवं अन्य स्त्रोतो से सम्बन्धित शोध के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त नहीं कर लेता है तब तक उसका शोध अधूरा एवं अपरिपक्व ही रहेगा यद्यपि किसी भी विषय से सम्बन्धित साहित्य को एकत्र करना काफी समय लेता है परन्तु इससे अत्यन्तही फलदायक उपलब्धियां प्राप्त होती है क्योंकि शोधकर्ता के पास एकमात्र यही रास्ता है जिससे वह ज्ञात करता है कि उससे सम्बन्धित शोध के बारे में अन्य शोधकर्ता कहाॅं तक सफलता प्राप्त कर चुके हैं तथा उनका कितना लाभ समाज अथवा शिक्षा जगत को हुआ है ।

किसी भी विषय के लिये उससे सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण करते समय निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखना अत्यन्त आवश्यक है :-

1- किसी भी शोध से सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण करने पर यह जानकारी हो जाती है कि इससे पूर्व इस समस्या को हल तो नहीं किया जा चुका है अथवा जिस क्षेत्र में इसे प्रयोग में लाया गया है वह अन्य क्षेत्रों से किस प्रकार भिन्न है, इस प्रकार किसी शोध

समस्या की पुनरावृत्ति नहीं हो पाती हे ।

2- किसी भी साहित्य का अत्यन्त करने पर नये विचारों परिकल्पनों तथा महत्वपूर्ण सिद्धान्तों एवं सूत्रों की जानकारी प्राप्त हो जाती है जो शोध समस्या के हल करने में सहायक होती है।

3- इससे शोध हेतु उपयुक्त विधि का चयन करने में सहायता प्राप्त होती है ।

4- इससे पूर्व में किये गये शोध में प्रयुक्त आंकड़ों से वर्तमान शोध के आँकड़ों में तुलनात्मक रूप से अध्ययन करने में सुविधा हो जाती है ।

5- इससे शोधकर्ता को अपने शोधकार्य को आगे बढ़ाने में काफी प्रोत्साहन प्राप्त होता है।

उपरोक्त सभी उद्देश्यों को ध्यान में रखकर शोधकर्ता ने प्रस्तुत शोध हेतु सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण किया जिनमें कुछ प्रमुख शोध निम्न है ।

भारत वर्ष में किये गये शोधों पर एक दृष्टिः-

(1) कुलश्रेष्ठ, एस0के0[30] (1956) "ए स्टडी ऑफ इन्टेलीजेन्ट एण्ड एकोलिस्टिक एटेन्मैन्टस् ऑफ क्लास x एण्ड 1x क्लास स्टूडेन्टस इन यू.पी. "

उद्देश्य :- बुद्धि का मापन तथा तथा ग्रामीण एवं नगरीय जनता पर इस का प्रभाव ।

न्यादर्श :- कक्षा 10 तथा कक्षा 11 के 1520 विद्यार्थी तथा 22 स्कूल और इण्टर कालेज।

उपकरण- बुद्धि परीक्षण- (ग्रुप परीक्षण- नॉन बरवल), जलौटा ग्रुप टैस्ट (सामान्य बुद्धि परीक्षण)

उपलब्धिः- सामान्यतः बुद्धि परीक्षण से प्राप्त अंक विषयों में प्राप्त अंकों से प्राप्त अंकों का सह सम्बन्ध बहुत कम था । कुछ विषयों में प्राप्त अंक तथा सामान्य बुद्धि परीक्षण में प्राप्त अंकों में आपसी सह सम्बन्ध इतना अधिक कम था कि उनका कोई (प्रिडिट्यू) मूल्य नहीं था ।

(2) पटेल0 के0[52] (1967)

' सर्वे ऑफ लैग्बैज एचीवमेन्ट, रिजनिंग ऐबेलिटी एण्ड मेमोरी इन रिलेशन टू एकेडेमिक एचीवमेन्ट एमन्ग हाईस्कूल प्यूपिल्स एन्टेन्डिग इंगलिश मीडियम स्कूल्स इन एण्ड राउन्ट कलकत्ता "

उद्देश्य: -

(1) स्मृति, भाषा पर प्रभाव तथा तर्कशक्ति को प्रभावित करने वाले तत्वों के बारे में जानकारी प्राप्त करना ।

(2) स्मृति के कारकों तथा भाषाई कारकों के बीच सम्बन्ध ज्ञात करना ।

(3) विद्यालय की उपलब्धता में भाषा, कारकों तथा स्मृति के प्रभाव तथा उनकी उपलब्धि का अध्ययन करना ।

न्यादर्श :-

367 बालक, 198 बालिकायें जो कक्षा 10 में अध्ययनरत थी तथा 18 अंग्रेजी माध्यम से शिक्षण करने वाले विद्यालय।

उपकरण :-

भाषाई उपलब्धि ज्ञात करने हेतु 1960 'पुनरावलोकन सहयोगी अंग्रेजी परीक्षण का फार्म 2 बी' भारतीय संख्यकी संस्थान द्वारा प्रकाशित 'फेक्टोरियल' तार्किक परीक्षण का प्रयोग स्मृति के कारकों को जानने हेतु किया गया। वेसलर स्मृति परीक्षण का फार्म 'टी' का प्रयोग स्मृति के मापन हेतु किया गया ।

1- बालक एवं बालिकाओं दोनों की स्मृति तथा मौखिक तार्किक को पूरे विद्यालय की उपलब्धता के परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन किया गया ।

2- अंग्रेजी विषय में बालक एवं बालिकाओं का स्मृति तथा मौखिक तार्किक को पारस्परिक सहयोग का अध्ययन करने हेतु 'सामूहिक अंग्रेजी परीक्षण' का प्रयोग किया गया ।

(3) ओझा, आर0एस0[47] (1968), "स्टीट्यूट ऑफ कालेज स्टूडेन्ट्स टूव्डर्स सरटेन सोशल प्राब्लस"

उद्देश्य :-

1- महाविद्यालयी छात्रों का शिक्षा के प्रति आपस में उल्लेखनीय अन्तर के बारे में जानकारी प्राप्त करना ।

2- विश्वविद्यालय स्तर पर पढ़ाये जाने विषयों के बारे में अभिभावकों के उल्लेखनीय व्यवहार तथा दृष्टिकोण का अध्ययन करना ।

न्यायदर्श:-

बिहार विश्व विद्यालय से सम्बद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 200 महाविद्यालीय विद्यार्थियों को (छात्र एवं छात्राओं) चुना गया जिनकी उम्र 18 से 25 वर्ष के बीच थी ।

उपकरण:-

लिकर्ट समान पंच पदीय (फाइव प्वाइन्ट) स्केल का निर्माण किया । विद्यार्थियों आर्थिक एवं शैक्षिक स्तर की मापन हेतु भी एक विवरणी तैयार की गयी ।

परिणाम:-

महाविद्यालीय विद्यार्थियों का कालेज स्तर की शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पाया गया ।

(4) चन्द्रशेखर[15] के (1969):- एजूकेशनल प्रोब्लस ऑफ स्डूल कास्ट्स"

उद्देश्य -

(1) मैसूर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निवास करने वाले अनुसूचित जाति के लोगों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन ।

(2) स्कूलों में सहभागिता तथा प्रदर्शन किस प्रकार अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को शैक्षिक वातावरण, माता-पिता के दृष्टिकोण और जाति वर्ग से प्रभावित करता है।

(3) ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की सामान्य दशा में परस्पर कोई विभेदीकरण पाया जाता है या नहीं ।

न्यादर्श:-

कुल न्यादर्श 3079 घारवार से चयनित किया गया तथा 820 तीन गाँवों से चयनित किये गये ।

निष्कर्ष:-

शोध ग्रन्थ से निम्न दो विन्दुओं पर निष्कर्ष निकाला गया ।

1- विद्यालय में सहभागिता

2- विद्यालय में प्रदर्शन (प्रफार्मेन्स)

(5) रस्तोगी, के0जी0 (1969), "ए स्टडी ऑफ दि रिलेशन विटविन इन्टेलीजेन्स, इन्ट्रस्ट एण्ड एचीवमेन्ट ऑफ दि हाई स्कूल स्टूडेन्स "

उद्देश्य:-

हाईस्कूल कक्षाओं में विज्ञान तथा अंग्रेजी पढ़ने वाले छात्रों की बुद्धि, रूचि एवं उपलब्धि में पारस्परिक सम्बन्ध का अध्ययन करना ।

न्यादर्श:-

1- कक्षा 10 के ऐसे 1600 विद्यार्थियों का चयन 16 विद्यालयों से किया गया जिनकी रूचि अंग्रेजी पढ़ने में थी ।

2- ऐसे ही 1626 विज्ञान के विद्यार्थियों का चयन उपरोक्त विद्यालयों एवं कक्षाओं से किया गया।

3- पारस्परिक सम्बन्ध ज्ञात करने हेतु 560 विद्यार्थियों का चयन किया गया ।

विधि:-

1- बुद्धि मापन हेतु जलोटा सामान्य बुद्धि परीक्षण का प्रयोग किया गया ।

2- उपलब्धि परीक्षण हेतु यू0पी0 बोर्ड की परीक्षाओं के ऑकड़े लिये गये ।

निष्कर्ष:-

1- विज्ञान विषय के छात्रों में बुद्धि एवं उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया ।

2- अंग्रेजी तथा विज्ञान दोनों ही विषयों के छात्रों में बुद्धि एवं रूचि में लगभग एक ही सह म्बन्ध पाया गया ।

3- बुद्धि एवं रूचि में पारस्परिक सम्बन्ध अधिक पाया गया जबकि उपलब्धि के बीच इन का पारस्परिक सम्बन्ध कम था ।

(6) पाण्डे, आर0एन0[49] (1970) "डिफरेन्श इन मेन्टल एवेलिटी एमन्ग सोशल क्लासेस"

उद्देश्य:-

शोधकर्ता पूर्वी उ0प्र0 में पाये जाने वाले पॉच वर्गो, सामाजिक वर्ग, उच्च मध्य सामाजिक वर्ग, निम्न मध्य सामाजिक वर्ग, उच्च निम्न सामाजिक वर्ग तथा निम्न सामाजिक वर्ग के सामान्य मानसिक दक्षत: परीक्षण पर आधारित था ।

न्यादर्श:-

800 ऐसे छात्रों का चयन किया गया जो कक्षा 8 से लेकर स्नातक स्तर की कक्षाओं से पूर्व की कक्षाओं में अध्ययन कर रहे थे ।

उपकरण:-

सामाजिक वर्गो के मूल्यांकन हेतु शोधकर्ता द्वारा एक मापनी का निर्माण किया गया तथा

जलोटा सामूहिक मानसिक दक्षता मापनी का प्रयोग किया गया ।

निष्कर्ष:-

1- प्रत्येक वर्ग, अन्य वर्गो की मानसिक दक्षता में प्राप्त अंकों से भिन्न पाया गया ।

2- उच्च सामाजिक वर्ग के छात्रों ने विभिन्न मानसिक दक्षता परीक्षण में अन्य वर्गो की अपेक्षा अधिक अच्छे अंक प्राप्त किये ।

3- उक्त एवं शिक्षा के अनुसार विभिन्न वर्गो के विद्यार्थियों में सामान्य मानसिक दक्षता में आपस में बहुत कम अन्तर पाया गया ।

(7) राजकीय शिक्षा महाविद्यालय जबलपुर[23] (1971) "ए स्टडी ऑफ स्टूडेन्स स्टीच्यूट टूर्डस टीचर्स विद् डायरेक्ट एण्ड इनडायरेक्ट एन्फ्लूऐन्श इन जबलपुर"

उददेश्य :-

1- इस शोधकार्य का उद्देश्य यह ज्ञात करना था कि क्या छात्र ऐसे अध्यापकों को पसन्द करते हैं जो अप्रत्यक्ष रूप से इन्हें प्रभावित करते हैं ।

2- क्या छात्र ऐसे अध्यापकों को नापसन्द करते हैं, जो प्रत्यक्ष रूप से उन्हें प्रभावित करते हैं।

न्यादर्श:-

ऐसे 78 अध्यापकों/अध्यापिकाओं को न्यादर्श हेतु चुना गया जो प्रशिक्षित तथा अप्रशिक्षित दोनों में तथा विज्ञान, भाषा एवं सामाजिक विज्ञान आदि विषयों का शिक्षण कर रहे थे । इस बात का विशेष ध्यान रक्खा गया था कि यह सभी अध्यापक/अध्यापिकायें कम से कम तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव अवश्य रखते है । यह शिक्षक 17 छात्र एवं छात्राओं का प्रतिनिधित्व करते थे जो विभिन्न प्रकार की शिक्षण संस्थाओं जैसे राजकीय, अर्द्ध राजकीय तथा निजी शैक्षिक संस्थाओं द्वारा संचालित थे।

उपकरण:-

1- विद्यार्थियों की अभिवृत्ति मापन हेतु एक प्रश्नावली का निर्माण किया गया ।

2- अध्यापकों के प्रभाव को नापने हेतु 10×10 मैट्रिस तथा एक मास्टर मैट्रिस का निर्माण कया गया था ।

निष्कर्ष:-

1- सामान्य रूप से यह पाया गया कि विद्यार्थी ने ऐसे शिक्षकों को ज्यादा पसन्द किया जो अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते थे ।

2- एसे शिक्षकों सामान्यतः नापसन्द किया गया जो प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते थे ।

(8) मुथया, वी.सी.[49] (1972) :- "स्टीट्यूट यू चिल्ड्रन्स एजूकेशन एन ओप्नीयन एलालिसिस ऑफ विलेजर्स इन ए डिपलेपमेन्टल ब्लाक इन हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट"

उद्देश्य :-

शोधकर्ता द्वारा यह शोध ग्रामीण लोगों का छोटे बच्चों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति जानने हेतु किया गया ।

न्यादर्श:-

कुल 342 लोगों को चुना गया जिनमें 42 लोग निम्न आय वर्ग , 251 मध्यम आय वर्ग तथा 49 लोग उच्च आय वर्ग से चुने गये थे ।

कुल उत्तरदाता 684 थे जिनमें 342 पुरूष तथा 342 महिलायें थी। उत्तरदाताओं की आयु सामान्यतः 31-50 वर्ष के बीच थी ।

विधि:-

अध्ययनरत् विद्यार्थियों के अभिभावकों की प्रतिक्रिया की व्याख्या हेतु छः प्रश्नों का

चयन किया गया । प्रश्नों का उत्तर हाँ/नहीं के आधार पर रिकार्ड किया गया । ऑकड़ों के विभेदीकरण हेतु प्रतिशत, काई स्वैक्यर आदि की गणना की गयी ।

निष्कर्ष:- शोध कार्य की पूर्णता पर निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुये :-

1- ऐसे 53.7% व्यक्ति थे जो बच्चों को 5 वर्ष की उम्र में विद्यालय भेजे जाने पर सहमत थे जिनमें 61.18% पुरूष तथा 46.2% महिलायें थी ।

2- 66.18% उत्तरदाता ऐसे थे जिनकी दृष्टि में उन्हीं बच्चों को शिक्षा दी जानी चाहिये जिनके माता-पिता धनवान है । इस दृष्टिकोण में पुरूष तथा महिला दोनों ही बड़ी संख्या में शामिल थे परन्तु स्त्रियों का प्रतिशत 72.2 था जो पुरूषों से अधिक था ।

3- पुरूष एवं महिला दोनों ही उत्तरदाता इस बात पर सहमत थे कि महिलाओं की शिक्षा पर खर्च की जाने वाली धनराशि व्यर्थ नहीं जाती। इस प्रश्न के पक्ष में 64.3% उत्तरदाता थे जिसमें 35.1% महिलायें तथा शेष पुरूष थे ।

4- एक बडी संख्या में उत्तरदाता इस बात पर सहमत थे कि इतनी उच्च शिक्षा महिलाओं को नहीं दी जानी चाहिये जितनी कि पुरूषों को दी जाती है। यद्यपि इस के पक्ष में स्त्री और पुरूष दोनों ही मतदाता शामिल थे परन्तु स्त्रियों का प्रतिशत 59% तथा पुरूषों का 52.4% था जबकि दोनों का सम्मिलित प्रतिशत 55.8 था ।

5- 49.8% उत्तरदाता इस पक्ष में थे कि महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में हेय दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिये ।

6- ऐसे मत व्यक्त करने वाले लोगों की संख्या अत्यधिक अर्थात् 65.2% थी जो बालिकाओं के यौवनावस्था में प्रवेश करने के बाद स्कूल न भेजे जाने के पक्ष में थे क्योंकि इस स्थिति में विवाह होने की सम्भावना अधिक है ।

7- ऐसे महिला उत्तरदाताओं की संख्या लगभग 74% थी जो इस बात से सहमत थी कि परिपक्व होने के बाद किसी भी दशा में बालिका को विद्यालय न भेजा जाये। इस मत

के पक्ष में लगभग 69.3% पुरूष थे जबकि कुल प्रतिशत 71.6 था ।

(9) रथ एवं दस[61] (1972):- के द्वारा, "इन्टेक्चूअल एण्ड अदर कागनिटिव मेनी फैस्टेशन ऑफ थ्री ग्रुप्स ऑफ चिल्ड्रेन इन उड़ीसा विलोंग्निंग टू थ्री कास्टस, ट्राइन्स चिल्ड्रेन" रीडिंग टू गैदर इन दि सेम क्लास ।"

निष्कर्ष:-

प्रस्तुत शोध में यह निष्कर्ष निकाला गया कि ब्राह्मण छात्रों ने सबसे अधिक अंक प्राप्त किये उसके बाद अनुसूचित जन जाति तथा सबसे कम अंक अनुसूचित जाति के छात्रों ने प्राप्त किये । सभी विषयों में इन छात्रों का प्रदर्शन अत्यन्त ही निम्न स्तर का रहा ।

(10) अतीशाह और समनाथन, एस[2] (1974):- " एजूकेशनल प्रोब्लम्स ऑफ स्टूडल्ड कास्ट एण्ड स्टूल्ड ट्राइव इन तमिलनाडू ।"

उद्देश्य :-

1- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की समस्याओं के प्रकार तथा उतनी अधिकता के बारे में विश्वसनीय एवं संगत पूर्ण जानकारी ज्ञात करना ।

2- सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को दी जाने वाली सहायता का उद्देश्यपूर्ण मूल्यांकन ।

3- ऐसे उपयुक्त सुझाव प्रस्तुत करना जो अच्छे हो तथा जल्दी अच्छे परिणाम दे सकते हो, का वर्तमान नीतियों के परिप्रेक्ष्य में जानकारी क्रियान्वित करने पर जोर देना ।

न्यादर्श:-

न्यादर्श के रूप में 1027 विद्यार्थियों का चयन 40 विद्यालयों से किया गया जिनमें से दो-दो विद्यालय, कालेज अनुसूचित जाति, जनजाति के जनपदों से लिये गये ।निम्न लिखित चार

विन्दुओं पर न्यादर्श विभाजित किया -

1- 232 अनुसूचित जाति के स्कूली विद्यार्थी, 69 सामान्य जाति के विद्यार्थी तथा 50 प्रधानाध्यापक एवं अध्यापक।

2- 187 अनुसूचित जाति के कालेज विद्यार्थी तथा 53 सामान्य जाति के विद्यार्थी, 70 प्रधानाचार्य एवं प्रवक्ता ।

3- 174 अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी तथा 51 सामान्य जाति के विद्यार्थी एवं 48 प्रधानाध्यापक एवं अध्यापक ।

4- 47 अनुसूचित जनजाति के कालेज विद्यार्थी तथा 16 सामान्य वर्ग के विद्यार्थी एवं 30 प्रधानाचार्य एवं प्रवक्ता।

स्कूली विद्यार्थियों का चयन कक्षा 9 तथा कक्षा 11 से तथा कालेज विद्यार्थी बी.ए./ बी.एस.सी./बी.काम द्वितीय तथा तृतीय वर्ष की कक्षाओं से चयनित किये गये ।

शोध विधि:-

ऑकड़ों का एकत्रीकरण , प्रश्नावली साक्षात्कार, राजकीय कार्यालयों के रिकार्ड से तथा स्थानीय स्तर के शिक्षा विभाग के कार्यालयों तथा स्कूलों के प्रधानाध्यापकों एवं कालेजों के प्रधानाचार्यो से प्राप्त की गयी ।

निष्कर्ष:-

1- अनुसूचित जाति के लोगों को साक्षात्कार 1971 में 26.00 थी जो वर्ष 1993 में

2- प्राथमिक स्तर पर अपका बहुत अधिक था परन्तु मिडिल स्तर पर अनुसूचित जाति के छात्र सामान्य स्तर के छात्रों से लगभग बराबर थे ।

3- अधिकांश विद्यार्थी ऐसे परिवारों से आये थे जो पढ़े लिखे नहीं थे तथा अधिक तंगी का जीवनयापन कर रहे थे । यह प्रतिशत क्रमशः 67.22 एवं 90.5 था । यह छात्र

केवल 3-4 घण्टे ही अध्ययन करते थे, किसी वाह्य क्रियाओं में भाग नहीं लेते थे तथा पाठ्यक्रम को समझने में कठिनाई महसूस करते थे।

4- 78.5% लोग ऐसे थे जो इस मत के समर्थन में थे कि अनुसूचित जाति के लोगों के स्तर में कोई सुधार नहीं हुआ है ।

5- अनुसूचित जाति की लड़कियां, अधिकतर कला वर्ग की विद्यार्थी थी तथा उन्हें शिक्षण में किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं होती थी ।

(11) बिन्दु, आर[12] ए (1974), "प्रोग्रेस ऑफ एजूकेशन ऑफ शिडूल्ड कास्ट्स इन उत्तर प्रदेश। "

लक्ष्य:-

1- अनुसूचित जाति के लोगों की साक्षरता एवं शिक्षा की प्रगति का अध्ययन विशेष रूप से स्वतन्त्रता के बाद गठित विभिन्न पंच वर्षीय योजनाओं में ।

2- अनुसूचित जाति एवं सामान्य वर्ग के लोगों के बीच शैक्षिक विकास की गति का तुलनात्मक अध्ययन ।

3- विभिन्न मंडलों एवं जिलों के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों का अलग अलग शैक्षिक विकास का अध्ययन ।

4- अनुसूचित जाति के लोगों के लिये सरकार द्वारा क्रियान्वित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का उनकी शिक्षा पर प्रभाव ।

शोध विधि:-

ऐतिहासिक एवं विवरणात्मक दोनों ही पद्धतियों का संयुक्त रूप से प्रयोग किया गया ।

ऑकड़ों का एकत्रीकरण:-

शोध हेतु ऑकड़ों का सकत्रीकरण सम्बन्धित कार्यालयों के अभिलेखों तथा सरकार द्वारा

प्रकाशित विभिन्न पत्र पत्रिकाओं से किया गया।

निष्कर्ष:- शोध से प्राप्त कुछ प्रमुख निष्कर्ष निम्न प्रकार थे -

1- उ0प्र0 के अनुसूचित जाति वाले साक्षर, लोगों का प्रतिशत अन्य राज्यों से बहुत कम था इस वर्ग की स्त्रियों की साक्षरता का प्रतिशत बहुत कम था ।

2- अनुसूचित जाति की कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च किये जाने वाली धनराशि उ0प्र0 में अन्य राज्यों की तुलना में बहुत कम थी ।

3- उ0प्र0 में निवास करने वाले अनुसूचित जाति के लोगों के मध्य सामान्य रूप से लोकप्रिय नहीं थी।

4- उ0मा0 स्तर की शिक्षार्थी अधिक लोकप्रिय नहीं थी।

5- माध्यमिक स्तर की शिक्षा हेतु अनुसूचित जाति के लोगों का नामांकन बहुत न्यून था तथा इस जाति की स्त्रियों का नामांकन तो लगभग नगण्य था ।

(12) पाण्डे; आर0पी0-1974 :-"ए स्टडी ऑफ ऐकेडिमिक एचीवमेन्ट ऑफ एडोलेस्टेन्ट स्टूडेन्स ऑफ रूरल एण्ड इन्डस्ट्रीयल एरियास इन रिलेशन टू देयर इन्ट्रोवर्ड- एक्ट्रोवर्ड एटीच्यूट्स एण्ड सरटेन अदर परसनलिटी

उद्देश्य:-

कला एवं विज्ञान दोनों वर्गो के किशोरों का प्रारम्भिक किशोरावस्था में व्यक्तित्व, औद्योगिक प्रष्ठभूमि एवं ग्रामीण स्तर मानसिक स्तर पर प्रमुख का अध्ययन ।

न्यादर्श:

तेरह से पन्द्रह वर्ष तथा सोलह से अठारह वर्ष की आयु के 800 विद्यार्थियों का चयन किया जायेगा ।

उपकरण:- शोध कार्य हेतु निम्न उपकरण प्रयोग में लाये गये ।

1- माडले व्यक्तित्व मापनी।

2- सामान्य बुद्धि परीक्षण का जलोटा परीक्षण।

3- आई. पी.ए टी. हाईस्कूल व्यक्तित्व सम्बन्धी प्रश्नावली।

निष्कर्ष:-

1- व्यक्तित्व के आधार पर उच्च उपलब्धि समूह तथा कम उपलब्धि समूह में काफी भिन्नता पायी गयी ।

2- कला वर्ग के विद्यार्थियों का बौद्धिक स्तर तथा भावनात्मक स्थिरता विज्ञान वर्ग के छात्रों की अपेक्षा अत्यन्त न्यून था ।

3- किशोर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि नगर और ग्रामीण क्षेत्र के अनुसार सह सम्बन्ध थी।

4- कला वर्ग में उच्च उपलब्धि वर्ग छात्रों की औद्योगिक पृष्ठभूमि उच्च शैक्षिक उपलब्धि हेतु अत्यधिक उपयुक्त पाया गया जबकि ग्रामीण पृष्ठ भूमि पिछड़ेपन का कारण मुख्य कारण रहा ।

{13} पिम्पर्ले, पी0एन0{1974{:- "प्रोब्लम्स ऑफ सिडूल्ड कास्ट स्टूडेन्ट्स इन पंजाब स्कूल स्टूडेन्ट्स।"

उद्देश्य:-

पंजाब में अनुसूचित जाति के लोगों का सामाजिक, आर्थिक स्तर की जानकारी करने हेतु शोधकर्ता इस शोध में काफी प्रयास किया । इस हेतु स्कूली गतिविधि, सामाजिक दूरी के प्रति उनका दृष्टिकोण, उन्हें प्राप्त सुविधाओं में उनकी राय जानकर यह जानने का प्रयास किया जायेगा कि

उन्हें शैक्षिक उपलब्धि में क्या क्या समस्यायें आती है ।

न्यादर्श-

पंजाब के 20 स्कूलों से 254 विद्यार्थियों का चयन किया गया ।

शोध विधि:-

प्रश्नावली एवं साक्षात्कार द्वारा ऑकड़ों का एकत्रीकरण किया ~~जाये।~~ गया ।

निष्कर्ष:-

1- अनुसूचित जाति के छात्रों द्वारा कक्षाओं में उपस्थित होकर अपनी जिज्ञासा तथा उत्सुकता प्रदर्शित करने के साथ-साथ अधिक से अधिक समय अध्ययन हेतु दिया गया । इच्छी नौकरी हेतु उनकी आकांक्षा भी तीव्र थी परन्तु अध्ययन को बीच में छोड़ने वाले छात्रों का प्रतिशत अत्यन्त अधिक था ।

2- इन छात्रों का शैक्षिक स्तर उनके अध्यापकों की आकांक्षा से कम पाया गया ।

3- पाठ्य सहगामी क्रियाओं में उनका योगदान अत्यन्त न्यून था ।

4- जातिगत स्तर किसी भी प्रकार अन्य विद्यार्थियों से सम्बन्ध स्थापित करने में आड़े नहीं आया ।

5- इस जाति के छात्रों ने यह अनुभव किया कि , आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक स्तर का अत्यधिक महत्व है और उनका प्रभाव किसी भी नौकरी पर पड़ता है ।

6- लगभग 60% विद्यार्थियों ने यह अनुभव किया कि उनकी दशा में काफी सुधार हुआ है परन्तु उनका स्तर अन्य वर्गो की अपेक्षा अभी भी निम्न है ।

7- इस वर्ग के छात्रों से अधिकांश को सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाओं की जानकारी नहीं थी और जिन्हें थी भी उनमें से अधिकांश छात्रों ने इस सुविधा का लाभ नहीं उठाया ।

(14) टी.पी.सिंह, वी.पी. पान्डे तथा टी.आर. यादव (1974):- "पूर्वी उत्तर प्रदेश माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति तथा जनजाति के छात्रों का अध्ययन करना।"

उद्देश्य:-

शोधकर्ताओं द्वारा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के छात्रों के सामाजिक, आर्थिक स्तर, विद्यालय में उनकी कार्यविधि, समाज के प्रति उनका दृष्टिकोण तथा उनकी प्रगति में बाधक समस्याओं के बारे में अध्ययन किया गया।

न्यादर्श:- 240 विद्यार्थी, 16 विद्यालयों से 64 शिक्षक

उपकरण - साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग आँकड़ों के एकत्रीकरण के लिये किया गया।

निष्कर्ष-

1- बालिकाओं की शिक्षा की स्थिति अत्यन्त ही दयनीय स्थिति में थी। 240 विद्यार्थियों में से केवलएक बालिका विद्यार्थी थी।

2- सामाजिक-आर्थिक स्तर विपरीत होने के बावजूद विद्यार्थियों का एक बड़े समूह ने अध्ययन के क्षेत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। ऐसे विद्यार्थियों ने कक्षा में पढ़ाये गये पाठों में किसी प्रकार की कोई कठिनाई अनुभव नहीं की।

3- सामाजिक स्तर शिक्षक-छात्रों के आपसी सम्बन्धों में किसी प्रकार का गतिरोध नहीं बना।

4- कुछ छात्रों ने (15) ने बताया कि उनकी जाति के लिये विशेष रूप से चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों से उनके आत्म सम्मान को उन्हें प्रदान की जाने वाली सुविधाएं लेने से उनके आत्म सम्मान को आघात पहुँचता है।

5- लगभग 63% अध्यापकों द्वारा यह अनुभव किया गया कि अनुसूचित जाति के छात्रों की बुद्धि का स्तर, सामान्य जाति वर्ग के छात्रों की तुलना में कम था ।

एस. चिटनिस - (1974)

महाराष्ट्र के विश्वविद्यालय स्तर के अनुसूचित जाति तथा जनजाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन ।"

उद्देश्यः-

अनुसूचित जाति तथा जनजाति के विद्यार्थियों के विभिन्न क्रियाकलापों में सहभागिता का सामान्य जाति वर्ग से तुलनात्मक अध्ययन करना ।

न्यादर्श-

महाराष्ट्र के 5 जिलों के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों को चुना गया ।

निष्कर्षः-

1- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विभिन्न आयु वर्ग तथा विभिन्न लिंगों के उत्तरदाताओं में बहुत कम भिन्नता पायी गयी ।

2- अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति दोनों ही जाति के विद्यार्थियों ने पाठ्य सहगामी क्रियाओं में कोई रूचि प्रदर्शित नहीं की परन्तु पढ़ने तथा व्यवसाय के प्रति उनकी रूचि अत्यधिक थी।

3- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति दोनों के ही विद्यार्थियों ने सरकारी सुविधाओं के प्रति नाराजगी प्रदर्शित की ।

4- दोनों ही जातियों के विद्यार्थियों द्वारा सभी माध्यमों के सामने विचार व्यक्त करने के प्रति अनिच्छा व्यक्त की ।

5- शिक्षकों के अनुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अच्छे थे परन्तु अन्य विद्यार्थियों की तुलना में गरीब थे।

नवयुवक अध्यापकों का इन जातिवर्ग के विद्यार्थियों के प्रति रवैया नरम नहीं था क्योंकि उन्हें जो सुविधायें उपलब्ध है उसके अनुसार उनकी उपलब्धियां नहीं थी ।

16 सूद, जे.के. [76] (1974)

'ए स्टडी आफ एटीट्यूटस टूव्डर्स साइन्स एण्ड सांइटेस्ट एमन्ग वेरियस ग्रुप ऑफ स्टूडेन्ट्स एण्ड टीचर्स इन इण्डिया।

उद्देश्य-

बालक एवं बालिकाओं तथा शिक्षक, शिक्षिकाओं का विज्ञान विषय के प्रति अभिवृत्ति जानने के उद्देश्य से एक अभिवृत्ति मापनी का निर्माण करना।

न्यादर्श-

10,000 विद्यार्थी तथा अध्यापक'। विद्यार्थियों का चयन उच्च सामाजिक आर्थिक स्तर परिवारों से किया गया केवल ऐसे विद्यार्थियों का ही चयन किया गया जो दिल्ली तथा राजस्थान के अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में अध्ययन कर रहे थे । डा. जलोटा द्वारा तैयार की गयी सामाजिक आर्थिक स्तर सम्बन्धी मापनी का प्रयोग किया गया। इसके साथ-साथ विद्यार्थियों द्वारा वार्षिक परीक्षा में जो अंक प्राप्त किये उन्हें भी ऑकड़ों के रूप में प्रयोग किया गया।

निष्कर्ष -

1- ऐसे विद्यार्थियों तथा विज्ञान शिक्षकों का जो विज्ञान में रूचि रखते है की अभिवृत्ति धनात्मक रही ।

2- लिंग भेद का विज्ञान के विद्यार्थियों तथा विज्ञान के शिक्षकों पर कोई प्रभाव द्राष्टिगोचर नहीं हुआ ।

17 अग्रवाल, वाई.पी.-

ए स्टडी ऑफ लोकस ऑफ कन्ट्रोल एण्ड जनरल इन्टेलीजेन्स एमन्ग दि ट्ठू ग्रुप्स ।

उद्देश्य -

1- सामान्य जाते तथा अनुसूचित जाते के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विभिन्न उपागमों पर प्रभाव का अध्ययन करना ।

2- दोनों वर्गो के विद्यार्थियों के मध्य सामान्य बुद्धि का अध्ययन करना ।

न्यादर्श - 130 अनुसूचित जाति तथा 145 सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों का चयन किया गया।

उपकरण- केरल कल्चर परीक्षण (हिन्दी संस्करण) का प्रयोग ऑकड़ो के एकत्रीकरण हेतु किया गया ।

निष्कर्ष-

अनुसूचित जाति तथा सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के मध्य बुद्धि सम्बन्धी परीक्षण करने में यह पाया गया कि सामान्य वर्ग के विद्यार्थी अधिक मेधावी थे जबकि अनुसूचित जाति कम ।

18 नैय्यर, पी.के.वी. (1975)-

'दि शिड्यूल्डकास्ट एण्ड शिड्यूल्ड ट्राइब्स हाईस्कूल स्टूडेन्टस इन केरल '

उद्देश्य -

1- अनुसूचित जाति तथा जनजाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन ।

2- अनुसूचित जाति तथा जनजाति के विद्यार्थियों हेतु सरकारी शैक्षिक नीतियों का मूल्यांकन।

3- सरकार की वर्तमान नीतियों तथा क्रियान्वन विधियों के यापन हेतु विभिन्न उपयों का सुझाना।

न्यादर्श-

20 विद्यालयों से 243 अनुसूचित जाति तथा 18 विद्यालयों से 193 अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को चयन किया गया।

निष्कर्ष:-

1- अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के अधिकांश विद्यार्थी अविवाहित थे। हिन्दू तथा क्रिश्चियन जाति के परिवार सबसे अधिक पढ़े लिखे थे ।

2- लगभग 3/4 अनुसूचित जाति तथा 4/5 अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी अपने शिक्षकों द्वारा पढ़ाये जाने वाले विषयों का अनुसरण नहीं कर पा रहे थे ।

3- पाठ्यसहगामी क्रियाओं में उनकी भागीदारी एक सीमित दायरे में थी। उनके द्वारा वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा साक्षरता आदि कार्यक्रम में ही वे भाग लेते थे ।

4- शैक्षिक आकांक्षा उनके पिता की शिक्षा तथा उत्साह वर्द्धन पर निर्भर थी।

19. सोनी, वी.डी.[75] (1975), 'एजूकेशनल प्रोब्लम्स ऑफ शिडूडल्ड कास्ट कालेज स्टूडेन्टस इन यू.पी. (वेस्ट)।

उद्देश्य - अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की समस्यायें ।

न्यादर्श- महाविद्यालयों में बी.ए., बी.एस.सी. बी.काम पाठ्यक्रम हेतु नामांकित विद्यालयों के कक्षा 9 एवं 10 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का चयन भी किया है। जिनमें बालक 95.1% तथा बालिकायें 4.81% थे ।

निष्कर्ष- 1-पश्चिमी उ0प्र0 में मुख्य रूप से पाये जानी 7 जातियों जिनमें चमार तथा जाटव कालेज स्तर की शिक्षा में अधिक प्रभावी थे तथा उनके बाद बाल्मीकि तथा घोड़ी जाति के विद्यार्थी थे तथा इन सभी का शैक्षिकस्तर उनकी आमदनी पर निर्भर कर रहा था ।

2- लगभग 50% प्रतिभागी शैक्षिक रूप से पिछड़े परिवारों के थे तथा 90% से 95% परिवारों का आर्थिक स्तर बहुत न्यून था ।

3- लगभग 11.85% प्रतिभागी किसी न किसी लघु उद्योग तथा 4.48% किसी न किसी रोजगार से सम्बद्ध थे । वे लोग अपने शैक्षिक स्तर में सुधार हेतु अथवा छात्र-वृत्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रवेश लिये थे ।

बड़ी-बड़ी संस्थाओं में प्रवेश लेने हेतु उनमें अधिक आकर्षण देखा गया ।

5- कलावर्ग की कक्षाओं में इस वर्ग के विद्यार्थियों की संख्या अधिक थी जबकि विज्ञान तथा कामर्स वर्ग में इनकी संख्या बहुत कम थी । यद्यपि उनकी पढ़ने में अभिवृत्ति अच्छी थी तथा वे लगभग 4 घण्टे रोज पढ़ते थे ऐसे विद्यार्थियों का लगभग 63.46% था । बहुत से विद्यार्थी ऐसे भी थे जिनके पास अध्ययन करने हेतु स्थान ही उपलब्ध नहीं था । 38 उत्तरदाताओं ने बताया कि उन्हें शिक्षकों द्वारा दिये जाने वाले व्याख्यान समझने में परेशानी होती थी। 42 विद्यार्थी ऐसे थे जिन्हें कक्षा में अन्य समस्यायें उठानी पड़ती थी तथा 19 विद्यार्थियों को भाषा की समस्या थी।

6- उत्तरदाताओं से लगभग 64.16% विद्यार्थियों ने पाठ्यसहगामी क्रियाओं में भाग लिया। इनकी सहभागिता जिलास्तर के कार्यक्रमों तक सीमित रही ।

7- उनकी आकांक्षा स्तर काफी उच्च 58.03% विद्यार्थी परास्नातक उपाधि प्राप्त करने की आकांक्षा रखते थे जबकि 19.86% व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का अध्ययन करना चाहते थे। ऐसे विद्यार्थी जो व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का अध्ययन करना चाहते थे उनके परिवार बिना पढ़े लिखे अथवा बहुत कम साक्षरता प्राप्त थे ।

8- लगभग 45.21% विद्यार्थी दो अथवा तीन अखबार पढ़ते थे जिनमें क्षेत्रीय अखबार अधिक पढ़े जाते थे । अंग्रेजी अखबार पढ़ने वाले विद्यार्थी केवल 7,58% थे। 23.1% लोग किसी न किसी राजनीतिक पार्टी से प्रभावित थे जिनमें 41.25 लोग राष्ट्रीय स्तर के नेताओं से प्रभावित थे जबकि 25.9% लोग अनुसूचित जाति के नेताओं से प्रभावित थे ।

9- 79.8% अनुसूचित जाति के लोगों का सामान्य स्तर उच्च था यद्यपि अन्य जातियों की तुलना में यह काफी निम्न था। लगभग 15.06% लोग ऐसे थे जो सरकार की आरक्षणनीति से सहमत नहीं थे । वे लोग आरक्षण के लाभ को उचित तो समझते थे परन्तु उपलब्ध सुविधाओं से संतुष्ट नहीं थे। ऐसे लोगों की संख्या शहरी क्षेत्रों में ज्यादा थी ।

10- ऐसे विद्यार्थी जो छात्रावासों में रह रहे थे उनकी शैक्षिक आकांक्षा का स्तर काफी ऊँचा था तथा वे अच्छे व्यवसाय चुनने के प्रति सचेत भी थे वह अखबारों तथा राजनीति के प्रति सचेत तो थे परन्तु किसी भी प्रकार से सक्रिय राजनीति से जुड़ना पसन्द नहीं करते थे।

11- 15 महिलाओं के न्यादर्श से 8 ने अपना शैक्षिक कैरियर स्वयं ही तय किया जबकि शेष ने अनुभव किया कि अनुसूचित जाति का होने के कारण वे अपने सहपाठियों के व्यवहार में परिवर्तन नहीं ला सकती।

12- प्रधानाचार्यो तथा 58 शिक्षकों का साक्षात्कार लिया गया जिनमें से अधिकांश का यही मत था कि अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों का बौद्धिक स्तर अत्यंत निम्न स्तर का था । दूसरी ओर 25.8% लोगों ने आरक्षण का अनावश्यक तथा व्यर्थ बताया।

20- सोमैन, एन.ई.[74] (1976) 'ए स्टडी आफ मेमोरी'

उद्देश्यः- इस शोध ग्रन्थ में संस्कृत साहित्य तथा संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में स्मृति सम्बन्धी विभिन्न तकनीकों का प्रयोग का विवरण प्रस्तुत किया जाना ही उद्देश्य निर्धारित किया गया है।

शोधविधि- शोध विषय चार भागों में विभक्त किया गया है। यह निम्नवत् बताये गये है-

(1) रोट स्मृति (2) सासट्रिक स्मृति (3) मेटेरियलस्मृति (4) रिलीवेन्स ऑफ मेमोरी इन मेटा फिजक्स ।

निष्कर्ष :-

स्मृति की संस्कृति मात्र ही सीखने की प्रक्रिया नहीं है बल्कि रहन सहन की कला स्मृति को प्रभावित करती है।

21- शर्मा, ए.पी.और चन्द्र कला[65] (1977) मार्च , " दि एफेक्ट ऑफ सेक्स, एज एण्ड पेरेन्टस प्रोफेसन ऑन दि एटीच्यूट ऑफ चिल्ड्रन टुबुर्स स्कूल प्रोग्राम"

न्यादर्श-

225 विद्यार्थी (105 बालक 120 बालिकायें) को शोधकार्य हेतु चुना गया (नौकरी

पेशा वर्ग से 110 तथा व्यापारी वर्ग से 115 लोगों का चयन किया गया।

शोध विधि-

उपकरण- स्कूल प्रोग्राम के मापन हेतु लिकर्ट की तरह की रेटिंगस्केल तैयार की गयी।

ऑकड़ों का विभेदीकरण- मीन एस.डी.तथा एनालिसिस आफ वेरियन्स से सम्बन्धित सांख्यिकी का प्रयोग किया गया ।

निष्कर्ष -

1- नौकरी पेशा वर्ग के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का मध्यमान व्यावसायिक वर्ग के विद्यार्थियों से ज्यादा पाया गया।

2- विभिन्न कक्षाओं में दोनों लिंगों के विद्यार्थियों पर उनके माता-पिता के व्यवसाय की छलक स्पष्ट दृष्टिगोचर हुई ।

3- पुरूष और महिला दोनों वर्ग में आयु तथा व्यवसाय का आपसी सहसम्बन्ध .01 स्तर पर विश्वसनीय पाया गया ।

4- लिंग तथा कक्षा दोनों का अलग अलग मूल्यांकन करने पर कक्षा 9 के विद्यार्थियों में लड़के तथा लड़कियों दोनों का आपसी तालमेल सम्बन्धी काफी अलगाव पाया गया।

22- आचार्य, एस.टी.बी. जी (1978)-

'ए स्टडी ऑफ दि रिलेशनशिप एमन्ग क्रियेटिव थिकिंग, इन्टैलीजेन्स एण्ड स्कूल एचीवमेन्ट '

उद्देश्य -

रेन्डम न्यादर्श विधि द्वारा 400 नगरीय विद्यार्थियों (200 बालक और 200

लड़कियों, का चयन किया गया था जिनमें शोध हेतु एक दर्जन स्कूलों का चयन आन्ध्रप्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले से किया गया।

उपकरण - टी.टी.सी.टी., कैटल्स कल्चर फेयर इन्टेलीजेन्स टेस्ट, शैक्षिक उपलब्धि का मापन करने हेतु कक्षा में पाँच विषयों में विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त अंकों को आधार बनाया गया था ।

शोधविधि- सह सम्बन्ध तथा फेक्टोरियल (7×3) डिजायन का प्रयोग किया गया।

निष्कर्ष-

1- लिंग के आधार पर बुद्धि, उपलब्धि तथा क्रियाशीलता सम्बन्धी कोई भी उत्तर तेलगू सामान्य विज्ञान तथा समाजिक विज्ञान के मध्य नहीं पाया गया।

2- शाब्दिक क्रियाशीलता उपलब्धि परीक्षण के अन्तर्गत अंग्रेजी तथा गणित के मध्य विश्वसनीयता स्तर बालिकाओं के पक्ष में गया ।

3- जेटजेल्स-जेकसन का प्रभाव उच्च तथा निम्न वर्गो में बुद्धि एवं शाब्दिक क्रियाशीलता के मध्य देखा गया जिसमें आपसी सह सम्बन्ध पाया गया ।

4- उच्च बुद्धि और उच्च शब्दिक क्रियाशील वर्गो के बीच उपलब्धि का स्तर विभिन्न विषयों में काफी उच्च पाया गया।

23- **गुप्ता एल.पी.**[24] **(1978)** 'ए स्टडी ऑफ दि परसनल करक्टेरिस्टन्स्स एण्ड ऐकेडमिक एचीवमेन्ट ऑफ शिडूल्ड कास्ट एण्ड वेकवर्ड क्लास स्टूडेन्स ऑफ मेरठ यूनीवर्सिटी।'

उद्देश्य-

1- डिग्री तथा परास्नातक स्तर के अनुसूचित जाति तथा पिछडी जाति के विद्यार्थियों के मध्य बुद्धि के आधार पर विभिन्न क्षमताओं का अध्ययन करना ।

2- सामान्य, पिछड़ी जाति तथा अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के मध्य शैक्षिक उपलब्धियों का अध्ययन ।

न्यादर्श-

मेरठ वि.वि. से सम्बद्ध है महाविद्यालयों का चयन किया गया। आँकड़ों का एकत्रीकरण मीनाक्षी परसनलिटी इन्वेटरी, भटनागर सेल्फ कन्सेप्ट इन्वेटनरी तथा रेवन्स स्टेन्डर्ड प्रोग्रेसिव मेट्रेक्स एण्ड कुमूलेटिव रिकॉड कार्ड द्वारा किये गये ।

आँकड़ों का विभेदीकरण में 'टी' टेस्ट का प्रयोग किया गया।

निष्कर्ष-

1- परास्नातक स्तर पर अनुसूचित जाति तथा जनजाति के विद्यार्थियों ने काफी उपलब्धि प्राप्त की परन्तु उनमे अन्तर आत्मग्लानि भावना पायी गयी ।

2- सामान्य जाति के परास्नातक विद्यार्थी अधिक प्रभावशाली, उत्साही तथा उनका व्यक्तित्व अधिक आत्मविश्वास पूर्ण था।

3- परास्नातक स्तर पर अनुसूचित जाति के विद्यार्थी अधिक आत्मविश्वासी तथा अधिक उपलब्धि प्रदर्शित करने वालों में से थे ।

4- स्नातक स्तर पर पिछड़ी जाति के विद्यार्थी, सामान्य जाति के विद्यार्थियों से अधिक कुशल, आत्मविश्वासी पाये गये ।

5- परास्नातक स्तर पर पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों का बौद्धिक स्तर अनुसूचित जाति के सापेक्ष कुछ अधिक अच्छा पाया गया ।

6- स्वायत्ता तथा सम्बद्धता की दृष्टि से अनुसूचित जाति जाति के स्नातक तथा परास्नातक विद्यार्थी औसत दर्जे के पाये गये ।

7- अनुसूचित जाति के छात्रों की तुलना में सामान्य जाति के विद्यार्थी अधिक मिलनसार अधिक विचारशील तथा सहनशील पाये गये ।

24- **पाण्डेय, कुलिन एण्ड सोलन्की, हन्सा**[51] (1978), "एन एक्सपेरीमेन्टल ट्राईआउट ऑफ दि इफेक्ट ऑफ इन्क्रीच्ड लेवेल ऑफ एस्पाइरेशन ऑन एकेडेमिक एचीममेन्ट"

क्षेत्र - सूरत

न्यादर्श- 22 महिला विद्यार्थी (11 एक्सपेरीमेन्टल ग्रुप से तथा 11 कन्ट्रोलग्रुप से)

उपकरण- आकांक्षा स्तर के मापन हेतु गुजराती टेस्ट तथा देसाई, यह समूह बुद्धिपरीक्षा तथा शिक्षक द्वारा निर्मित (हिन्दी में) परीक्षक का प्रयोग किया गया।

ऑकड़ों का विभेदीकरण- एनालिसिस ऑफ वेरियन्स ।

निष्कर्ष- आकांक्षा स्तर का शैक्षिक उपलब्धि से सीधा सम्बन्ध पाया गया।

25- **सत्यार्थी, एम.के.** (1978), "डिवलपमेन्ट ऑफ स्केल टू मेजर स्टून्डेस एटीच्यूड टूवर्टस देयर स्कूल एक्सपीरीयन्सस"

स्थान - मुजफ्फरपुर

न्यादर्श- 764 हाईस्कूल के विद्यार्थी

विधि - 45 प्रश्नों से युक्त प्रश्नावली जो विद्यालय अनुभव पर आधारित थी।

ऑकड़ों का एकत्रीकरण - सहसम्बन्ध।

निष्कर्ष- टेस्ट रीटेस्ट रिलायबिलिटी .91 तथा वेलिडिटी .70 पायी गयी।

26- **प्रसाद, डी. एण्ड विंग, एन.एन**[53] **(1979),**

कोरिलेशन ऑफ मेमोरी, विद् एज, एजूकेशन एण्ड इन्टेलीजेन्स "

न्यादर्श - 340 किशोर - आयुवर्ग - 20-45 वर्ष

विधि -

उपकरण- पी.जी.आई. मेमोरी स्केल का प्रयोग किया गया।, इसके अतिरिक्त डब्लू. ए.आई.एस के हिन्दी अनुवाद का भी प्रयोग किया गया।

आँकड़ों का विश्लेषण - सहसम्बन्ध

निष्कर्ष- पी.जी.आई. मेमोरी स्कोर का ऋणात्मक सह सम्बन्ध पाया गया। आयु तथा शिक्षा के मध्य (.36-.74) था। पी.जी.आई.स्मृति स्कोर शाब्दिक तथा क्रियाशील बौद्धिक अंक कहे .22 से .55 के मध्य थे।

27- **शर्मा, एम.सी.**[67] (1979) "ए साइकोलोजिकल स्टडी ऑफ एडजस्टमेन्ट प्रोब्लम्स ऑफ हारेजन्स शिड्यूल्डकास्ट एन्ड वेकवर्ड क्लास स्टूडेन्स ऑफ आगरा डिस्ट्रिक्ट ".

उद्देश्य -

1- हरिजन, अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति की दशा वर्ष 1965 में अत्यंत ही असंतोषजनक दर्शायी गयी जबकि उच्च वर्ग के विद्यार्थियों की दशा अत्यधिक संतोषजनक थी।

2- वर्ष 1977 में दोनों वर्गो, (हरिजन, अनुसूचित जाति तथा पिछड़ी जाति) के मध्य आपसी सामंजस्य में काफी सुधार हुआ ।

3- सामंजस्य करने में वैयक्तिक आधार पर स्थापित सम्बन्धों का कोई प्रभाव देखने को नहीं मिला ।

4- नगरीय क्षेत्र के विभिन्न वर्गो के विद्यार्थियों में आपसी सामंजस्य अधिक पाया गया जबकि ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न वर्गो के मध्य आपसी सामांजस्य बहुत कम था ।

5- सामान्य वर्ग तथा अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के मध्य उल्लेखनीय अन्तर पाया गया।

28- डिसूजा, वी.एस.[20] (1980)," एजूकेशनल इनइक्वालिटीज एमन्ग शिड्यूल्ड कास्ट, ए केस स्टडी इन दि पंजाब "

उद्देश्य-

1- पंजाब प्रान्त में सामान्य वर्ग तथा अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के मध्य शैक्षिक संरचना अन्तर ज्ञात करना ।

2- अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों में शैक्षिक विकास की गति मन्द होने के बारे में जानकारी करना ।

3- अनुसूचित जाति वर्ग के विभिन्न समूहों में ही शैक्षिक असमानता का अध्ययन करना।

न्यादर्श और उपकरण -

वर्ष 1961 से 1971 के मध्य पंजाब राज्य की स्थिति के अनुसार न्यादर्श का चुनाव किया गया। कुल अनुसूचित जाति की जनसंख्या का 94.15% न्यादर्श में सम्मिलित किया गया।

यह ऑकड़े पंजाब शिक्षा विभाग के वार्षिकी से एकत्र किये गये थे।

निष्कर्ष-

1- शोध से यह निष्कर्ष निकला कि अनुसूचित जाति तथा शेष समाज की बीच शैक्षिक असमानता का कारण लम्बे समय से उन दोनों के बीच समाजिक आर्थिक स्तर के असमानता ही है।

2- यद्यपि अनुसूचित जाति तथा शेष समाज के बीच असमानता है परन्तु सबसे ज्यादा अलगाव तो स्वयं अनुसूचित जाति के धनी एवं गरीब वर्ग के बीच ही है।

3- शैक्षिक असमानता सामान्य तथा अनुसूचित जाति में तो भी है साथ ही समाज के विभिन्न स्तरों जो कि प्रदेश तथा क्षेत्र के कारण विभाजित है, असमानता का प्रमुख कारण है।

4- सामाजिक आर्थिक स्तर तथा व्यावसायिक स्तर भी शैक्षिक असमानता हेतु आपस में सहसम्बन्धित पाये गये ।

29- **जोशी, एस.डी.[26] (1980)**, 'एजूकेशनल प्रोबलम्स ऑफ दि शिडयूल्ड कास्ट एण्ड शिडयूल्ड ट्राइब्स ऑफ बड़ौदा डिस्ट्रिक्ट'.

उद्देश्य :-

सामाजिक आर्थिक और शैक्षिक कारणों के परिप्रेक्ष्य में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की समस्याओं का अध्ययन करना ।

लक्ष्य :-

1- सामाजिक आर्थिक पर्यावरण के परिप्रेक्ष्य में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन ।

2- ऐसे विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर तथा विद्यालय से उनके क्रियाकलापों तथा उपलब्धियों का अध्ययन ।

3- माता-पिता और शिक्षकों का उनकी शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण ।

न्यादर्श - 495 हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थी 108 कालेज स्तर के विद्यार्थी तथा समान संख्या में माता-पिता को चुना गया जिनमें 111 तथा 164 विद्यार्थी क्रमशः अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के थे ।

उपकरण- विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के लिये अलग-अलग प्रश्नावली का निर्माण किया गया जिसमें, सामाजिक आर्थिक, मनोवैज्ञानिक तथा शैक्षिक अवधारणाओं सम्बन्धित प्रश्नों को समाहित किया गया।

निष्कर्ष-

1- 82% विद्यार्थियों के पिता साक्षर ही नहीं थे अथवा कक्षा 4 तक ही शिक्षा प्राप्त थे।

2- 95% लोग किसान थे अथवा भूमिहीन मजदूर थे ।

3- 95% माता में बिलकुल अनपढ़ थी ।

4- 65% माता-पिता अपने बच्चों के भरणपोषण ही नहीं कर पाते थे अतः शिक्षा के प्रति उनका कोई लगाव अपने बच्चों हेतु नहीं था ।

5- बच्चों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न होने के कारण उनके माता-पिता का अपने बच्चों के प्रति कोई रूचि नहीं दिखाई ।

6- अध्यापक अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों से विद्वेष रखते है जिसके कारण उन्हें निम्न स्तर का व्यवसाय सुझाते है।

30- सनी, वी.[58] (1980),"सेल्फ कन्सेप्ट एण्ड अदर नॉन कागनेटिव फेक्टर्स एफेक्टिंग दि ऐकेडमिक एचीवमेन्ट ऑफ, दि शिड्यूल्ड कास्ट स्टूडेन्टस इन इन्स्टीच्यूसन्स फॉर हायर टेक्नीकल एजूकेशन "।

परिकल्पना - अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों में कोई उल्लेखनीय अन्तर नहीं है ।

न्यादर्श- साठ (60) अनुसूचित जाति तथा अनु0 जनजाति के विद्यार्थी तथा इतनी ही संख्या में सामान्य जाति के विद्यार्थी ।

उपकरण- आँकड़ों का एकत्रीकरण हेतु अनुसंधानकर्ता द्वारा स्वयं एक प्रश्नावली का निर्माण किया पर सम्बन्धी पृष्ठभूमि जानने हेतु एक अलग प्रश्नावली का निर्माण किया । ग्रेड के आधार पर चौथे सेमेस्टर के अन्त में शैक्षिक उपलब्धियों का मूल्यांकन किया गया।

विधि- आँकड़ों का एकत्रीकरण 'टी-परीक्षण' तथा प्रोटेक्ट मुवमेन्ट मेथड द्वारा किया गया।

निष्कर्ष-

1- अनुसूचित जाति के बच्चों का शैक्षिक उपलब्धि का स्तर सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों से न्यून था ।

2- अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, शिक्षण संस्थाओं की गुणवत्ता पर निर्भर थी ।

31- अरून, एन.एस. (1981)- ए स्टडी ऑफ दि फेक्टर्स इन्फ्लूएन्सिंग दि एचीवमेन्ट ऑफ स्टेन्डर्ड *VII* स्टूडेन्टस बिलोंगिंग टू शिडूल्डकास्ट एण्ड शिडूल्डउ ट्राइवस हूज मीडियम ऑफ इन्स्ट्रक्शन इज कनाडा।"

उद्देश्य-

1- कक्षा 6 में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति की शैक्षिक उपलब्धियों का सामान्य जनसंख्या से तुलना ।

2- अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों में जाति के आधार पर, स्थान के आधार पर तथा लिंग के आधार पर शैक्षिक उपलब्धियों का अध्ययन करना ।

3-अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों में बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच सम्बन्ध ज्ञात करना ।

4- अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों में शैक्षिक उपलब्धियों के बीच चयनित तत्वों के प्रभाव का अध्ययन करना ।

न्यादर्श- कर्नाटक प्रदेश की 21 शैक्षिक संस्थाओं में कक्षा 7 में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को चुना गया।

उपकरण- वेटरी उपलब्धि परीक्षण तैयार एवं स्तरीकृत किया गया तथा प्री-मल्था नॉन वरवल ग्रुप ऑफ इन्टेलीजेन्सटेस्ट का प्रयोग विश्वसनीयता स्तर जाने हेतु किया गया।

विधि- 'टी' परीक्षण, सहसम्बन्ध गुणांक तथा स्टेपवाइज रिग्रेशन एनालिसिस प्रयोग की गयी।

निष्कर्ष-

1- अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के कक्षा 6 में अध्ययन करने वाले छात्रों का स्तर सामान्य वर्ग से निम्न था ।

2- ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों का स्तर नगरक्षेत्र के विद्यार्थियों की तुलना में काफी निम्न था ।

3- लड़कों की शैक्षिक उपलब्धि लड़कियों से अधिक थी ।

32- रंगारी, ए. डी. (1981) "औरंगाबाद के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति कालेजों के विद्यार्थियों का तुलनात्मक अध्ययन ।"

उद्देश्य-

1- अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को स्व अवधारण, अन्तर्व्यक्तिगत संबंधों, व्यक्तित्व समायोजन, **बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि** के आधार पर तुलना करना ।

2- लिंग एवं नगरीय-ग्रामीण पृष्ठ भूमि के कारण भी तुलना की गई ।

न्यादर्श- 1197 विद्यार्थी, 676 अनुसूचित जाति के और 521 गैर अनुसूचित जाति के ।

उपकरण- नेफेड संरचनात्मक प्रारूप का बुद्धि का अशाब्दिक परीक्षण शैक्षिक उत्पत्ति के लिए।

शोध- बुद्धि के आधार पर गैर अनुसूचित जाति विद्यार्थी अनुसूचित जाति विद्यार्थियों से अच्छे हैं और नगरीय ग्रामीणों से, लिंग भेद ध्यान देने योग्य नहीं थे ।

2- शैक्षिक उपलब्धि के आधार पर गैर अनुसूचित जाति विद्यार्थी, अनुसूचित जाति विद्यार्थी से अच्छे थे। अनुसूचित जाति विद्यार्थियों में छात्राओं ने छात्रों से अच्छा किया । जबकि गैर अनुसूचित जाति विद्यार्थियों के मध्य छात्रों ने छात्राओं से अच्छा किया। ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा नगरीय क्षेत्रों के छात्रों ने अच्छा किया।

33- सिंह एल.बी. (1981) "हिन्दू जाति और पढ़े लिखे हरिजनों की बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन ।"

न्यादर्श- भागलपुर विश्वविद्यालय के डिग्री कक्षाओं के 100 पुरूष हरिजन और 100 हिन्दू जाति के विद्यार्थी ।

विधि- हरिजन और हिन्दू जाति के विद्यार्थियों की यांत्रिक बुद्धि का निर्धारण चित्र प्रतियोगिता के आधार पर किया गया। चित्र व्यवस्था, वस्तु संग्रह और प्रदर्शन उप पैमाना वेशलर वयस्क बुद्धि पैमाना से ।

प्रदत्त विश्लेषण - माध्य, प्रामाणिक विचलन और 'टी' मान निकाला गया।

परिणाम- हरिजनों, की बुद्धि हिन्दू जाति के विद्यार्थियों से कम पायी गयी - जे. फर्नान्डेस ।

34- उपाध्याय, एच.सी (1981) " कुमाऊँ हिल्स में अनुसूचित जाति की समस्यायें ।"

उद्देश्य-

1- कुमाऊँ क्षेत्र के अछूतों की प्रस्तुत परिस्थितियों का पता लगाना, और उन सामाजिक स्थितियों को उजागर करना जिनके कारण उच्च जाति में आटोक्रेटिक व्यवहार उत्पन्न हुआ ।

2- अछूत जाति के पिछड़ेपन के कारणों और कारकों का पता लगाना ।

3- सरकारी कल्याण उपायों का प्रभावों ।

4- अर्न्तजातीय संबंध को पुनः बनाने की द्वाष्टि से सामाजिक सांस्कृतिक मीलू का निर्माण करना । और

5- कुमाऊँ हिल्स में अछूतों को ऊँचा उठाने के लिये सामाजिक योजना और नीति निर्माण की गाइडलाइन बनाना ।

न्यादर्श- बहु अवस्थात्मक स्वीकृत संभाव्य निदर्शन विधि से 300 अछूतों का न्यादर्श प्राप्त किया गया।

परिणाम-

1- अधिकतर हरिजन परिवार (74%) प्रकृति से अस्पष्ट थे ।

2- बाल विवाह आम बात थी (29%) परन्तु वयस्क (39%) और देर से विवाह (26%) असमान्य बात नहीं थी ।

3- हरिजनों का मंदिरों में प्रवेश निशेध था (59.33%) दूसरी तरफ 57.33% इस कुरीति से बचे थे ।

4- शिक्षित व्यक्तियों ने अपने माता-पिता की और अधिक पक्ष में द्वाष्टि कोण रखते थे।

5- अछूतों का आंकाक्षा स्तर काफी उच्च पाया गया। यहाँ तक कि शिक्षित माता पिता में स्पष्ट रूप से प्राशासनिक और व्यावसायिक क्षेत्रों के कार्यो को पसन्द किया ।

35- अनुसूचित जाति के कालेज विद्यार्थियों की संबंधित बुद्धि।"

क्षेत्र - औरंगाबाद।

न्यादर्श- औरंगाबाद के 7 वरिष्ठ कालेजों के 1197 विद्यार्थी, 676 अनुसूचित जाति, और 521 गैर अनुसूचित जाति विद्यार्थी ।

विधि उपकरण - बुद्धि का अशाब्दिक परीक्षण (नैफेड 1961) निर्देश मराठी में दिये गये ।

प्रदत्त विश्लेषण- माध्य, प्रमाणिक विचलन, आवृत्ति काई स्क्वायर, 'टी' परीक्षण ।

परिणाम- गैर अनु. जाति के एक बड़े समूह की बुद्धि लब्धि काफी उच्च थी। तब अनु. जाति के विद्यार्थी सामाजिक आर्थिक रूप से नियंत्रित थे गैर अनु. जाति के समूहों ने वरिष्ठ शिक्षा कक्षाओं में उच्च स्कोर पदर्शित किया। तृतीय और चतुर्थ में वरिष्ठ शिक्षा कक्षाओं में कोई अंतर नहीं । *I, II* और *V* जब अनु.जाति और गैर अनु. जाति में विषयों का उपविभाजन लिंग और निवास क्षेत्र के आधार पर शहरीय और ग्रामीण क्षेत्र के पुरूषों के मध्य और शहरी स्त्रियों के बीच किया गया, गैर अनु.जाति के विद्यार्थियों का आई.क्यू. अनु. जाति के समूह से उच्च पाया गया। ग्रामीण औरतों में कोई महत्वपूर्ण अंतर दिखाई नहीं पड़ा । अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को पौष्टिक और पर्यावरणीय उच्चता देने की प्रयास की आवश्यकता है।

36- बेगम, एफ. और एच.ए. बेगम (1985) "शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण से सम्बन्धित कारक ।"

क्षेत्र - **ढाका।**

न्यादर्श- 724 विद्यार्थी, 301 पुरूष, 423 स्त्री विद्यार्थी ढाका शहर के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से। ढाका शहर के विभिन्न क्षेत्रों के 116 गैर अनुजाति के वयस्क (76 पुरूष और 40 स्त्रियां)

विधि- उपकरण- शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का अनुमान करने के लिये एक लिकर्ट टाइप प्रश्नवली।

प्रदत्त विश्लेषण- प्रसारण विश्लेषण, शतांसीय मान ।

परिणाम - शैक्षिक स्तर लिंग और पिता की शिक्षा के अनुसार विद्यार्थियों का दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण अंतर है। विश्वविद्यालय स्तर की अपेक्षा स्कूल और कालेजों विद्यार्थियों का दृष्टिकोण शिक्षा के पक्ष में अधिक था । महिलाओं का दृष्टिकोण पुरूषों की अपेक्षा अधिक पाया गया। उच्च शैक्षिक वाले पिता के पुत्रों ने अधि. पक्ष में दृष्टिकोण प्रस्तुत किया । शताशीय मानों को व्यक्तिगत प्राप्तांकों के लिये प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों का दृष्टिकोण उनसे अधिक पक्ष में था जो विद्यार्थी नहीं है। - के वर्मा

37- हाल्पिन ग्लेनले, हाल्पिन जिराल्ड और विहडाल थामस[25] (1986) "किशोरों के आकांक्षा स्तर से संबंधित कारक ।"

न्यादर्श - अनुसंधान कर्ताओं ने 60 अमेरिकन भारतीय किशोरो (आयु 12-18) और 88 व्हाइट एजमेच्ड किशोरों के आकांक्षा स्तर पर सफलता, असफलता और आर्थिक प्रभावों का अध्ययन किया, जाति, लिंग श्रेणी, सेल्फ स्टीम और लोकस आफ कन्ट्रोल को स्वैतिक मध्यस्थ चरों के रूप में माना गया।

परिणाम आया कि एक महत्वपूर्ण गिरावट आकांक्षा स्तर पर असफलता के कारण आयी। यह प्रभाव जूनियर हाई स्तर पर अधिक दिखा । सफलता और आर्थिक प्रभाव आकांखा स्तर को उच्च स्तर तक ले गये ।

शोध ने यह निष्कर्ष दिया कि किशोर अपने जीवन और कैरियर लक्ष्य के निर्धारण में प्रयास रहा है।, उनके उन क्षेत्रों में जहाँ कि वे असफल रहे ऊँचे लक्ष्य स्थापित नहीं कर पाये ।

38- संधू टी. एस. (1986) "बुद्धि और शैक्षिक निस्पत्ति में जातिगत अंतर का अध्ययन "।

परिकल्पना -

1- अनु. जाति, पिछड़े और सामान्य वर्ग के छात्रों में बुद्धि की दृष्टि से कोई

महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

2- अनु जाति, पिछड़े और सामान्य वर्ग के विभिन्न स्कूलों विषयों में छात्रों के प्रदर्शन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

न्यादर्श- पंजाब के अमृतसर और फरीद कोट जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के 12 हाईस्कूलों के x क्लास विद्यार्थियों में से अध्ययन के लिये न्यादर्श का चुनाव किया गया। एक समूह से केवल 15 वर्ष के आयु के बच्चों को लिया गया। जिनमें से 175 विद्यार्थी (88 लड़के और 87 लड़कियां) सामान्य रूप से चुने गये ।

प्रयुक्त परीक्षण -

1- कैलेल का कल्चर फेयर इंटेलीजेंस टेस्ट (स्केल-2)

2- विद्यालयी विषयों में शैक्षिक उपलब्धि ।

पाँच विद्यालय विषयों में उपलब्धि का मापन, जैसे कि गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, पंजाबी और हिन्दी, स्कूल रिकार्ड से लिया गया। स्पष्ट लाभ के लिये प्रत्येक मापन को 'टी स्कोर' में बदल दिया गया।

प्रदत्त का सांख्यिकीय विश्लेषण - बुद्धि परीक्षण और पाँच विषयों के अध्ययन में भी अनु. जाति, पिछड़े और सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के बीच प्रदर्शन के महत्वपूर्ण अंतर के परीक्षण के लिये अनोवा परी. का प्रयोग किया गया।

विद्यार्थियों के तीन समूहों के मध्य, (अनु. जाति, पिछड़ें और सामान्य वर्ग) उनके बुद्धि परीक्षण के प्राप्तांकों और प्रदर्शन स्कूल के पाँच विषयों के आधार पर एफ-रेसियो 1.159 (बुद्धि) .081 (गणित) .155 (विज्ञान), 635 (अंग्रेजी) 1.156 (पंजाबी) और .319 (हिन्दी) में पाया गया। इनमें से किसी भी एफ. रेशियो का मान .05 स्तर पर सार्थक नहीं पाया गया। इससे स्पष्ट है कि यह तीनों समूह बुद्धि और शैक्षिक निष्पत्ति के संदर्भ में भिन्न नहीं है।

परिणाम - अध्ययन के परिणाम, यह प्रकाशित करते हैं कि अरली टरीक्राइटेरिया के प्रवेश का निम्नीकरण का खालीपन और परीक्षा उद्देश्य अनु. जाति के संदर्भ में है ।

इसलिये यह निष्कर्ष निकलता है कि अनु.जाति और पिछड़े जाति के विद्यार्थी किसी भी प्रकार से सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों से निम्न नहीं है। अतः प्रवेश और परीक्षा उद्देश्य के संदर्भ में इन जातियों के शैक्षिक स्तर में गिरावट साधारण रूप से इनको अन्य जातियों की तुलना में निम्न श्रेणी का बताने का ठप्पा लगाना है जिससे अन्य लोगों में घृणा और डालना विकसित हो रही है उन्हें जिस चीज की वास्तव में आवश्यकता है कि उन्हें- अभिप्रेरणा और व्यावहारिक पर्यावरण अध्ययन के लिये प्रदान किया जाय ।

39- मेहता, प्रभा और कुमार दिलीप (1988) ' शैक्षिक निष्पत्ति का बुद्धि व्यक्तित्व, समायोजन, अध्ययन की आदतें और शैक्षिक अभिप्रेरण से संबंध। "

न्यादर्श- 60 पुरूष और 60 स्त्री परास्नातक विद्यार्थियों को लिया गया।

विधि - उपकरण दि आईसेंक पर्सनालिटी इनवेन्टरी, एच.डी. कार्टर द्वारा निर्मित स्टडी सर्वे (1958) एस. जलोटा द्वारा निर्मित एक सामान्य समूह मानसिक योग्यता परीक्षण ।

परिणाम - परिणाम में यह बताया कि बुद्धि के रूप में मनोवैज्ञानिक चर संबंधित नहीं है। और उपलब्धि में स्वतंत्र ही स्वतंत्र चरों केमध्य मुश्किल से ही कोई संबंध की क्रमबद्धता थी ।

40- श्रीवास्तव, आर.के. और बी. रावत, (1993), 'एटीटच्यूट आफ हरिजन बूमैन टूण्डर्स एजूकेशन, ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ ए सिटी एण्ड इटस सराउन्डिग विलैजिज "

क्षेत्र - **गढ़वाल**

विधि - प्रश्नावली 2x2 फेक्टोरियल डिजायन प्रयोग की गयी ।

ऑकड़ों का एकत्रीकरण - काई स्क्वायर टेस्ट।

निष्कर्ष-

1- नगर क्षेत्र में रहने वाली हरिजन महिलाओं की अभिवृत्ति शिक्षा के प्रति सृजनात्मक थी जबकि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में अभिवृत्ति (शिक्षा के प्रति) कम थी ।

उपरोक्त के अतिरिक्त निम्न शीर्षकों पर भी पी.एच.डी. उपाधि हेतु शोधकार्य किये गये है।

41- **ओम प्रकाश (1981)** "ग्रामीण क्षेत्रों में हिन्दू और अनु.जाति के बच्चों के मध्य कुछ मनो सामाजिक चरों का अध्ययन।"

42- **प्रिंस एल.सी. (1981)** "तमिलनाडु के स्कूलों में अभाव ग्रस्त समूहों के विद्यार्थियों में शिक्षा के लिये आंकक्षा का अध्ययन ।"

43- **शर्मा राधारानी (1981)** " स्वअवधारणा, आंकक्षास्तर और मानसिक स्वास्थ्य शैक्षिक निष्पत्ति के कारकों के रूप में ।"

44- **यादव, एस.के. (1981)** "अनुसूचित जाति की उनकी शैक्षिक प्रगति की योजना के बारे में जागरूकता का अध्ययन ।"

तृतीय अध्याय

तृतीय अध्याय

****

(शोध प्राविधि)

शोध विधि: -

वर्तमान समय में शोध मनुष्य की प्रगति में एक आवश्यक एवं शक्तिशाली अभिकरण बनकर उभरा है । जब तक हम किसी भी शोध का व्यवस्थित ढंग से पूर्ण नहीं करेगें तब तक हमारी प्रगति में पर्याप्त विकास नहीं होगा । शोध क्षमता का महत्व उन लोगों के लिये और ज्यादा बढ़ जाता है जो व्यक्तिगत रूप से शोध में अपनी सक्रीय भागीदारी करना चाहते हैं । किसी भी शोध को पूर्ण करने में कई महत्वपूर्ण तथ्यों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पड़ती है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य तो उपयोगी एवं तथ्यपूर्ण समस्या का चुनाव किया है, इसके साथ ही शोध की डिजाइन (प्रारूप), उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग, शुद्ध एवं व्यवस्थित रूप से लिखना तथा उपयुक्त विधि तथा तकनीकी के प्रयोग से शोध को प्रभावी बताया जाना शामिल है। यह सब तथ्य सभी विषयों के शोध हेतु जितने महत्वपूर्ण है उतने ही महत्वपूर्ण शिक्षा सम्बन्धी शोधों पर ही समान रूप से लागू होते हैं ।

शैक्षिक शोध में भी अन्य विषयों के शोध के समान ही सामान्य लक्ष्य होते हैं इसके साथ ही अन्य शोधों की तरह वैज्ञानिक रीति से खोज करना, परिकल्पना एवं उपकल्पना का विकास, शोधविधि की योजना बनाना, ऑकड़ों को एकत्र करना तथा प्राप्त ऑकड़ों का विभेदीकरण करना, महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकालना तथा शोधग्रन्थ को लिखना शामिल है ।

ट्रेवर्स[80] के अनुसार, "शैक्षिक शोध वह क्रिया है जो व्यवहार के विज्ञान की ओर शैक्षिक परिस्थितियों में निर्देशित की जाती है । इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थी को प्रभावी विधि द्वारा स्थायी ज्ञान प्रदान करना है ।"

सामान्य रूप से शैक्षिक शोधों के प्रारूपों को तैय्यार करने में जो विधियां प्रयोग में लायी जाती है। उन्हें तीन भागों में विभक्त किया जा सकता है ।इन्हें सामान्य रूप से लेखकों ने आढ़ती मान्यता प्रदान की है ।

1- ऐतिहासिक विधिः- (हिस्ट्रिकल मैथड)

2- प्रयोगिक विधिः- (एक्पेरीमेन्टल मैथड)

3- विवरणात्मक विधिः- (डिस्क्रिप्टिव मैथड)

1- ऐतिहासिक विधि :-

इसका सम्बन्ध भूत से है तथा यह भविष्य को समझने के लिये भूत का विश्लेषण करता है। वास्तव में ऐतिहासिक अनुसंधान को उचित रूप में पूरा करना अत्यन्त कठिन है क्योंकि सही ऑकड़े प्रापत करने में बड़ी कठिनाई होती है ।

जान डब्लू बेस्ट के अनुसार,- " ऐतिहासिक अनुसंधान भूत का सम्बन्ध ऐतिहासिक समस्याओं के वैज्ञानिक विश्लेषण से है । इसके विभिन्न पद भूत के सम्बन्ध में नयी सूझ पैदा करते हैं जिसका सम्बन्ध वर्तमान और भविष्य से होता है ।"

एफ0एल0 छिटनी के अनुसार, "ऐतिहासिक अनुसंधान भूत का विश्लेषण करता है। इसका उद्देश्य भूतकालीन , घटना क्रम, तथय और अभिवृत्तियों के आधार पर ऐसी सामाजिक समस्याओं का चिन्तन एवं विश्लेषण करना है जिनका समाधान नहीं मिल सका है । यह मानव-विचारों और क्रियाओं के विकास की दिशा की खोज करता है जिसके द्वारा सामाजिक क्रियाओं के लिये आधार प्राप्त हो सके।"

ऐतिहासिक अनुसंधान के मूल उद्देश्यः-

1- जान डब्लू बेस्ट, रिसर्च इन एजूकेशन, पे0-86.

2- एफ.एल.व्हिट्ने, दि एलीमेन्ट ऑफ रिसर्च, पे0-92.

सामान्य रूप से तो ऐतिहासिक अनुसंधान के उतने उद्देश्य होगें जितने अनुसंधानकर्ता किन्तु मूल रूप से यइसके निम्नलिखित उद्देश्य हो सकते हैं ।

1- ऐतिहासिक अनुसंधान का मूल उद्देश्य भूत के आधार पर वर्तमान को समझना एवं भविष्य के लिये सतर्क होना है। अधिकांश चीजों का कोई न कोई ऐतिहासिक आधार होता है । अतः किसी समस्या घटना अथवा व्यवहार से समुचित मूल्यांकन के लिये उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचित होना आवश्यक है । अनुशासन सम्बन्धी वर्तमान कारक , शिक्षक के स्थान पर छात्र को महत्व, छात्र-परिषदों का गठन एवं उन पर नियंत्रण , व्यक्ति की वर्तमान अवधारणा, मापन और मूल्यांकन आदि सभी एक ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि में विकसित हुये है और आज वर्तमान रूप में है। अतः ऐतिहासिक अनुसंधान का मूल उद्देश्य ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में उन समस्याओं का मूल्यांकन करना है ।

2- ऐतिहासिक अनुसंधान का दूसरा प्रमुख उद्देश्य मनोविज्ञान अथवा अन्य सामाजिक विज्ञानों में चिन्तन को नयी दिशा देने एवं नीति निर्धारण में सहायता करना है । वह यह भी बताता है कि आज नयी कही जाने वाली वस्तुओं में नवीनता कहाँ तक है तथा बीच के परिवर्तनों के प्रभाव क्या पड़े हैं। इस प्रकार ऐतिहासिक अनुसंधान त्रुटियां के प्रति सतर्क कर मार्ग प्रशस्त करता है ।

3- ऐतिहासिक अनुसंधान का तीसरा उद्देश्य वैज्ञानिकों की भूतकालीन तथ्यों के प्रति जिज्ञासा की तृप्ति एवं भूत, वर्तमान तथा भविष्य का सम्बन्ध स्थापन है ।

4- ऐतिहासिक अनुसंधान का एक उद्देश्य किसी क्षेत्र विशेष के व्यावसायिक कार्यकर्ताओं के लिये पूर्व अनुभव के आधार पर भावी कार्यक्रम की रूप रेखा निर्धारित करने में सहायता करना है ।

5- यह इस बात को स्पष्ट करता है कि जिन परिस्थितियों में, जिन कारणों से व्यक्ति अथवा व्यक्तियों ने एक विशेष प्रकार का व्यवहार किया है तथा उसका प्रभाव उनके ऊपर तथा समाज पर क्या पड़ा है।

6- ऐतिहासिक अनुसंधान इस बात को भी विश्लेषण करता है कि आज जो सिद्धान्त तथा क्रियायें व्यवहार में है उनका उद्भव एवं विकास किन परिस्थितियों में हुआ है ।

प्रयोगात्मक विधि-

प्रयोग द्वारा एकत्र की गयी सभी जानकारी व्यवस्थित तथा पूरीतरह नियंत्रित होती है। प्रायोगिक अनुसंधान के अन्तर्गत परतन्त्र चर का स्वतन्त्र चर पर जो प्रभाव होता है , उसका अध्ययन प्रस्तुत करता है। यह एक व्यवस्थित अनुसंधान है जिसमें शोधकर्त्ता परिकल्पना का सत्यापन पूर्णरूपेण परिचित परिस्थितियों में करता है।

प्रयोगात्मक अनुसंधान में सभी पद लगभग वैसे ही है जैसे कि वैज्ञानिक अनुसंधान में; जैसे: -

(1) समस्या का चयन तथा परिसीमन।

(2) समस्या का परिकल्पना में परिवर्तन जिसे प्रयोगिक आंकड़ों के आधार पर स्वीकार अथवा अस्वीकार किया जाता है ।

(3) सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण- इसके अन्तर्गत समस्या से सम्बन्धित पूर्व में की गयी शोध समस्याओं का विवरण एकत्र किया जाता है ।

(3) प्रयोगात्मक परिकल्पन तैयार करना - इसके अन्तर्गत प्रयोग किये जाने का स्थान, समय अवधि उपयोग में आने वाले उपकरण तथा सम्बन्धित विषय के चुनाव सम्बन्धी जानकारी का विवरण एकत्र किया जाता है ।

(4) जनसंख्या का परिभाषीकरण

(5) शोध समस्या की अग्रिम रूपरेखा

(6) विभिन्न उपकरणों द्वारा मापन

(7) आँकड़ों का विश्लेषण

(8) निष्कर्ष निकालना ।

(9) प्रतिवेदन तैयार करना - शोध प्रतिवदेन इस प्रकार तैयार किया जाता है कि शोधग्रन्थ का अध्ययन करने वाला व्यक्ति इसकी विश्वसनीयता समझ सके ।

प्रयोगात्मक विधि के अन्तर्गत सभी सम्बन्धित तत्वों को नियंत्रित करना बड़ा ही कठिन कार्य है विशेष निम्न क्षेत्रों में :-

(1) बुद्धि (2) पूर्व की जानकारी (3) अध्ययन की आदत (4) अध्ययन के लिये समय (5) कार्यक्षेत्र के अतिरिक्त खर्च होने वाला धन आदि ।

अतः शैक्षिक अनुसंधान के अन्तर्गत यह आवश्यक है कि उन सभी तत्वों के बीच आपसी सामंजस्य स्थापित किया जाये जो वैज्ञानिक रूप से इसके लिये अन्यंत अवश्यक है।

वर्णनात्मक विधि :-

इस विधि में किसी भी समस्या की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन किया जाता है । गुड[22] के अनुसार, "वर्तमान विधि के अन्तर्गत वर्तमान तथ्य, समस्या से सम्बन्धित उद्देश्य, घटनायें, प्रयोग की जाने वाली विधियां, विश्लेषण वर्गीकरण, तथा सांख्यिकीय विधियों से मापन तथा मूल्यांकन किया जाता है ।"

इस विधि में शोधकर्त्ता किसी भी तथ्य को मनगढ़त अथवा घटनाओं का मात्र क्रमवद्य नहीं करता बल्कि घटनायें जिस रूप में घटित हुई है उनके आधार पर कोई भी अभिमत तैयार करता है भले ही वे उसके सामने घटित हुई हो या नही । यह विधि विशेषकर व्यावहारिक विज्ञानों में अधिक उपयोगी है ।

वर्णनात्मक अध्ययन के कुछ निम्न प्रकार है -

(1) सर्वेक्षण विधि-

(अ) **विद्यालय सर्वेक्षण** - आँकड़े एकत्र करने हेतु ।

(ब) **सामाजिक सर्वेक्षण** - सांस्कृतिक रीतिरिवाज, विवाह, रहन सहन की परिस्थितियां की जानकारी हेतु ।

(स) **सार्वजनिक वैचारिक सर्वेक्षण**- सामूहिक विचार जानने हेतु।

(द) **बाजार सर्वेक्षण** - चुने गये न्यादर्श से सम्बन्धित उपभोक्ताओं के विचार जानने हेतु ।

(2)(अ) **व्यक्तिगत**- किसी एक व्यक्ति से सम्बन्धित पूरी जानकारी एकत्र करने हेतु ।

(ब) **समुदाय** - कुल जन संख्या अथवा उसके प्रतिनिधि से सम्बन्धित आंकड़ो का विश्लेषण ।

(3) **तलनात्मक अध्यय**- किसी भी तथ्य अथवा प्रक्रिया के प्रभाव को तुलनात्मक आधार पर जानने हेतु।

(4) **रोजगार तथा क्रियात्मक विश्लेषण।**

(5) **पुस्तकाल शोध हेतु ।**

(6) **अनुसरण अध्ययन हेतु ।**

(7) **परम्परागत अध्ययन हेतु ।**

प्रस्तुत शोध बुन्देलखण्ड क्षेत्र के अनुसूचित जाति के बच्चों की अभिवृत्ति, बुद्धि, स्मृति तथा आकांक्षा स्तर के बीच आपसी सम्बन्ध जानने हेतु की जा रही है। अतः वर्णात्मकविधि, सर्वेक्षण विधि के रूप में वर्तमान शोध में प्रयोग की जायेगी ।

व्हिटनी के अनुसार[83], 'सर्वेक्षण, एक सुनियोजित तरीके से विश्लेषण तथा सामाजिक संस्थाओं, समूहों तथा क्षेत्र के बारे में समुचित जानकारी एकत्र करता है। यह निश्चित समय में अधिक विस्तृत विवरण तथा आंकड़े एकत्र करने की सर्वोत्तम विधि है। इसका उद्‌देश्य विभिन्न समूहों को

वर्गीकृत करना, सामान्यीकृत करना तथा तुरन्त निष्कर्ष निकालने हेतु उन्हें तैयार करता है ।"

(6) प्रस्तुतशोध में वर्णनात्मक विधि का प्रयोग-

प्रस्तुत शोध में वर्णनात्मक विधि प्रयोग करने का उद्देश्य निम्न प्रकार से स्थापित किया गया है :-

(1) सम्बन्धित घटनाओं की जानकारी अद्यतन ज्ञात करना ।

(2) उन समस्त स्तरों की जानकारी प्राप्त करना जिनके आधार पर प्रभावी निराकरण प्राप्त हो सकता है ।

(3) अन तरीकों तथा विधियों को ज्ञात करना जिनसे शोध कार्य संचारू रूप से सम्पादित किया जा सकता है ।

प्रस्तुत शोध समस्या में आंकड़ों का एकत्रीकरण करने हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जायेगा । सर्व प्रथम अनुसूचित जाति तथा सामान्य जाति के विद्यार्थियों से सम्बन्धित विद्यालयों की जानकारी की जायेगी तत्पश्चात् अलग-अलग ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र के अनुसार अनुसूचित जाति तथा सामान्य जाति के बालकों तथा बालिकाओं का चयन किया जायेगा ।

प्रस्तुत समस्या के अन्तर्गत, " बुन्देल खण्ड सम्भाग में अनुसूचित जाति के किशोर वर्ग विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का शैक्षिक निष्पत्ति, बुद्धि, स्मृति तथा आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध" का अध्ययन किया गया है । इस हेतु सर्वे विधि का प्रयोग किया गया है । सर्व प्रथम विद्यालयों का सर्वेक्षण करके सामान्य वर्ग तथा अनुसूचित जाति के बालक एवं बालिका विद्यालयों की संख्या सात की गयी । इस हेतु हाईस्कूल एवं जूनियर हाईस्कूल दोनों ही प्रकार के विद्यालयों को चुना गया तत्पश्चात् नगरीय तथा ग्रामीण दानों ही क्षेत्रों से बराबर संख्या में विद्यालयों का चयन करके इन विद्यालयों में अध्ययनरत् सामान्य वर्ग की बालक एवं बालिकाओं का चयन किया गया ।

स्मृति मापनी (टेस्ट) का निर्माण:-

शोधकर्ता द्वारा अध्ययन हेतु एक स्मृति मापनी का निर्माण किया गया जिसमें हिन्दी के ऐसे बीस (20) शब्दों को लिया गया जो आपस में एक दूसरे से असम्बद्ध थे ।

स्मृति (टेस्ट) हेतु लिये गये शब्दों के बीस जोड़ों की सूची-

1-	गणेश	-	महोदय
2-	नवयुवक	-	समानता
3-	छात्रावास	-	मूर्खता
4-	धैर्य	-	प्रयत्न
5-	स्थिति	-	आवेग
6-	त्याग	-	चरण
7-	बन्धन	-	विजय
8-	दया	-	शरण
9-	आरम्भ	-	प्रतीक्षा
10-	सहायता	-	तरूण

11-	आजाद	-	संघर्ष
12-	संकीर्ण	-	शरीर
13-	मीटर	-	भाई
14-	कमीज	-	परतन्त्र
15-	ईश्वर	-	स्वाभाव
16-	पत्थर	-	चपलता
17-	हर्ष	-	करीब
18-	निन्दा	-	पुरानी
19-	जड़	-	भारत
20-	औषधि	-	सदैव

अभिवृत्ति मापनी का निर्माण-

एक अभिवृत्ति मापनी का निर्माण, जिसमें विभिन्न मतों वाले व्यक्तियों को चुना गया, किया गया। विभिन्न कथनों पर विभिन्न मतों वाले व्यक्तियों के विचार की अलग-अलग होगें। यदि वे एक ही विचार धारा नही रखते हैं। यदि एक ही कथन पर विभिन्न मतों वाले व्यक्ति अलग-अलग अभिमत व्यक्त करते है तो वह कथन मापनी में सन्तोषजनक नहीं होगें । अतः किसी भी मापनी का निर्माण करते समय हमें उपरोक्त बातों को दिमाग में रखकर ही करना चाहिये ।

कोई कथन उस व्यक्ति के व्यवहार को व्यक्त करता न कि तथ्यों को । कोई भी दो व्यक्ति जो अलग-अलग विचार धारा के हो किसी एक मुद्दे पर तथ्यों के आधार पर एक मत हो सकते हैं लेकिन यह उनकी अभिवृत्ति को व्यक्त करना नहीं माना जायेगा । उदाहरणार्थ- कोई दो व्यक्ति कश्मीर के बारे में पाकिस्तान के रवैये पर विचारिक मतभेद रख सकते हैं। एक पाकिस्तान के पक्ष में हो सकता है तो दूसरा भारत के पक्ष में परन्तु दोनों इस तथ्य पर एक मत हो सकते हैं कि

यूनेओ कश्मीर की समस्या को हल करने में असफल रहा है।

अतः यदि हम किसी कथन पर सहमत है अथवा विश्वास करते हैं तो इसका यह अर्थ नहीं है कि हम किसी व्यक्ति की अभिवृत्ति का मापन कर रहे है। लिकर्ट ने किसी भी कथन का चयन करने हेतु कुछ तरीके सुझाये हैं जिनमें से कुछ प्रमुख निम्न है -

1- यह अत्यन्त आवश्यक है कि सभी कथन वैचारिक व्यवहार पर आधारित हो न कि तथ्यों पर ।

2- सभी कथन स्पष्ट, सरल तथा सपाट भाषा में होने चाहिये । उनकी भाषा इतनी स्पष्ट और प्रभावशाली हो कि उनका अर्थ स्वतः ही समझ में आ जाये। ऐसे नकारात्मक कथन नहीं होना चाहिये जिनका दुहरा अर्थ निकलता है और उनसे भ्रान्ति उत्पन्न हो जाये ।

3- कथन ऐसे न हो जिनके पढ़ने पर उत्तरदाता उत्तेजित हो जाये। अथवा उनके मस्तिष्क में तनाव हो जाये और वह चाहकर भी प्रश्नों के उत्तर न दें ।

4- ऐसे कथनों को मापनी में स्थान नहीं देना चाहिये जिसका आधा भाग तो पूर्ण रूपेण उत्तरदाता को संतुष्ठ कर रहा हो और आधा भाग उसे पूरी तरह असंतुष्ट कर रहा हो।

5- प्रत्येक कथन में उत्तरदाता का केवल एक अभिमत ही जानने का प्रयास किया जाये न कि उसे भ्रमित करके उसके अभिमत को भ्रमित करने का प्रयास किया जाये ।

शोधकर्ता मापनी का निर्माण करते समय उपरोक्त सभी तथ्यों को ध्यान में रख मापनी के निर्माण हेतु उसने लगभग तीस कथनों को ध्यान में रक्खा तथा लगभग 140 कथन तैयार किये । मापनी के निर्माण उन विद्यालयों के शैक्षिक स्तर का भी ध्यान रक्खा गया जहाँ के पढ़ने वाले छात्रों से इस मापनी के उत्तर प्राप्त करने हेतु निश्चय किया गया है । अतः सभी कथनों में विद्यालय शिक्षकों, विषयों, पुस्तकालय, खेलकूद के मैदान तथा उन विद्यालय के शैक्षिक स्तर आदि का पूरा ध्यान रक्खा गया मापनी तैयार करके सर्वप्रथम अध्यापकों शिक्षित अभिभावकों एवं ऐसे व्यक्तियों को दी गयी जो

बच्चों की शिक्षा से जुड़े हुये थे तथा उनसे इन कथनों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने हेतु अनुरोध किया गया उसके पश्चात शोधकर्ता द्वारा इन कथनों पर व्यक्तिगत रूप से इसी वर्ग के लोगों से विचार विमर्श किया गया तथा आवश्यकतानुसार कुछ कथन इसमें जोड़े गये तथा कुछ हटाये भी गये । मापनी को पूर्णता प्रदान करने के बाद इनको छपी हुई एक पुस्तिका के रूप में प्रस्तुत किया गया । सभी कथनों के उत्तर को पाँच भागों में प्राप्त किये गये -

1- पूर्णतः सहमत

2- सहमत

3- न सहमत, न असहमत

4- असहमत

5- पूर्णतः असहमत

इन सभी को मापनी में क्रमशः 5,4,3,2,1 तथा नकारात्मक प्रश्नों में 1,2,3,4,5 के क्रमांक में रक्खा गया । इस बात का भी ध्यान रक्खा गया कि 50% प्रश्न धनात्मक हो तो 50% प्रश्न नकारात्मक प्रकार के हो ।

एटीट्यूड मापनी का प्रशासन-

मापनी को स्कूल छात्रों से भरवाने हेतु स्कूल प्रधानाचार्यो से सम्पर्क किया गया तथा कक्षा 8,9,10 एवं 11 के छात्रों से इसमें भाग लेने की अनुमति ली गयी । इस बात का पूरा ध्यान रक्खा गया कि समान संख्या में नगर एवं ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं को चयन हो। अभिवृत्ति मापनी के मूल्यांकन की तिथि निश्चित हो जाने पर शोधकर्ता अपने साथ दो सहायकों को लेकर इन विद्यालयों में गया तिथि निर्धारण के पूर्ण सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों से सम्बन्धित दिनांक को अपने साथ रबड़ तथा पेन्सिल साथ लाने के लिये कह दिया गया ।

सभी विद्यार्थियों को हाल अथवा बड़े कमरे में बैठने के लिये कहा गया तथा शोधकर्ता ने इस मापनी को भरने के उद्देश्य के बारे में छात्रों को बतलाया । तत्पश्चात् विद्यार्थियों को यह

बतलाया गया कि उन्हें प्रत्येक कथन के आगे बने हुये कोष्ठक में पेन्सिल द्वारा (/) का निशान लगाना है । वह अपने विवेक से किसी भी प्रश्न में उसकी उपयोगिता तथा महत्व के अनुसार पूर्णतः सहमत, सहमत, न सहमत न असहमत, पूर्णतः असहमत, असहमत किसी भी खाने में निशान लगाने हेतु स्वतन्त्र है परन्तु इस बात का ध्यार रक्खे कि किसी भी स्थिति में कोई भी प्रश्न अनुत्तरित न रहे । प्रश्नों के उत्तर देने हेतु समय की कोई सीमा निर्धारित नहीं की गयी । छात्र से आराम से प्रश्नों को हल करने को कहा गया तथा आवश्यकतानुसार समय लेने का निर्देश दिया गया । सभी आवश्यक निर्देश देने , उत्तर देने के तरीके बताने के बाद विद्यार्थियों को अपनी कोई शंका का समाधान करने के लिये कहा गया। उनकी सभी शंकाओं के निराकरण करने के उपरान्त उनसे अपनी किसी भी अन्य समस्या के समाधान हेतु अपनी सीट पर खड़े होने को कहा गया ।

पूर्णतः संतुष्ट हो जाने के बाद विद्यार्थियों से अपनी पेन्सिल से निशान लगाने के लिये कहा गया । प्रत्येक 15 मिनट की समाप्ति पर उन्हें समय के बारे में तब तक जानकारी प्रदान की जाती रही जब तक कि आखिरी छात्र द्वारा प्रश्नावली भर कर जमा नहीं कर दी गयी । जब सभी विद्यार्थियों ने प्रश्नावली जमा कर दी तब उन्हें एकत्र कर उनकी गिनती की गयी तथा विद्यार्थियों को छोड़ दिया गया । अन्य केन्द्रों पर इसी प्रकार की व्यवस्था करके प्रश्नावली के उत्तर प्राप्त किये गये शोध हेतु 6 विद्यालयों का चयन किया गया जिनमें दो ग्रामीण तथा चार नगरीय क्षेत्र के थे । विद्यालयों की विस्तृत जानकारी निम्नवत् है ।

प्रश्नावली के मूल्यांकन हेतु चुने गये विद्यालयों के नाम की सूची

क्रमांक	विद्यालय	बालक/बालिकाये	मुख्य अनु0जाति	मुख्य सामान्य	कुल	क्षेत्र
1-	राज0इं0का0 झाँसी	बालक	8	8	16	नगरीय
2-	अग्रसेन इं0का0 मऊरानीपुर	बालक	7	7	14	नगरीय
3-	सु0प्र0 रा0बा0इं0कालेज,झाँसी	बालिकायें	8	8	16	नगरीय
4-	रा0बा0इं0 कालेज, उरई	बालिकायें	7	7	14	नगरीय
5-	मा0उ0मा0वि0, तालबेहट	बालक/बालिकायें	10(गर्ल्स)	10(गर्ल्स)	20	ग्रामीण
6-	बे0मा0तिवारी इं0कालेज, आटा	बालक	10	10	20	ग्रामीण

अभिवृत्ति मापनी के ऑकड़े का एकत्रीकरण:-

अभिवृत्ति मापनी में विद्यार्थियों द्वारा जो सही के निशान अंकित किये गये उन्हें धनात्मक एवं ऋणात्मक दोनों ही कथनों हेतु पूर्ण सहमत , सहमत, अनिश्चित, पूर्णतः असहमत, असहमत के आधार पर क्रमशः 5,4,3,2,1 नकारात्मक प्रश्नों हेतु एवम् 1,2,3,4,5 धनात्मक कथनों हेतु गिने तथा उनका योग किया गया । इस प्रकार प्रत्येक प्रश्नावली पुस्तिका का मूल्यांकन करके कुल अंक सम्बन्धित विद्यार्थी की पुस्तिका पर अंकित कर दिये गये है ।

आंकड़ों का विश्लेषण-

सभी मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं को इस प्रकार एक दूसरे के ऊपर रक्खा गया कि सबसे अधिक अंक प्राप्त करता की पुस्तिका सबसे ऊपर तथा सबसे कम नम्बर प्राप्त करने वाले विद्यार्थी की प्रतिमा सबसे नीचे रहे तथा विद्यार्थियों का चार्ट तैयार किया गया जो निम्न प्रकार था-

उच्च अंक प्राप्त छात्रों का ग्रुप

तालिका क्रमांक 3.3

आइटन नं. क्रमांक	1	2	3	4	5	6	7	136	137	138	139	140	कुल एम.एम 700
1	5	5	5	5	1	5	5	5	5	5	5	5	658
2	55	5	5	5	2	5	4	2	5	5	4	4	643
50	3	3	5	5	5	5	5	5	1	5	5	5	511

कम अंक प्राप्त छात्रों का ग्रुप

51	4	4	5	5	3	4		4	1	1	4	4	509
52	2	5	4	4	5	5		4	5	4	3	5	506
100	1	3	2	1	1	1		2	2	2	1	1	194

उत्तर देने का तरीका:-

प्रत्येक कथन का उत्तर प्राप्त करने के बाद जो विवरण तालिका उच्च तथा कम अंक प्राप्त छात्रों का तैयार किया गया था उसी के आधार पर उत्तर प्राप्त पद्धति को अलग-अलग प्रश्नों के उनकी महत्ता के अनुसार अलग - अलग विवरण निम्नतालिका के अनुसार तैयार किया गया -

उत्तर- पद्धति

तालिका क्रमांक- 3.4

	1	2	3	4	5	6	7	136	137	138	139	140
5	38	42	42	44	20	36	18	25	25	29	27	34
4	7	3	3	2	17	8	25	3	3	13	13	7
3	4	3	4	4	5	4	5	6	9	4	8	8
2	0	2	0	0	3	0	1	14	2	1	1	0
1	1	0	1	0	5	2	1	2	1	3	1	1
कुल	50	50	50	50	50	50	50	50	50	50	50	50

निम्न वर्ग

	1	2	3	4	5	6	7	136	137	138	139	140
5	15	21	21	16	11	10		10	16	8	10	15
4	5	8	6	9	4	8		6	5	7	10	4
3	13	11	15	9	10	10		12	11	12	12	5
2	8	7	3	6	3	11		9	6	8	3	5
1	9	3	5	10	14	9		13	13	12	15	21
कुल	50	50	50	50	50	50		50	50	50	50	50

उपरोक्त विवरण तालिका से प्रत्येक कथन तथा उसके बारे में प्राप्त अन्तरों के बारे में स्पष्ट जानकारी प्राप्त हो गयी उदाहरणार्थ - यदि हम कथन सं0 1 के उत्तर की महत्ता को देखे तो क्रमांक 5 पर 38 उत्तरदाताओं ने अपना अभिमत पक्ष में प्रस्तुत किया क्रमांक 4 पर 7, क्रमांक 3 पर 4, क्रमांक 2 पर कोई नहीं तथा क्रमांक 1 पर 1 उत्तरदाता ने अपना स्पष्ट मत व्यक्त किया । इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न के पक्ष तथा विपक्ष में सर्वाधिक अंक तथा न्यूनतम अंक प्राप्त प्रश्नों के उत्तर का सारांश पत्र बनाने में काफी सुविधा हो गयी । उपरोक्त तालिका में केवल 50 उत्तरदाताओं को ही सम्मिलित किया गया तथा लड़कें एवं लड़कियों तथा नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्र के अलग-अलग ऑकड़े एकत्र किये गये । इस विवरण पत्र को तैयार करने के उपरान्त प्रत्येक कथन की डिस्क्रिमिनेटिव पावर (Discriminitive Power) उच्च एवं कम अंक प्राप्त वर्गो हेतु निम्न प्रकार से ज्ञात की गयी।

चतुर्थ अध्याय

चतुर्थ अध्याय

आँकड़ों का एकत्रीकरण

4.1 **जनसंख्या का एकत्रीकरण :-** इन्टरनेशनल इनसाइक्लोपीडिया आफ एजूकेशन (1985) के अनुसार - "शैक्षिक अनुसंधान कर्ताओं के रूचि की जनसंख्या सामान्यतः जन संख्या होती है जिसको उसने निहित तत्वों से संयुक्त रूप परिभाषित किया जा सकता है ।"

प्रस्तुत अध्ययन की जनसंख्या में उत्तर प्रदेश के पिछड़े क्षेत्र बुन्देलखण्ड सम्भाग के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के बालक एवं बालिकाओं को सम्मलित किया गया है। इतनी बड़ी जनसंख्या होते हुए प्रत्येक का व्यक्तिगत रूप से अध्ययन करना सम्भव नहीं था, अतः इस जनसंख्या में से एक छोटा किन्तु प्रतिनिधि प्रतिदर्श चयनित किया जाना था ।

प्रतिदर्श एक छोटा वर्ग है, जो कि सम्पूर्ण जनसंख्या का कुछ विशिष्ट गुण या गुणों के आधार पर प्रतिनिधित्व करता है। प्रतिदर्श की अनुसंधान में आवश्यकता इस तथ्य से बढ़ जाती है कि सम्पूर्ण जनसंख्या एक बहुत बड़ा समुदाय है जिसका कि व्यक्तिगत रूप से अध्ययन करना यदि असंभव नहीं तो कठिन अवश्य है। प्रतिदर्श को संपूर्ण जनसंख्या का प्रतिनिधि एवं निष्पक्ष-पाती होना चाहिए । प्रतिदर्श किस प्रकार तक संपूर्ण जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि प्रतिदर्श किस प्रक्रिया द्वारा निगमित किया गया है । प्रतिदर्श की मुख्य रूप से दो श्रेणियां है- संभाव्य प्रतिदर्श, असंभाव्य प्रतिदर्श ।

तीन प्रकार के संभाव्य प्रतिदर्श निम्नलिखित है -

1- साधारण आकस्मिक प्रतिदर्श।

2- प्रस्तरीकृत आकस्मिक प्रतिदर्श।

3- समूह प्रतिदर्श।

असंभाव्य प्रतिदर्श के भी तीन प्रकार हैं:-

1- अंश प्रतिदर्श।

2- उद्देश्यात्मक प्रतिदर्श।

3- आकस्मिक (नैमित्रिक) प्रतिदर्श।

सभी प्रकार की प्रतिदर्श की विचार करना निरर्थक है, क्योंकि वे सभी शैक्षिक सांख्यिकीय की मानक पुस्तकों में सामान्यतः पाये जाते हैं । प्रस्तुत अध्ययन में द्विस्तरीय प्रस्तरीयकृत आकस्मिक प्रतिदर्श प्रविधियों का प्रयोग किया गया है। प्रथमतयः शहर और देहात के वे स्कूल जहाँ अनुसूचित जाति, और गैर अनुसूचित जाति के किशोर उपस्थित थे, और दूसरे संयोगिक रूप जिन विषयों को चुना गया है उनमें चयनित उन बालक और बालिकाओं की संख्या ज्यादा थी जो कक्षा 8, 9, 10 में पढ़ रहे थे, और कुछ कक्षा 7 के विद्यार्थी भी जो अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित वर्ग से थे ।

तालिका क्रमांक - 4.1 [नगर]

नगरीय विद्यालयों में कक्षावार प्रयोगार्थियों की संख्या

कक्षा		8				9				10				11				कुल योग
जाते		अनु.जाते		सामान्यजाते		अनु.जा.		सा.जा.		अनुजा.		सामान्यजा.		अनु.जा.		सामान्य जा.		
क्रमांक	विद्यालय	बा.	बालि.	बा.	बालि.	बा.	बालि.	बा.	बालि.	बा.	बालि.	बा.	बालि.	बा.	बालि.	बा.	बालि.	
1-	रा.इ.का.झाँसी	8	8	14	12													42
2-	अग्र.इं.का.मऊरानीपुर	4	-	19														23
3-	सूरज प्रसाद रा.बा.इ. झाँसी					×	×	×	8	×	8	×	17	×	7			40
4-	रा.बा.इ. उरई	×	3	×	7	×	10	×	8	×	4	×	4					36
5-	गाँधी इं. का. उरई					13	×	9	×	9	×	17	×					48
6-	एम.एस.बी. इका कालपी					31	×	25	×									56
7-	रा.बा.इं.का.बाँदा					×	7	×	17	×	×	×	×					24
8-	राष्ट्रीय बा.इं. मौदहा	17	×	23	×	19												59
9-	रा.इं.का. हमीरपुर	×	×	×	×	13	×	13	×									26
10-	रा.बा.इं.का.राठ	×	10	×	14	×	12	×	1									40
11-	रा.इ.का. ललितपुर	1				3				2					3			06
	योग-	30	21	56	33	79	37	47	26	11	12	17	21		10			400

तालिका क्रमांक 4.2 (ग्रामीण)

ग्रामीण विद्यालयों में कक्षावार प्रयोज्यों की संख्या

कक्षा		8				9				10				योग
जाति		अनु.जा.		सामा.जा.		अनु.जा.		सामा.जा.		अनु.जा.		सामा.जा.		
क्रमांक	विद्यालय	बा.	बालि.	बा.	बालि.	बा.	बालि.	बा.	बालि.	बा.	बालि.	बा.	बालि.	
1-	मैथिलीशरण जू.हा.चिरगाँव	-	7	-	1									08
2-	आदर्श कृ.उ.मा.वि. मोठ		2				4				3		8	17
3-	बेनीमाधव तिवारी इं.का. आटा	11		-	-	3	2	-	-	7	-	-	-	23
4-	जू.हा.उसरगांव	3	-	3	-									06
5-	मा.उ.मा.वि. तालवेहट	8	3											11
6-	द.ह.उ.मा.वि. दूतरी (बाँदा)	14				4	-	2		2	-	7	-	29
7-	ल.न.उ.मा.वि. ठिठरई (हमीरपुर)	7	2	24	7	4	1	19	5	12	4	17	4	106
	कुल -	43	11	30	8	11	7	21	5	21	7	24	12	200

तालिका क्रमांक 4.3

सामान्य तथा अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की कुल संख्या

क्षेत्र जाति	ग्रामीण बालक	 बालिका	नगरीय बालक	 बालिका	कुल
सामान्य जाति	75	25	120	80	300
सामान्य जाति	75	25	120	80	300
कुल	150	50	240	160	600

तालिका क्रमांक - 4.4

ग्रामीण तथा नगरीय विद्यालयों की कुल संख्या

क्र.सं.	स्कूल का प्रकार	संख्या	स्कूल का प्रकार	सं.	स्कूलों की कुल सं.
1-	नगरीय बालकों के विद्यालय	6	ग्रामीण बालकों के विद्यालय	3	
2-	नगर्रीय बालिकाओं के विद्यालय	4	ग्रामीण बालिकाओं के विद्यालय	1	
3-	नगर्रीय मिश्रित विद्यालय	1	ग्रामीण मिश्रित विद्यालय	3	
	कुल	11		7	18

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि 6 लड़कों के स्कूल 4 लड़कियों के स्कूल और एक मिश्रित स्कूल शहरी क्षेत्र से और 3 लड़कों के स्कूल, एक लड़कियों का स्कूल और 3 मिश्रत स्कूल ग्रामीण क्षेत्र के उद्देश्य के लिये चुने गये थे। यह सदैव एक कठिन कार्य रहा है कि रिसर्च उद्देश्य के लिये विशेष कर ग्रामीण स्कूलों से आँकड़े एकत्र किये जाय । क्योंके यातायात समस्या के साथ-साथ यह सदैव संभव नहीं है कि हमें आवश्यकता के अनुरूप विद्यार्थी मिल जायें विशेषकर जबकि परीक्षणों की संख्या बहुत अधिक हो। उस स्थिति में संपूर्ण आँकड़े एकत्र करने के लिये सभी स्कूलों में दो या तीन बार जाना आवश्यक है। आँकड़े एकत्र करने में निम्नलिखित प्राक्रिया अपनाई गई थी। जैसा कि पिछले अध्याय में पहले ही पैरा 3.57 में व्याख्या की जा चुकी

है जबकि स्वनिर्मित दृष्टिकोण पैमाना की चर्चा हुई थी । दृष्टिकोण मापक में 30 वक्तव्य अंतिम रूप से थे जिनको मुद्रित किया गया था , और 600 से अधिक विभिन्न स्कूलों में प्रयोग किये गये जैसा कि तालिका 4.1 तथा 4.2 में दिया गया है । निम्न परीक्षणों का प्रयोग किया गया था ।

4.2 दृष्टिकोण परीक्षण -

स्कूल सम्पर्क करने से पहले स्वनिर्मित दृष्टिकोण मापक को छपवा कर करीब 600 से अधिक प्रतियाँ प्रापत की गयी और उनके प्रयोग के लिये विभिन्न तारीखों को इस उद्देश्य के लिये निश्चित किया गया । प्रधानाचार्यो और कक्षा अध्यापकों को विश्वास में लिया गया और विद्यार्थियों को निश्चित तारीख पर अपनी पेंसिल और रबर लाने के लिये निर्देशित किया गया । अनुसंधानकर्ता अपने सहायक के साथ समय से पूर्ण अपनी पुस्तिका की प्रतियों को लेकर स्कूल पहुँचा। जब विद्यार्थी एक बड़े कमरे में बैठ गये तब उन्हें दृष्टिकोण मापक प्रश्नों के उत्तर देने की विधि समझाई गई । उन्हें यह कहा गया कि कोई भी विद्यार्थी प्रश्न छोडेगा नहीं और उत्तर देने में वे अपने अनुसार समय ले सकते हैं जैसा कि परीक्षा की कोई समय सीमा नहीं थी । परीक्षण उपयोगिता के बारे में भी उन्हें बताया गया । जब वे सभी निर्देशों को और उत्तर देने की विधि को भली प्रकार समझ लिया जब उन्हें पुस्तिकायें वितरित कर दी गई और उन्हें कार्य प्रारम्भ करने को कहा गया। सभी 30 प्रश्नों के उत्तर देने के लिये उन्हें पर्याप्त समय दिया गया । जब विद्यार्थियों ने अपना कार्य समाप्त कर लिया तो पुस्तिकाओं को एकत्र करके गणना कर ली गई और तब विद्यार्थियों को 30 मिनट विश्राम देकर दूसरे परीक्षण के तैयार रहने को कहा गया ।

4.2.1 परीक्षण की विश्वसनीयता -

विश्वसनीयता का अर्थ है निर्भरता परीक्षण की विश्वसनीयता एक ही व्यक्ति द्वारा विभिन्न अवसरों पर प्राप्त किये गये प्राप्तांकों की उपस्थिति को बताती है । मैककाउल के

अनुसार विश्वसनीयता का अर्थ किसी परीक्षक द्वारा एक ही शिष्य से एक परीक्षण के दो या अधिक परिणामों की सहमति की मात्रा से लिया जाता है ।"

यदि एक परीक्षण विश्वसनीय है तो इसे बार-बार परीक्षण में परिणामों को बताना चाहिए । इसलिए किसी परीक्षण की विश्वसनीयता अवश्य ज्ञात करनी चाहिए और यदि यह उच्च है तो यह सदैव उचित और निर्भरयोग्य परिणाम बतायेगा। बर्नन[82]के अनुसार - "यदि कोई परीक्षा पूर्वतः समान परिस्थितियों में प्रयोग में लाया जाता है और अभ्यर्थी के प्राप्तांक पहले से अधिक भिन्न आते हैं तो यह परीक्षण उचित नहीं माना जायेगा । यह तभी विश्वसनीय कहा जायेगा जबकि प्राप्तांकों को दो वर्गो में उच्च सह सम्बन्ध हो । अर्थात $r = +.9$ दूसरे शब्दों में यदि भिन्न-भिन्न परीक्षक परीक्षण का प्रयोग करते है तो उन्हें वहीं प्राप्तांक अथवा उसके करीब-करीब प्राप्तांक प्राप्त हो जाय। विश्वसर्नीयता जॉच के कई तरीके है-

(1) परीक्षक पुर्नपरीक्षण या पुनरावृत्ति विधि ।

(2) समान रूप, या एकोत्तर रूप या समान्तर रूप विधि ।

(3) अर्ध विखंडन विधि ।

(4) अनुपातिक समानता विधि ।

इन विधियों की गुण दोषों सहित विवेचना करना व्यर्थ है क्योंकि ये शैक्षिक सांख्यिकीय की सभी पुस्तकों में पाई जाती है।

जैसा कि कोई भी विधि अपने आप में पूर्ण नहीं है यहाँ तक कि अर्ध विखंडन विधि जो इस अध्ययन में प्रयुक्त हुई है वह भी संतोषजनक नहीं है क्योंकि एक परीक्षण का विभिन्न तरीकों से द्विभाजित किया जा सकता है । अतः द्विभाजित कारना आरबीट्रेरी है प्रत्येक खंड संपूर्ण परीक्षण की विश्वसनीयता से कुछ भिन्न है । स्वनिर्मित परीक्षण की विश्वसनीयता का पता लगाने के लिये अर्ध विखंडन विधि का प्रयोग किया गया है । इस विधि में किसी परीक्षण के तत्वों को दो भागों में बॉटा गया है। इसके लिये उन्हें विषम संख्या और सम संख्या के वर्ग में बॉटा गया है। समविषम विधि एक

ही परीक्षण के प्राप्त हुए दो प्राप्तांकों को बराबर बनाती है। यह सम्बन्ध गुणांक द्वारा एक ही परीक्षण के प्राप्तांकों के दो सेटों की सहमति निर्धारित है जो कि परीक्षण की विश्वसनीयता बताती है परन्तु यह केवल आधे परीक्षण की ही विश्वसनीयता बताती है । संपूर्ण परीक्षण की विश्वसनीयता जाँचने के लिये स्पेयरमैन ब्राउन प्रोची सूत्र का प्रयोग किया जाता है ।

स्वनिर्मित अभिरूचि मापनी में 30 तत्व है, इसे 600 लड़के और लड़कियों पर यह कहकर जाँचने के बाद कि उन्हें प्रत्येक तत्व को बिना किसी समय सीमा को ध्यान में रखकर हल करना है पुस्तिकोप गिनी गई। जैसा कि पैरा 3.42 तथा स्टूडेंट आइटन चार्ट जो कि पैरा 3.43। में दिया गया है के अन्तर्गत प्रत्येक पुस्तिका पर लिखे प्राप्तांकों को सभी 600 पुस्तिकाओं के अवरोही क्रम में लगाया गया । सबसे ऊपर वाली पुस्तिका को निकाल कर प्रत्येक आइटम को उसके भारानुसार चिन्हित किया गया। आइट क्षैतिज रूप में लिखे गये और अंत में पुस्तिकाओं का संपूर्ण योग जाना गया और लिखा गया जिसे पुस्तिका के कवर पेज पर लिखे प्राप्तांकों से मिलाया गया और तब एक -एक कर पुस्तिकायें ले ली गई और आइटम्स को पहले की तरह चिन्हित किया गया। इस प्रकार सभी 600 पुस्तिकाओं का स्टूडेंट आइटम चार्ट तैयार किया गया ।

विश्वसनीयता जाँच करने के लिये प्रत्येक सातवीं पुस्तिका के आइटम्स गिने गये और सभी 30 आइटम्स का योग पता लगाया गया। चुनी गई पुस्तिकायें सारणी 4.5 में दी हुई है ।

तब विश्वसनीयता पता लगाने के लिये समविषय विधि का प्रयोग किया गया। धनात्मक और ऋणात्मक आइटम्स की भाँति परीक्षणों को आइटम्स एकांतर क्रम में व्यवस्थित किये गये। सबसे पहले *(item)* धनात्मक 1,3,5,7,9,11,13,15,17,19,21,23,25,27 और 29 आइटम वर्ग में एक साथ रखे गये और तब उसमें से आइटम *(item)* 2,4,6,8,10,12,14,16,18,20,22,24,26,28,30 लिये गये और अब उसमें से और *(items)* आइटम के मध्य विषम शृंखला बनाई गई इसके लिये आइटम नम्बर 1,2,5,6,9,10 13,14,17,18,21,22,25,26 और 29 को एक वर्ग में रखा गया और संख्या आइटम की शृंखला नं.

3,4,7,8,11,12,15,16,19,20,23,24,27,28,30 को वर्ग में रखकर बनाई गई । इस प्रकार संयुक्त *odd* और *even* आइटम श्रंखला में से प्रत्येक के 15 आइटम लेकर सम, विषम श्रंखला में उपस्थित है। इस विधिको सम विषम आइटम श्रंखला में *odd* व *even* आइटम को एकांतर क्रम में रखने के लिये अपनाया गया ।

विषम अंकों की श्रेणी बद्धता

388	362	365	399	421	364	391
385	299	329	339	334	323	345

N = 15

सम अंकों की श्रेणी बद्धता:-

379	340	377	364	376	372	372
345	316	311	319	312	324	341

N = 15

सम तथा विषम अंकों के बीच सह सम्बन्धात्मक गुणांक प्रोटक्ट मोमेन्ट विधि के विकरण रेखा चित्र जो कि तालिका क्रमांक 4:6 में दिया गया है, के प्रयोग से बनाया गया है।

$$r11 = \frac{N.\Sigma X\,y - \Sigma fX.\,\Sigma fy}{\sqrt{[N.\Sigma fx^2 - (\Sigma fx)^2][N.\Sigma fy^2 - (\Sigma fy^2)]}}$$

$$\frac{15\times49-0\times-8}{\sqrt{(15\times98-0)\ (15\times42-(\cdot8)^2\ )}}$$

$$= \frac{735}{\sqrt{(1470)\ (630-64)}}$$

$$= \frac{735}{\sqrt{1470\times566}}$$

$$= \frac{735}{\sqrt{832020}}$$

$$= \frac{735}{921.25} = +\ .806$$

इससे 50% परीक्षण की विश्वसनीयता ही प्राप्त हुई अतः पूरे परीक्षण की विश्वसनीयता प्राप्त करने हेतु स्पीयरमैन -ब्राउन प्रोपेरी फार्मूला प्रयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 4.5

बैधता निकालने हेतु प्रत्येक सॉतवी बुकलेट के क्रमांक का चयन

1	61	121	181	241	301	361	421	481	541
7	67	127	187	247	307	367	427	487	547
13	73	133	193	253	313	373	433	493	553
19	79	139	199	259	319	379	439	499	559
25	85	145	205	265	325	385	445	505	565
31	91	151	211	271	331	391	451	511	571
37	97	157	217	277	337	397	457	523	577
43	103	163	223	283	343	409	469	529	589
55	115	175	235	295	355	415	475	535	595

N = 100

तालिका क्रमांक 4.6

विषम तथा सम अंकों के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक तालिका

	310-319	320-329	330-339	350-359	360-369	370-379	FE	Y	fy	fy^2	X	XY
420-439						1^3	1	3	3	9	3	9
400-419							0	2	0	0	0	0
380-399			1		1^2	26	3	1	3/6	36	6	6
360-379			1			26	4	0	0	0	8	0
340-359	1^3						1	-1	-1	1	-3	3
320-329	3^{-9}	1^{-2}	1				5	-2	-10	20	-11	22
300-319	1^{-3}						1	-3	$-3/_{-14}$	9	-3	9
							15		=-8 Σfy	=42 Σfu^2		= 49 ΣXy
fo	5	1	3	0	1	5						
X	-3	-2	0	1	2	3						
fy	-15	-2	0	0	2	15/17	$=0 \Sigma fx$					
fx^2	45	4	0	0	4	45	$= 98 \Sigma fx^2$					

$$r_{nn} = \frac{n - r\ 11}{1-(N-1)\ r_{11}}$$

r_{nn} = पूर्ण परीक्षण की वैधता

r_{11} = सम तथा विषम अंकों के मध्य उपलब्ध सह सम्बन्ध गुणांक

n = परीक्षण हेतु लिया गया समय

r_{11} = $+.806$, $n=2$

$$= r_{nn} = \frac{n.r_{11}}{1+ (n-1)r_{11}} \quad \frac{2X.806}{1(2-1).806}$$

$$= \frac{1.612}{1+.806}$$

$$= \frac{1.612}{1.806}$$

$$= +\ .893$$

स्वनिर्मित अभिवृत्ति परीक्षण की विश्वसनीयता +.893 प्राप्त हुई जो कि पूर्णतः सन्तोषजनक है।

परीक्षण की वैधता:-

विभिन्न परीक्षणों की विशेषतायें भी भिन्न होती है और प्रत्येक क्षेत्र में कोई भी परीक्षण किसी उद्देश्य के लिये सब से अच्छा नहीं होता है। एक परीक्षण निर्माता अपने परीक्षण में सभी उपयुक्त विशेषताओं को नहीं रख सकता । एक परीक्षण को एक विशेष उद्देश्य के लिये बनाया जाता है। यदि एक परीक्षण सही चीज का मापन करता है। तो इसकी वैधता सदैव उच्च होती है। परन्तु यदि कोई परीक्षण गलत चीज का मापन करता है तो यह सदैव बेकार होता है। दूसरे संदर्भ में यह कितना संतोषजनक है इसका सवाल नहीं उठता है। अतः एक परीक्षण की वैधत महत्वपूर्ण तथ्य है और इसे बहुत उच्च नहीं तो संतोषजनक तो होना चाहिए । मैककाल के अनुसार - 'एक परीक्षण सबसे अधिक वैध तब होता है जब यह किसी गुण को प्रभावित ढंग से मापता है।'

वैधता ज्ञात करने के लिये वाल्टर डब्लू. कुक द्वारा विभिन्न तरीके बताये गये है जिसने निम्न वाह्य क्षेत्र को बताया है। वैधता को वलेफ. आफ कम्प्यूटिंग द्वारा प्राप्त किया जाता है।

(1) **प्रोडक्ट रेटिंग -** इसका प्रयोग अंग्रेजी कम्पोजीशन, आर्ट आदि में ।

(2) **बिहेवियर रेटिंग-** साहित्यिक एप्रीसिऐशन में सामायिक व्यवहार, भाषण, अंग्रेजी, प्रयोग आदि में ।

(3) **पूर्व वैधता परीक्षण -** लघु परीक्षण की वैधता निर्धारण, तथा दीर्घ परीक्षण की पूर्व निर्धारित वैधता के साथ ।

(4) **स्कूल मार्क्स-** स्कूल अंकों का परीक्षण प्राप्तांक के साथ प्रयोग एक सामान्य तरीका है।

अभिवृत्ति मापनी तथा अध्यापक द्वारा प्रदत्त अंकों का

मध्य सह संबंध गुणांक

तालिका क्रमांक. -4.7

X= अभिवृत्ति हेतु प्राप्त अंक
Y= अध्यापकों द्वारा प्रदत्त

क्रमांक	X	Y	X^2	Y^2	X.Y
1.	102	8	10404	64	816
2.	116	17	13456	289	1972
3.	104	34	10816	1156	3536
4.	109	32	11881	1024	3488
5.	110	31	12100	961	3410
6.	107	30	11449	900	3210
7.	130	20	16900	400	2600
8.	81	2	6561	4	162
9.	101	1	10201	1	101
10.	114	16	12996	256	1824
11.	131	22	17161	484	2882
12.	121	18	14641	324	2178
13.	107	33	11449	1089	3531
14.	111	28	12321	784	3108
15.	131	21	17161	441	2751
16.	104	37	10816	1369	3848
17.	106	36	11236	1296	3816
18.	104	12	10816	144	1248

तालिका क्रमांक- 4.7 जारी.....

19.	126	38	15876	1444	4788
20.	113	15	12769	225	1695
21.	102	10	10404	100	1020
22.	136	26	18496	676	3536
23.	135	27	18225	729	3645
24.	108	23	11664	529	2484
25.	101	11	10201	121	1111
26.	91	3	8281	9	273
27.	127	39	16129	1521	4953
28.	101	9	10201	81	909
29.	108	24	11664	576	2592
30.	105	13	11025	169	1365
31.	105	13	11025	169	1365
32.	104	14	10816	196	1456
33.	104	14	10816	196	1456
34.	106	40	11236	1600	4240
35.	111	29	12321	841	3219
36.	147	42	21609	1764	6174
37.	132	19	17424	361	2508
38.	110	41	12100	1681	4510
39.	96	7	9216	49	672
40.	102	35	10404	1225	3570
41.	106	25	11236	625	2650
42.	89	6	7921	36	534
कुल योग-	4617	903	516375	25585	103159

तालिका क्रमांक 4.7 के आधार पर निम्न प्रकार से सह सम्बन्ध गुणांक की गणना की गयी ।

$$r = \frac{Exy - NM_x MY}{\sqrt{(EX^2 - NM^2_x)(Ey^2 - NMY^2)}}$$

जबकि X = अभिवृत्ति मापनी पर प्राप्त अंक

Y = शिक्षक द्वारा की गयी रेटिंग

N = कुल छात्रों की संख्या

M_x = x का मध्यमान

My = Y का मध्यमान

जहाँ

$EX = 4617$ $EX^2 = 516375$

$EY = 903$ $EY^2 = 25585$

$M_x = 109.0$ $EXY = 103159$

$MY = 21.5$

$$r = \frac{103159-42\times109.9\times21.5}{\sqrt{\left[516375-42\times(109.9)^2\right]\left[25585-42\times21.5)^2\right]}}$$

$$= \frac{103159-99239.7}{\sqrt{9098.58\times6170.5}}$$

$$= \frac{3919.3}{\sqrt{56142911}} \quad \frac{3919.3}{7492.85} = +52$$

$$r = \quad = +.52$$

(5) **टीचर्स द्वारा रेटिंग** - रैंक मेथड द्वारा टीचरों के द्वारा छात्रों का मूल्यांकन प्रस्तुत अध्यापक में स्वनिर्मित परीक्षण की वैधता 42 छात्रों की उन टीचर्स द्वारा रेटिंग प्राप्त करके पता लगाई गई जो उन्हें अच्छी तरह से जानते थे, एक बाह्य परिक्षेत्र का निर्माण किया गया और अभिरुचि मापनी में प्रत्येक छात्र द्वारा प्राप्त किये गये अंकों का बाह्य परिक्षेत्र से सह सम्बन्धित किया गया। जिसमें = +.52 है।

यह स्वनिर्मित परीक्षण की पूर्ण वैधता बताती है।

4.23 नार्म्स-

नार्म्स परीक्षण का एक प्रमुख तथ्य है। प्रस्तुत परिस्थितियों में किसी भी सूत्र द्वारा नार्म्स की गणना नहीं की गई है लेकिन 5 प्वाइन्ट स्केल के प्राप्तांकों की विभिन्न प्रसारों के आधार पर मौखिक रूप से बना लिया गया ।

तालिका क्रमांक 4.8

नार्म्स की तालिका

वर्गीकरण	सीमा
अच्छा	125 अंक या ऊपर
संतोषजनक	100+124
औसत	80-99
असंतोषजनक	55-79
कमजोर	30-54

4.24 स्कोरिंग आफ एटीच्यूट अभिरुचि मापनी-

प्रत्येक कथन के सामने 5 तथ्य थे-

बहुत सहमति, सहमत, अनिश्चित, असहमत, अधिक असहमत इनका भार 5,4,3,2,1 कथन के सम्बन्ध में था। जबकि कथन के सम्बन्ध में हेडिंग थी- अधिक असहमत, असहमत, अनिश्चित, सहमत और अधिक सहमत जिनका भार 5,4,3,2,1 था । प्रत्येक कथन के सामने खाली स्थान छोड़ दिया गया और छात्रों से प्रत्येक कथन के सामने रुचि का कोई भी वर्ग में चिन्ह लगाने को कहा गया और प्रत्येक कथन के सामने प्रत्येक भार का काउन्ट कर दिया गया। और इसमें प्रत्येक परीक्षणकर्ता का संपूर्ण योग भारों के वर्गित चिन्हों से बताया। प्राप्तांकों का प्रसार 30-150 था जैसा कि किसी भी छात्र के कोई कथन अनुत्तरित नहीं 'छोड़ना था ' और कथन का संपूर्ण योग 30 है।

4.3 मेमोरी टेस्ट का प्रशासन एडमिनिस्ट्रेशन-

जैसा कि पैरा 3.3 में बताया गया है मेमोरी टेस्ट के बारे में, इसमें हिन्दी के असम्बन्धित

शब्दों के 20 जोड़ो थे जो कि प्रकृति में साधारण है, और जिन्हें उनकी हिन्दी पाठ्य पुस्तकों से चुना गया है । इनके द्वारा इनकी मेमोरी टेस्ट की गई । एक एपिडियास्कोप के द्वारा स्क्रीन पर प्रत्येक जोड़ो को दिखाया गया । प्रत्येक जोड़े को 30 एसईसी. तक दिखाया गया इस प्रक्रिया के दौरान छात्रों को जोड़ा नोट करने की अनुमति नहीं दी गई । इसके बाद एक जोड़े का एक शब्द दिखाया गया और उनसे उस शब्द के जोड़े का दूसरा शब्द खाली कागज पर लिखने को कहा गया इसी प्रकार सभी20 शब्द दिखाये गये और उन्होंने उन शब्दों का दूसरा शब्द लिखा । जिन पेपर्स पर छात्रों का नाम लिखा था इस प्रक्रिया के बाद इकट्ठा कर लिये गये ।

4.3 स्कोरिंग आफ मेमोरी टेस्ट-

यदि प्रथम जोड़े के प्रथम शब्द को दिखाने के बाद छात्र ने सही उत्तर दिया तो द्वितीय जोड़े का पहला शब्द दिखा गया और इसी प्रकार आगे । सही उत्तर के लिये अंक दिया गया परन्तु यदि दूसरा सही नहीं हुआ तो 0 अंक दिया गया। सही उत्तरों के ही अंकों से प्राप्त योग ही प्रत्येक छात्र का मेमोरी टेस्ट के प्राप्तांक हुए ।

4.4 एल.ए. कोर्डिंग टेस्ट का प्रशासन -

पूर्व अध्याय में परीक्षण का ब्यौरा पहले से ही दिया जा चुका है । परीक्षण का विस्तृत और प्रशासन से सम्बन्धित जानकारी दी गयी । जब सभी छात्र आराम से एक बड़े कमरे में बैठ गये तब प्रत्येक छात्र को पुस्तिका दी गई और उनसे परीक्षण से सम्बन्धित सूचनायें देखने को पेज - 2 खोलने को कहा गया यह सूचनायें तारीख,

पिता का व्यवसाय व आय धर्म और स्कूल से सम्बन्धित थी। तब उनसे पेज 3 ओर 4 पर हिन्दी में या पेज 4 और 5 पर उर्दू में दी गई निर्देश पढ़ने को कहा गया। अध्यापक ने स्वयं भी प्रत्येक निर्देश की व्याख्या की ताकि छात्र उत्तर देने की विधि को समझ सके । उनसे पेंसिल से उत्तर लिखने को कहा गया ।

अब उनसे पेज 7 खोलने को कहा गया और उन्हें प्रत्येक पार्ट को बाईं ओर ऊपर की तरफ कोड नं. लिखने को कहा गया और प्रत्येक से आशा की गई कि एक मिनट में प्रत्येक पार्ट पूरा कर लेगा । कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व कोड नं. द्वारा दिया गया ।

जब सभी छात्रों ने कोड नं. लिख लिये प्रत्येक को पूर्ण करने की आशा है; परीक्षक उन्हें कार्य प्रारम्भ का आदेश देगा यह बताते हुए कि एक मिनट बाद वह कार्य बन्द करने को कहेगा । जैसे ही परीक्षक कार्य प्रारम्भ की अनुमति देगा प्रत्येक छात्र कुंजी के शीर्ष पर लिखे प्रत्येक संकेत को देखकर अक्षर ए,बी,सी,डी,ई,एफ अथवा जी लिखे। अक्षरों को सही से लिखते हुए यह कार्य जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी किया गया। जब एक मिनट खतम हो गया तो परीक्षक ने कार्य रोकने को कहा, सभी विद्यार्थियों ने कार्य रोक दिया और सही से लिखे हुए अक्षरों को गिन लेने के पश्चात पेज के नीचे बाईं तरफ खाली स्थान में लिखे कोड़ नं. की सही संख्या लिख ली गई । प्रथम परीक्षा खतम हो जाने के बाद उनसे पेज 8 खोलने को कहा गया । इसी प्रकार से प्रत्येक पेज की एक-एक मिनट में परीक्षा ली गई और तब पहले की भाँति गिना और लिखा गया ।

जब परीक्षा समाप्त हो गई तो प्रत्येक छात्र से अंकित पेज नं. 18 पूर्ण करने को कहा गया । जिसमें कि प्रत्येक में अनुमानित कोड लिखना था और प्रत्येक पूर्ण पार्ट के आगे कोड़ न. लिखना था ।

4.41 एल.ए. कोडिंग टेस्ट के अंकों की गणना

स्कोरिंग का तरीका पिछले अध्यापक के पैरा 3.51 के अन्तर्गत बताया जा चुका है और इसलिये उसकी यहाँ पर पुनरावृत्ति करना उचित नहीं है ।

4.5 बुद्धि परीक्षण का प्रशासन-

डा0 एस जलोटा द्वारा सामान्य मानसिक योग्यता परीक्षण में 100 प्रश्न रखे गये जो

शब्दावली, वर्गीकरण, संख्या श्रेणी, एनालाजी, रीजनिंग के मिश्रत रूप र आधारित थे । प्रत्येक आइटम बहुविकल्पीय तरीके का है और प्रत्येक आइटम में चार चुनाव है जिनमें से केवल एक सही उत्तर हो उत्तर पुस्तिका में प्रत्येक आइटम के सामने सही उत्तर लिखा जाता है । 100 आइटम को सम्पूर्ण परीक्षा के लिये कुल समय 20 मिनट निर्धारित किया गया ।

सभी छात्रों को उत्तरपुस्तिका सहित पुस्तिकायें बॉट दी गई और उत्तर पुस्तिका पर प्रत्येक को नाम, कक्षा स्कूल/कालेज तारीख आयु लिखना था उन्हें यह बता दिया गया कि प्रत्येक आइटम का उत्तर किस प्रकार दिया जाना था । परीक्षा में 14 चित्रात्मक आइटम विभिन्न प्रकार के शुरूआत में है । परीक्षक ने प्रत्येक आइटम को श्यामपट पर लिख कर बता दिया। और छात्रों को सभी प्रकार के आइटम को अच्छी तरह समझा दिया गया और उत्तर पुस्तिका में उत्तर देने का तरीका भी बता दिया । पुस्तिका के कवर पेज पर लिखे निर्देशों को परीक्षक ने पढ़ा और छात्रों से भी शॉन्ति पूर्वक पढ़ने को कहा । सभी छात्र जब आइटम की प्रकृति को समझ गये और उनकी तरफ से कोई पूँछ-तॉछ नहीं रह गयी तब उनसे 20 मिनट में कार्य पूर्ण करने को कहा गया । उन्हें जितनी जल्दी हो सके ज्यादा से ज्यादा आइटम को पूर्ण करने का प्रयास करना चाहिये ।

परीक्षक के पास एक विराम घड़ी थी और जबसभी छात्र तैयार थे तो उसने प्रारम्भ करने को कहा और अपनी विराम घड़ी शुरू कर दी प्रत्येक पॉच मिनट बाद परीक्षक ने कहा कि 5 मिनट बीत गये है, दस मिनट बीत गये, 15 मिनट बीत गये और जब 20 मिनट बीत गये तो छात्रों को रूकने के लिये कहा गया ।

पुस्तिकायें और उत्तर पुस्तिकायें इकट्ठा की गई, गिनी गई और तब छात्रों से शान्ति पूर्वक कक्षा से बाहर जाने को कहा गया । (सामान्य मानसिक योग्यता का परीक्षण नं. 72 एपेन्डेक्स 3-5 पीपी 286-295 में संलग्न है)

4.5। बुद्धि परीक्षण के अंकों की गणना-

प्रत्येक सही उत्तर की स्कोरिंग के लिये प्रत्येक प्रश्न । नं. का रखा गया और

प्रत्येक गलत उत्तर 0 अंक का रखा गया । समस्त सही उत्तरों को गिनकर प्रत्येक टेस्ट पेपर का सही योग जाना जा सकता था । प्रत्येक उत्तर पुस्तिका को टेस्ट के निर्देशों के अनुसार पुनः चेक किया गया । तब प्रत्येक छात्र की उत्तर पुस्तिका में योग लिखा गया और बाद में इसमें छात्र की क्रोनोलविकल आयु की सहायता से नार्मस की सारणी के सहयोग से मानसिक आयु में बदल दिया गया और तब आई.क्यू. की गणना निम्न सूत्र से की गई ।

$$I.Q. = \frac{Mental\ age}{Chronotpgical\ age} \times 100$$

तब इन आई.क्यू. का प्रयोग आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण में किया गया ।

4.6 शैक्षिक निष्पत्ति के अंकों का विवरण-

सभी 600 विद्यार्थियों के वार्षिक प्राप्तांक उनके स्कूल के कार्यालय या अध्यापक की सहायता से इकट्ठा किये गये । इन सम्पूर्ण अंकों का प्रतिशत में परिवर्तित किया गया तथा सांख्यिकी गणनायें इन्हीं प्रतिशत के आधार पर की गयी ।

4.7 विभिन्न घटों के समूह के अनुसार अंकों का विवरण-

तालिका क्रमांक 4.7। ग्रामीण - अनुसूचित जाति के बालक

अ। ब। स।

क्रमांक	अंको का %	स्मृति आधि0अंक 20	एल0ए0 मध्य एल0ए0	अभिवृत्ति आधि0 अंक150	बुद्धि सान्ध
1-	56	8	2.6	96	80
2-	21	5	7.8	94	72
3-	30	7	9.3	86	69
4-	30	16	5.1	109	76
5-	30	6	3.2	96	78
6-	30	2	3.3	103	80
7-	25	3	2.2	117	80
8-	42	9	5.5	124	107
9-	30	8	15.1	97	62
10-	37	12	12.4	94	96
11-	34	14	14.6	101	69
12-	28	6	1.6	92	75
13-	36	8	4.8	127	57
14-	33	10	6.5	102	90
15-	34	4	14.7	89	69
16-	34	7	9.4	90	93
17-	33	5	8.2	117	64
18-	36	4	6.8	97	82
19-	32	3	3.7	98	86
20-	40	5	5	95	91
21-	44	7	4.3	111	91
22-	49	10	13.8	112	83
23-	58	15	10	91	92
24-	43	11	7.4	92	69
25-	52	9	9.9	127	107
26-	62	13	10.8	127	101
27-	58	11	4.7	125	99
28-	54	8	3.6	135	99

अ। ब। स।

क्रमांक	अंको का %	स्मृति आधे0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0ए0	अभिवृत्ति आधे0 अंक-150	बुद्धि सान्धि
29-	61	17	10.2	113	95
30-	51	9	10.7	95	96
31-	54	10	3.8	108	77
32-	56	8	4.9	94	81
33-	34	6	10.6	125	80
34-	34	10	6.1	120	79
35-	53	14	4.3	105	88
36-	56	18	13.9	98	90
37-	63	8	3.5	95	78
38-	48	10	7.4	94	67
39-	52	7	4.1	90	76
40-	57	20	5.5	112	98
41-	56	20	4.4	96	96
42-	58	16	6.3	106	87
43-	53	17	5.3	112	85
44-	53	7	11.5	120	85
45-	40	10	9.1	111	78
46-	50	4	11.4	101	67
47-	59	7	4.1	95	69
48-	57	17	3.8	97	79
49-	57	13	9.5	106	76
50-	60	15	2.6	98	64
51-	31	11	5.4	92	67
52-	26	11	6.2	104	77
53-	27	5	9.1	127	95
54-	42	19	5.9	87	69
55-	34	9	2.7	75	60
56-	33	2	10.1	93	72
57-	41	9	7.5	103	88

$अ_1$ $ब_1$ $स_1$

क्रमॉक	ॲकों का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0ए0	अभिवृत्ति अधि0 अंक-150	बुद्धि सान्धि
58-	42	12	7.4	142	72
59-	52	10	4.9	135	57
60-	42	13	10.8	97	66
61-	33	6	5.2	108	70
62-	27	3	4.8	108	87
63-	33	13	6.4	109	97
64-	27	8	5.1	117	91
65-	26	18	7.3	123	108
66-	15	6	2.1	92	67
67-	27	5	3.4	74	75
68-	21	4	3.8	72	58
69-	16	18	10.8	112	65
70-	23	19	2	134	113
71-	36	16	11	120	101
72-	65	13	7.3	108	90
73-	60	13	9.1	129	114
74-	58	14	3.4	103	62

तालिका क्रमांक 4.72 ग्रामीण अनुसूचित जाति की बालिकायें

अ$_1$ ब$_1$ स$_2$

क्रमांक	अंकों का %	स्मृति आधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0ए0	अभिवृत्ति आधि0 अंक-150	बुद्धि सान्ध
1-	44	3	12.7	102	78
2-	45	4	10.4	122	70
3-	42	5	11.3	94	67
4-	45	4	12.2	90	68
5-	45	4	7.6	91	67
6-	43	5	13.8	109	65
7-	43	4	11.4	99	64
8-	41	8	6.1	120	66
9-	47	8	5.2	94	73
10-	45	9	10.6	102	74
11-	35	3	14.8	117	66
12-	43	9	10.1	115	67
13-	45	10	6.4	110	67
14-	50	20	14	96	75
15-	42	14	12.4	96	64
16-	45	14	12.1	91	89
17-	42	16	3.6	101	102
18-	39	15	4.2	98	101
19-	34	10	3.6	91	67
20-	46	18	6.9	98	62
21-	67	15	5.3	104	83
22-	27	5	5.2	120	77
23-	14	11	12	110	64
24-	19	10	5.4	110	71
25-	18	5	5.6	110	73

तालिका क्रमांक- 4.73 नगरीय अनुसूचित जाति के बालक

$अ_1$ $ब_2$ $स_1$

क्रमाँक	अँकों का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0 अंक-150	बुद्धि सन्धि
1-	56	15	5.8	102	122
2-	74	17	6.5	116	99
3-	55	12	3.3	104	74
4-	70	20	3.3	109	109
5-	54	9	8.2	110	114
6-	48	8	00	107	110
7-	68	12	00	130	94
8-	55	18	0.4	81	84
9-	40	10	8.7	110	96
10-	45	13	8.7	107	97
11-	55	13	11.4	97	92
12-	47	12	9	109	93
13-	42	20	11.8	82	78
14-	33	20	13	101	86
15-	36	12	8.1	106	106
16-	28	12	6.8	95	86
17-	29	12	10.4	88	80
18-	28	16	6	103	84
19-	36	17	6	75	79
20-	38	19	3.9	113	90
21-	30	18	7.4	90	88
22-	29	12	15.6	96	86
23-	26	16	8.5	84	78
24-	26	10	8.6	89	78
25-	36	15	6.9	95	96
26-	50	12	8.7	91	101
27-	40	10	8.3	91	78
28-	39	13	6.2	112	79
29-	44	12	7.2	107	82
30-	27	11	6.4	94	77

$अ_1$ $ब_2$ $स_1$

क्रमांक	अंकों का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0 अंक-150	बुद्धि लब्धि
31-	29	11	4.7	80	57
32-	26	16	7.1	78	62
33-	30	10	7.6	109	82
34-	30	12	7.1	101	81
35-	30	16	5.3	108	80
36-	33	7	8.6	77	74
37-	32	7	4.5	86	91
38-	46	10	6.4	108	103
39-	37	6	4.1	88	92
40-	51	16	5.6	121	132
41-	53	15	3.6	76	122
42-	44	14	8.1	64	100
43-	40	5	7.4	77	92
44-	39	13	11.1	121	92
45-	30	14	2.7	116	85
46-	30	13	6.3	121	108
47-	33	20	10.4	71	79
48-	35	17	1.9	67	80
49-	31	14	5	84	87
50-	33	15	1.7	119	98
51-	22	14	6	86	84
52-	32	13	13.3	87	86
53-	38	14	12.2	108	91
54-	21	14	2.9	104	95
55-	21	14	10.7	91	108
56-	24	11	5.6	79	62
57-	32	11	4.4	92	78
58-	37	10	1.9	108	80
59-	35	7	8.5	100	90
60-	34	11	00	108	82

$अ_1$ $ब_2$ $स_1$

क्रमांक	अंकों का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0 अंक-150	बुद्धि लब्धि
61-	31	6	00	62	81
62-	29	17	1.5	101	77
63-	42	18	14.8	109	96
64-	28	3	11	94	67
65-	19	4	00	96	75
66-	29	8	7.3	92	73
67-	42	10	4.3	71	88
68-	35	11	0.4	93	83
69-	47	7	3.5	35	108
70-	34	8	7	92	76
71-	19	6	00	97	73
72-	34	8	9.7	79	74
73-	30	9	13.6	106	92
74-	50	8	5.7	129	118
75-	27	8	2.7	94	86
76-	30	6	6.4	121	79
77-	32	11	6.7	147	79
78-	19	9	5.7	139	77
79-	30	10	8.0	111	80
80-	43	12	7.7	99	93
81-	32	12	4.7	145	86
82-	37	12	6.2	141	100
83-	35	9	2.3	97	95
84-	33	10	4.6	89	98
85-	38	10	6.2	113	100
86-	29	10	7.9	125	92
87-	37	8	00	82	76
88-	33	5	3.9	85	81
89-	34	12	3.4	97	100
90-	24	12	3.8	86	80

अ$_1$ ब$_2$ स$_1$

क्रमांक	अंको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0 अंक-150	बुद्धि सान्ध
91-	51	14	4.2	107	80
92-	30	13	3.8	116	93
93-	22	7	4.6	120	78
94-	18	7	13.5	82	75
95-	22	10	5.8	95	72
96-	33	13	2.7	78	96
97-	38	17	6.3	143	118
98-	53	14	11.9	143	120
99-	27	5	11.1	97	94
100-	43	17	6	115	113
101-	27	16	5.9	102	83
102-	23	14	12.2	98	67
103-	31	20	8.8	108	67
104-	45	20	7.5	110	86
105-	33	12	10.8	102	64
106-	23	15	4.6	102	95
107-	27	15	6.0	81	87
108-	23	17	6.1	91	80
109-	26	15	4.7	92	92
110-	32	18	4.8	104	87
111-	26	17	4.7	120	80
112-	15	4	7.4	86	78
113-	18	12	1.8	138	69
114-	48	13	3.3	116	123
115-	38	19	3.9	113	90
116-	33	20	13	101	86
117-	27	5	11.1	97	94
118-	38	17	6.3	143	118
119-	33	13	2.7	78	96
120-	43	12	7.7	99	93

तालिका क्रमांक - 4.74 नगरीय अनुसूचित जाति की बालिकायें

$अ_1$ $ब_2$ $स_2$

क्रमांक	अंको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
1-	50	19	1.1	135	121
2-	45	17	3.9	108	88
3-	45	18	14.3	101	92
4-	40	18	10.4	91	110
5-	47	15	4.2	127	102
6-	58	16	14.2	101	95
7-	46	17	0.1	108	85
8-	64	12	00	86	100
9-	59	13	6.9	102	148
10-	67	13	6.5	112	90
11-	44	13	4.3	93	94
12-	34	15	7.5	126	88
13-	52	16	1.6	141	110
14-	29	4	7.7	116	77
15-	27	9	4.1	105	76
16-	48	10	7.8	100	80
17-	46	18	2.1	115	112
18-	30	16	12.5	94	73
19-	38	17	12.7	112	82
20-	38	20	3.3	105	88
21-	38	18	10.3	107	82
22-	38	19	5.8	124	102
23-	66	17	5.6	116	149
24-	38	19	4.3	99	95
25-	56	18	4.4	116	123
26-	27	19	13.5	104	95
27-	36	19	9.4	84	90
28-	43	13	12.6	99	83
29-	32	19	5.8	97	89
30-	38	20	4.2	114	109

		अ₁	ब₂	स₂	
क्रमांक	अंको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
31-	45	20	11.9	122	90
32-	30	9	9.6	97	93
33-	33	7	6.3	123	95
34-	38	14	7.6	93	91
35-	42	14	7.6	121	84
36-	38	11	12.6	101	82
37-	44	11	12.4	88	98
38-	33	13	11.8	99	86
39-	51	20	8.1	111	86
40-	32	10	6	110	78
41-	37	11	7.6	98	82
42-	38	11	4.7	113	78
43-	67	14	3.9	135	124
44-	61	11	10.8	116	83
45-	58	20	10	117	83
46-	51	20	7.8	96	88
47-	51	20	14.4	107	82
48-	48	17	10.6	110	97
49-	35	8	2.5	102	77
50-	44	12	2.3	76	67
51-	29	13	3.8	78	81
52-	40	16	4	142	116
53-	30	11	2.1	110	83
54-	23	10	2.2	107	80
55-	44	17	2	108	94
56-	29	6	8.1	97	85
57-	24	7	9	96	96
58-	31	11	7.7	114	81
59-	47	7	5.4	119	110
60-	34	4	14.2	94	84

		अ$_1$	ब$_2$ स$_2$		
क्रमांक	अंको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
61-	23	4	7.3	94	62
62-	31	9	8.5	138	87
63-	45	13	5.3	112	100
64-	28	5	11.1	114	80
65-	21	9	6.7	101	77
66-	59	18	6.7	136	133
67-	35	19	5.6	92	81
68-	34	12	12.5	101	76
69-	50	20	3.9	92	105
70-	27	11	5.7	103	64
71-	42	10	13.4	106	62
72-	37	9	10.7	124	100
73-	56	11	2.2	119	110
74-	33	14	5.9	103	90
75-	43	8	5	136	90
76-	55	10	0.6	129	114
77-	41	13	13.9	115	88
78-	33	19	2.6	99	86
79-	33	14	5.9	103	90
80-	41	13	13.9	115	88

तालिका क्रमांक-4.75 ग्रामीण सामान्य जाति के बालक

		$अ_2$	$ब_1$	$स_1$	
क्रमांक	अँको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
1-	40	13	13.5	108	62
2-	31	11	6.4	90	88
3-	44	8	9.8	82	97
4-	50	7	6.4	110	85
5-	55	8	8.7	95	67
6-	63	14	4.3	125	78
7-	58	14	4.4	89	67
8-	57	14	4.2	75	62
9-	34	19	1.7	116	107
10-	39	8	5.5	89	102
11-	39	8	4.6	91	104
12-	18	4	5.5	116	87
13-	34	14	2.8	110	62
14-	20	3	5.4	105	62
15-	23	7	8.6	120	72
16-	55	15	4.9	130	109
17-	52	14	11.4	124	116
18-	42	7	3.9	125	109
19-	53	13	9.3	75	69
20-	54	18	2.6	119	129
21-	50	18	4.8	107	130
22-	41	11	4.6	120	78
23-	42	12	8.7	105	85
24-	58	18	11.0	89	99
25-	49	19	8.5	96	91

		अ$_2$	ब$_1$	स$_1$	
क्रमॉक	ॲंको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
26-	46	15	6.8	113	133
27-	48	15	6.6	30	98
28-	43	7	3.5	87	84
29-	39	13	4.0	50	67
30-	42	10	6.1	84	67
31-	30	8	14.8	150	67
32-	42	8	14.3	33	65
33-	38	7	0.9	92	86
34-	45	11	3.2	92	77
35-	44	8	7.2	96	71
36-	51	8	7.2	91	62
37-	36	13	1.6	104	73
38-	44	9	8.8	119	61
39-	43	8	8.4	105	82
40-	63	14	12.8	100	93
41-	65	13	7.3	108	90
42-	62	15	3.0	129	86
43-	40	16	3.4	130	64
44-	42	10	4.6	91	69
45-	44	10	4	118	83
46-	52	9	2.1	91	90
47-	51	10	5.7	52	61
48-	58	14	3.4	103	62
49-	50	9	3.7	150	83
50-	56	13	6.6	148	92

		अ$_2$	ब$_1$	स$_1$	
क्रमॉक	ॲंको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
51-	61	19	3.6	113	90
52-	58	6	5	93	91
53-	46	9	8.6	97	77
54-	51	4	8.3	116	63
55-	48	12	10.8	100	87
56-	60	13	9.1	129	114
57-	60	11	2.3	132	106
58-	57	12	4.5	109	94
59-	39	16	14.2	121	109
60-	33	19	7.6	120	109
61-	32	19	15.4	120	103
62-	47	18	5.5	128	111
63-	43	19	7.6	130	112
64-	54	19	5.0	133	131
65-	30	14	4.3	113	86
66-	34	19	5.6	117	125
67-	28	18	7.2	121	113
68-	41	19	4.9	89	98
69-	38	18	13.2	115	113
70-	46	16	3.9	127	94
71-	38	11	3.9	128	69
72-	47	8	6.4	104	84
73-	47	13	5.4	132	94
74-	42	15	7.5	108	82
75-	43	8	8.4	105	82

ता0क्रमांक 4.76 ग्रामीण सामान्य जाति की बालिकायें

अ 2 ब 1 स 2

क्रमांक	अंको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
1-	47	8	3.2	110	73
2-	46	20	7.4	121	98
3-	46	14	13.2	97	93
4-	46	19	3.7	97	88
5-	48	15	7.7	124	75
6-	47	16	6	105	88
7-	50	20	9.8	111	82
8-	51	18	12.3	105	83
9-	46	12	8.7	102	93
10-	43	10	7.4	92	88
11-	58	9	10.3	96	95
12-	54	12	6	93	99
13-	43	9	9.3	102	97
14-	38	17	1.4	94	65
15-	52	17	2	94	64
16-	48	18	9.3	89	77
17-	64	19	9.8	127	128
18-	64	19	3.7	105	90
19-	65	20	4.3	126	74
20-	65	14	5.9	95	86
21-	46	8	6.1	96	96
22-	46	19	2.1	138	117
23-	32	19	13.2	130	66
24-	44	8	12.7	102	87
25-	34	10	8.1	94	79

ता0क्रमांक-4.77 नगरीय सामान्य जाति के बालक

$अ_2$ $ब_2$ $स_1$

क्रमांक	अंको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
1-	58	11	8.9	101	103
2-	78	12	8.6	114	129
3-	48	11	1.5	131	107
4-	62	14	4.9	121	130
5-	69	20	3.2	107	115
6-	72	20	8.0	111	113
7-	52	9	6.9	131	126
8-	54	9	00	104	120
9-	48	8	10.5	106	103
10-	52	12	4.2	104	94
11-	80	11	00	126	129
12-	44	11	4.9	113	95
13-	53	18	9.6	102	112
14-	50	17	7.6	136	151
15-	27	8	13.8	91	91
16-	23	10	5.3	87	86
17-	31	7	5.9	104	83
18-	47	12	14.0	108	85
19-	46	17	7.0	107	91
20-	49	17	8.9	108	103
21-	58	18	10.6	135	106
22-	28	13	9.1	88	90
23-	50	19	8.0	128	92
24-	55	20	4.5	138	146
25-	43	14	15.1	137	107
26-	42	14	5.5	113	88
27-	44	14	12.5	122	97
28-	51	14	11.0	133	88
29-	52	15	7.3	143	94
30-	46	17	7.8	134	97

$अ_2$ $ब_2$ $स_1$

क्रमॉक	ॲंको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
31-	48	11	2.1	94	100
32-	46	16	7.5	132	87
33-	46	9	13.1	73	83
34-	34	20	5.0	113	97
35-	60	19	13.7	97	142
36-	38	20	7.3	95	96
37-	31	12	7.1	80	73
38-	40	14	11.9	94	82
39-	25	17	5.7	105	84
40-	35	16	8.4	89	92
41-	34	17	5.8	113	95
42-	48	18	9.2	122	103
43-	54	17	7.6	101	124
44-	51	18	6.2	86	105
45-	56	18	6.1	97	105
46-	34	17	3.0	107	75
47-	28	18	6.9	103	82
48-	28	19	5.6	73	74
49-	34	18	11.3	93	84
50-	31	6	10.3	80	77
51-	35	9	4.4	108	96
52-	39	9	12.5	94	83
53-	40	14	8.0	99	92
54-	40	11	4.1	97	79
55-	47	10	2.7	91	88
56-	30	8	13.7	116	76
57-	29	7	4.5	90	72
58-	26	8	6.4	80	78
59-	43	10	12.1	96	90
60-	50	14	3.7	96	103

		अ$_2$	ब$_2$	स$_1$	
क्रमांक	अंको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
61-	40	20	7.1	95	83
62-	44	19	4.5	133	106
63-	41	19	4.1	127	112
64-	50	17	3.7	126	146
65-	42	20	2.9	118	97
66-	33	20	1.6	131	112
67-	49	15	1.4	85	83
68-	19	16	13.5	95	83
69-	20	11	5.6	78	95
70-	59	20	11.8	103	82
71-	31	9	15.3	109	93
72-	38	20	13.2	119	83
73-	37	6	7.6	99	94
74-	49	12	3.8	135	111
75-	57	16	3.4	131	121
76-	50	13	2.0	128	120
77-	34	13	7.9	114	86
78-	32	16	7.9	109	87
79-	44	20	5.9	95	106
80-	41	20	4.0	100	113
81-	40	20	7.7	125	84
82-	57	17	6.1	122	127
83-	62	18	5.4	139	140
84-	30	17	10.7	113	92
85-	43	13	2.8	110	109
86-	40	13	3.3	124	113
87-	58	12	7.4	133	116
88-	34	10	6.4	113	97
89-	38	13	5.0	96	96
90-	25	9	7.2	106	97

		अ$_2$	ब$_2$	स$_1$	
क्रमाँक	अँको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
91-	38	8	3.9	102	88
92-	43	10	2.8	109	93
93-	50	15	9.0	110	106
94-	40	14	7.0	100	108
95-	32	16	4.0	132	91
96-	41	17	6.1	145	97
97-	42	17	2.7	145	99
98-	55	9	6.3	104	96
99-	41	7	3.1	106	95
100-	28	8	00	87	94
101-	33	5	9.0	108	75
102-	21	5	12.5	98	83
103-	40	12	8.5	69	121
104-	42	16	7.2	142	135
105-	34	13	2.5	85	107
106-	39	8	6.1	140	104
107-	14	13	8.1	100	80
108-	30	14	4.9	87	99
109-	38	11	00	87	100
110-	27	10	8.3	112	77
111-	37	14	6.5	94	64
112-	45	13	6.2	76	57
113-	26	7	10.8	97	68
114-	20	4	3.3	98	67
115-	43	18	15.0	112	65
116-	36	19	5.3	118	85
117-	30	14	00	114	85
118	43	13	9.0	78	84
119-	34	4	9.4	92	80
120-	52	19	3.9	106	103

4.78 नगरीय सामान्य जाति की बालिकायें

क्रमांक	अंको का %	अ 2 स्मृति अधि0 अंक-20	ब 2 एल0ए0 मध्य एल0 ए0	स 2 अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
1-	61	12	1.0	105	121
2-	58	10	11.5	104	93
3-	41	19	7.0	86	121
4-	40	9	4.3	106	95
5-	41	10	5.2	111	89
6-	56	11	3.7	147	130
7-	46	14	5.1	132	96
8-	42	8	4.7	110	92
9-	62	14	9.0	96	97
10-	56	15	6.8	102	101
11-	56	15	6.5	106	103
12-	73	14	9.0	89	139
13-	55	14	7.3	117	109
14-	40	13	8.8	110	98
15-	39	12	7.2	113	96
16-	48	10	5.0	128	92
17-	59	12	3.3	127	140
18-	41	12	3.2	122	83
19-	36	12	4.3	109	89
20-	45	18	2.1	112	103
21-	48	18	4.9	110	117
22-	49	17	3.2	109	121
23-	34	17	6.0	106	80
24-	40	19	5.9	109	93
25-	55	20	3.9	130	107
26-	39	14	5.0	93	81
27-	64	15	4.2	90	152
28-	51	12	3.6	119	101
29-	52	10	7.0	94	118
30-	69	14	7.2	110	138

क्रमांक	अंको का %	अ 2 स्मृति अधि0 अंक-20	ब 2 एल0ए0 मध्य एल0 ए0	स 1 अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि रान्धि
31-	47	18	10.1	139	97
32-	56	19	5.2	103	116
33-	42	16	9.5	95	79
34-	43	20	1.7	126	91
35-	34	20	5.1	81	89
36-	45	20	6.7	118	79
37-	36	19	12.1	93	74
38-	53	20	11.8	96	132
39-	54	20	8.0	118	103
40-	52	18	5.8	125	96
41-	30	14	2.4	108	94
42-	44	18	3.5	120	85
43-	50	19	3.1	148	91
44-	45	18	11.4	150	95
45-	39	10	6.7	137	104
46-	40	15	6.1	150	100
47-	37	20	13.0	113	83
48-	38	15	5.1	92	88
49-	40	18	2.1	116	97
50-	44	15	3.1	100	85
51-	41	16	5.1	87	82
52-	33	15	5.5	95	81
53-	59	20	7.8	138	125
54-	44	15	00	127	114
55-	45	18	1.7	127	114
56-	49	18	4.1	113	146
57-	53	20	5.4	140	120
58-	64	20	8	94	138
59-	60	20	4.4	84	140

		अ2	ब2	स2	
क्रमांक	अंको का %	स्मृति अधि0 अंक-20	एल0ए0 मध्य एल0 ए0	अभिवृत्ति अधि0अंक-150	बुद्धि सन्धि
60-	55	19	3.1	114	131
61-	50	20	4.1	78	106
62-	39	20	12.2	96	89
63-	66	20	4.8	111	139
64-	40	18	3.2	102	86
65-	56	20	8.7	94	129
66-	63	20	3.7	134	129
67-	66	20	3.2	134	163
68-	66	15	3.6	131	149
69-	68	20	7.0	134	148
70-	67	15	5.1	127	142
71-	57	18	2.8	126	135
72-	46	11	8.2	118	85
73-	52	13	7.2	131	119
74-	16	03	4.5	112	77
75-	30	04	7.8	111	62
76-	36	20	7.9	96	92
77-	44	20	6.8	99	92
78-	63	20	4.8	128	162
79-	64	18	5.6	129	160
80-	62	17	4.2	134	162

पंचम अध्याय

पंचम - अध्याय

प्रदत्तों का सांख्यिकीय विश्लेषण

विभिन्न स्तरों हेतु विभिन्न चिह्नों का प्रयोग किया गया जो निम्न प्रकार से हैं :-

कारकों के संकेत और उनका स्तर :-

तालिका नं0 5.1 (अ)

A.	जाति	A_1 :	अनुसूचित जाति
		A_2 :	गैर-अनुसूचित जाति
B.	क्षेत्र	B_1 :	ग्रामीण क्षेत्र
		B_2 :	शहरी क्षेत्र
C.	लिंग	C_1 :	बालक
		C_2 :	बालिकायें

तालिका नं0 5.1 (ब)

वर्ग

$$\begin{pmatrix} A_1 \\ A_2 \end{pmatrix} \times \begin{pmatrix} B_1 \\ B_2 \end{pmatrix} \times \begin{pmatrix} C_1 \\ C_2 \end{pmatrix} \ldots\ldots\ldots\ldots 8$$

$A_1 B_1 C_1$ (75)	$A_1 B_1 C_2$ (25)	$A_1 B_2 C_1$ (120)	$A_1 B_2 C_2$ (80)
$A_2 B_1 C_1$ (75)	$A_2 B_1 C_2$ (25)	$A_2 B_2 C_1$ (120)	$A_2 B_2 C_2$ (80)

चर		तालिका नं0 5.1(c)
X_1	शैक्षिक उपलब्धता	
X_2	स्मृति	
X_3	आकांक्षा स्तर	
X_4	मनोवृत्ति	
X_5	बुद्धि	

Z - कारक		तालिका नं0 5.1 (d)
Z_1	$B_1\ C_1$	ग्रामीण बालक
Z_2	$B_1\ C_2$	ग्रामीण बालिकायें
Z_3	$B_2\ C_1$	शहरी बालक
Z_4	$B_2\ C_2$	शहरी बालिकायें

प्रसरण विश्लेषण की संरचना स्वतन्त्रता से प्राप्त अंश जो विभिन्न स्रोतों से प्राप्त हुये , का प्रसरण नीचे दिया जा रहा है ।

तालिका नं0 5.2

एनोवा सारणी

5.1 (a) प्रसरण विश्लेषण :

विश्लेषण के श्रोत	D.F.	S.S.	M.S.	F
A	1			
B	1			
C	1			
A x B	1			
A x C	1			
B x C	1			
A x B x C	1			
त्रुटि	592			
कुल योग	599		E.M.S.	

जहाँपर (i) S.S. = मध्यमान से लिये गये प्रेक्षणों के वर्गों का कुल योग

(ii) $\frac{S.S.}{D.F.}$ मध्यमान वर्ग का विश्लेषण $(M.S.) = \frac{S.S.]}{D.F.}$

(iii) $F = \frac{\text{किसी भी स्कोर के कारण मध्यमान वर्ग}}{\text{मध्यमान वर्ग त्रुटि}}$

(b) विश्वसनीयता परीक्षण :

(1) F - परीक्षण -

F मूल्य का परीक्षण 5% , 1% तथा 0.1% सार्थकास्तर पर किया गया जिसकी डिग्री आफ फ्रीडम लगभग 1 और 384 थी । F मूल्य के बदलाव एक विशेष स्रोत पर सार्थक था ।

(2) टी-परीक्षण और आलोचनात्मक अन्तर (C.D.)

दो मध्यमानों के बीच सार्थकता ज्ञात करने हेतु परीक्षण, अवलोकन पर निर्भर कर रहे थे । अतः टी परीक्षण का प्रयोग किया गया जहाँ :-

$$t = \frac{\text{दो मध्यमानों के मध्य अन्तर}}{\text{S.E. अन्तर का}}$$

त्रुटि पर आधारित डिग्री ऑफ फ्रीडम जहाँ S.F. (दो मध्यमानों के बीच =

$$= S.F.\sqrt{M}\ 2$$

$$= E.M.S.\ /\ n\ \sqrt{2}$$

$$= \sqrt{(2 \times EMS)/n}$$

n= एक समूह में अवलोकन की गई कुल संख्या

E.M.S. त्रुटि मध्यमान वर्ग

आलोचनात्मक अन्तर - (C.D.)

जब बहुत सारे परीक्षण एक साथ किये जा रहे हैं । उस समय केवल दो परीक्षणों को एक साथ प्रयोग किया जाना तर्क पूर्ण नहीं है । यह एक बड़ा ही पेचीदा कार्य है कि प्रत्येक परीक्षण हेतु बार - बार मूल्य की गणना की जाये । ऐसी स्थिति

में एक मानक मूल्य को मान लिया जाता है जो इच्छानुसार सम्मानित स्तर पर लिया जाता है जिसे आलोचनात्मक अन्तर (C.D.) कहते हैं ।

शोधकार्य को सरलीकृत किये जाने के उद्देश्य से 't' की गणना के साथ साथ इसका मूल्य प्रत्येक समय देखा गया । आलोचनात्मक अन्तर 5% सार्थतास्तर पर ज्ञात किया ।

गणना हेतु निम्न सूत्र का प्रयोग किया गया । 14

C.D. = (S.E.) Diff x t (for error df) 5%

आकंड़ों की गणना विभिन्न उपकरणों की सहायता से की गयी तथा उनका विश्लेषण तथा प्रतिपादन तदनुसार किया गया ।

प्रसरण विश्लेषण :

तीन घटको का प्रभाव (A - जाति, B - क्षेत्र, C - लिंग) विभिन्न चरों (जैसे शैक्षिक उपलब्धि, स्मृति, आकांक्षा स्तर अभिवृत्ति तथा बुद्धि) पर ज्ञात किये जाने के उद्देश्य से फेक्टोरियल प्रयोगों की सहायता से ली गयी । विभिन्न परिणाम और उनके प्रतिपादन एक - एक करके निम्नवत् प्रस्तुत हैं -

शैक्षिक उपलब्धि :-

चर - 1 शैक्षिक उपलब्धि

प्रसरण विश्लेषण सारणी

तालिका क्रमांक-5.3(a)

Source	D.F.	S.S.	M.S.S.	F
A	1	4030.0469	4030.0469	30.3861***
Z	3	2907.7656	969.2552	7.3081***
AxZ	3	661.1875	220.3958	1.6617 N.S.
Error	592	78515.5160	132.6275	
Total	599	86114.5160	143.7638	

*** Significant at 0.001 level of significance.

N.S. Non-Significant

(तालिका क्रमांक 5.3 (a) तथा 5.3 (b) जहाँ Z प्रदर्शित करता है " क्षेत्र तथा लिंग का संयोग "

$Z_1 = B_1 C_1 =$ ग्रामीण बालक

$Z_2 = B_1 C_2 =$ ग्रामीण बालिकायें

$Z_3 = B_2 C_1 =$ नगरीय बालक

$Z_4 = B_2 C_2 =$ नगरीय बालिकायें

प्रसरण विश्लेषण की तालिका क्रमांक 5.3 (a) से स्पष्ट है कि मुख्य तत्व A और Z , .01 स्तर पर उच्च सार्थकता रखते हैं । जिससे ज्ञात होता है कि अनुसूचित जाति तथा गैर अनुसूचित जाति के बीच क्षेत्र X लिंग के आधार पर सार्थक अन्तर है । अर्न्तसहसम्बन्ध का प्रभाव दोनों तत्वों (A तथा Z) का, 5% स्तर पर सार्थक नहीं है । इससे तत्व Z का सभी स्तरों साख्यिकीय अन्तर से स्पष्ट हो जाता है ।

मध्यमान की तालिका क्रमांक 5.3 (b) से यह स्पष्ट हो रहा है कि गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि (45.203) अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि (40.020) से काफी उच्च सार्थकता रखती है ।

मध्यमान तालिका

तालिका क्रमॉक 5.3 (b)

	Z_1	Z_2	Z_3	Z_4	Mean
A_1	41.707	40.240	38.158	41.162	40.020
A_2	45.280	48.920	41.858	48.988	45.203
$A_2 - A_1$	43.493	44.580	40.008	45.075	42.6117
	3.573	8.680*	3.700*	7.826*	

* Significant at 0.05 level of significance

उपरोक्त से यह भी स्पष्ट होता है कि z समूह में उच्च शैक्षिक उपलब्धि (45.075) नगरीय बालिकाओं की है । ग्रामीण स्तर पर शैक्षिक उपलब्धि

A x Z तालिका

तुलनात्मक तालिका

तालिका नं0 5.3 (C)

तुलनात्मक	मध्यमान			वास्तविक अन्तर	
	0.940	1.847		5.183*	
$Z_1 - Z_2$ at A	2.660	5.223	1.467	3.640 NS	
$Z_1 - Z_3$ at A	1.695	3.329	3.549*	3.422*	
$Z_1 - Z_4$ at A	1.851	3.635	.545	3.708*	
$Z_2 - Z_3$ at A	2.532	4.973	2.082	7.062*	
$Z_2 - Z_4$ at A	2.639	5.182	.922	.068 NS	
$Z_3 - Z_4$ at A	1.662	3.265	3.004	7.130*	
A at Z_1	1.881	3.694		3.573 NS	
A at Z_2	3.257	6.397		8.680*	
A at Z_3	1.487	2.920		3.700*	
A at Z_4	1.821	3.576		7.826*	
$Z_1 - Z_2$	1.881	3.694		1.087 NS	
$Z_1 - Z_3$	1.199	2.354		3.485*	
$Z_1 - Z_4$	1.309	2.571		1.582 NS	
$Z_2 - Z_3$	1.790	3.517		4.572*	
$Z_2 - Z_4$	1.865	3.665		.495 NS	
$Z_3 - Z_4$	1.175	2.308		5.067*	

** Significant at 0.05 level of significance*
N.S. Non-Significant.

जेड$_1$ (ग्रामीण बालकों) की जेड$_2$ (ग्रामीण लड़कियों) को प्रदर्शित कर रही है जो कि सांख्यिकीय दृष्टि से काफी उच्च थी । न्यूनतम शैक्षिक उपलब्धि नगरीय लड़कों की (जेड$_3$) थी जो कि सभी समूहों से न्यूनतम थी ।

शैक्षिक उपलब्धि अनुसूचित जाति तथा गैर अनुसूचित जाति ग्रामीण क्षेत्र के बालकों में बराबर पायी गयी जब अन्य तीनों जेड ग्रुप में गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों से अधिक पायी गयी ।

ग्रामीण क्षेत्र के अनुसूचित जाति के बालकों का प्रदर्शन नगर क्षेत्र के बालकों से काफी वेहतर रहा । ग्रामीण तथा नगर क्षेत्र की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि सांख्यिकीय दृष्टि से लगभग बराबर ही रही तथा बालकों की तुलना में यह सार्थक नहीं थी ।

गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों में उच्च प्रदर्शन ग्रामीण तथा नगरीय बालिकाओं का था । निम्न शैक्षिक उपलब्धि (41.858) थी जो कि नगरीय बालकों की थी जो कि शेष अन्य समूहों के विद्यार्थियों से काफी कम सार्थक थी ।

तालिका क्रमांक 5.3 (डी) - प्रसरण विश्लेषण की समायोजन तालिका -

(अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों हेतु)

क्षेत्र एक्स लिंग के अन्तर्गत निर्मित प्रसरण विश्लेषण तालिका को देखने से ज्ञात होता है कि क्षेत्र तथा लिंग का प्रभाग 5% सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं है । इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र तथा लिंग का अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

चर - 1 अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए प्रसरण विश्लेषण की समायोजन सारणी

तालिका क्रमांक-. 5.3 (d)

Source	DF	Adj. S.S.	M. S.S.	F
B (Adj.)	1	327.8105	327.8105	2.3170 NS
C (Adj.)	1	204.0254	204.0254	1.4421 NS
B x C (Adj.)	1	269.5058	269.5058	1.9049 NS
Error	296	41875.9840	141.4763	

समायोजन मध्यमान और विश्वसनीयता परीक्षण

तालिका नं0- 5.3 (e)

	Means		Difference	SE	t- value
	Level-1	Level-2		D	
B- Region	41.77 (Rural)	39.535 (Urban)	2.242	1.473	1.522 NS
C- Sex	39.455 (Boys)	40.903 (Girls)	-1.7483	1.456	-1.201 NS

N.S. - Non-Significant

			't' value	
B	Level - 1	Rural	0.05	= 1.97
	Level - 2	Urban	0.01	= 2.59
C	Level - 1	Boys	0.001	= 3.33
	Level - 2	Girls		

चर - । गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए प्रसरण की समायोजन सारणी

तालिका नं0 5.3 (f)

Source	DF	Adj. S.S.	Mean S.S.	F
B (Adj.)	1	376.2975	376.2975	3.0400 NS
C (Adj.)	1	2523.8835	2523.8835	20.3902 ***
B x C (Adj.)	1	164.1477	164.1477	1.3261 NS
Erro	296	36638.5390	123.7788	

समायोजन मध्यमान और विश्वसनीयता परीक्षण

तालिका नं. 5.3 (g)

	Means		Difference	S.E.$_D$	t-value
	Level-1	Level-2			
B- Region	42.7273	45.3249	2.4024	1.3778	1.7436 NS
C- Sex	42.819	48.969	-6.1491	1.3618	-4.5156 ***

*** Significance at 0.1% level of significance

NS Non - Significant

B
- Level - 1 Rural
- Level - 2 Urban

C
- Level - 1 Boys
- Level -2 Girls

't' value
- 0.05 = 1.67
- 0.01 = 2.59
- 0.001 = 3.33

गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों (तालिका क्रमांक 5.3 (एफ) और 5.3(जी) के द्वारा लिंग का प्रभाव 0.1% सार्थकता स्तर पर ज्ञात किया गया । क्षेत्र तथा लिंग का प्रभाव दोनों ही 5% सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं थे ।

उच्च शैक्षिक उपलब्धि (48.969) गैर अनुसूचित जाति की बालिकाओं की थी जो कि सार्थक रूप से गैर अनुसूचित जाति के बालकों से अधिक थी । गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों पर क्षेत्र का शैक्षिक उपलब्धि पर कोई प्रभाव नहीं पाया गया ।

उपरोक्त के आधार पर यह निष्कर्ष आता है कि गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की अधिक थी ।

चर - 2 (स्मृति)

तालिका क्रमांक 5.4 (ए) में स्मृति हेतु प्रसरण विश्लेषण के अन्तर्गत चुने गये न्यादर्श में मुख्य प्रभाव क्षेत्र एक्स लिंग , 0.1% सार्थकता स्तर पर उच्च सार्थक पाया गया । क्षेत्र एक्स लिंग 5% सार्थकता स्तर पर भी सार्थक पाया गया ।

इस प्रकार सार्थकता सम्बन्धित किये विभेदीकरण से स्पष्ट होता है कि प्रत्येक जीव स्मृति क्षेत्र एक्स लिंग के अनुसार अलग - 2 होती है तथा उसके अनुसार उनमें विभेदीकरण पाया गया ।

मध्यमान तालिका क्रमांक (5.4 (बी) कि औसत स्मृति (14.063) गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों व्यक्तिगत से पायी गयी जो अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों में व्यक्तिगत रूप से पायी गयी स्मृति (11.837) से सार्थक रूप से अधिक थी ।

चर - 2 (स्मृति)
प्रसरण विश्लेषण तालिका

तालिका क्रमांक - 5.4 (a)

Source	D.F.	S.S.	M.S.S.	F
A	1	743.7070	743.7070	38.9015 ***
Z	3	1062.2510	354.0836	18.5212 ***
A x Z	3	182.8691	60.9563	3.1884 *
Error	592	11317.6730	19.1176	
Total	599	13306.5000	22.2145	

मध्यमान तालिका

तालिका क्रमांक 5.4 (b)

	Z_1	Z_2	Z_3	Z_4	Means
A_1	10.040	9.160	12.300	13.663	11.837
A_2	12.333	14.800	13.742	15.938	14.063
Mean	11.187	11.980	13.021	14.800	G.M.=12.95
A - A	2.93 *	5.64 *	1.442 *	2.275 *	

* Significant at 0.05 level of significance

*** Significance at 0.001 level of significance

NS Non - Significant

A x Z सारणी

तालिका नं0 5.4. (c)

Comparison A Mean	S.E.	C.D. at 5%	Actual Difference	
A	0.357	0.701	A_1	A_2
Z_1 - Z_2 At A	1.010	1.983	.88	2.467 *
Z_1 - Z_3 At A	0.644	1.264	2.26 *	1.409 *
Z_1 - Z_4 At A	0.703	1.380	3.623 *	3.605 *
Z_2 - Z_3 At A	0.961	1.888	3.14 *	1.058 NS
Z_2 - Z_4 At A	1.002	1.968	4.503 *	1.138 NS
Z_3 - Z_4 At A	0.631	1.239	1.363 *	2.196 *
A at Z_1	0.714	1.402	2.293 *	
A at Z_2	1.237	2.429	5.64 *	
A at Z_3	0.564	1.109	1.412 *	
A at Z_4	0.691	1.358	2.275 *	
Z_1 - Z_2	0.714	1.402	.793 NS	
Z_1 - Z_3	0.455	0.494	1.834 *	
Z_1 - Z_4	0.497	0.976	3.613 *	
Z_2 - Z_3	0.680	1.335	1.041 NS	
Z_2 - Z_4	0.708	1.391	2.82 *	
Z_3 - Z_4	0.446	0.876	1.779 *	

* Significant at 0.05 level of Significant.

NS Non - Significant

जहाँ तथा क्षेत्र एक्स लिंग समूह का प्रश्न है उच्चतम औसत स्मृति (14.800) नगर क्षेत्र की बालिकाओं में पायी गयी जो कि सार्थक रूप में शेष तीनों समूहों के व्यक्तिगत स्तर की स्मृति से काफी अधिक थी । दूसरे वर्ग में नगरीय बालकों की औसत स्मृति 13.02। थी जो कि सार्थक रूप में ग्रामीण क्षेत्र के बालकों की स्मृति (11.187) से अधिक थी लेकिन सांख्यिकीय आधार पर यह ग्रामीण बालिकाओं से काफी अधिक थी ग्रामीण बालकों तथा ग्रामीण बालिकाओं की स्मृति में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया ।

तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की औसत स्मृति अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों से प्रत्येक क्षेत्र × लिंग समूह में औसतन काफी उच्च है । सर्वोच्च औसत स्मृति (15.938) गैर अनुसूचित जाति की नगरीय बालिकाओं की थी तथा ग्रामीण स्तर की बालिकाओं की स्मृति भी काफी कुछ इनसे मिलती जुलती थी परन्तु न्यूनतम स्मृति (12.333) गैर अनुसूचित जाति के ग्रामीण विद्यार्थियों की थी जो कि सभी समूहों के विद्यार्थियों से काफी कम थी ।

अनुसूचित जाति की नगरीय क्षेत्र की बालिकाओं की औसत स्मृति (13.663) थी जो कि शेष तीनों समूहों की बालिकाओं की स्मृति से काफी कम थी । ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं की न्यूनतम औसत स्मृति (9.160) थी ।

तालिका क्रमांक 5.4 (डी) और 5.4 (इ) (प्रसरण विश्लेषण की समायोजन तालिका) से यह स्पष्ट है कि व्यक्तिगत स्मृति पर क्षेत्र का प्रभाव सार्थक है ।

प्रसरण विश्लेषण की एडजेस्टेड तालिका

अनुसूचित जाति हेतु (A_1)

तालिका क्रमांक-5.4 (d)

Source	D.F.	Adj. S.S.	M.S.S.	F
B (Adj.)	1	554.0742	554.0742	27.5949 ***
C (Adj.)	1	35.8233	35.8233	1.7841 NS
B x C(Adj.)	1	67.8041	67.8041	3.3769 NS
Error	296	5943.3271	20.0788	

एडजेस्टेड माध्य और विश्वसनीयता परीक्षण

तालिका क्रमांक-5.4 (e)

	Mean		Difference	$S.E._D$	t-value
	Level-1	Level-2			
B- Region	10.0031	12.9183	-2.9151	0.5549	-5.25318***
C- Sex	11.665	12.398	-0.7326	0.5485	-1.3357 NS

*** Significant at 0.001 Level of Significnace

NS Non- Significant.

			t- value	
B	Level - 1	ग्रामीण		
	Level - 2	नगरीय	0.05	= 1.97
C	Level -1	बालक	0.01	= 2.59
	Level -2	बालिकायें	0.001	= 3.33

प्रसरण विश्लेषण की समायोजन तालिका

For (A_2) अनुसूचित जाति के अतिरिक्त छात्र

तालिका क्रमांक- 5.4.(f)

Source	DF	Adj.S.S.	M.S.S.	F
B (Adj.)	1	115.1985	115.1985	6.3447 *
C "	1	344.5354	344.5354	18.9758 ***
BxC "	1	0.9890	0.9890	0.0544 NS
Error	296	5374.3457	18.1565	

एडजेस्टेड माध्य और विश्वसनीयता परीक्षण

तालिका क्रमांक - . 5.4(g)

	Means		Difference	SE_D	t-value
	Level-1	Level-2			
B- Region	13.518 (ग्रामीण)	14.847 (नगरीय)	-1.3292	0.5277	-2.5189 *
C-Sex	13.346 (बालक)	15.618 (बालिकायें)	-2.2719	0.5215	-4.3561***

* Significant at 0.05 level of significance.

*** Significant at 0.001 level of significance.

NS Non-Significant.

			t-value	
B	Level -1	ग्रामीण		
	Level-2	नगरीय	0.05	= 1.97
C	Level-1	बालक	0.01	= 2.59
	Level-2	बालिकायें	0.001	=3.33

अनुसूचित जाति के नगरीय विद्यार्थियों की औसत स्मृति (12.918) थी जो कि ग्रामीण विद्यार्थियों की औसत स्मृति (10.003) से काफी अधिक थी तथा सार्थक थी । लिंग का विद्यार्थियों पर कोई प्रभाव दृष्टिगोचर नहीं हुआ । क्षेत्र एक्स लिंग का प्रभाव 5% सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं था ।

तालिका क्रमांक 5.4 (एफ) तथा 5.4(जी) जो कि गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की स्मृति के सम्बन्ध में है 5% सार्थकता स्तर पर क्षेत्र तथा लिंग दोनों का सार्थक प्रभाव पाया गया ।

नगर क्षेत्र के गैर अनुसूचित वर्ग के बालकों की औसत स्मृति (15.618) थी जो नगर क्षेत्र की गैर अनुसूचित जाति की बालिकाओं की स्मृति (13.518) से अधिक थी जो कि सार्थक रूप से अधिक थी ।

ठीक इसी प्रकार नगर क्षेत्र की बालिकाओं की औसत स्मृति (15.618) थी जो कि ग्रामीण क्षेत्र के बालकों की स्मृति (13.346) से काफी अधिक थी ।

अतः सम्पूर्ण रूप आंकलन करने पर ज्ञात होता है कि गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की स्मृति अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों से अधिक अच्छी थी । नगर क्षेत्र के विद्यार्थियों की स्मृति का स्तर ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों से अच्छा था । लिंग का स्मृति पर कोई प्रभाव दृष्टिगोचर नहीं हुआ ।

चर - 3 (आकांक्षास्तर)

प्रसरण विश्लेषण तालिका

तालिका नं. 5.5.(a)

Source	DF	S.S.	M.S.S.	F
A	1	24.4816	24.4816	2.0041 NS
Z	3	113.4348	37.8116	3.0954 *
AxZ	3	110.3149	36.7716	3.0103 *
Error	592	7231.4180	12.2152	
Total	599	7479.6494	12.4868	

मध्यमान माध्य तालिका

तालिका क्रमांक- 5.5. (b)

	Z_1	Z_2	Z_3	Z_4	Means
A_1	6.861	8.916	6.350	7.194	6.917
A_2	6.529	7.344	6.847	5.736	6.513
Means	6.695	8.130	6.598	6.465	G.M. = 6.7147
$A_1 - A_2$	0.332	1.572	0.497	1.458 *	

* Significant at 0.05 level of significance.

NS Non-significant.

A x Z तालिका

तुलनात्मक तालिका

तालिका क्रमांक- 5.5 (c)

तुलना			वास्तविक अन्तर	
			A_1	A_2
A	0.285	0.560	0.404 NS	
Z_1-Z_2 At A	0.807	1.585	2.055*	0.815 NS
Z_1-Z_3 "	0.514	1.010	0.511	0.318 NS
Z_1-Z_4 "	0.562	1.103	0.333	0.793 NS
Z_2-Z_3 "	0.768	1.509	2.566*	0.497 NS
Z_2-Z_4 "	0.801	1.573	1.722*	1.608*
Z_3-Z_4 "	0.504	0.991	0.844	1.111*
A At Z_1	0.571	1.121		0.332 NS
" Z_2	0.989	1.941		1.572 NS
" Z_3	0.451	0.886		0.497 NS
" Z_4	0.553	1.085		1.458*
Z_1-Z_2	0.571	1.121		1.435*
Z_1-Z_3	0.364	0.714		0.097 NS
Z_1-Z_4	0.397	0.780		0.230 NS
Z_2-Z_3	0.543	1.067		1.532*
Z_2-Z_4	0.566	1.112		1.665*
Z_3-Z_4	0.357	0.701		0.133 NS

* Significant at 0.05 level of significance.

NS Non-significant .

चर - 3 (आकांक्षा स्तर) -

प्रमुख विश्लेषण की तालिका 5.5 (ए) को देखने से ज्ञात होता है कि जाति का प्रभाव आकांक्षा स्तर 5% सार्थकता स्तर पर प्रभावी नहीं था । क्षेत्र एक्स लिंग समूह का मध्यमान तथा आपसी प्रभाव 5% सार्थकता स्तर पर प्रभावी था जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि अनुसूचित जाति तथा गैर अनुसूचित जाति के अलग अलग समूहों के अलग अलग था ।

मध्यमान तालिका क्रमांक 5.5 (बी) से स्पष्ट है कि आकांक्षा स्तर का मध्यमान अनुसूचित जाति तथा गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों में सांख्यिकीय रूप से समान था।

'क्षेत्र एक्स लिंग' के आधार पर औसत आकांक्षा स्तर (8.130) था जो कि ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं का था तथा यह शेष तीनों समूहों के आकांक्षा स्तर से काफी अधिक था । शेष तीनों समूहों का सांख्यिकीय आधार पर आकांक्षा स्तर काफी उच्च था ।

तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि आकांक्षा स्तर (7.194) अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों का था जो कि नगर क्षेत्र की बालिकाओं से काफी अधिक था । अनुसूचित जाति तथा गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के मध्य कोई विशेष अन्तर आकांक्षा स्तर के सन्दर्भ में नहीं पाया गया विशेष रूप से शेष तीनों समूहों की तुलना में ।

अनुसूचित जाति वर्ग में उच्चतम औसत आकांक्षा स्तर (8.916) था जो कि ग्रामीण बालिकाओं का था यह शेष तीनों समूहों के विद्यार्थियों से काफी उच्च था ।

गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों का आकांक्षा स्तर 7.344 था जो कि ग्रामीण बालिकाओं या उसके नीचे आकांक्षा स्तर ग्रामीणबालकों का तथा नगरीय बालकों का था । सबसे कम आकांक्षा स्तर 5.736 नगरीय लड़कियों का था ।

प्रसरण विश्लेषण तालिका क्रमांक 5.5. (डी) तथा 5.5(इ) के अवलोकन से ज्ञात होता है कि क्षेत्र का आकांक्षा स्तर पर कोई सार्थक प्रभाव दृष्टिगोचर नहीं हुआ जबकि लिंग का 1% सार्थकता स्तर पर उच्च सार्थक प्रभाव दृष्टिगोचर हुआ ।

'क्षेत्र एक्स लिंग' का प्रभाव 5% सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं पाया गया । औसत आकांक्षा स्तर (7.678) था जो कि अनुसूचित जाति की बालिकाओं में पाया गया यह सर्वोच्च था इसके बाद आकांक्षा स्तर अनुसूचित जाति के बालकों का था जो कि 6.494 था । नगर तथा ग्रामीण क्षेत्र में औसत आकांक्षा स्तर 5% सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं पाया गया ।

तालिका क्रमांक 5.5 (एफ)तथा 5.5 (जी) जो गैर अनुसूचित वर्ग के आकांक्षा स्तर प्रदर्शित कर रही हैं को देखने से स्पष्ट होता है कि गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर पर धर्म और लिंग का कोई प्रभाव नहीं पाया गया । यह प्रभाव 5% सार्थकता स्तर पर ज्ञात किया गया था ।

प्रसरण विश्लेषण की समायोजन तालिका

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिये

तालिका क्रमांक - 5.5 (d)

Source	DF	Adj. S.S.	M.S.S.	F
B (Adj.)	1	48.7955	48.7955	3.6721 NS
C "	1	93.5574	93.5574	7.0407 **
BxC "	1	19.7706	19.7706	1.4878 NS
Error	296	3933.2582	13.2888	

एडजेस्टेड माध्य और विश्वसनीयता परीक्षण

तालिका क्रमांक - 5.5 (e)

	Means		Difference	SE D	t-Value
	Level-1	Level-2			
B- Region	7.6710	6.8059	0.8651	0.4514	1.9163 NS
C- Sex	6.494	7.678	-1.1839	0.4462	-2.6534 **

** Significant at 0.01 level of significance.

NS Non-significant.

B	Level-1	ग्रामीण	't'value
	Level-2	नगरीय	0.01 = 2.59
C	Level-1	लड़के	
	Level-2	लड़कियाँ	

प्रसरण विश्लेषण की समायोजन तालिका

गैर अनुसूचित जाति विद्यार्थियों के लिये

तालिका क्रमांक- 5.5. (f)

Source	DF	Adj. S.S.	M.S.S.	F
B (Adj.)	1	3.9160	3.9160	0.3514 NS
C "	1	21.6609	21.6609	1.9440 NS
B x C "	1	49.9678	49.9678	4.4844 *
Error	296	3298.1598	11.1424	

समायोजन माध्य और विश्वसनीयता परीक्षण

तालिका नं0- 5.5. (g)

	Means		Difference	SE D	't' value
	Level-1	Level-2			
B - Region	6.5905	6.3455	0.2451	0.4134	0.5928 NS
C - Sex	6.758	6.188	0.5697	0.4086	1.3943 NS

* Significant at 0.05 level of significance.

NS Non- significant.

B	Level -1	ग्रामीण	't' value
	Level-2	नगरीय	0.05 = 1.97
C	Level-1	लड़के	
	Level-2	लड़कियां	

सम्पूर्ण रूप से गैर अनुसूसचित जाति के विद्यार्थियों का आकांक्षा स्तर अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों में बालिकाओं का आकांक्षा स्तर बहुत ज्यादा था जबकि बालकों में उनकी तुलना में कम था । 'क्षेत्र' का आकांक्षा स्तर पर किसी प्रकार का कोई प्रभाव दृष्टिगोचर नहीं हुआ ।

चर - 4 (अभिवृत्ति)

प्रसरण विश्लेषण की तालिका क्रमांक 5.6 (ए) में प्रदर्शित आंकड़े स्वयं ही स्पष्ट कर रहे हैं कि (जाति) का प्रभाव 1% सार्थकता स्तर पर काफी उच्च स्तर का था । क्षेत्र एवम लिंग समूह के मध्यमान का मूल्य 1% सार्थकता स्तर पर यह प्रभावी था । अन्र्तसम्बंध प्रभाव ज्ञात करने पर जाति का 5% सार्थकता स्तर पर कोई प्रभाव नहीं देखा गया ।

मध्यमान की तालिका क्रमांक 5.6 (बी) को देखने से ज्ञात होता है कि औसत अभिवृत्ति (108.917) था जो कि गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों में पाया गया यह अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के (103.947) की तुलना में काफी अधिक था ।

चर - 4 (दृष्टिकोण)

प्रसरण विश्लेषण तालिका

तालिका क्रमांक - 5.6 (a)

Source	DF	S.S.	M.S.S.	F
A	1	3705.1250	3705.1250	11.9752 ***
Z	3	4578.1875	1526.0625	4.9323 **
AxZ	3	1153.5625	384.5208	1.2428 NS
Error	592	183164.3100	309.3991	
Total:	599	192601.1900	321.5378	

मध्यमान तालिका

तालिका क्रमांक- 5.6 (b)

	Z_1	Z_2	Z_3	Z_4	Means
A_1	105.200	103.600	100.283	108.375	103.947
A_2	106.347	105.800	108.167	113.425	108.917
Mean	105.773	104.700	104.225	110.900	G.M.=106.4317
$A_2 - A_1$	1.147	2.2	7.884 *	5.05	

* Significant at 0.05 level of significance.

** Significant at 0.01 level of significance.

*** Significant at 0.001 level of significance.

NS Non-Significant.

A x Z तालिका

तालिका क्रमांक- 5.6(c)

Comparison		S.E.	C.D. At 5%	Actual Difference	
A		1.436	2.821	4.97*	
				A_1	A_2
Z_1-Z_2 At A		4.062	7.978	1.6	0.547^{NS}
Z_1-Z_3	"	2.589	5.085	4.917^{NS}	1.82^{NS}
Z_1-Z_4	"	2.827	5.553	3.175	7.078*
Z_2-Z_3	"	3.867	7.595	3.317	2.367^{NS}
Z_2-Z_4	"	4.030	7.916	4.775^{NS}	7.625^{NS}
Z_3-Z_4	"	2.539	4.986	8.092*	5.258*
A At	Z_1	2.872	5.641	1.147^{NS}	
"	Z_2	4.975	9.771	2.2^{NS}	
"	Z_3	2.271	4.460	7.884*	
"	Z_4	2.781	5.462	5.05^{NS}	
Z_1-Z_2		2.872	5.641	1.078^{NS}	
Z_1-Z_3		1.831	3.596	1.548^{NS}	
Z_1-Z_4		1.999	3.926	5.127*	
Z_2-Z_3		2.734	5.370	0.475^{NS}	
Z_2-Z_4		2.850	5.597	6.2*	
Z_3-Z_4		1.795	3.526	6.675*	

* Significant at 0.05 level of significance.

NS Non-significant.

चारों समूहों के अभिवृत्ति का औसत मध्यमान (110.900) था जो कि नगर क्षेत्र की बालिकाओं का था सार्थक रूप से अन्य तीनों समूहों से यह उच्च था । सांख्यिकीय दृष्टि से शिक्षा में अभिवृत्ति की दृष्टि से यह काफी महत्वपूर्ण था ।

मध्यमान तालिका से स्पष्ट है कि गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की औसत अभिवृत्ति 108.167 थी जो कि अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की तुलना में काफी अधिक था। विभिन्न समूहों में अभिवृत्ति में दोनों वर्ग गैर अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जाति में काफी अन्तर था ।

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के मध्य उच्च अभिवृत्ति (108.375) थी जो कि नगरीय बालिकाओं की अभिवृत्ति, ग्रामीण बालकों तथा ग्रामीण बालिकाओं से ज्यादा थी । शिक्षा की पूर्ति सबसे कम अभिवृत्ति नगर क्षेत्र के बालकों की थी । गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों में उच्च अभिवृत्ति (113.425) थी जो कि नगरीय बालिकाओं में थी जो कि शेष तीनों ग्रुपों से काफी अधिक थी ।

सबसे कम औसत अभिवृत्ति (105.800) ग्रामीण बालिकाओं में थी ।

प्रसरण विश्लेषण की समायोजन तालिका

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिये

तालिका क्रमांक - 5.6 (d)

Source	DF	Adj. S.S.	M. S.S.	F
B (Adj.)	1	283.5811	283.5811	1.0777 NS
C "	1	1924.3625	1924.3624	7.3136**
B x C "	1	1266.4501	1266.4501	4.8132*
Error	296	77883.0940	263.1185	

समायोजन माध्य और विश्वसनीयता परीक्षण

तालिका क्रमांक- 5.6 (e)

	Means		Difference	SE	t-value
	Level-1	Level-2		D	
B - Region	106.1423	104.0569	2.0854	2.0088	1.0381 NS
C - Sex	101.664	107.034	-5.3693	1.9854	-2.7044**

*	Significant at 0.05 level of significance.
**	Significant at 0.01 level of significance.
NS	Non- significant.

B	Level-1	ग्रामीण	't' - value
	Level-2	नगरीय	0.01 = 2.59
C	Level-1	बालक	
	Level-2	बालिकायें	

प्रसरण विश्लेषण से सम्बन्धित समायोजन तालिका क्रमांक (5.6 (डी) तथा 5.6 (इ)) के ऑकड़े बताते हैं कि अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों में लिंग के आधार पर प्रभाव पड़ा जो कि 1% सार्थकता स्तर पर पूर्णतः सार्थक प्रतीत होता है । इसी प्रकार 5% सार्थकता स्तर पर भी प्रभाव पूर्ण सार्थकता दिखाई पड़ी । अनुसूचित जाति की लड़कियों की औसत अभिवृत्ति (107.034) थी जो कि अनुसूचित जाति के लड़कों से (101.664) से ज्यादा थी ।

प्रसरण विश्लेषण की समायोजन तालिका

गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए

तालिका क्रमांक - 5.6 (f)

Source	DF	Adj. S.S.	M. S.S.	F
B (Adj)	1	805.9572	805.9572	2.2659 NS
C "	1	878.4572	878.4572	2.4698 NS
B x C "	1	454.3552	454.3552	1.2774 NS
Error	296	105281.1900	355.6796	

समायोजन माध्य और विश्वसनीयता परीक्षण

तालिका क्रमांक- 5.6 (g)

	Means Level-1	Level-2	Difference	SE_D	t-value
B - Region	107.1169	110.6328	-3.5158	2.3356	-1.5053 NS
C-Sex	107.655	111.283	-3.6277	2.3084	-1.5716 NS

NS अविश्वसनीय

B Level-1 ग्रामीण

Level-2 नगरीय

C Level-1 बालक

Level-2 बालिकायें

तालिका क्रमांक 5.6 (एफ) और 5.6 (जी) का सम्बन्ध है जो कि सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों से सम्बन्धित है उनमें क्षेत्र तथा लिंग के आधार पर कोई प्रभाव पाया है यह 5% स्तर पर विश्वसनीय था । इससे स्पष्ट है क्षेत्र तथा लिंग का सामान्य स्तर के विद्यार्थियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा ।

सामान्य रूप से हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि जाति का विद्यार्थी की अभिवृत्ति पर प्रभाव पड़ता है परन्तु क्षेत्र का अनुसूचित जाति तथा सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है अनुसूचित जाति की लड़कियों की अभिवृत्ति का स्तर अनुसूचित जाति के लड़कों से अधिक उच्च था ।

चर - 5 (बुद्धि)

'एफ' परीक्षण, प्रसरण विश्लेषण की तालिका क्रमांक 5.7 (ए) से स्पष्ट है कि बुद्धि सम्बन्धी 0.1% स्तर पर बहुत विश्वसनीय है । 'क्षेत्र एक्स लिंग ' समूह मे मध्यमान .01 स्तर पर विश्वसनीय पाया गया । जाति समूह 5% पर पूर्णतः अविश्वसनीय था ।

चर - 5 (बुद्धि)

प्रसरण विश्लेषण तालिका

तालिका क्रमांक - 5.7 (a)

Source	DF	S.S.	M.S.S.	F
A	1	17528.4380	17528.4380	56.3098 ***
Z	3	26612.5000	8870.8334	28.4974 ***
AxZ	3	2364.1250	788.0416	2.5315 NS
Error	592	184280.8800	311.2852	
Total	599	230785.9400	385.2853	

माध्य तालिका

तालिका क्रमांक- 5.7 (b)

	Z 1	Z 2	Z3	Z4	Mean
A_1	81.280	72.800	88.542	92.063	86.353
A_2	88.000	87.240	97.317	108.625	97.163
Mean	84.640	80.020	92.929	100.344	G.M.=91.758
A - A	6.72 *	14.44*	8.775	16.562 *	

* .05 सार्थक स्तर पर विश्वसनीय

* .001 सार्थक स्तर पर विश्वसनीय

NS अविश्वसनीय

A x Z तालिका

तालिका क्रमांक-5.7 (c)

A Means	S.E.	C.D. At 5%	Actual Difference	
A	1.441	2.829	A_1	A_2
Z_1-Z_2 At A	4.075	8.002	8.48*	0.76 NS
Z_1-Z_3 "	2.597	5.101	7.262*	9.317*
Z_1-Z_4 "	2.836	5.569	10.783*	20.625*
Z_2-Z_3 "	3.879	7.618	15.742*	10.077*
Z_2-Z_4 "	4.043	7.940	19.263*	21.385*
Z_3-Z_4 "	2.547	5.001	3.521	11.308*
A At Z_1	2.881	5.659	6.72*	
" Z_2	4.990	9.801	14.44*	
" Z_3	2.278	4.473	8.775*	
" Z_4	2.790	5.479	16.562*	
Z_1-Z_2	2.881	5.659	4.62 NS	
Z_1-Z_3	1.836	3.607	8.289*	
Z_1-Z_4	2.005	3.938	15.704*	
Z_2-Z_3	2.743	5.387	12.909*	
Z_2-Z_4	2.859	5.614	20.324*	
Z_3-Z_4	1.801	3.537	7.415*	

* Siginficant at .05 level

NS Non Significant

मध्यमान तालिका क्रमांक 5.7 (बी) से स्पष्ट है कि सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों की औसत बुद्धि (97.163) अनुसूचित वर्ग के विद्यार्थियों (86.353) से अधिक विश्सनीय है ।

क्षेत्र एक्स लिंग समूह में नगर क्षेत्र की बालिकाओं की औसत बुद्धि (100.344) थी जो कि ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं की औसत बुद्धि (80.020) से अधिक विश्वसनीय थी परन्तु यह ग्रामीण लड़कों से अधिक तथा शहरी लड़के तथा लड़कियों से कम थी । नगर क्षेत्र के लड़के भी ग्रामीण क्षेत्र के लड़कों से अधिक बुद्धिमान थे ।

अनुसूचित जाति के क्षेत्र एक्स लिंग समूह में उच्चतम औसत बुद्धि (92.063) थी जिसमें नगर क्षेत्र के लड़के तथा लड़कियां दोनों ही ग्रामीण क्षेत्र के लड़के तथा लड़कियों से अधिक बुद्धिमान थे ।

क्षेत्र एक्स लिंग समूह के सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों में उच्चतम औसत बुद्धि (108.625) थी जो कि नगरीय लड़के तथा लड़कियों दोनों में ही अधिक थी तथा नगरीय लड़के तथा लड़कियाँ दोनों ही ग्रामीण क्षेत्र के लड़के लड़कियों से अधिक बुद्धिमान थे ।

चर - 5

प्रसरण विश्लेषण की समायोजन तालिका

अनुसूचित जाति विद्यार्थियों के लिये

तालिका क्रमांक 5.7 (d)

साधन	D.F.	Adj. S.S.	M.S.S.	F
B (Adj.)	1	7559.4388	7559.4388	35.2656 ***
C "	1	1.5012	1.5012	0.0070 NS
BxC "	1	1941.8425	1941.8425	9.0589 **
Erro	296	63449.5940	214.3567	

एडजेस्टेड माध्य और विश्वसनीयता परीक्षण

तालिका क्रमांक - 5.7 (e)

	Means		Difference	SE D	t-value
	Level-1	Level-2			
B - Region	79.1975	89.9650	-10.7675	1.8132	-5.9385***
C - Sex	86.502	86.652	- 0.1498	1.7920	-0.0836 NS

*** 0.001 सार्थक स्तर पर विश्वसनीय

NS अविश्वसनीय

			't'-value	
B	Level-1	ग्रामीण		
	Level-2	नगरीय	0.05	= 1.97
C	Level-1	बालक	0.01	= 2.59
	Level-2	बालिकायें	0.001	= 3.33

न्यूनतम औसत बुद्धि ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों की (87·240) थी जो कि ग्रामीण क्षेत्र के लड़को से अधिक थी लेकिन शहरी क्षेत्र लड़के तथा लड़कियों दोनों से ही कम थी ।

सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों की औसत बुद्धि क्षेत्र एक्स लिंग समूह के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों से अधिक थी ।

तालिका क्रमांक 5·7(d) तथा 5·7 (e) के प्रसरण विश्लेषण से पाया गया कि अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों औसत बुद्धि पर क्षेत्र का प्रभाव तो पड़ता है परन्तु लिंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है । क्षेत्र एक्स लिंग समूह 1% लेवल पर विश्वसनीय पाया गया इससे स्पष्ट है कि क्षेत्रीयता का प्रभाव बालक और बालिकाओं दोनों पर ही पड़ता है ।

मध्यमान की तालिका को देखने से स्पष्ट है कि नगर क्षेत्र के अनुसूचित जाति के विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्र के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों से ज्यादा बुद्धिमान थ । अनुसूचित जाति के बालक तथा बालिकाओं में बुद्धि सम्बन्धी कोई अन्तर नहीं पाया गया ।

न्यूनतम औसत बुद्धि ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों की (87.240) थी जो कि ग्रामीण क्षेत्र के लड़को से अधिक थी लेकिन शहरी क्षेत्र लड़के तथा लड़कियों दोनों से ही कम थी ।

सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों की औसत बुद्धि क्षेत्र एक्स लिंग समूह के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों से अधिक थी ।

तालिका क्रमांक 5.7(d) तथा 5.7 (e) के प्रसरण विश्लेषण से पाया गया कि अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों औसत बुद्धि पर क्षेत्र का प्रभाव तो पड़ता है परन्तु लिंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है । क्षेत्र एक्स लिंग समूह 1% लेवल पर विश्वसनीय पाया गया इससे स्पष्ट है कि क्षेत्रीयता का प्रभाव बालक और बालिकाओं दोनों पर ही पड़ता है ।

मध्यमान की तालिका को देखने से स्पष्ट है कि नगर क्षेत्र के अनुसूचित जाति के विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्र के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों से ज्यादा बुद्धिमान थ । अनुसूचित जाति के बालक तथा बालिकाओं में बुद्धि सम्बन्धी कोई अन्तर नहीं पाया गया ।

चर - 5

प्रसरण विश्लेषण की समायोजन तालिका

गैर अनुसूचित जाति विद्यार्थियों के लिये

तालिका क्रमांक- 5.7 (f)

साधन	D.F.	Adj. S.S.	M.S.S.	F
B (Adj.)	1	10753.2520	10753.2520	26.3422***
C "	1	4185.2203	4185.2203	10.2525 **
BxC "	1	1963.7485	1963.7485	4.8105 *
Error	296	120831.2800	408.2137	

समायोजन माध्य और विश्वसनीयता परीक्षण

तालिका क्रमांक- 5.7 (g)

	Means		Difference	SE D	t-value
	Level-1	Level-2			
B-Region	89.789	102.632	-12.8422	2.5022	-5.1325***
C-Sex	94.700	102.618	- 7.9184	2.4730	-3.2020**

* 0.05 सार्थक स्तर पर विश्वसनीय

** 0.01 सार्थक स्तर पर विश्वसनीय

*** 0.001 सार्थक स्तर पर विश्वसनीय

			't'-value	
B-Region	Level-1	ग्रामीण		
	Level-2	नगरीय	0.05	= 1.97
C-Sex	Level-1	लड़के	0.01	= 2.59
	Level-2	लड़कियां	0.001	= 3.33

चर - 5

प्रसरण विश्लेषण की समायोजन तालिका

गैर अनुसूचित जाति विद्यार्थियों के लिये

तालिका क्रमांक- 5.7 (f)

साधन	D.F.	Adj. S.S.	M.S.S.	F
B (Adj.)	1	10753.2520	10753.2520	26.3422***
C "	1	4185.2203	4185.2203	10.2525 **
BxC "	1	1963.7485	1963.7485	4.8105 *
Error	296	120831.2800	408.2137	

समायोजन माध्य और विश्वसनीयता परीक्षण

तालिका क्रमांक- 5.7 (g)

	Means		Difference	SE	t-value
	Level-1	Level-2		D	
B-Region	89.789	102.632	-12.8422	2.5022	-5.1325***
C-Sex	94.700	102.618	- 7.9184	2.4730	-3.2020**

* 0.05 सार्थक स्तर पर विश्वसनीय

** 0.01 सार्थक स्तर पर विश्वसनीय

*** 0.001 सार्थक स्तर पर विश्वसनीय

			't'-value	
B-Region	Level-1	ग्रामीण		
	Level-2	नगरीय	0.05	= 1.97
C-Sex	Level-1	लड़के	0.01	= 2.59
	Level-2	लड़कियां	0.001	= 3.33

समायोजन, प्रसरण विश्लेषण तालिका क्रमांक 5·7 (एफ) तथा 5·7(जी) जो कि सामान्य जाति के विद्यार्थियों की बुद्धि प्रदर्शित की गयी हैं को देखने से स्पष्ट है कि क्षेत्र तथा लिंग का प्रभाव 1% स्तर पर पूर्णतः विश्यसनीय है । अर्न्तसहसंबंध प्रभाव भी 'क्षेत्र लिंग' के आधार पर 5% स्तर पर पूर्णतः विश्वसनीय है । इससे स्पष्ट है कि सामान्य वर्ग के बालक तथा बालिकाओं में क्षेत्र का प्रभाव अलग - अलग पड़ता है ।

अनुसूचित जाति की लड़कियां अनुसूचित जाति के लड़को से औसत बुद्धि (102·618) में ज्यादा आगे थी ।

सम्पूर्ण रूप से आँकलन करने पर स्पष्ट है कि सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों से ज्यादा बुद्धिमान थे । विशेष रूप से नगर क्षेत्र के विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों से ज्यादा बुद्धिमान थे । सामान्य वर्ग की बालिकायें, बालकों से ज्यादा बुद्धिमान थीं। सामान्य जाति की लड़कियों का उच्चतम बुद्धि का औसत (108·625) था ।

5·2 सहसम्बन्ध गुंणाक (अनुसूचित जाति के लिये) पूर्ण सह सम्बन्ध गुणांक (0 आर्डर) अनुसूचित जाति के लिये)

तालिका क्रमांक 5.8 (ए) जो कि सहसम्बन्ध गुणांक (0 आर्डर) को प्रदर्शित करती है से स्पष्ट है कि चर $\times 5$ (बुद्धि) का शेष चारों चरों से सीधा सम्बन्ध है। यह घनात्मक रूप से x_1 (शैक्षिक उपलब्धि) , x_2 (स्मृति) तथा x_4 (अभिवृत्ति) से सहसंबन्धित है जब कि x_3 (आकांक्षा स्तर) से ऋणात्मक रूप से सह सम्बन्धित है । इससे स्पष्ट है कि बुद्धि में बृद्धि होने पर आकांक्षा स्तर, बुद्धि को छोड़कर अन्य सभी चरों से असहसम्बन्धित रहा । अभिवृत्ति से यह ऋणात्मक रूप से सहसम्बन्धित रहा । शैक्षिक उपलब्धि सम्बन्धी चर का सहसम्बन्ध स्मृति, अभिवृत्ति तथा बुद्धि से धनात्मक था जब कि आँकाक्षा स्तर से यह असहसम्बन्ध रहा ।

आंशिक सहसम्बन्ध गुणांक ज्ञात करने में भी समान विधि का प्रयोग किया (तालिका क्रमांक 5.8 (बी) इसे दो चरों के मध्य ज्ञात किया गया तथा शेष तीनों को स्थिर रक्खा गया । यहाँ केवल एक बात उल्लेखीनय रही कि सहसम्बन्ध गुणांक में शैक्षिक उपलब्धि तथा अभिवृत्ति .01 % स्तर पर पूर्णतः विश्वसनीय थी जबकि आंशिक सहसम्बन्ध में यह विश्वसनीय नहीं थी ।

पूर्ण सहसंबंध गुणांक (0 आर्डर)

For A_1 (अनुसूचित जाति विद्यार्थियों के लिये)

तालिका क्रमांक- 5.8 (*a*)

		X_2	X_3	X_4	X_5
शैक्षिक निष्पत्ति	X_1	0.276**	-0.032^{NS}	0.429***	0.3428***
स्मृति	X_2		-0.0003^{NS}	0.1076^{NS}	0.3337***
एस्पिरेशन स्तर	X_3			-0.0013^{NS}	-0.1486**
दृष्टिकोण	X_4				0.3038***
बुद्धि	X_5				

आंशिक सहसंबंध गुणांक

तालिका क्रमांक - 5.8 (*b*)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.1823**	0.0093^{NS}	0.0267^{NS}	0.2571***
X_2		0.0501^{NS}	-0.0005^{NS}	0.2588***
X_3			0.0460^{NS}	-0.1609**
X_4				0.2726***

** Significant at .05 level

*** Siginficant at .001 level

NS Non Siginficant

पूर्ण सहसंबंध गुणांक (0 आर्डर)

A_2 गैर-अनुसूचित जाति विद्यार्थियों के लिये

तालिका क्रमांक - 5.9 (a)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.2927 ***	-0.1115 NS	0.1978***	0.5100***
X_2		-0.0344 NS	0.2323***	0.3827***
X_3			-0.1080 NS	-0.1653**
X_4				0.3447***

आंशिक सह संबंध गुणांक

तालिका क्रमांक 5.9(b)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.1218 *	-0.0355 NS	0.0111 NS	0.4256***
X_2		0.0423 NS	0.1155 *	0.2475***
X_3			-0.0587 NS	-0.1133*
X_4				0.2422***

* Siginficant at .05 level

** Siginficant at .01 level

*** Siginficant at .001 level

NS Non Significant

सहसम्बन्ध गुणांक - सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिये (0 आर्डर) -

तालिका क्रमांक 5.9 (ए) जो कि पूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक (सहसम्बन्ध गुणांक, 0 आर्डर) से स्पष्ट है कि चर - बुद्धि शेष चारों, चरों से पूर्णतः सहसम्बन्ध रखता है । यह शैक्षिक उपलब्धि स्मृति और अभिवृत्ति से पूर्णतः धनात्मक रूप से सहसम्बन्ध रखता है जबकि चर - आकांक्षा स्तर से इसके सम्बन्ध नकारात्मक है । इससे स्पष्ट है कि जब चर-बुद्धि में वृद्धि होती है तो चर शैक्षिक उपलब्धि , स्मृति तथा अभिवृत्ति में भी बृद्धि होती है जब चर बुद्धि में कमी आती है तो इन चारों , चरों में भी कमी आ जाती है ।चर - आकांक्षा स्तर चर-वुद्धि को छोड़कर शेष सभी से सहसम्बन्ध रहित पाया गया जबकि बुद्धि से यह ऋणात्मक रूप से जुड़ा हुआ पाया गया । अभिवृत्ति सम्बन्धी चर का शैक्षिक उपलब्धि स्मृति और बुद्धि से धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया तथा यह आकांक्षा स्तर से सहसम्बन्ध रहित रहा ।

चर - शैक्षिक उपलब्धि का सहसम्बन्ध , स्मृति, अभिवृत्ति, बुद्धि से धनात्मक पाया गया जबकि आकांक्षा स्तर से इसका सहसम्बन्ध नहीं पाया गया । स्मृति चर भी चर, शैक्षिक उपलब्धि, अभिवृत्ति तथा बुद्धि से धनात्मक रूप से सहसम्बन्ध रहा तथा आकांक्षा स्तर से इसका भी सहसम्बन्ध नहीं दिखाई दिया ।

आंशिक सहसम्बन्ध ज्ञात करने हेतु (तालिका क्रमांक 5.9(बी)) उपरोक्त विधि का ही प्रयोग किया गया जिसमें केवल दो चरों को लिया गया तथा शेष तीन चरों को स्थिर रक्खा गया । सहसम्बन्ध गुणांक में अभिवृत्ति तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य .01% स्तर पर अत्यधिक विश्वसनीय पायी गयी थी । जबकि आंशिक सहसम्बन्ध गुणांक इन दोनों में कोई सहसम्बन्ध नहीं पाया गया ।

पूर्ण सह संबंध गुणांक (0 आर्डर)

- B_1 (नगरीय)

तालिका क्रमांक- 5.10 (a)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.3328***	-0.0312 NS	0.0283 NS	0.1999***
X_2		-0.0264 NS	0.1785**	0.4081***
X_3			-0.0059 NS	-0.0425 NS
X_4				0.3105***

आंशिक सह संबंध गुणांक

तालिका क्रमांक- 5.10 (b)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.2836***	-0.0208 NS	- 0.0552 NS	0.0857 NS
X_2		-0.0041 NS	0.0729 NS	0.3354***
X_3			0.0071 NS	- 0.0337 NS
X_4				0.2680***

** Siginficant at .01 level

*** Siginficant at .001 level

NS Non Significent

ग्रामीण क्षेत्र हेतु सहसम्बन्ध गुणांक (0 आर्डर) -

तालिका क्रमांक 5.10 (ए) के अवलोकन से स्पष्ट है कि चर-बुद्धि 0.1% स्तर पर पूर्णतः सार्थक है । शैक्षिक उपलब्धि स्मृति तथा अभिवृत्ति सभी चर आकांक्षा स्तर से सहसम्बन्ध नहीं रखते हैं । अभिवृत्ति का धनात्मक सहसम्बन्ध स्मृति तथा बुद्धि से पाया गया । इस प्रकार चर - आकांक्षा स्तर शेष चारों, चरों से किसी प्रकार का कोई सहसम्बन्ध नहीं रखता है । स्मृति - चर का सहसम्बन्ध शैक्षिक उपलब्धि, अभिवृत्ति तथा बुद्धि से पाया गया परन्तु आकांक्षा स्तर से इसका सहसम्बन्ध नहीं पाया गया । अभिवृत्ति और बुद्धि का भी आकांक्षा स्तर से किसी भी प्रकार कोई सहसम्बन्ध नहीं पाया गया । शैक्षिक उपलब्धि का उच्च सहसम्बन्ध स्मृति और बुद्धि से पाया गया परन्तु आकांक्षा स्तर तथा अभिवृत्ति से इसका कोई सहसम्बन्ध नहीं पाया गया ।

आंशिक सहसम्बन्ध ज्ञात करने हेतु लगभग उपरोक्त विधि का ही प्रयोग किया गया अर्थात् तीन चरों को स्थिर रक्खा गया तथा दो चरों से सहसम्बन्ध देखा गया, 1% स्तर पर स्मृति और अभिवृत्ति में सार्थकता पायी गयी तथा सहसम्बन्ध गुणांक शैक्षिक उपलब्धि तथा बुद्धि के बीच 0.1% स्तर पर सार्थक पाया गया जबकि आंशिक सहसम्बन्ध गुणांक में इन दोनों में कोई सहसम्बन्ध नहीं पाया गया ।

पूर्ण सह संबंध गुणांक (0 आर्डर)

B_2 (नगरीय विद्यार्थी)

तालिका क्रमांक - 5.11 (a)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.3562***	-0.1104^{NS}	0.2697***	0.6364 ***
X_2		-0.0065^{NS}	0.2044***	0.3293 ***
X_3			-0.0872^{NS}	- 0.1975 ***
X_4				0.3758 ***

आंशिक सहसंबंध गुणांक

तालिका क्रमांक - 5.11 (b)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.1976***	0.0081^{NS}	0.0250^{NS}	0.5550 ***
X_2		0.0620^{NS}	0.0864^{NS}	0.1228 *
X_3			-0.02004^{NS}	-0.1618 **
X_4				0.2555 ***

* Siginficant at 0.5 level

** Siginficant at .01 level

*** Siginficatn at .001 level

NS Non Significent

सह सम्बन्ध गुणांक नगर क्षेत्र हेतु (0 आर्डर) -

तालिका क्रमांक 5.11 (ए) में स्पष्ट है कि बुद्धि चर का शेष चारों चरों से सहसम्बन्ध है धनात्मक रूप से यह शैक्षिक उपलब्धि, स्मृति तथा अभिवृत्ति से सहसम्बन्ध रखता है जबकि आकांक्षा स्तर से इसका सहसम्बन्ध नकारात्मक है । इससे स्पष्ट होता है कि बुद्धि चर में वृद्धि होन पर शैक्षिक उपलब्धि, स्मृति तथा अभिवृत्ति चरों में भी वृद्धि हो जाती है परन्तु आकांक्षा स्तर में गिरावट आ जाती है । अथवा इससे उल्टा होता है। अभिवृत्ति का धनात्मक सहसम्बन्ध शैक्षिक उपलब्धि, स्मृति तथा बुद्धि से दृष्टिगोचर हो रहा है जबकि आकांक्षा स्तर से इसका सहसम्बन्ध नहीं दिखाई दिया । आकांक्षा स्तर बुद्धि चर को छोड़कर सभी चरों से सहसम्बन्ध प्रदर्शित नहीं कर रहा है तथा बुद्धि चर से ऋणात्मक सहसम्बन्ध प्रदश्रित कर रहा है । स्मृति चर का धनात्मक सहसम्बन्ध शैक्षिक उपलब्धियां, अभिवृत्ति तथा बुद्धि से दृष्टिगोचर हो रहा है परन्तु आकांक्षा स्तर से सहसम्बन्ध नहीं पाया गया । शैक्षिक उपलब्धि का धनात्मक सहसम्बन्ध स्मृति अभिवृत्ति तथा बुद्धि से परिलक्षित हो रहा है परन्तु इसका आकांक्षा स्तर से कोई सहसम्बन्ध नहीं पाया गया ।

आंशिक सहसम्बन्ध लगभग उपरोक्त विधि द्वारा ही ज्ञात किया (तालिका क्रमांक 5.11 (बी) जिसमें तीन चर स्थिर रक्खे गये तथा दो चरों का चलायमान रखकर सहसंबंध ज्ञात किया गया । इसके अन्तर्गत शैक्षिक उपलब्धि तथा अभिवृत्ति के मध्य सहसम्बन्ध नहीं पाया गया जबकि सहसंबंध गुणांक, में ही आपसी सहसम्बन्ध नहीं पाया गया ।

पूर्ण सह संबंध गुणांक (0 आर्डर)

C_1 छात्र (लड़के)

तालिका क्रमांक - 5.12 (a)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.2627***	-0.0552 NS	0.1616**	0.3400 ***
X_2		0.0428 NS	0.2157***	0.3634 ***
X_3			- 0.0124 NS	- 0.0754 NS
X_4				0.3549 ***

आंशिक सह संबंध गुणांक

तालिका क्रमांक- 5.12 (b)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.1580 **	- 0.0445 NS	0.0317 NS	0.2469 ***
X_2		0.0805	0.0924 NS	0.2662 ***
X_3			0.0093 NS	- 0.0815 NS
X_4				0.2860 ***

** Siginficant at .01 level

*** Siginficant at .001 level

NS Non Significent

सहसम्बन्ध गुणांक बालकों के लिये (0 आर्डर) -

तालिका क्रमांक 5.12 (ए) को देखने से स्वतः स्पष्ट है कि बुद्धि चर का शैक्षिक उपलब्धि, स्मृति तथा अभिवृत्ति से सहसम्बन्ध है जबकि आकांक्षा स्तर से इसका कोई सहसम्बन्ध नहीं है । अभिवृत्ति का धनात्मक सहसम्बन्ध शैक्षिक उपलब्धि, स्मृति, बुद्धि से है तथा आकांक्षा स्तर से इसका सहसम्बन्ध नहीं है । आकांक्षा स्तर का शेष चरों से कोई सम्बन्ध नहीं है । स्मृति का धनात्मक सहसम्बन्ध अभिवृत्ति तथा बुद्धि से प्रदर्शित हो रहा है जबकि आकांक्षा स्तर से इसका सहसम्बन्ध नहीं दिखाई दे रहा है ।

आंशिक सहसंबंध तालिका क्रमांक 5.12 (बी) से स्पष्ट है जिसमें तीन चरों को स्थिर रक्खा गया है तथा दो के बीच आपसी सहसम्बन्ध को देखा गया है । शैक्षिक उपलब्धि तथा अभिवृत्ति तथा स्मृति और अभिवृत्ति के मध्य आंशिक सहसम्बन्ध हे जबकि इन दोनों में धनात्मक सहसम्बन्ध है तथा 1% तथा 0.1% स्तर पर यह सार्थकता प्रदर्शित करते हैं ।

कुल सह सम्बन्ध गुणांक (जीरो आर्डर)

For C_2 (बालिका विद्यार्थी)

तालिका क्रमांक - 5.13 (a)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.3774***	-0.1427*	0.2075***	0.6382***
X_2		-0.1688**	0.1069 NS	0.4093***
X_3			- 0.1906***	-0.3061***
X_4				0.3336***

आंशिक सह सम्बन्ध गुणांक

तालिका क्रमांक - 5.13 (b)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.1697**	0.0816 NS	0.0065 NS	0.5543***
X_2		-0.0667 NS	- 0.0401 NS	0.2145***
X_3			- 0.1007 NS	- 0.2296***
X_4				0.2357***

* Siginficant of .05 level

** Siginficant at .01 level

* * * Siginficant at .001 level

NS Non Siginficant

सह सम्बन्ध गुणांक बालिकाओं हेतु (0 आर्डर) -

तालिका क्रमांक 5.13 (ए) को देखने से स्पष्ट है कि बुद्धि चर को सार्थक सहसम्बन्ध शेष चारों, चरों से हैं । शैक्षिक उपलब्धि, स्मृति, अभिवृत्ति का बुद्धि चर से धनात्मक सहसम्बन्ध दृष्टिगोचर हो रहा है जबकि आकांक्षा स्तर से इसका ऋणात्मक सहसम्बन्ध दिखाई दे रहा है । जबकि स्मृति से यह असहसम्बन्ध रखता प्रतीत हो रहा है। आकांक्षा स्तर - चर शेष चारों - चरों से नकारात्मक सह सम्बन्ध प्रदर्शित कर रहा है। स्मृति चर शैक्षिक उपलब्धि तथा बुद्धि से धनात्मक सहसम्बन्ध परिलक्षित कर रहा है । जबकि आकांक्षा सतर से इसका नकारात्मक सह सम्बन्ध है तथा अभिवृत्ति से नकारात्मक सहसम्बन्ध है । शैक्षिक उपलब्धि का धनात्मक सहसम्बन्ध स्मृति, अभिवृत्ति तथा बुद्धि से है जबकि आकांक्षा स्तर से इसका ऋणात्मक सहसम्बन्ध है ।

आंशिक सहसम्बन्ध गुणांक (तालिका क्रमांक 5.13 (बी)) दो चरों के मध्य ज्ञात किया गया है जबकि तीन चर स्थिर रक्खे गये हैं । इसे ज्ञात करने में उपरोक्त विधि का ही प्रयोग किया गया है । अभिवृत्ति चर, शैक्षिक उपलबिध, स्मृति तथा आकांक्षा स्तर से सहसम्बन्ध प्रदर्शित नहीं कर रहा है यह केवल बुद्धि चर से धनात्मक सहसम्बन्ध प्रदर्शित कर रहा है ।

कुल सह सम्बन्ध गुणांक (जीरो आर्डर)

For Over-all

तालिका क्रमांक- 5.14 (a)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.3208***	-0.0799^NS	0.1891***	0.4644***
X_2		-0.0291^NS	0.1979***	0.3967***
X_3			- 0.0628^NS	- 0.1641**
X_4				0.3501***

आंशिक सह सम्बन्ध गुणांक

तालिका क्रमांक - 5.14(b)

	X_2	X_3	X_4	X_5
X_1	0.1665**	-0.0109^NS	0.0207^NS	0.3620***
X_2		0.0415^NS	0.0645^NS	0.2690***
X_3			- 0.0083^NS	- 0.1416*
X_4				0.2691***

* Siyinficant at .05 level

** Siyinficant at .01 level

*** Siyinficant at .001 level

NS Non Siynificant

आकांक्षा स्तर का, बुद्धि से ऋणात्मक सहसम्बन्ध प्रदर्शित कर रहा है जबकि शैक्षिक उपलब्धि, स्मृति तथा अभिवृत्ति से कोई सहसम्बन्ध दृष्टिगोचर नहीं हो रहा है ।

स्मृति चर का धनात्मक सहसम्बन्ध शैक्षिक उपलब्धि , बुद्धि से पाया गया जबकि आकांक्षा स्तर अभिवृत्ति से कोई सहसम्बन्ध नहीं पाया गया । शैक्षिक उपलब्धि धनात्मक सहसम्बन्ध, स्मृति तथा बुद्धि से प्रदर्शित कर रहा है परन्तु आकांक्षा स्तर तथा अभिवृत्ति से कोई सहसम्बन्ध नहीं दिखाई पड़ रहा है ।

सहसम्बन्ध गुणांक (सभी पक्षों हेतु) - (0 आर्डर) -

सभी पक्षों हेतु निर्मित तालिका क्रमांक 5.14 (ए) (सहसम्बन्ध गुणांक, 0 आर्डर) का गहन अध्ययन करने से स्वतः स्पष्ट होता है कि बुद्धि चर सभी चारों - चरों से सार्थक रूप से सहसम्बन्ध रखता है । यह धनात्मक रूप से शैक्षिक उपलब्धि स्मृति तथा अभिवृत्ति से सहसम्बन्ध प्रदर्शित कर रहा है लेकिन आकांक्षा स्तर से ऋणात्मक सहसम्बन्ध प्रर्दर्शित कर रहा है । अभिवृत्ति चर, शैक्षिक उपलब्धि, स्मृति तथा बुद्धि से धनात्मक सहसम्बन्ध रखता है जबकि आकांक्षा स्तर से कोई सहसम्बन्ध प्रदर्शित नहीं हो रहा है। आकांक्षा स्तर, शैक्षिक उपलब्धि तथा अभिवृत्ति से कोई सहसम्बन्ध प्रदर्शित नहीं कर रहा है। जबकि बुद्धि से ऋणात्मक सहसम्बन्ध दिखाई दिया । स्मृति का सीधा सीधा धनात्मक सहसम्बन्ध शैक्षिक उपलब्धि, अभिवृत्ति का धनात्मक सहसम्बन्ध स्मृति, अभिवृत्ति तथा बुद्धि से है परन्तु आकांक्षा स्तर से कोई सहसम्बन्ध नहीं पाया गया ।

आंशिक सहसम्बन्ध गुणांक (तालिका क्रमांक 5.14 (बी) जो कि दो चरों के बीच ज्ञात किया गया तथा तीन चर स्थिर रक्खे गये । आंशिक सहसम्बन्ध गुणांक तथा सहसम्बन्ध गुणांक दोनों में ही शैक्षिक उपलब्धि तथा अभिवृत्ति में कोई सहसम्बन्ध नहीं पाया गया तथा चर - अभिवृत्ति तथा स्मृति में भी आपस में कोई सहसम्बन्ध नहीं पाया गया ।

सहसम्बन्ध गुणांक तालिका क्रमांक 5.14 (ए) में दो चरों अभिवृत्ति एवं शैक्षिक उपलब्धि तथा अभिवृत्ति और स्मृति के मध्य 0.1% स्तर पर उच्च सार्थक था।

****

षष्ठम अध्याय

षष्ठम अध्याय

व्याख्या और निष्कर्ष

परिकल्पना का प्रमाणीकरण - शून्य परिकल्पनायें बनाई गई, जो कि उनकी व्याख्या सहित दी गई है -

परिकल्पना -1 दृष्टिकोण और शैक्षिक उपलब्धि में कोई सम्बन्ध नहीं है ।

चर दृष्टि कोण को शैक्षिक उपलब्धि के साथ +वी ई सह संबन्ध में पाया गया (+0.1891) जिसका सार्थक स्तर .001 है। (सारणी नं. 5.14 (ए)) इस प्रकार यह परिकल्पना अस्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना -2 दृष्टिकोण और बुद्धि में कोई सम्बन्ध नहीं ।

दृष्टिकोण को बुद्धि से +वी ई रूप से सम्बन्धित पाया गया (+0.3) जो कि .001 सार्थक स्तर पर है (सारणी 5.14 (ए)) अतः परिकल्पना अस्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना -3 दृष्टिकोण व स्मृति में कोई सम्बन्ध नहीं है ।

दृष्टिकोण को स्मृति से +वी ई सह सम्बन्धित पाया गया (+.1979) जो कि सार्थक स्तर .001 पर है। (सारणी 5.14 अतः परिकल्पना अस्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना -4 दृष्टिकोण और आकांक्षा स्तर में कोई सम्बन्ध नहीं है । दृष्टिकोण व आकांक्षा स्तर में कोई सह सम्बन्ध नहीं पाया गया (0.0628) (सारणी 5.14 (ए)) अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना -5 शैक्षिक उपलब्धि और बुद्धि में कोई सम्बन्ध नहीं है ।

शैक्षिक उपलब्धि और बुद्धि +वी ई सह सम्बन्धित ही (+.4644) जिसका सार्थक स्तर .001 है । (सारणी 5.14 (ए)) अत परिकल्पना अस्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना -6 शैक्षिक उपलब्धि और स्मृति में कोई सम्बन्ध नहीं है ।

शैक्षिक उपलब्धि स्मृति के साथ +वी ई सह संबन्धित है (+.3208) जो कि सार्थक स्तर .001 पर है ।(सारणी 5.14(ए)) अतः परिकल्पना अस्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना-7 शैक्षिक उपलब्धि और आकांक्षा स्तर में कोई सम्बन्ध नहीं है ।

शैक्षिक उपलब्धि को आकांक्षा स्तर के साथ सह सम्बन्धित नहीं है । (- 0799) (सारणी 5.14 (ए)) अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना -8 बुद्धि और स्मृति में कोई सम्बन्ध नहीं है । बुद्धि को स्मृति के साथ +वी ई सह सम्बन्धित पाया गया (1.3967) सार्थक स्तर .001 पर । (सारणी 5.14(ए)) अतः परिकल्पना अस्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना -9 बुद्धि और आकांक्षा स्तर में कोई सम्बन्ध नहीं है ।

बुद्धि को आकांक्षा स्तर के साथ -वी ई सह सम्बन्धित पाया गया (-.1644) .01 सार्थक स्तर पर । (सारणी 5.14 (ए)) अतः परिकल्पना अस्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना-10 स्मृति और आकांक्षा स्तर में कोई सम्बन्ध नहीं है ।

स्मृति को आकांक्षा स्तर के साथ सह सम्बन्धित नहीं पाया गया । (-.0291) (सारणी - 5.14 (ए)) अतः परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है ।

परिकल्पना 11- दृष्टिकोण का शैक्षिक उपलब्धि से कोई सम्बन्ध नहीं है जबकि एक समय में बुद्धि, स्मृति और आकांक्षा स्तर के प्रभाव स्थिर माना जाता है ।

आंशिक सह सम्बन्ध गुणांक में -दृष्टि कोण तथा शैक्षिक उपलब्धि में सह सम्बन्ध गुणांक असह सम्बन्धित पाया गया (.0207) जबकि अन्य तीन चरों के प्रभाव एक समय में स्थिर रखे गये (सारणी 5.14(बी)) अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना-12 दृष्टि कोण और बुद्धि में कोई सम्बन्ध नहीं है जबकि शैक्षिक उपलब्धि, स्मृति और आकांक्षा स्तर के प्रभाव को एक समय में स्थिर माना गया ।

आंशिक सह सम्बन्ध गुणांक में दृष्टिकोण व बुद्धि में सह सम्बन्ध गुणांक +वी ई सह सम्बन्धित (+.2691) .001 सार्थक स्तर पर पाया गया जबकि अन्य तीन चरो का प्रभाव एक समय

में स्थिर रखा गया (सारणी 5.14) अतः .001 सार्थक स्तर पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है।

परिकल्पना -13 दृष्टिकोण और स्मृति में कोई सम्बन्ध नहीं है जबकि शैक्षिक उपलब्धि, बुद्धि और आकांक्षा स्तर के प्रभावों को एक समय में स्थिर रखा गया है ।

आंशिक सह सम्बन्ध में दृष्टिकोण व बुद्धि में सह सम्बन्ध गुणांक असह सम्बन्धित (.0645) पाया गया जबकि अन्य तीन चरों के प्रभाव एक समय में स्थिर रखे गये । (सारणी 5.14(बी) अतः परिकल्पना स्वीकार की गई ।

परिकल्पना-14 दृष्टि कोण और आकांक्षा स्तर में कोई सम्बन्ध नहीं है। जबकि शैक्षिक उपलब्धि, स्मृति और बुद्धि के प्रभावों को एक समय में स्थिर रखा गया है ।

आंशिक सह सम्बन्ध गुणांक में दृष्टिकोण और आकांक्षा स्तर में सह सम्बन्ध गुणांक असह सम्बन्धित पाया गया (-.0083) जबकि अन्य तीन चरों के प्रभाव को एक समय में स्थिर रखा गया । मान गैर सार्थक है । (सारणी 5.14 (बी)) और परिकल्पना स्वीकार की जाती है । परिकल्पना -15 शैक्षिक उपलब्धि और बुद्धि में कोई सम्बन्ध नहीं है । जबकि दृष्टिकोण, स्मृति और आकांक्षा स्तर को एक समय में स्तर माना गया ।

परिकल्पना-15 आंशिक सह सम्बन्ध गुणांक में शैक्षिक उपलब्धि और बुद्धि के बी सह गुणांक +वी ई (+.3620) .001 सार्थक स्तर पर पाया गया (सारणी 5.14 (बी)) जबकि अन्य तीनों चरों का प्रभाव एक समय में स्थिर रखा गया । इसलिए परिकल्पना .001 सार्थक स्तर पर अस्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना -16 शैक्षिक उपलब्धि और स्मृति में कोई सम्बन्ध नहीं है । जबकि चर, दृष्टिकोण, बुद्धि और आकांक्षा स्तर को एक समय में स्थिर रखा गया है ।

आंशिक सह सम्बन्ध गुणांक में शैक्षिक उपलब्धि और स्मृति में सह सम्बन्ध गुणांक +बी ई (+.1665) .01 सार्थक स्तर पर है (सारणी 5.14 (बी)) जबकि अन्य तीन चरों का प्रभाव एक समय में स्थिर रखा गया । अतः .01 सार्थक स्तर पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना 17- शैक्षिक उपलब्धि और आकांक्षा स्तर में कोई सम्बन्ध नहीं है, जबकि चर दृष्टिकोण, बुद्धि और स्मृति को एक समय में स्थिर रखा गया है ।

आंशिक सह सम्बन्ध गुणांक में शैक्षिक उपलब्धि और आकांक्षा सतर के बीच सह सम्बन्ध गुणांक, असह संबंधित पाया गया (-.0109) जबकि अन्य तीन चरों के प्रभाव को एक समय में स्थिर रखा गया । मान गैर सार्थक है । (सारणी 5.14 (बी)) अतः परिकल्पना स्वीकार की गई ।

परिकल्पना -18 बुद्धि और स्मृति में कोई सम्बन्ध नहीं है जबकि चर, दृष्टिकोण, आकांक्षा स्तर शैक्षिक उपलब्धि को एक समय में स्थिर रखा गया । आंशिक सह सम्बन्ध गुणांक में,बुद्धि और स्मृति के बीच सह सम्बन्ध गुणांक +वी ई (+.2690) .001 सार्थक स्तर पर पाया गया जबकि अन्य तीनों चरों का प्रभाव एक समय में स्थिर रखा गया (सारणी 5.14(बी)) अतः .001 सार्थक स्तर पर परिकल्पना को अस्वीकार किया गया ।

परिकल्पना-19 बुद्धि और आकांक्षा स्तर में कोई सम्बन्ध नहीं है जबकि दृष्टिकोण, स्मृति और शैक्षिक उपलब्धि को एक समय में स्थिर माना गया । आंशिक सह सम्बन्ध गुणांक में बुद्धि और आकांक्षा स्तर में सह सम्बन्ध गुणांक -वी ई (-.1416) .05 सार्थक स्तर पर पाया गया जबकि अन्य तीनों चरों को एक समय में स्थिर रखा गया (सारणी 5.14 (बी)) अतः परिकल्पना को .05 सार्थक स्तर पर अस्वीकार किया गया ।

परिकल्पना-20 स्मृति और आकांक्षा स्तर में कोई सम्बन्ध नहीं है जबकि चरो, दृष्टिकोण, शैक्षिक उपलब्धि और -बुद्धि को एक समय में स्थिर माना गया ।

आंशिक सह सम्बन्ध गुणांक में, स्मृति और आकांक्षा स्तर के बीच सह सम्बन्ध गुणांक असह सम्बंधित पाया गया (.0415) जबकि अन्य तीन चरों के प्रभाव को एक समय में स्थिर पाया गया मान गैर सार्थक है । (सारणी 5.14(बी)) अतः परिकल्पना स्वीकार की गई ।

परिकल्पना -21 शहर के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़कों के दृष्टिकोण में कोई अन्तर नहीं है ।

शहरी अनुसूचति जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़कों का माध्य अन्तर 1.147 है जो कि गैर सार्थक है (सी.पी. ऐट 5% लीवल= 5.641) (सारणी 5.6 (बी) एण्ड 5.6 (सी) ए ऐट जेड) अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना -22 अनूसूचित जाति और गैर अनुसूचित जनजाति की शहरी लड़कियों की रूचि में कोई अन्तर नहीं है ।

शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति की लड़कियों की रूचि का माध्य अन्तर 2.200 है जो गैर सार्थक है (सी.डेट 5% स्तर = 9.771) अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है। (सारणी 5.6 (बी) एण्ड 5.6 (सी)) ए ऐट जेड)

परिकल्पना -23 ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़कों की रूचि में कोई अन्तर नहीं है ।

ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़कों का माध्य अन्तर 7.884 है जो .05 स्तर पर सार्थक है (सी.डी.ऐट 5% लीवल = 4.460) अतः .05 सार्थक स्तर पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है। (सारणी 5.6(बी) और 5.6 (सी) ए ऐट जेड$_3$)

परिकल्पना-24 ग्रामीण अनुसूचित जाति एवं गैर अनुसूचित जाति की लड़कियों की रूचि में कोई अन्तर नहीं है ।

ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों का माध्य अन्तर 5.05 जो गैर सार्थक है । (सारणी 5.6 (ए) और 5.6(सी) ए ऐट जेड$_4$)

परिकल्पना -25 रूचियों को देखते हुए अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के किशोरों में कोई अन्तर नहीं है ।

माध्य सारणी 5.6 (बी) से अनुसूचित जाति के बालकों का औसत दृष्टिकोण (108.917) गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों से (103.947) सार्थक रूप से उच्च है। सार्थक स्तर

.05 लीवल है अतः सार्थक स्तर पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है। (सारणी 5.6 (बी) और 5.6 (सी))

परिकल्पना -26 शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के बालकों में शैक्षिक उपलब्धि में कोई अन्तर नहीं है ।

शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के बालकों का माध्य अन्तर 3.573 है जो कि गैर सार्थक है (सी.डी ऐट 5% लीवल = 3.694) अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है (सारणी 5.3 (बी) और 5.3(सी) ए ऐट जेड$_1$)

परिकल्पना -27 शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई अन्तर नहीं है ।

शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों का माध्य अन्तर 8.680 है जो कि .05 सार्थक स्तर पर सार्थक है । (सी.डी. ऐट 5% लीवल = 6.397) अतः परिकल्पना अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.3 (बी) और 5.3(सी) ए ऐट जेड$_2$)

परिकल्पना -28 ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़कों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई अन्तर नहीं है ।

ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनु0 जाति के लड़कों का माध्य अन्तर 3.700 है जो कि .05 स्तर पर सार्थक है (सी.डी. ऐट 5% लीवल= 2.920) अतः परिकल्पना अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.3(बी) और 5.3 (सी) ए ऐट जेड$_3$)

परिकल्पना -29 ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनु0 जाति लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई अन्तर नहीं है ।

ग्रामीण अनु0 जाति और गैर अनुसूचित जाति की लड़कियों का माध्य अंतर 7.826 है जो .05 स्केल पर सार्थक है (सी.डी. ऐट 5% लीवल = 3.576) अतः परिकल्पना अस्वीकार की जाती है (सारणी 5.3 (बी) और 5.3 (सी) ए ऐट जेड$_4$)

परिकल्पना -30 शैक्षिक उपलब्धिके संदर्भ में अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति किशोरों में कोई अन्तर नहीं है ।

माध्य सारणी 5.3 (बी) से यह देखा गया कि गैर अनुसूचित किशोर की शैक्षिक उपलब्धि (45.203) अनुसूचित जाति किशोरों से (40.020) से सार्थक रूप से उच्च .05 सार्थक स्तर पर सार्थक है । अतः परिकल्पना .05 स्तर पर अस्वीकार की जाती है (सारणी 5.3(बी) और 5.3 (सी))

परिकल्पना -31 शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़कों की बुद्धि में कोई अन्तर नहीं है ।

शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़कों का माध्य अन्तर 6.72 है जो कि .05 सार्थक स्तर पर सार्थक है (सी.डी.ऐट 5% लीवल 5.629) अतः 5% सार्थक स्तर पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है। (सारणी 5.7 (बी) और 5.7 (सी) ए और जेड़$_1$)

परिकल्पना -32 शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों की बुद्धि में कोई अन्तर नहीं है ।

शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों का माध्य अन्तर 14.44 है जो .05 सार्थक स्तर पर सार्थक है । (सी.डी. ऐट 5% लीवल = 9.801) अतः 5% लीवल पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है। (सारणी 5.7 (बी) और 5.7(सी) ए टू जेड$_2$)

परिकल्पना -33 ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कों की बुद्धि में कोई अन्तर नहीं है ।

ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़को का माध्य अन्तर 8.775 है जो कि .05 लीवल पर सार्थक है । (सी.डी.ऐट 5% लीवल=4.473 अतः .05 सार्थक स्तर पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.7 (बी) और 5.7(सी) ए ऐट जेड$_3$)

परिकल्पना-34 ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों की बुद्धि में कोई अन्तर नहीं है ।

ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों का माध्यम अन्तर (16.562) है जो .05 लीवल पर सार्थक है (सी.डी. ऐट 5% लीवल) अतः .05 लीवल पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है (सारणी 5.7 (बी) और 5.7(सी) ए ऐट जेड$_4$)

परिकल्पना -35 बुद्धि के आधार पर अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के किशोरों में कोई अन्तर नहीं है ।

माध्य सारणी 5.7 (बी) से यह देखा गया कि गैर अनुसूचित जाति के किशोरों की औसत बुद्धि (97.163) अनुसूचित जाति के किशोरों (86.353) से सार्थक रूप से ज्यादा है और .05 लीवल पर सार्थक है अतः .05 लीवल पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है। (सारणी 5.7(बी) और 5.7(सी))

परिकल्पना 36 शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़को की स्मृति में कोई अन्तर नहीं है ।

शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कों का माध्य अंतर 2.293 है जो .05 सार्थक स्तर पर सार्थक है (सी.डी. ऐट 5% लीवल =1.402) अतः .05लीवल पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है ।(सारणी 5.4 (बी), 5.4(सी) ए ऐट जेड$_1$)

परिकल्पना -37 शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों की स्मृति में कोई अन्तर नहीं है ।

शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों का माध्यम अंतर 5.64 है जो कि 5% लीवल पर सार्थक है । (सी.डी. ऐट 5% लीवल = 2.429) अतः .05 लीवल पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.4 (बी) 5.4 (सी) ए ऐट जेड$_2$)

परिकल्पना- 38 ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कों की स्मृति में कोई अन्तर नहीं है ।

ग्रामीण अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के लड़को का माध्य अन्तर .05 लीवल पर 1.412 है (सी.डी. ऐट 5% लीवल = 1.109) अतः .05 स्तर पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है। (सारणी 5.4 (बी) 5.4 (सी) ए ऐट जेड$_3$)

परिकल्पना- 39 ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति की लड़कियों की स्मृति में कोई अन्तर नहीं है ।

ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों का माध्य अंतर .05 लीवल पर 2.275 है (सी.डी. ऐट 5% लीवल = 1.35) अतः .05 लीवल पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.4 (बी) 5.4 (सी) ए ऐट जेड$_4$)

परिकल्पना -40 स्मृति के आधार पर अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के किशोरों में कोई अन्तर नहीं है ।

माध्य सारणी 5.4 (बी) से यह देखा गया कि गैर अनुसूचित जाति के किशोरों की औसत स्मृति (14.063) अनुसूचित जाति के (11.837) से सार्थक रूप से .05 लीवल पर उच्च थी अतः .05 स्तर पर परिकल्पना अस्वीकार की जाती है (सारणी 5.4 (बी) और 5.4(सी))

परिकल्पना-41 शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़कों के आकांक्षा स्तर में कोई अन्तर नहीं है ।

शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कों से 0.332 का अन्तर है जो कि गैर सार्थक है (सी.डी. ऐट 5% लीवल 1.121) अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है (सारणी 5.5(बी) और 5.5(सी) ए ऐट जेड$_1$)

परिकल्पना - 42 शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति की लड़कियों के आकांक्षा स्तर में कोई अन्तर नहीं है।

शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों में 1.572 का गैर सार्थक अन्तर है (सी.डी. ऐट 5% लीवल=1.941) अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है ।(सारणी 5.5 (बी) और 5.5(सी) ए ऐट जेड$_2$)

परिकल्पना -43 ग्रामीणी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़को के आकांक्षा स्तर में कोई अन्तर नहीं है ।

ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़को में 0.497 का गैर सार्थक अन्तर है । (सी.डी. ऐट 5% लीवल =.886) अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है (सारणी 5.5(बी) और 5.5(सी) ए टू जेड़$_3$)

परिकल्पना -44 ग्रामीण अनुसूचित जाति और गेर अनुसूचित जाति लड़कियों के आकांक्षा स्तर में कोई अंतर नहीं है ।

ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों में अन्तर .05 लीवल पर 1.458 है (सी.डी. 5% लीवल = 1.085) अतः परिकल्पना .05 लीवल पर अस्वीकार की जाती है ।(सारणी 5.5(बी), 5.5(सी))

परिकल्पना -45 आकांक्षा लीवल के आधार पर अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के किशोरों में कोई अन्तर नहीं होता है ।

माध्य सारणी 5.5(बी) से यह देखा गया कि अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के किशोरों के आकांक्षा लीवल का माध्य सांख्यिकीय रूप से समान है अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है । (सारणी 5.5 (बी) और 5.5(सी))

परिकल्पना -46 दृष्टिकोण और शैक्षिक उपलब्धि में लिंग भेद कोई अन्तर पैदा नहीं करता है ।

दृष्टिकोण और शैक्षिक उपलब्धि के सम्बन्ध में अन्तर लड़कों के परिपेक्ष्य में .01 लीवल पर सार्थक अंतर है और लड़कियों में परिपेक्ष्य में यह .001 लीवल पर उच्च सार्थक है । अतः लड़के और लड़कियों दोनों के ही परिपेक्ष्य में परिकल्पना अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.12 (ए), 5.13 (ए))

परिकल्पना- 47 दृष्टिकोण और बुद्धि के सम्बन्ध पर लिंग भेद का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

लड़कों के संदर्भ में दृष्टिकोण और बुद्धि के सम्बन्ध में अन्तर .001 सार्थक स्तर पर सार्थक है और लड़कियों के संदर्भ में भी यह अन्तर .001 लीवल पर सार्थक है। अतः लड़कों और लड़कियों दोनों के ही संदर्भ में परिकल्पना अस्वीकार किये जाते हैं । (सारणी 5.12 (ए) और 5.13 (ए))

परिकल्पना- 48 दृष्टिकोण और स्मृति के संबंध में लिंग भेद कोई का कोई अंतर नहीं पड़ता है ।

लड़कों की स्थिति में दृष्टिकोण और स्मृति के संबंध का अन्तर .001 लीवल पर सार्थक है और लड़कियों की स्थिति में गैर सार्थक है । अब लड़कों की स्थिति में परिकल्पना सार्थक होते हुए .001 लीवल पर अस्वीकार तथा लड़कियों की स्थिति में गैर सार्थक होते हुए स्वीकार की जाती है। (सारणी 5.12(ए) और 5.13 (ए))

परिकल्पना- 49 दष्टिकोण और आकांक्षा क संबंध में लिंग भेद का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

लड़को की स्थिति में दृष्टिकोण और आकांक्षा स्तर के सम्बन्ध का अन्तर गैर सार्थक है और लड़कियों की स्थिति में .001 सार्थक स्तर पर +वीई सह संबंधित हे । अतः लड़कों की स्थिति में परिकल्पना स्वीकार की जाती है और लड़कियों की स्थिति में दृष्टिकोण और आकांक्षा स्तर के बीच .001 सार्थक स्तर पर सह संबंध गुणांक -1906 है जो सार्थक है और इस स्थिति में परिकल्पना अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.12 (ए) और 5.13(ए))

परिकल्पना -50 शैक्षिक उपलब्धि और बुद्धि में संबंध पर लिंग भेद का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

लडकों की स्थिति में शैक्षिक उपलब्धि और बुद्धि के बीच संबंध में .001 स्तर पर अंतर सार्थक है और लड़कियों की भी स्थिति में .001 स्तर पर यह उच्च सार्थक है । अतः लड़कों और लड़कियों दोनों के ही संबंध के परिकल्पना अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.12 (ए) और 5.13 (ए)

परिकल्पना-51 शैक्षिक उपलब्धि और स्मृति के बीच संबंध में लिंग भेद का कोई अंतर नहीं होता है ।

लड़कों की स्थिति में शैक्षिक उपलब्धि और स्मृति के बीच संबंध का अन्तर .001 स्तर पर सार्थक है और लड़कियों की भी स्थिति में .001 स्तर पर यह सार्थक है । अतः दोनों लड़को और लड़कियों की स्थिति में ही परिकल्पना अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.12(ए) और 5.13 (ए))

परिकल्पना-52 शैक्षिक उपलब्धि और आकांक्षा स्तर में संबंध पर लिंग भेद का कोई अन्तर नहीं पड़ता है ।

लड़कों की स्थिति में शैक्षिक उपलब्धि और आकांक्षा स्तर के बीच संबंध में अंतर गैर सार्थक है और लड़कियों की स्थिति में यह .005 स्तर पर -वी ई सह संबंध और सार्थक है । अब लड़को की स्थिति में परिकल्पना स्वीकार की जाती है और लड़कियों की स्थिति में .05 स्तर पर अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.12 (ए) और 5.13 (ए))

परिकल्पन -53 बुद्धि और स्मृति के बीच संबंध मे लिंग भेद का कोई अन्तर नहीं पड़ता है ।

लड़कों की स्थिति में बुद्धि और स्मृति के बीच संबंध में अंतर .001 स्तर पर सार्थक है और लड़कियों की स्थिति में भी यह .001 स्तर पर सार्थक है अतः दोनों लड़कों और लड़कियों की स्थिति में ही परिकल्पना अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.12 (ए) और 5.13 (ए))

परिकल्पना -54 बुद्धि और आकांक्षा स्तर के बीच संबंध में लिंग भेद का कोई अन्तर नहीं पड़ता है।

लड़कों की स्थिति में बुद्धि और आकांक्षा स्तर के बीच संबंध असह संबंधित (-.0754) है लेकिन लड़कियों की स्थिति में .001 स्तर पर यह -वी ई और उच्च सह संबंधित (4=-.3061) है अतः लड़को की स्थिति में परिकल्पना स्वीकार की जाती है और लड़कियों की स्थिति में अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.12(ए) और 5.13 (ए))

परिकल्पना-55 स्मृति और आकांक्षा स्तर में संबंध पर लिंग भेद का कोई अन्तर नहीं पड़ता है ।

लड़कों की स्थिति में आकांक्षा स्तर और स्मृति के संबंध में अंतर गैर सार्थक

(.0428) है लेकिन लड़कियों की स्थिति में -वी ई सह संबंध (-.1688) है और .01 स्तर पर सार्थक है अतः लड़को की स्थिति में परिकल्पना स्वीकार्य की जाती है। तथा .01 स्तर पर लड़कियों के सम्बन्ध में अस्वीकार की जाती है । (सारणी 5.12 (ए) और 5.13 (ए))

लक्ष्यों की उपलब्धि - प्रथम अध्याय में पैरा 1.3 के अंतर्गत इस अध्ययन के लिए अनेकों लक्ष्यों का निर्माण किया गया । निम्न अधोलिखित सभी लक्ष्य बताये गये ।

प्रथम लख्य दृष्टिकोण और शैक्षिक उपलब्धि के चरम संबंध दोनों के ही संपूर्ण प्राप्तांकों के सह संबंध ज्ञात करके प्राप्त किये गये ।(सारणी 5.14 (ए))

द्वितीय लक्ष्य, दृष्टिकोण और बुद्धि के बीच संबंध के अध्ययन को दोनों में संपूर्ण प्राप्तांकों में सह संबंध प्राप्त करके प्राप्त किया गया है । (सारणी 5.14(ए))

तृतीय लक्ष्य दृष्टिकोण और स्मृति के संबंध को दोनों के बीच सभी प्राप्तांकों के सह संबंध द्वारा प्राप्त किया गया है । (सारणी 5.14(ए))

चतुर्थ लक्ष्य अभिरूचि और आकांक्षा स्तर के बी संबंध के अध्ययन को दोनों के सम्पूर्ण प्राप्तांकों में सह संबंध प्राप्त करके प्राप्त किया गया है । सारणी 5.14 (ए))

पंचम लक्ष्य शैक्षिक उपलब्धि और बुद्धि के बीच संबंध जो अध्ययन को दोनों के संपूर्ण प्राप्तांकों में सह संबंध प्राप्त करके प्राप्त किया गया है । (सारणी 5.14 (ए))

छठा लक्ष्य शैक्षिक उपलब्धि और स्मृति के बीच संबंध को दोनों के संपूर्ण प्राप्तांकों में सह संबंध प्राप्त करके प्राप्त किया गया है । (सारणी 5.14 (ए))

सप्तम लक्ष्य, शैक्षिक उपलब्धि और आकांक्षा स्तर के बीच संबंध का दोनों के संपूर्ण प्राप्तांकों का सह संबंध प्राप्त करके प्राप्त किया गया है ।(सारणी 5.14 (ए))

अष्ठम लक्ष्य, बुद्धि और स्मृति के बीच संबंध को उन दोनों में प्राप्तांकों के बीच सह संबंध प्राप्त करके प्राप्त किया गया है ।(सारणी 5.14 (ए))

नवम् लक्ष्य बुद्धि और आकांक्षा स्तर के बीच संबंधों का अध्ययन उनके पूर्ण प्राप्तांकों के सह संबंध को प्राप्त करके निकाला गया है । (सारणी 5.14 (ए))

दशम लक्ष्य , स्मृति और आकांक्षा स्तर के बीच संबंधों के अध्ययन को संपूर्ण प्राप्तांकों के सह संबंध को प्राप्त किया गया है । (सारणी 5 14 (ए))

ग्यारहवां लक्ष्य अभिरूचि और शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंध को जबकि स्मृति, बुद्धि और आकांक्षा स्तर के प्रभाव को एक समय में स्थिर रख कर दोनों के संपूर्ण प्राप्तांकों के बीच सह संबंध प्राप्त करके निकाला गया है ।(सारणी 5.14 (बी))

बारहवाँ लक्ष्य - अभिरूचि ओर बुद्धि के बीच संबंध को जबकि स्मृति, आकांक्षा स्तर और शैक्षिक उपलब्धि के प्रभावों को एक समय स्थिर रखकर दोनों के संपूर्ण प्राप्तांकों के बीच सह संबंध के द्वारा निकाला गया है । (सारणी 5.14 (बी))

तेरहवाँ लक्ष्य, अभिरूचि व स्मृति के बीच संबंध को जबकि, बुद्धि आकांक्षा स्तर और शैक्षिक उपलब्धि के प्रभावों को एक समय में स्थिर रखकर दोनों के संपूर्ण प्राप्तांकों के बीच सह संबंध को ज्ञात करके पता लगाया गया है । (सारणी 5.14 (बी))

14वाँ लक्ष्य अभिरूचि तथा आकांक्षा स्तर के बीच संबंध की स्मृति, बुद्धि व शैक्षिक निष्पत्ति को प्रभाव को एक समय में स्थिर रखकर दोनों के संपूर्ण प्राप्तांकों के बीच सह संबंध के द्वारा प्राप्त किया गया है । (सारणी 5.14 बी)

15वां लक्ष्य, शैक्षिक निष्पत्ति तथा बुद्धि के बीच संबंध को जबकि स्मृति, आकांक्षा स्तर तथा अभिरूचि के प्रभावों को एक समय में स्थिर रखकर दोनों के संपूर्ण प्राप्तांकों के बीच सह संबंध के द्वारा पत्र लगाया गया है । (सारणी 5.14 बी)

16वां लक्ष्य , शैक्षिक निष्पत्ति व स्मृति के बीच संबंध को जबकि बुद्धि, आकांक्षा स्तर तथा अभिरूचि के प्रभावों को एक समय में स्थिर रखकर दोनों के बीच संपूर्ण प्राप्तांकों के सह संबध द्वारा प्राप्त किया गया है । (सारणी 5.14 बी)

17वां लक्ष्य शैक्षिक निष्पत्ति तथा आकांक्षा स्तर के बीच संबंध को जबकि, बुद्धि, स्मृति व अभिरूचि में प्रभावो को एक समय में स्थिर रखकर दोनों के संपूर्ण प्राप्तांकों के बीच सह संबंध के द्वारा प्राप्त किया गया है । (सारणी 5.14 बी)

18वां लक्ष्य बुद्धि व स्मृति के बीच संबंध को जबकि आकांक्षा स्तर , अभिरूचि व शैक्षिक निष्पत्ति के प्रभावों को एक समय में स्थिर रखकर दोनों के संपूर्ण प्राप्तांकों के बीच सह संबंध के द्वारा पता लगाया गया है । (सारणी 5.14 बी)

19 वां लक्ष्य बुद्धि और आकांक्षा स्तर के बीच संबंध को जबकि, स्मृति, अभिरूचि व शैक्षिक निष्पत्ति के प्रभावों को एक समय में स्थिर रखकर दोनों के संपूर्ण प्राप्तांकों के सह संबंध द्वारा प्राप्त किया गया है (सारणी 5.14 बी)

20 वॉं लक्ष्य स्मृति व आकांक्षा स्तर के बीच संबंध को जबकि बुद्धि, अभिरूचि शैक्षिक निष्पत्ति के प्रभावों को एक समय में स्थिर रखकर दोनो के सपूर्ण प्राप्तांकों के बीच सह संबंध द्वारा पता लगाया गया है ।(सारणी 5.14 बी)

21 वां लक्ष्य शहर के अनुसूचित जाति एवं गैर अनुसूचित जाति लड़को की अभिरूचि के बीच अन्तर को ज्ञात करने के लिए चर विश्लेषण द्वारा दोनों समूहो के माध्यों के सार्थक अंतर को ज्ञात करके किया गया सारणी 5.6 बी और 5.6 सी)

22वां लक्ष्य , शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों के बीच अभिरूचि अंतर को ज्ञात करने के लिये कर विश्लेष द्वारा दोनों समूहों के माध्यो के सार्थक अंतर को ज्ञात किया गया है । (सारणी 5.6 बी और 5.6 सी)

23वां लक्ष्य गाँव के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कों की अभिरूचि के बीच अंतर को ज्ञात करने के लिये चर विश्लेषण द्वारा दोनों समूहों के माध्यों के सार्थक अंतर को ज्ञात किया गया है । (सारणी 5.6 बी, 5.6 सी)

24वां लक्ष्य गॉव के अनुसूचित जाति एवं गैर अनुसूचित जाति लड़कियों की अभिरूचि के बीच अंतर को ज्ञात करने के लिए चर विश्लेषण द्वारा दोनों समूहाकें के माध्यों के सार्थक अंतर को ज्ञात किया गया है । (सारणी 5.6 बी, 5.6 सी)

25वां लक्ष्य, अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के किशोरो की अभिरूचि अंतर को दोनों समूहों के माध्य अंतर के द्वारा ज्ञात किया गया है । (सारणी 5.6 बी, 5.6सी)

26वां लक्ष्य, शहर के अनुसूचित जाति व गैर अनुसूचित जाति लड़कों की शैक्षिक निष्पत्ति क अंतर को दोनों समूहों के माध्य अंतर को चर विश्लेषण द्वारा ज्ञात करके जाना गया । (सारणी 5.3 बी, 5.3 सी)

27वां लक्ष्य, शहर के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों की शैक्षिक निष्पत्ति में अंतर को दोनों समूहों के माध्य अंतर को चर विश्लेषण द्वारा ज्ञात करके जाना गया (सारणी 5.3 बी , 5.2 सी)

28वां लक्ष्य, ग्रामीण अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़को के बीच शैक्षिक निष्पत्ति के अंतर को चर विश्लेषण द्वारा दोनों समूहों को माध्य अंतर का पता लगाकर जाना गया (सारणी 5.3 बी , 5.3 सी)

29वां लक्ष्य ग्रामीण अनुसूचित जाति व गैर अनुसूचित जाति की लड़कियों के बीच शैक्षिक निष्पत्ति के अंतर को चर विश्लेषण द्वारा दोनों समूहों के माध्य अंतर का पता लगाकर जाना गया । (सारणी 5.3 बी , 5 3 सी)

30वां लक्ष्य अनुसूचित जाति और गैर अनसुचित जाति किशोरों की शैक्षिक निष्पत्ति के बीच अंतर को दोनों समूहों के बीच माध्य अंतर के द्वरा जाना गया (सारणी 5.3 बी , 5.3सी)

31वां लक्ष्य शहरी अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़कों की बुद्धि तत्व का अंतर जानने के लिये चर विश्लेषण की सहायता से दोनों समूहो के माध्य अतर का पता लगाया गया । (सारणी 5.7 बी , 5 7 सी)

32वां लक्ष्य शहर की अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों की बुद्धि तत्व का अंतर जानने के लिये चर विश्लेषण की सहायता से दोनों समूहों के माध्य अंतर का पता लगाया गया (सारणी 5.7 बी, 5.7 सी)

33वां लक्ष्य, गॉवों के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लक्ष्यों के बुद्धि तक का अंतर जानने के लिए चर विश्लेषण द्वारा दोनों समूहों की माध्य अंतर का पता लगाया गया (सारणी 5.7 बी, 5.7 सी)

34वां लक्ष्य गॉव की अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों के बुद्धि तत्व का अंतर जानने के लिए चर विश्लेषण की सहायता से दोनों समूहों का माध्य अंतर पता लगाया गया। (सारणी 5.7 बी , 5.7 सी)

35 वां लक्ष्य अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति किशोरों के बुद्धि में अंतर जानने के लिए दोनों समूहों का माध्य अंतर पता किया गया । (सारणी 5.7 बी, 5. 7 सी)

36वां लक्ष्य शहर के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़को की स्मृति का अंतर जानने के लिये चर विश्लेषण के द्वारा दोनों समूहों की माध्य अंतर का पता लगाया गया । (सारणी 5.4 बी , 5.4 सी)

37वां लख्य शहर के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों के स्मृति का अंतर जानने के लिए चर विश्लेषण द्वारा दोनों समूहों का माध्य अंतर पता लगाया गया (सारणी 5.4 बी, 5.4 सी)

38वां लक्ष्य , गॉव के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़को के स्मृति का अंतर जानने के लिए चर विश्लेषण द्वारा दोनों समूहों का माध्य अंतर निकाला गया (सारणी 5.54 बी, 5.4 सी)

39वां, लक्ष्य गॉव के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों के स्मृति का अंतर जानने के लिये चर विश्लेषण द्वारा दोनों समूहों का माध्य अंतर पता किया गया (सारणी, 5.4 बी , 5.4 सी)

40वां लक्ष्य, अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के किशोरों की स्मृति में अंतर को दोनों समूहों के माध्य अंतर को ज्ञात करके पता लगाया गया (सारणी 5.4 बी , 5.4 सी)

41वां लक्ष्य , शहर के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़कों के आकांक्षा स्तर में अंतर को विश्लेषण द्वारा दोनों समूहों के माध्य अंतर को निकाल कर पता लगाया गया (सारणी 5. 5 बी , 5.5 सी)

42वां लक्ष्य शहर के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति की लड़कियों के आकांक्षा स्तर का अंतर चर विश्लेषण द्वारा दोनों समूहों के माध्य अंतर को निकाल कर पता लगाया गया (सारणी 5.5 बी, 5.5 सी)

43वां लक्ष्य, गॉव के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़कों के आकांक्षा स्तर का अंतर चर विश्लेषण द्वारा दोनों समूहों के माध्य अंतर द्वारा पता लगाया गया (5.5 बी , 5.5 सी)

44वां लक्ष्य, गॉव के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियों के आकांक्षा स्तर का अंतर चर विश्लेषण द्वारा दोनों समूहों के माध्य अंतर द्वारा पता लगाया गया (सारणी 5.5 बी , 5.5 सी)

45वां लक्ष्य , अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के किशोरों के आकांक्षा स्तर का अंतर दोनों समूहों के माध्य अंतर ज्ञात करके पता किया गया। (सारणी 5.5 बी , 5.5 सी)

46वां , लिंग भेद के द्वारा अभिरूचि और शैक्षिक निष्पत्ति के संबंधों पर पड़ने वाले अंतर को लड़कों और लड़कियों के अभिरूचि और शैक्षिक निष्पत्ति के बीच सह संबंध गुणांक ज्ञात करके पता किया गया । (5.12 ए , 5.13 ए)

47वां लक्ष्य, लिंग भेद के द्वारा अभिरूचि और बुद्धि के संबंधों पर पड़ने वाले अंतर

को लड़कों और लड़कियों के अभिरूचि और बुद्धि के बीच सह संबंध गुणांक ज्ञात करके पता किया गया (5.12 ए , 5.13 ए)

48वां लक्ष्य, लिंग भेद के द्वारा अभिरूचि और स्मृति के संबंधों पर पड़ने वाले अंतर को लड़कों और लड़कियों के अभिरूचि और स्मृति के बीच सह संबंध गुणांक ज्ञात करके पता किया गया (5.12 ए , 5.13 ए)

49वां लक्ष्य, लिंग भेद के द्वारा अभिरूचि और आकांक्षा स्तर के संबंधों पर पड़ने वाले अंतर को लड़कों और लड़कियों के अभिरूचि और आकांक्षा स्तर के बीच सह संबंध गुणांक ज्ञात करके पता किया गया (5.12 ए , 5.13 ए)

50वां लक्ष्य, लिंग भेद के द्वारा शैक्षिक निष्पत्ति और बुद्धि के संबंधों पर पड़ने वाले अंतर को लड़को और लड़कियों के शैक्षिक निष्पत्ति और बुद्धि के बीच सह संबंध गुणांक ज्ञात करके पता किया गया ।(5.12 ए , 5.13 ए)

51वां लक्ष्य, लिंग भेद के द्वारा शैक्षिक निष्पत्ति और स्मृति के संबंधों पर पड़ने वाले अंतर को लड़कों और लड़कियों के शैक्षिक निष्पत्ति और स्मृति के बीच सह संबंध गुणांक ज्ञात करके पता किया गया (5.12 ए , 5.13 ए)

52वां लक्ष्य, लिंग भेद के द्वारा शैक्षिक निष्पत्ति और आकांक्षा स्तर के संबंधों पर पड़ने वाले अंतर को लड़कों और लड़कियों के शैक्षिक निष्पत्ति और आकांक्षा स्तर के बीच सह संबंध गुणांक ज्ञात करके पता किया गया । (5.12 ए , 5.13 ए)

53वां लक्ष्य , लिंग भेद के द्वारा बुद्धि और स्मृति के संबंधों पर पड़ने वाले अंतर को लड़कों और लड़कियों के बुद्धि और स्मृति के बीच सह संबंध गुणांक ज्ञात करके पता किया गया । (5.12 ए , 5.13 ए)

54वां लक्ष्य, लिंग भेद के द्वारा बुद्धि और आकांक्षा सतर के संबंधों पर पड़ने वाले अंतर को लड़कों और लड़कियों के बुद्धि और आकांक्षा स्तर के बीच सह संबंध गुणांक ज्ञात

करके पता किया गया । (5.12 ए, 5.13 ए)

55वां लक्ष्य, लिंग भेद के द्वारा स्मृति और आकांक्षा स्तर के संबंधों पर पड़ने वाले अंतर को लड़कों और लड़कियों के स्मृति और आकांक्षा स्तर के बीच सह संबंध गुणांक ज्ञात करके पता किया गया । (5.12 ए , 5.13 ए)

6.3 उपरोक्त अध्ययन के आधार पर निष्कर्ष -

1- यह पाया गया कि सभी समूहों में जाति का अभिरूचि निर्माण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है । अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की अपेक्षा गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की शिक्षा की ओर औसत अभिरूचि सार्थक रूप से उच्च पाई गई । शहरी लड़कियों की अभिरूचि गॉव की लड़कियों या दोनों गॉव और शहर के लड़कों की अपेक्षा उच्च थी ।

2- गैर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की शैक्षिक निष्पत्ति अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की अपेक्षा दोनों ही शहरी तथा गॉव के विद्यार्थियों से अच्छी है। और अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति लड़कियां दोनों ही स्थितियों में लड़कों से अच्छी है ।

3- (ए) शहरी और गॉव दोनों ही क्षेत्र में गैर अनुसूचित जाति के छात्रों की औसत बुद्धि अनुसूचित जाति के लड़कों की अपेक्षा उच्च थी ।

(बी) शहरी लड़कियों की बुद्धि शहरी और गॉव के लड़कों तथा लड़कियों की अपेक्षा अच्छी थी ।

(सी) अनुसूचित जाति में अन्य समूहों की तुलना में गॉव की लड़कियों की बुद्धि निम्नतम पाई गई ।

(डी) लिंग भेद का बुद्धि पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता बल्कि क्षेत्र का प्रभाव पड़ता है ।

4- (ए) शहर और गॉव दोनों ही क्षेत्रों में गैर अनुसूचित जाति के लड़कों की स्मृति अनुसूचित जाति के लड़कों से अच्छी पाई गई ।

(बी) शहरी लड़कियों की स्मृति शहरी लड़कों, ग्रामीण, लड़कियों व लड़कों से अच्छी थी।

(सी) ग्रामीण लड़कों और ग्रामीण लड़कों की स्मृति में कोई अंतर नहीं पाया गया ।

(डी) अनुसूचित जाति विद्यार्थियों में शहर की लड़कियों की स्मृति अन्य समूहों की अपेक्षा अच्छी थी । ग्रामीण लड़कियों की स्मृति निम्नतम थी ।

5- अनुसूचित जाति विद्यार्थियों का औसत आकांक्षा स्तर शहरी गैर अनुसूचित जाति की लड़कियों से ज्यादा उच्च था लेकिन अन्य समूहों में कोई अंतर नहीं देखा गया । क्षेत्र का आकांक्षा स्तर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है । लेकिन गैर अनुसूचित जाति छात्रों में लड़कियों का आकांक्षा स्तर लड़कों की अपेक्षा उच्च था ।

6- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के अनुसूचित जाति और गैर अनुसूचित जाति के लड़को व लड़कियों के संबंध में बुद्ध +वी ई रूप से शैक्षिक निष्पत्ति , स्मृति और अभिरूचि से सह संबंधित पाई गई परन्तु आकांक्षा स्तर से -वी ई सह संबंधित पाई गई । स्पष्ट है कि बुद्धि की बृद्धि के साथ-साथ अन्य चर जैसे शैक्षिक निष्पत्ति, स्मृति और अभिरूचि भी बढ़ते है लेकिन आकांक्षा स्तर घटता है ।

6.4 सामान्य निष्कर्ष -

(1) जाति का छात्रों की अभिरूचि यपर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है परन्तु क्षेत्र का नही ।

(2) गैर अनुसूचित जाति के छात्र विशेष कर शहरी और ग्रामीण लड़कियां अनुसूचित जाति के छात्रों से श्रेष्ठ हैं।

(3) गैर अनुसूचित जाति के छात्र विशेषकर शहरी क्षेत्र में अनुसूचित जाति के छात्रों से

अधिक बुद्धिमान है । छात्रायें छात्रों से अधिक बुद्धिमान हैं ।

(4) गैर अनुसूचित जाति के छात्रों की स्मृति अनुसूचित जाति के छात्रों से अच्छी है। शहरी छात्रों की स्मृति ग्रामीण छात्रों से ज्यादा अच्छी है । छात्रों की स्मृति पर लिंग भेद का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

(5) गैर अनुसूचित जाति के छात्रों विशेषकर लड़कियों का आकांक्षा स्तर लड़कों से उच्च था । क्षेत्र का आकांक्षा स्तर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

****

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

संदर्भ सूची

1- अचरूला, एस.टी.यू.जी. (1978), रचनात्मक चिन्तन, बुद्धि और सामाजिक निष्पत्ति में सम्बन्ध 'एक अध्ययन', पी-एच. डी, मनोविज्ञान उत्कल वि.वि., एम.बी.बुच द्वारा शिक्षा के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित, एन.सी.ई. आर.टी. श्री अरविन्द मार्ग नई दिल्ली, 1987, पृष्ठ 6577.

2- एर्डासोसेहा, एम.एस.एवं रामनाथन, एस (1974), तमिलनाड़ में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की शिक्षा की समस्यायें शिक्षा में शोध के एम.बी.बुच एडीशन द्वितीय सर्वे द्वारा प्रमाणित, बड़ौदा शैक्षिक अनुसंधान एवं विकास की भारतीय समिति 1979, पृष्ठ 84.

3- अग्रवाल, वाई.पी. (1975), अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की सामान्य बुद्धि और दी हुई नियन्त्रित स्थिति का एक अध्ययन शिक्षा विभाग, कुरूक्षेत्र वि.वि. शिक्षा में शोध का एम.बी.बुच के द्वितीय सर्वे द्वारा प्रमाणित बड़ौदा 1979 पृष्ठ 85.

4- आलपोर्ट, जी. (1967), पढ़ाई सिद्धान्त और मापन में अभिवृत्ति, मार्टिन फिशबीन्ड, न्यूयार्क: जान विले एण्ड सन्स, आई एन सी. पृष्ठ 34.

5- उपरोक्त पृष्ठ 6

6- डा0 अनवर अंसारी एवं डा. गजाला अंसारी (1963), आकांक्षा स्तर के परीक्षण के दिशा निर्देशन की संक्षिप्त पुस्तक, मनसायन, दिल्ली पृष्ठ 1-53 और अध्याय 1-6.

7- उपरोक्त, पृष्ठ 30-31

8- अरूण, एम.एड. (1981) अनु.जाति एवं अनु.जनजाति के सात विद्यार्थियों के शैक्षिक निष्पत्ति पर प्रभाव डालने वाले कारकों का अध्ययन जिनका भाषा माध्यम कन्नड है। पी-एच.डी. शिक्षा मैसूर वि.वि. शिक्षा में शोध का तृतीय

सर्वे एम.बी.बुच द्वारा प्रमाणित, एन.सी.ई.आर.टी. श्री अरविन्द मार्ग नई दिल्ली 1987, पृष्ठ 658.

9- बेगम, एफ. एवं एच.ए. बेगम (1985) ढ़ाका, छात्रों की शिक्षा के प्रति रूचि से सम्बन्धित कारक, मनोविज्ञान विभाग ढ़ाका वि.वि., ढ़ाका (भारतीय मनोवै0 पुनर्निरीक्षण 1985, 26(2), 5-13) भारतीय मनोविज्ञान लेख-सार ओल 23, नं. 4, दिसम्बर 1985, पृष्ठ 469 निदेशक, व्यवहारिक विज्ञान केन्द्र, 32, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली ।

10- बेस्ट, जान डब्लू (1977), शिक्षा में अनुसंधान, नई दिल्ली, पृष्ठ 86

11- उपरोक्त , पृष्ठ 182

12- विन्दु, आर.पी.(1974); उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति की शिक्षा की उन्नति, पी-एच.डी. बी.एच.यू., एम.बी.बुच द्वारा प्रमाणित शिक्षा में शोध का दूसरा सर्वे बड़ौदा, 1979 पृष्ठ 88.

13- चन्देल, एस.आर.एस.(1984), कृषि सांख्यकीय की छोटी पुस्तक, 7वाँ एडी., अचल प्रकाशन मन्दिर पृष्ठ 338-358.

14- उपरोक्त, पृष्ठ 338-358

15- चन्द्रशेखर के. (1969), अनु.जाति की शैक्षिक समस्यायें, समाजशास्त्र विभाग, कर्नाटक वि.वि., शिक्षा में शोध के दूसरे सर्वे एम.बी.बुच द्वारा प्रमाणित, बड़ौदा 1979,पृष्ठ 89

16 चिटनिस, एस.(1974), महाराष्ट्र में अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति के कालेज के विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें, एम.बी.बुच द्वारा प्रमाणित शिक्षा में शोध के दूसरे सर्वे में, बड़ौदा, शैक्षिक अनुसंधान एवं विकास के लिये भारतीय समिति, 1979, पृष्ठ 91।

17- चिटनिस, एस.एवं नायडू, यू. ⟮1981⟯, अनु. जाति के छात्रों की समानतायें सामाजिक विज्ञान की टाटा संख्या, शिक्षा में शोध के तृतीय सर्वे एम.बी.बुच द्वारा प्रमाणित, एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली 1987, पृष्ठ 120.

18- भारविन, ई.एवं जैक, एम.राइट्स, अभिवृत्ति के मापन के लिये स्केल न्यूयार्क, मैक ग्रा हित बुक कम्पनी पृष्ठ 6,

19- उपरोक्त पृष्ठ -3

20- डी सूजा, वी.एस.⟮1980⟯, पंजाब में अनु.जाति की शैक्षिक असमानतायें समाजशास्त्र विभाग, पटना वि.वि., शिक्षा में शोध के तृतीय सर्वे, एम.बी.बुच द्वारा प्रमाणित, एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली, 1987 पृष्ठ 122

21- एडवर्ड, ए.एल.⟮1969⟯, अभिवृत्ति स्केल के निर्माण की तकनीक, अध्याय-2 वेकिल्स, फेफर एवं साइमन प्राइवेट लिमिटेड बम्बई, पृष्ठ 90-95

22- गुड, सी.वी. ⟮1959⟯; शिक्षा की शब्दकोष, सेकेण्ड एडीशन, मैक ग्रा हिल बुक कम्पनी, न्यूयार्क.

23- गवरमेन्ट कालेज आफ एजूकेशन, जबलपुर ⟮1971⟯ जबलपुर में शिक्षकों के प्रति छात्रों की प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रूचि का अध्ययन, शिक्षा में शोध के दूसरे शर्ते, एम.बी.बुच द्वारा प्रमाणित बड़ौदा, शैक्षिक अनुसंधान एवं विकास के लिये भारतीय समिति 1979, पृष्ठ 401

24- गुप्ता, एल.पी.⟮1978⟯, मेरठ वि.वि. के अनु. जाति एवं पिछड़े वर्ग के छात्रों के व्यक्तिगत विशेषतायें एवं शैक्षिक निष्पत्ति का अध्ययन पी-एच.डी. ⟮शिक्षा⟯ मेरठ वि.वि., एम.बी.बुच के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित, एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविन्द

मार्ग, नई दिल्ली, पृष्ठ 131

25- हालपिन, ग्लिनाली, हालपिन, गेराल्ड एवं व्हीडन, थामस (1986) किशोरावस्था में अकांक्षा स्तर के सम्बन्धित कारक, आर्बन वि.वि. (मनोवैज्ञानिक रिपोर्ट 1985 (फरवरी) ओल. 56(1) 203-209 (15) जे.एल. लेखसार (मनोवैज्ञानिक लेखसार ओल. 73, नं.-4, अप्रैल 1986.

26- जोशी, एस.डी.(1980), बड़ौदा जिले के अनु.जाति एवं अनु. जनजाति की शैक्षिक समस्यायें , पी-एच.डी. शिक्षा, एम.बी.बुच के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित, एन.सी.ई.आर.टी. श्री अरविन्द मार्ग नई दिल्ली 1987 पृष्ठ 143.

27- काम्बली, एन.सी., अनुसूचित जाति, आशीष प्रकाशक हाउस, एच.12 राजाउरी गार्डन, दिल्ली पृष्ठ 30

28- खान, मुमताज अली, भारत में अनुसूचित जाति और उनका स्तर उप्पल प्रकाशक हाउस, नई दिल्ली ।

29- क्रेच, डी. एवं क्रेचफील्ड, आर.एस. और बोलेनचे, ई.एल. (1962). समाज में एक व्यक्ति न्यूयार्क, मैक ग्राहिल पृष्ठ 177

30- कुलश्रेष्ठ एस.के. (1956), उ0प्र0 में हाईस्कूल एवं ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों की बुद्धि एवं शैक्षिक लाभ का अध्ययन डी.फिल, इलाहाबाद वि.वि., शिक्षा में शोध के प्रथम सर्वे, एम. बी. बुच द्वारा प्रमाणित, बड़ौदा, शैक्षिक अनुसंधान एवं विकास की भारतीय समिति 1974, पृष्ठ 331

31- कुप्पूस्वामी बी.(1972), आधुनिक शैक्षिक मनोविज्ञान, स्टरलिंग प्रकाशक लिमिटेड, नई दिल्ली, पृष्ठ 123-125

32- लिन्डगेस्ट, ई.एफ.(1959), शैक्षिक मापन, शिक्षा की अमेरिकन परिषद वाशिंगटन, डी.सी. थर्ड संस्करण, सितम्बर 1959, अध्याय पंचम पृष्ठ 130.

33- उपरोक्त , पृष्ठ 143-145

34- मारजोरीबैंकस, केविन (1986), स्कूल अभिवृत्ति और किशोरावस्था में आकांक्षा (एडीलेड आस्ट्रेलिया वि.वि.) (एथनिक ग्रुप अन्तर्राष्ट्रीय मनोविज्ञान के जनरल 1985, ओल. 20(3), 277-289) मनोविज्ञान लेख-सार ओल 73, पीटी. 3, नं.7-9, पृष्ठ 2485, नं.23012, अमेरिकन मनोविज्ञान एशोशियेसन आई एन.सी 1400 आरलिंगटन।

35- मैककाल, डब्लू.ए. (1922), शिक्षा में कैसे मापा जाय , न्यूयार्क, मैकमिलन कम्पनी।

36- उपरोक्त ।

37- मैकडूगल, डब्लू (1936), मनोविज्ञान की रूपरेखा, जेम्स एस.रास की बुक ग्राउन्ड वर्क आफ एजूकेशनल साईकालोली में उद्धरित, जार्ज जी. हैरप एन्ड कम्पनी लिमि. बम्बई. नया संस्करण 1935 अध्याय द्वितीय पृष्ठ 184

38- मेहता, प्रभा और कुमार दीलिप (1988) , शैक्षिक निष्पत्ति का बुद्धि, व्यक्तित्व, समायोजन, आदत और प्रेरणा से सम्बन्धी, हिमांचल प्रदेश वि.वि. शिमला भारत, वोल.1 (1-2) 57-68, मनोविज्ञान लेख-सार वोल 75, नं.-5, पृष्ठ 1384, स्टडी नं. 15288, मई 88, अमेरिकन मनोविज्ञान एशोसियेशन आई एन सी 1400 एन आरलिंगटन।

39- मुनरो, पी.(1912), शिक्षा का ज्ञानकोष, भाग तृतीय, मैकमिलन कम्पनी न्यूयार्क पृष्ठ 363-364.

40- मुनरो, डब्लू. एस. (1956), शैक्षिक अनुसंधान का ज्ञान कोष, मैकमिलन कम्पनी, न्यूयार्क, पृष्ठ 1473.

41- मुले, जार्ज, जे0 (1964), शैक्षिक अनुसंधान का विज्ञान, पहला भारतीय रिप्रिंट, यूरेशिया प्रकाशन हाउस प्राइवेट. लिमि. नई दिल्ली द्वारा भारत में प्रकाशिंत अमेरिकन बुक कम्पनी न्यूयार्क प्रृष्ठ 88

42- उपरोक्त पृष्ठ 326

43- उपरोक्त पृष्ठ 338

44- मुश्य्या, बी.सी. (1972), बच्चों की शिक्षा की अभिवृत्ति, हैदराबाद में विकसित ब्लाक के ग्रामों में लोगों के विचार धारा के अनुसार ग्रामीण विकसित हैदराबाद की राष्ट्रीय संस्था, शिक्षा में शोध के तृतीय सर्वे, एम.बी.बुच द्वारा प्रमाणित, एन.सी.ई.आर.टी. श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली 1987 पृष्ठ 161

45- नटयर, पी.के.बी. (1975) केरल के अनु.जाति एवं अनु. जनजाति के हाईस्कूल के छात्र। समाजशास्त्र विभाग, केरल वि.वि. एम.बी. बुच के दूसरे सर्वे द्वारा प्रमाणित , बड़ौदा, शैक्षिक अनुसंधान एवं विकास की भारतीय समिति 1979 पृष्ठ 112

46- न्यूकाम्ब, टी.एम. (1964) अभिवृत्ति की परिभाषा, सामाजिक विज्ञान का शब्द कोष, जे. गोल्ड एवं डब्लू. एल. कोल्ट लंदन ।

47- ओझा, आर. एस. (1968) कुछ सामाजिक समस्याओं के प्रति कालेज छात्रों की रूचि, पी-एच.डी. मनोविज्ञान, बिहार वि.वि. शोध के दूसरे सर्वे एम.बी.बुच द्वारा प्रमाणित बड़ौदा, शैक्षिक अनुसंधान एवं विकास की भारतीय समिति 1979 पृष्ठ 113

48- ओम प्रकाश (1981), ग्रामों में हिन्दू और अनु. जाति के बच्चों की कुछ मनोविज्ञान-सामाजिक विभिन्नताओं का अध्ययन, पी-एच.डी. मनोवि. दिल्ली वि.वि., एम.बी.बुच के शोध के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित, एन सीई आर टी श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली, 1987, पृष्ठ 164.

49- पॉडेय, आर.एन. (1970), समाज में मानसिक योग्यता में अन्तर पी-एच.डी. मनोवि. गोरखपुर वि.वि., शोध के तृतीय सर्वे, एम.बी. बुच द्वारा प्रमाणित, एन.सी.ई.आर.टी. श्री अरविन्द मार्ग नई दिल्ली 1987 पृष्ठ 169।.

50- पांडेय, आर.पी. (1974), ग्राम एवं औद्योगिक जगह पर रहने वाले किशोरवर्ग छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि, उनकी अन्तर्मुखी, बाह्यमुखी अभिवृत्ति और दूसरे व्यक्तित्व सम्बन्धी गुणों का अध्ययन पी-एड.डी. मनोवि., बिहार वि.वि. शोध के दूसरे सर्वे एम.बी. बुच द्वारा प्रमाणित , बड़ौदा 1979 पृष्ठ 352.

51- पॉडया, कुलिन एवं सोलंकी हंसा (1978), शैक्षिक उपलब्धि पर आकांक्षा स्तर के बढ़ने के प्रभाव का प्रयोग (जनरल मनोवि. और शिक्षा अनुसंधान 1975, 1(3), 10-13) भारतीय मनोविज्ञान लेखसार भाग 15 पृष्ठ 34, डा. जे.एम. ओझा, निदेशक, व्यवहारिक विज्ञान केन्द्र 32 सुभाष मार्ग, नई दिल्ली।

52- पटेल, के. (1967), कलकत्ता के आस-पास के हाईस्कूल के अंग्रेजी माध्यम के छात्रों की भाषा उपलब्धि, तर्क योग्यता, और स्मृति का शैक्षिक निष्पत्ति से सम्बन्ध, सेन्ट जैवियर कालेज, कलकत्ता शोध के प्रथम सर्वे एम.बी.बुच द्वारा प्रमाणित बड़ौदा, शैक्षिक अनुसंधान एवं विकास की भारतीय समिति 1974, पृष्ठ 339

53- प्रसाद, डी. एवं विग एन.एम.(1979), आयु. शिक्षा और बुद्धि का स्मृति से सहसम्बन्ध, (मनोविज्ञान शोध 1978, 123-127) , भारतीय मनोविज्ञान लेखसार भाग-16 , नं. 1-4 पृष्ठ 9, निदेशक, व्यवहारिक विज्ञान केन्द्र, 32 सुभाष मार्ग, नई दिल्ली ।

54- पिम्पले, पी.एन. (1974), पंजाब के स्कूल छात्रों में अनु.जाति के छात्रों की समस्यायें, समाजशास्त्र विभाग, पंजाब वि.वि. एम.बी.बुच के शोध के दूसरे सर्वे द्वारा प्रमाणित , बडौदा . शैक्षिक शोध एवं विकास की भारतीय समिति, 1979 पृष्ठ 118.

55- प्रिंस, एस.सी. (1981) तमिलनाडु के स्कूल में निम्नवर्ग समुदाय के लोगों में शिक्षा के लिये आकांक्षा का एक अध्ययन ,एम.बी.बुच के शोध के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित , एन सी ई आर टी, श्री अरविन्द मार्ग नई दिल्ली 1987 पृष्ठ 175

56- रानगरी, ए. एवं पालसेन, एम.एल. (1982), अनु.जाति एवं सामान्य वर्ग के कालेज छात्रों की बुद्धि में सम्बन्ध मिलिन्द कालेज आफ आर्टस औरंगाबाद। (बम्बई मनोवैज्ञानिक, 1982, 3(1), 112-119) भारतीय मनोविज्ञान लेखसार भाग 20, नं. 2, पृष्ठ 241, निदेशक व्यवहारिक विज्ञान केन्द्र 32, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली ।

57- रानगोरी, ए.डी.(1981) औरंगाबाद के अनु. जाति एवं सामान्य वर्ग के कालेज के छात्रों को तुलनात्मक अध्ययन । पी-एच.डी. मनो. पूरा वि.वि., एम.बी. वुच के शोध के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित एन सी ई आर टी. श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली 1987, पृष्ठ 181

58- रानी, बी. (1980), उच्च तकनीक शिक्षा की संस्था में अनु. जाति के छात्रों की शैक्षिक उपब्धि को प्रभावित करने वाले व्यक्तिगत विचार एवं दूसरे अनुभवहीन प्रभावक। पी-एच.डी. शिक्षा, जे.एन.यू. एम.बी.बुच के शोध के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित, एन सी ई आर टी श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली 1987, पृष्ठ 682.

59- राव, ऊषा (1986), अनु0 जाति के हाईस्कूल के छात्रों के व्यक्तिगत विचार, चिन्ता, बुद्धि और उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन । हिमांचल प्रदेश, शिमला वि.वि. भारत (भारतीय मनोवि. पुनर्निरीक्षण भाग 30(3), 18-25) मनोविज्ञान लेखसार, पृष्ठ 1387, स्टडी नं. 1532, अमेरिकन, मनोविज्ञान एशोसियेशन आई एन.सी 1400 एन आरलिंगन।

60- रस्तोगी, के.जी. (1969), हाईस्कूल के छात्रों की बुद्धि, रूचि और उपलब्धि में

सम्बन्ध का एक अध्ययन । पी-एच.डी. शिक्षा राजस्थान वि.वि. एम.बी. बुच के प्रथम सर्वे द्वारा प्रमाणित , बड़ौदा, शैक्षिक अनुसंधान और विकास की भारतीय समिति 1974, पृष्ठ 343.

61- राठ और दास (1972), उड़ीसा में बच्चों के तीन समूह जो कि ब्राम्हण, अनु. जाति और अनु. जनजाति के बच्चों की मानसिक बुद्धि और दूसरे ज्ञानात्मक क्षमता का प्रकाशन । पृष्ठ 8

62- रास, जेम्स, एस. (1950), शैक्षिक मनोविज्ञान का आधार, नया संस्करण जाज, जी. हैरप एण्ड कम्पनी लिमि. लंदन पृष्ठ 184.

63- सान्धू, टी.एस. (1986) बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि में जाति के अनुसार भिन्नता का अध्ययन । प्रवक्ता, शिक्षा विभाग पंजाब वि.वि. पटियाला, मनोवै0 शोध का जर्नल, भाग 30, नं. 1पृष्ठ 30-33, मद्रास मनोवि. समिति से प्रकाशित ।

64- सत्यार्थी, एम.के.(1978), छात्रों के स्कूल अनुभव के प्रति अभिवृत्ति के मापन के लिये स्केल का निर्माण । भारतीय मनोवि0 पुनर्निरीक्षण 1979, 14(4) 57-58) भारतीय मनोविज्ञान लेख सार भाग 15, नं. । पृष्ठ 32, निदेशक, व्यवहारिक विज्ञान केन्द्र, 32 सुभाश मार्ग नई दिल्ली ।

65- शर्मा, ए.पी. एवं चन्द्रकला (1977), लिंग, आयु और माता-पिता के व्यवसाय का छात्रों की अभिवृत्ति पर प्रभाव (शिक्षा एवं मनोवि. के जर्नल 1974, 32(3) 140-152) भारतीय मनोवि. लेखसार भाग द्वितीय नं. । मार्च 1977. डा. जे.एम. ओझा, निदेशक, व्यवहारिक विज्ञान केन्द्र 32, सुभाष मार्ग , नई दिल्ली पृष्ठ 60

66- शर्मा, जे.पी. (1982) पटना वि.वि. में अनु.जाति के छात्रों का अध्ययन पी-एच.डी.

शिक्षा , पटना वि.वि. एम.बी.बुच के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित, एन सी ई आर टी. नई दिल्ली 1987, पृष्ठ 207

67- शर्मा, एम.सी. (1979) आगरा जिले के हरिजन, अनु. जाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों के समायोजन समस्या का मनोवैज्ञानिक अध्ययन । पी-एच.डी., मनोवि. आगरा वि.वि. एम.बी.बुच के शोध के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित , एन सी ई आर टी श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली 1987, पृष्ठ 207

68- शर्मा, राधा रानी, (1981), शैक्षिक निष्पत्ति में व्यक्तिगत विचार, आकांक्षा स्तर और मानसिक स्वास्थ्य एक कारक के रूप में । शैक्षिक योजना और प्रशासन की राष्ट्रीय संस्था, नई दिल्ली, पी-एच.डी. शोध प्रबन्ध भारतीय शैक्षिक पुनर्निरीक्षण, शोध जर्नल भाग 16. नं. 2 अप्रैल 1981, एन. सी ई आर टी ।

69- सिंह, आई. आर (1986), हाईस्कूल बच्चो की स्कूल उपलब्धि पर लिंग के प्रभाव का अध्ययन । महाराजा शिवाजी राव वि.वि. बड़ौदा मनोविज्ञान अनुसंधान 1986 (अक्टू.) भाग 9(2) 67-68, मनोविज्ञान लेख-सार, पृष्ठ 1385, स्टडी नं. 15296, अमेरिकन मनोविज्ञान एशोसियेशन आई एन सी 1400 एन आरलिंगटन ।

70- सिंह, एल.बी.(1981), शिक्षित हरिजन और हिन्दू जाति के लोगों की बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन । भागलपुर वि.वि., शिक्षा अनुसंधान की संस्था का जर्नल 1978, 2(2) 27-28, भारतीय लेखसार भाग 18, नं. 1, पृष्ठ 108, निदेशक, व्यवहारिक विज्ञान केन्द्र ,32, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली ।

71- सिंह, आर.पी.(1982), अनु. जाति के छात्रों का शैक्षिक पिछड़ापन और उनके विकास की योजना । शिक्षा विभाग, पटना वि.वि., एम.बी.बुच के शोध के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित , एन सी ई आर टी नई दिल्ली 1987, पृष्ठ 215.

72- सिंह, टी.पी., पांडेय, बी.पी. दुबे, जी.एस., एवं यादव डी.आर. (1974); पूर्वी उ0प्र0 में सेंकेन्ड्री स्कूल के अनु. जाति एवं अनु. जनजाति के छात्रों का अध्ययन अर्थशा. विभाग, अध्ययन की गांधी संस्था वाराणसी. एम.बी.बुच के शोध के दूसरे सर्वे द्वारा प्रमाणित , बड़ौदा, पृष्ठ 130.

73- समाजशास्त्र बुलेटिन (1981) भारत में समाज का कमजोर भाग अनुसूचित जाति। भारतीय समाजशास्त्र समिति का जर्नल, भाग 30, नं.-1 मार्च 1981.

74- सोपन, एन.ई.(1976), स्मृति का अध्ययन, पी-एच.डी. संस्कृत, पूना वि.वि. एम.बी बुच के शोध के दूसरे सर्वे द्वारा प्रमाणित , बडौदा, शैक्षिक अनुसंधान और विकास की भारतीय समिति, 1979, पृष्ठ 199.

75- सोनी, बी.डी. (1975); पश्चिमी उ0प्र0 में अनु0जाति के कालेज के छात्रों की शैक्षिक समस्याये । समाजशास्त्र, विभाग, आगरा वि.वि., एम.बी.बुच के शोध के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित , श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली 1987, पृष्ठ 222

76- सूद, जे.के. (1974); भारत में कुछ समूह के बच्चों एवं अध्यापकों की विज्ञान तथा वैज्ञानिकों के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन । पी.एच.डी. शिक्षा, राजस्थान वि.वि., एम.बी.बुच. के शोध के दूसरे सर्वे द्वारा प्रमाणित, बड़ौदा, शैक्षिक अनुसंधान एवं विकास 1979 पृष्ठ 199.

77- श्रीवास्तव, आर.के.,बी. रावत (1983); शहर एवं उसके आस पास के गाँवों की हरिजन औरतों की शिक्षा के प्रति रुचि का तुलनात्मक अध्ययन । गढ़वाल वि.वि., (वयस्क शिक्षा जर्नल 1982, 43(7), 27-31) भारतीय मनोविज्ञान लेखसार भाग 21, नं.-3 सितम्बर 1983, निदेशक, व्यवहारिक विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली

78- सुखिया, एस.पी. एवं अन्य (1966); शैक्षिक अनुसंधान के तत्व, आलिया प्रकाशन प्राइ.लिमि. दिल्ली पृष्ठ 80.

79- तिवारी, जी.के. मोरभट्ट, एवं पी.एल. मोरभट्ट (1983), किशोरावस्था के लड़के एवं लड़कियों की शैक्षिक निष्पत्ति पर चिन्ता और आकांक्षा का प्रभाव। आगरा कालेज, आगरा, भारतीय मनोवि. लेखसार भाग 21 नं.-4, दिसम्बर 1983, पृष्ठ 441.

80- ट्रैवर्स, राबर्ट, एम.डब्लू (1958); शैक्षिक अनुसंधान परिचय, न्यूयार्क, मैकमिलन एण्ड कम्पनी, प्राइ.लिमि., पृष्ठ 5

81- उपाध्याय, एच.सी.(1981); कुमॉयू हिल में अनुसूचित जाति की समस्यायें । समाजशास्त्र, पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कुमॉयू वि.वि., एम. बी बुच के शोध के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित, एन. सी ई आर टी श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली, 1987, पृष्ठ 238

82- वरनन, पी.ई.(1953); योग्यताओं का मापन, यू.ओ.एल.पी. लिमि. लंदन ।

83- व्हीटने, एफ.एल. (1961); शोध के तत्व, एशिया प्रकाशक हाउस नई दिल्ली,पृष्ठ 162

84- यादव, एस.के. (1981); अनुसूचित जाति की उनकी शैक्षिक उन्नति की योजना के विषय में जानकारी का अध्ययन; पी-एच.डी. शिक्षा, एच.एस.वि.वि. बड़ौदा. एम.बी.बुच के शोध के तृतीय सर्वे द्वारा प्रमाणित, एन सी ई आर टी, श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली, 1987, पृष्ठ 243

* * * * *

APPENDIX NO. 1

APPENDIX NO. 1

मनोवृत्ति मापक

ATTITUDE SCALE
[FIRST DRAFT]

छात्र/छात्रा सम्बन्धी विवरण		छात्र/छात्रा का परिवार
नाम	जन्म तिथि-	भाइयों की संख्या-
कक्षा व विभाग-		बहनों की संख्या-
विद्यालय का नाम-		छात्र/छात्रा का जन्म क्रम-
विद्यालय में पढ़ने की अवधि-		अभिभावकों पर निर्भर सदस्यों की संख्या-
पिता का नाम-	जाति-	परिवार के कुल सदस्यों की संख्या-
माता का नाम	जाति-	पिता की आय-
अभिभावक का नाम-	जाति-	माता की आय-
वर्तमान पता ----------------------------------		अभिभावक की आय-

:: निर्देश ::

पीछे पृष्ठ पर लिखित वाक्यों को सावधानी से पढ़िये। प्रति वाक्य के सामने पाँच खाने बने हैं और प्रत्येक खाने का अर्थ दिया गया है। जैसे- पूर्ण सहमत (Strongly agree) का अर्थ है, आप पूर्ण रूप से इस वाक्य से सहमत हैं। सहमत (Agree) का अर्थ, आप इस वाक्य से केवल सहमत हैं। अनिश्चित (Undecided) का अर्थ है, आप इस वाक्य के भाव से अनिश्चित हैं। असहमत (Disagree) का अर्थ है, आप इस वाक्य के विचार से केवल असहमत हैं। पूर्ण असहमत (Strongly disagree का अर्थ है, आप इस वाक्य के विचार से पूर्ण असहमत हैं।

अपनी सहमति वाक्य के आगे किसी एक खाने में सही का चिन्ह (✓) लगा कर व्यक्त कीजिये। इस प्रकार हर वाक्य का सही के चिन्ह (✓) द्वारा उत्तर देना है। हर वाक्य के सामने किसी एक ही खाने में सही का चिन्ह (✓) लगाना है।

उदाहरण -

प्रश्नावली	पूर्ण सहमत (पू0 स0) (Strongly Agree)	सहमत (स0) (Agree)	अनिश्चित (अनि0) (Undecided)	असहमत (अ0) (Disagree)	पूर्ण असहमत (पू0अ0) (Strongly disagree)
(1) हमारे स्कूल के प्राचार्य प्रशासन कार्य में कुशल हैं।	✓				
(2) हिन्दी अध्यापक हस्तलेख पर ध्यान नहीं देते।				✓	
(3) कुछ अध्यापक पक्षपातपूर्ण व्यवहार करते हैं।			✓		

उपरोक्त उदाहरण में पहले वाक्य के सामने पूर्ण सहमत के नीचे सही का चिन्ह (✓) लगा है। इसका अर्थ है कि आप इस वाक्य से पूर्ण सहमत हैं। दूसरे वाक्य के सामने असहमत के नीचे सही का चिन्ह (✓) लगा है। इसका अर्थ है कि आप इस वाक्य से असहमत हैं। तीसरे वाक्य में आप यह तय नहीं कर पाये कि वाक्य सही है अथवा गलत। अर्थात उत्तर देने के लिये अनिश्चित हैं। इसलिये सही का चिन्ह (✓) अनिश्चित के नीचे लगा दिया गया है।

अब इसी प्रकार पन्ना उलट कर वाक्यों के सामने किसी उचित खाने में सही का चिन्ह लगा दीजिये।

सभी वाक्यों का उत्तर देना आवश्यक है।

शोध पर्यवेक्षक

डा0 वी0पी0 अग्रवाल
रीडर, शिक्षा विभाग
ए.एन.डी.टी.टी. कालेज,
सीतापुर (उ0प्र0)

निर्माणकर्त्ता

उमाकान्त पोरवाल
अध्यक्ष, शिक्षा शास्त्र विभाग
बुन्देलखण्ड कालेज,
झांसी (उ0प्र0)

प्रश्नावली में नीचे दिये गये वाक्यों में सही का चिन्ह (✓) लगाकर उत्तर दीजिये ।

	प्रश्नावली	पू0स0	स0	अनि0	अ0	पू0अ0
1.	प्राचार्य हरिजन छात्रों का ध्यान आवश्यक रूप से रखते हैं ।	-	-	-	-	-
2.	प्राचार्य का व्यक्तित्व प्रभावशाली है ।	-	-	-	-	-
3.	हिन्दी अध्यापक हरिजन छात्रों से घृणा करते हैं।	-	-	-	-	-
4.	अंग्रेजी अध्यापक छात्रों से कम बात करते हैं।	-	-	-	-	-
5.	गणित अध्यापक श्यामपट में सभी प्रश्नों का हल कर देते हैं ।	-	-	-	-	-
6.	विज्ञान अध्यापक छात्रों को ट्यूशन पढ़ाने को बाध्य करते हैं ।	-	-	-	-	-
7.	सामा0 विषय अध्यापक हरिजन छात्रों को पीछे बिठाते हैं।	-	-	-	-	-
8.	हिन्दी एक सरल विषय है ।	-	-	-	-	-
9.	अंग्रेजी पढ़ने से नौकरी मिल जाती है ।	-	-	-	-	-
10.	सामाजिक विषय राष्ट्र की एकता का आधार है।	-	-	-	-	-
11.	विज्ञान विषय उन्नति की ओर ले जाता है।	-	-	-	-	-
12.	गणित रुचिकर विषय है ।	-	-	-	-	-
13.	नैतिक शिक्षा विषय हर कक्षा के लिए अनिवार्य होना चाहिए ।	-	-	-	-	-
14.	नैतिक शिक्षा के अध्ययन से व्यक्ति अनुशासित होता है ।	-	-	-	-	-

प्रश्नावली	पू०स०	स०	अनि०	अ०	पू०अ०
15. कक्षा साथी अध्यापक की अनुपस्थिति में भी अनुशासित रहते हैं ।	-	-	-	-	-
16. कक्षा साथी जाँत-पाँत को नहीं मानते हैं ।	-	-	-	-	-
17. विद्यालय का पुस्तकालय पर्याप्त है ।	-	-	-	-	-
18. पुस्तकालय में हरिजन विद्यार्थी के साथ भेदभाव किया जाता है ।	-	-	-	-	-
19. प्रयोगशाला की सुविधा हर विद्यार्थी को मिलती है ।	-	-	-	-	-
20. प्रयोगशाला में हरिजन विद्यार्थी को अधिक सुविधा दी जाती है ।	-	-	-	-	-
21. विद्यालय में छात्र संगठन होना आवश्यक है।	-	-	-	-	-
22. छात्र संगठन में हरिजन छात्र कम रहते हैं।	-	-	-	-	-
23. अनुशासित छात्र समाज में अच्छे माने जाते हैं ।	-	-	-	-	-
24. हमारे विद्यालय का अनुशासन सराहनीय है ।	-	-	-	-	-
25. सभी हरिजन विद्यार्थी प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं ।	-	-	-	-	-
26. विद्यालय का वातावरण हरिजनों के अनुकूल है ।	-	-	-	-	-
27. हमें घर में पढ़ने की सुविधा है ।					
28. हमें माता-पिता नित्य सुबह पढ़ने के लिए उठाते हैं ।	-	-	-	-	-

प्रश्नावली	पू0स0	स0	अनि0	अ0	पू0अ0
29. हमारे साथी स्कूल के समय सिनेमा जाते हैं ।	-	-	-	-	-
30. पारिवारिक साथी अध्ययन में सहायता करते हैं ।	-	-	-	-	-

मनोवृत्ति मापक

ATTITUDE SCALE
[FINAL DRAFT]

छात्र/छात्रा सम्बन्धी विवरण		छात्र/छात्रा का परिवार
नाम	जन्म तिथि-	भाइयों की संख्या-
कक्षा व विभाग-		बहनों की संख्या-
विद्यालय का नाम-		छात्र/छात्रा का जन्म क्रम-
विद्यालय में पढ़ने की अवधि-		अभिभावकों पर निर्भर सदस्यों की संख्या-
पिता का नाम	जाति-	परिवार के [illegible] की संख्या-
माता का नाम	जाति-	पिता की आय-
अभिभावक का नाम-	जाति-	माता की आय-
वर्तमान पता ------------------------------		अभिभावक की आय-
--		

:: निर्देश ::

पीछे पृष्ठ पर लिखित वाक्यों को सावधानी से पढ़िये। प्रति वाक्य के सामने पाँच खाने बने हैं और प्रत्येक खाने का अर्थ दिया गया है। जैसे- पूर्ण सहमत (Strongly agree) का अर्थ है, आप पूर्ण रूप से इस वाक्य से सहमत हैं। सहमत (Agree) का अर्थ है, आप इस वाक्य से केवल सहमत हैं। अनिश्चित (Undecided) का अर्थ है, आप इस वाक्य के भाव से अनिश्चित हैं। असहमत (Disagree) का अर्थ है, आप इस वाक्य के विचार से केवल असहमत हैं। पूर्ण असहमत (Strongly disagree) का अर्थ है, आप इस वाक्य के विचार से पूर्ण असहमत हैं।

अपनी सहमति वाक्य के आगे किसी एक खाने में सही का चिन्ह (✓) लगा कर व्यक्त कीजिये। इस प्रकार हर वाक्य का सही के चिन्ह (✓) द्वारा उत्तर देना है। हर वाक्य के सामने किसी एक ही खाने में सही का चिन्ह (✓) लगाना है।

प्रश्नावली में नीचे दिये गये वाक्यों में सही का चिन्ह (✓) लगाकर उत्तर दीजिये ।

	प्रश्नावली	पू०स०	स०	अनि०	अ०	पू०अ०
1.	विज्ञान अध्यापक हरिजन छात्रों की समस्याओं का समाधान करते हैं ।	-	-	-	-	-
2.	अंग्रेजी अध्यापक सरल अंग्रेजी का प्रयोग करते हैं।	-	-	-	-	-
3.	सामा०विषय अध्यापक हरिजन छात्रों से प्रेम करते हैं ।	-	-	-	-	-
4.	पुस्तकालय में सभी छात्र जाते हैं ।	-	-	-	-	-
5.	प्राचार्य अक्सर कक्षाओं का निरीक्षण करते हैं ।	-	-	-	-	-
6.	गणित के अध्यापक का पढ़ाने का ढंग अच्छा है ।	-	-	-	-	-
7.	हरिजन छात्रों को हिन्दी विषय पढ़ना पसन्द नहीं है।	-	-	-	-	-
8.	सभी अध्यापक हरिजन छात्रों को कठोर अनुशासन में रखते हैं ।	-	-	-	-	-
9.	सामाजिक विषय जातिवाद को बढ़ावा देता है ।	-	-	-	-	-
10.	नैतिक शिक्षा बालकों को ईमानदार बनाती है ।	-	-	-	-	-

प्रश्नावली	पू0स0	स0	अनि0	अ0	पू0अ0
11. कक्षा साथी आपस में मेलजोल से रहते हैं।	-	-	-	-	-
12. कार्यालय में हरिजनों का काम देर से होता है ।	-	-	-	-	-
13. हमारे साथी पढ़ने में रूचि रखते हैं ।	-	-	-	-	-
14. सभी हरिजन विद्यार्थी प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं ।	-	-	-	-	-
15. माता/पिता नित्य मुझे पढ़ाते हैं ।	-	-	-	-	-

****

गोपनीय

मानसिक योग्यता की सामूहिक परीक्षा (72)

(यह पुस्तिका किसी अनाधिकारी के हाथों में न जानी चाहिए)। (आवृत्ति 85)

इस प्रश्न-पुस्तिका के सभी उत्तरों को केवल उत्तर-पत्र पर ही लिखना होगा।
इस परीक्षा पुस्तिका पर कुछ लिखना या चिन्ह न बनाना चाहिए।

प्रारम्भिक आदेश

हम आपकी सामान्य मानसिक योग्यता की परीक्षा करना चाहते हैं।
केवल 20 मिनट का समय है। आप के सामने 100 प्रश्न आयेंगे।
इस परीक्षा के आरम्भ होने से पहले इसमें दिए गए सब प्रकार के प्रश्नों और उनके उत्तर लिखने की
विधि को उदाहरण देकर समझाया जायेगा। हमें आशा है कि आपको उचित सफलता मिलेगी। सभी प्रश्न
साधारण भाषा में हैं। प्रत्येक प्रश्न के दोनों ओर प्रश्न की क्रमिक संख्या छपी है। प्रायः सभी प्रश्नों के कुछ
संभव वैकल्पिक उत्तर भी दिए गए हैं। हर एक वैकल्पिक उत्तर की संख्या भी उसके साथ छपी है। आपको
हर प्रश्न को समझ कर केवल उसके सही उत्तर को चुनना है, तथा उस उत्तर की संख्या को तत्काल उत्तर पत्र
के क्रम अनुसार उचित स्थान पर लिखना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर संख्या में देना है। अर्थात् अक्षरों में
कुछ नहीं लिखना है।

ध्यान रखें प्रत्येक प्रश्न का एक ही ठीक उत्तर है। समय अधिक नहीं है। सब प्रश्नों का सही उत्तर
बहुत कम लोग दे सकते हैं। अतएव आपको खूब शीघ्रता से काम करना चाहिए। और अधिक से अधिक सही
प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करना चाहिए। अगर कोई प्रश्न आपको अधिक कठिन लगता है, तब उस पर
सोच विचार में अधिक समय नष्ट न करें। उसे छोड़ दें और उत्तर पत्र के निश्चित स्थान पर एक कोने
में हल्का सा चिन्ह बना दें, और अगले प्रश्न का उत्तर सोच कर तुरन्त उसके उचित स्थान पर लिखें। यदि
अन्त में समय हो, तो अपने उत्तरों को दोहरा लीजिए तथा छूटे हुए प्रश्नों का हल सोच कर लिखिए।

× × ×

आरम्भ करने की आज्ञा सुनकर ही आप प्रश्नों को पढ़ने और उत्तर लिखने का कार्य आरम्भ करें,
और जितनी शीघ्रता से हो सके साफ़ उत्तर लिखिए।

एक बार और ध्यान रखिए इस प्रश्न पुस्तिका पर आपको कुछ नहीं लिखना है; और न इस पर
किसी प्रकार का चिन्ह ही लगाना है।

केवल उत्तर-पत्र पर यथोचित स्थान में उत्तर की संख्या ही लिखनी है।

अभ्यास के लिए उदाहरण

इस परीक्षा में जिस प्रकार के प्रश्न पूछे गये हैं, उन के दो दो उदाहरण नीचे दिये गये हैं इन में से पहले का उत्तर भी उत्तर-पत्र पर छपा है। किन्तु दूसरे का उचित उत्तर देने का अभ्यास आप सरलता से कर सकेंगे।

आइये अब हम इन को पढ़ें, और इन को हल करने की विधि समझें :— उदाहरण संख्या ↓

1. वृक्ष का अर्थ है, (1) पेड़, (2) जमीन, (3) घास, (4) फल. (1)
2. आज्ञा का अर्थ है, (1) कठोर, (2) स्वामी, (3) निर्देश, (4) पालन. (2)
3. अच्छाई का उलटा है, (1) चालाकी, (2) बुराई, (3) लड़ाई, (4) नम्रता. (3)
4. जीवन का उलटा है, (1) निराशा, (2) आनन्द, (3) मिट्टी, (4) मृत्यु. (4)
5. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें :— 1, 2, 3, 4, 5, 6 ... (5)
6. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें :— 15, 14, 13, 12, 11, 10 ... (6)
7. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द की संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें :— (1) घोड़ा, (2) मुर्गा, (3) हाथी, (4) मोर, (5) लड़का, (7)
8. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द की संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें :— (1) निबन्ध, (2) लेखक, (3) उपन्यास, (4) कविता, (5) स्तम्भ, (8)
9. छाता एक लाभदायक वस्तु है, इसलिए कि वह (1) कपड़े का बनता है। (2) हमें धूप व वर्षा से बचाता है। (3) वह सब देशों में मिलता है। (9)
10. लोग बिल्लियां इसलिए पालते हैं, कि (1) उनकी खाल कोमल होती है। (2) वे कुत्तों से डरती हैं। (3) वे चूहे पकड़ती हैं। (10)
11. कलम: लिखना:: चाकू : (1) आम, (2) काटना, (3) लोहा, (4) खाना. (11)
12. खीर : चावल:: हलवा: (1) पूरी, (2) दही,. (3) दूध, (4) सूजी. (12)
13. हरदेव से गुरजीत लम्बा है, किन्तु हरदेव से जगजीत नाटा है। तो सब से लम्बा कौन है ? (1) हरदेव, (2) गुरजीत, (3) जगजीत (13)
14. राम के पीछे गोबिंद खड़ा है, गोबिंद के पीछे चन्दन खड़ा है, और हरि के पीछे चन्दन खड़ा है, तो सब से पीछे कौन खड़ा है ? (1) राम, (2) गोबिंद, (3) चन्दन, (4) हरि. (14)

—o—

परीक्षा आरम्भ होने से पहले अपनी सभी शंकायें पूछ लीजिये।

जब तक कहा न जाए

कृपया यह

पन्ना मत उलटिये

(उत्तर-पत्र पर यथा-स्थान उचित उत्तर की संख्या लिखें ।) प्रश्न संख्या ↓

21. जूते चमड़े के इस लिए बनते हैं, (1) कि यह अधिक चलता है । (2) वह मृत पशु की खाल से बनता है (3) यह सब देशों में पाया जाता है । (21)

22. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें :— 6, 11, 16, 21, 26 ... (22)

23. सांच को आंच नहीं होती, इसलिए कहते हैं कि (1) सच बोलने वाले को आग नहीं जलाती । (2) सच की विजय होती है । (3) सच्चे आदमी के घर में आंच नहीं मिलती । (23)

24. नीचे दिए संख्या-क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें :— 3, 6, 9, 12, 15, 13 ... (24)

25. विदेश जाने के लिए लोग विमान यात्रा पसंद करते हैं, इसलिए कि (1) इसमें थोड़ा समय लगता है । (2) यात्रा में खाने पीने का पूरा प्रबन्ध होता है । (3) वह हवा में धूल से ऊपर उड़ते हैं । (25)

26. इन पांच शब्दों में से बे-मेल शब्द का अंक उत्तर पत्र पर लिखें :—
(1) हाकी, (2) फुटबाल, (3) शतरंज (4) क्रिकेट, (5) टेनिस (26)

27. पापी का मन सदा शंकित रहता है, इसलिए कि (1) उसको नरक का कष्ट भोगना पड़ेगा । (2) शंकित मन वाले पाप करते हैं । (3) पापी को पोल खुलने का डर रहता है । (27)

28. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें :— 5, 11, 17, 23, 29, 35, (28)

29. एक देश में रेल की बहुत सी लाइनें होनी चाहिए, इसलिये कि (1) इन से माल और मनुष्यों के आने जाने में सुविधा होती है । (2) इन से व्यापार को लाभ होता है । (3) इनके द्वारा देश में खाद्य पदार्थों का मूल्य कम हो जाता है । (29)

30. हीरा का अर्थ है (1) मोती, (2) महंगा. (3) पत्थर, (4) जवाहर (30)

31. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें : 3, 12, 21, 30, 39, 48, ... (31)

32. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द का अंक उत्तर-पत्र पर लिखें :—
(1) कालीदास, (2) तुलसीदास, (3) जयशंकर प्रसाद (4) बुद्ध (5) टैगोर (32)

33. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार की एक संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें :— 14, 17, 20, 23, 26, 29 ... (33)

34. घोड़ा : टांग : गाड़ी : (1) बालक (2) पहिया (3) सड़क, (4) टट्टू ... (34)

35. इन पांच शब्दों में से बे-मेल शब्द का अंक उत्तर-पत्र पर लिखें :—
(1) पास, (2) दूर (3) परे, (4) यहां, (5) धीमा (35)

36. लिपिक : अध्यक्ष :: सैनिक : (1) मजदूर, (2) विक्रेता, (3) कप्तान, (4) बालक (36)

37. इन पांच शब्दों में से बे-मेल शब्द का अंक उत्तर-पत्र पर लिखें :—
(1) खेलना, (2) सोना, (3) गाना, (4) दौड़ना, (5) नाचना (37)

38. बरफ : ठोस :: पानी (1) तरल, (2) मछली, (3) तैरना, (4) स्नान (38)

39. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें :— 1, 2, 4, 8, 16, 32 ... (39)

40. जनवरी : फरवरी :: जुलाई : (1) मार्च, (2) अगस्त, (3) रविवार, (4) जून (40)

[प्रश्न 41 के लिए पन्ना उलटिये, और देखिए पृष्ट 3 (तीसरा)] (शीघ्रता से कार्य करें ।)

उत्तर-पत्र पर यथा-स्थान उचित उत्तर की संख्या लिखें। प्रश्न संख्या ↓

41 नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें :— 21, 19, 17, 15, 13, 11, (41)

42 बहन : भाई : : मासी : (1) चाचा, (2) भुआ, (3) दादा, (4) मामा ... (42)

43 गोवर्द्धन की मोटाई चन्दन से कम है, और चन्दन से अधिक मोटा गिरधारी है, तो सब से दुबला कौन है ? (1) चन्दन, (2) गिरधारी, (3) गोवर्द्धन (43)

44. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर पत्र पर लिखें : 18, 16 14, 12, 10, 8, ... (44)

45. हंसना : रोना : : बचपन : (1) खेलकूद, (2) बुढ़ापा, (3) मारपीट, (4) हार (45)

46. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द का अंक उत्तर-पत्र पर लिखें :—
(1) गाय, (2) भैंस, (3) घोड़ा, (4) भेड़, (5) बकरी ... (46)

47. क्रूर का उलटा है, (1) सज्जन, (2) भला, (3) दयालू, (4) कठोर (47)

48. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द का अंक उत्तर-पत्र पर लिखें :—
(1) कूदना, (2) फांदना, (3) भागना, (4) खड़े रहना, (5) चलना (48)

49. पद्मा से रणजीत अच्छी सिलाई करता है, किन्तु पुष्पा से पद्मा अच्छा कार्य करती है तब सिलाई में सब से अच्छा कौन है ? (1) रणजीत, (2) पद्मा (3) पुष्पा (49)

50. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द का अंक उत्तर पत्र पर लिखें :—
(1) मिट्टी, (2) लकड़ी, (3) शिला, (4) कंकर, (5) पत्थर (50)

51. उद्यम का उलटा है, (1) वियोग, (2) डरपोक, (3) विश्राम, (4) आलस्य (51)

52. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें :—78, 67, 56, 45, 34, 23 ... (52)

53 फल : सेब : : पुष्प : (1) अनार, (3) बादाम, (3) गुलाब, (4) जामुन (53)

54. मोहन से नाटा राम है। और किशन से नाटा राम है। तब सबसे कम लम्बा कौन है ?
(1) मोहन, (2) किशन, (3) राम (54)

55. नीचे दिए संख्या-क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर-पत्र पर लिखें :— 5, 6, 8 11, 15, 20 ... (55)

56. 'झूठ के पांव नहीं होते।" यह इस कारण कहा जाता है कि (1) लंगड़े मनुष्य बहुत झूठ बोलते हैं। (2) झूठे मनुष्य की पोल शीघ्र खुल जाया करती है। (3) झूठ बोलने वाले बहुत बार चलते समय ठोकर खाते हैं। (56)

57. नाव : मांझी : : मोटर : (1) स्वामी, (2) यात्री, (3) नगर, (4) चालक (57)

58. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द का अंक उत्तर पत्र पर लिखें : —
(1) खाट, (2) कुर्सी, (3) प्लेट, (4) सोफा (5) पीढ़ा (58)

59. मकान : ईंट : : सेना : (1) सिपाही, (2) पत्थर, (3) हथियार, (4) युद्ध (59)

60. नीचे दिये संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर पत्र पर लिखें :— 5, 6, 9, 10, 13, 14, ... (60)

[प्रश्न 61 के लिए देखिये पृष्ठ 4 (चौथा)] (शीघ्रता से कार्य करें)

(उत्तर-पत्र पर यथा स्थान-उचित उत्तर की संख्या लिखें)- प्रश्न संख्या ↓

61. संपादक : पत्रिका : : व्यापारी : (1) बाजार, (2) विज्ञापन, (3) दुकान, (4) समाचार (61)

62. आश्चर्य का अर्थ है, (1) निराला, (2) विसमय, (3) घबराहट, (4) अनुभव (62)

63. चन्द्रमा : पृथ्वी :: पृथ्वी : (1) सागर, (2) मंगलतारा, (3) सूर्य (4) मछलियाँ (62)

64. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द की संख्या उत्तर पत्र पर लिखें :—
(1) गोभी, (2) गाजर, (3) ककड़ी (4) मूली, (5) धनिया (64)

65. सोना का अर्थ है, (1) कनक, (2) खाद, (3) घन, (4) माला (65)

66. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर पत्र
पर लिखें :— 9, 12, 14, 17, 19, 22 ... (66)

67. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द का अंक उत्तर पत्र पर लिखें :—
(1) भूखा, (2) मरा, (3) प्यासा, (4) थका, (5) हारा (67)

68. सदाशिव से मुरारी लम्बा है। किन्तु मुरारी से वीरेन्द्र नाटा है। और त्रिलोकी से मुरारी नाटा है, तो सब से लम्बा कौन है ? (1) सदाशिव, (2) मुरारी, (3) वीरेन्द्र, (4) त्रिलोकी (68)

69. वृक्ष : लता :: फल : (1) फूल, (2) चम्पा, (3) मोतिया, (4) मौलसिरी (99)

70. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर-पत्र
पर लिखें :— 8, 9, 12, 13, 16, 17 ... (70)

71. नेता : जनता :: अधिकारी : (1) चुनाव, (2) भाषण, (3) कर्मचारी, (4) निर्णय (71)

72. आरेखन-कला में राम से गार्गी चतुर है। किन्तु उसकी अपेक्षा सीता चतुर है। अत: सबसे चतुर कौन है ? (1) गार्गी, (2) सीता, (3) राम (72)

73. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द का अंक उत्तर पत्र पर लिखें :—
(1) घोड़ा, (2) ऊंट, (3) कंगारु, (4) गधा, (5) भैंसा (73)

74. चित्र : खड़ा :: सिनेमा : (1) खाता, (2) चलता, (3) हंसता, (4) रोता (74)

75. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की संख्या एक उत्तर पत्र
पर लिखें :— 29, 28, 26, 23, 19, 14, ... (75)

76. मेरे विचार में यदु से सीता चतुर है। किंतु कमला से रमा निसन्देह चतुर है। और सीता से रमा मन्द है। तो सब से चतुर कौन है ? (1) यदु, (2) कमला, (3) रमा (4) सीता (76)

77. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर पत्र
पर लिखें : 7, 8, 10, 13 17, 22 ... (77)

78. सभ्यता का अर्थ है, (1) वस्त्र, (2) कला, (3) ज्ञान, (4) संस्कृति (78)

79. "जिसकी लाठी उसकी भैंस" कहने का अभिप्राय है कि (1) भैंस वाले के पास लाठी आवश्यक होती है। (2) अधिक बलवान की बात सब को माननी पड़ती है। (3) लाठी देख कर भैंस अधिक दूध देती है। (79)

80. पृथ्विराज : सोनियाँ :: संयोगिता : (1) स्वयंवर, (2) जयचन्द, (3) पृथ्वीराज, (4) अकबर (80)

[प्रश्न 81 के लिए पन्ना उलटिए, देखिए पृष्ठ 5 (पांचवां)] शीघ्रता से कार्य करें)

(उत्तर पत्र पर यथा स्थान उचित उत्तर की संख्या लिखें।) — प्रश्न संख्या ↓

81. अनेक वर्षों तक हवाई जहाज सफल न हुए, क्योंकि (1) वे बहुत भारी बनाये जाते थे। (2) उनके कल पुर्जे बहुत जटिल होते थे। (3) एक उत्तम इंजन नहीं बन पाया था (81)

82. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर पत्र पर लिखें।
पर लिखें 4, 6, 9, 11, 14, 16, . (82)

83. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द का अंक उत्तर पत्र पर लिखें।
(1) चिड़िया, (2) तोता (3) बुलबुल, (4) कबूतर (5) उल्लू (83)

84. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर पत्र
पर लिखें :—8, 9, 11, 12, 14, 15, ... (84)

85. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द का अंक उत्तर पत्र पर लिखें :—
(1) गया (2) पुरी, (3) प्रयाग, (4) द्वारिका, (5) दिल्ली, (85)

86. दैनिक : मासिक :: पत्र : (1) कहानियां, (2) समाचार, (3) पत्रिका (4) संवाद (86)

87. ऋण का उलटा है, (1) धन, (2) बचत, (3) धनिया, (4) व्यापार (87)

88. कोट : पैन्ट :: कुरता : (1) समाचार, (2) टोपी, (3) पाजामा, (4) पगड़ी (88)

89. विस्तृत का उलटा है, (1) विशाल, (2) कमरा, (3) पतला, (4) संकुचित (89)

90. पेन्सिल : चाक :: कापी : (1) पुस्तक (2) बोर्ड, (3) ताक, लेख (90)

91. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द का अंक उत्तर पत्र पर लिखें :
(1) पहर, (2) प्रभात, (3) घंटा, (4) मिनट, (5) क्षण (91)

92. नीचे दिये संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर पत्र
पर लिखें :— 2, 3, 5, 6, 8, 9, ... (92)

93. श्वेत : हिम :: श्याम : (1) दिन, (2) चिड़िया, (3) कौवा, (4) रात (93)

94. नीचे दिए संख्या क्रम के अनुसार आगे की एक संख्या उत्तर पत्र
पर लिखें :— 27, 26, 24, 21, 17, 12, .. (94)

95. विहंग का अर्थ है, (1) मोर, (2) पक्षी, (3) गद्दा, (4) निहंग (95)

96. रमा की बुद्धि देवकी से प्रखर है, पर सीता की बुद्धि साविन्नी से हीन है, किन्तु देवकी की बुद्धि सावित्री से उत्तम है, तो सब से बुद्धिमान कौन है ?
(1) देवकी, (2) सीता, (3) रमा, (4) सावित्री (96)

97. इन पांच शब्दों में से बेमेल शब्द का अंक उत्तर पत्र लिखें :—
(1) हिमाचल, (2) केरल, (3) मेघालय, (4) भोपाल, (5) हरियाणा (97)

98. नाटा का उलटा है, (1) भारी (2) लम्बा, (3) तगड़ा, (4) कठोर (98)

99. गरल का अर्थ है, (1) बुरा, (2) विष, (3) कड़वा, (4) सरल (99)

100. बकरा : बकरी :: बिल्ली : (1) कुत्ता, (2) पिल्ला, (3) गूथ, चूहा (100)

(यदि समय बाकी है तो अपने उत्तरों को दोहराइये)

APPENDIX NO. 4

THE L. A. CODING TEST

A. ANSARI and G. A. ANSARI

Published by :
MANASAYAN
32, Netaji Subhash Marg
NEW DELHI-110002

Date...Name...

Age... Sex...

Education or Class.. Occupation...

(If in service specify type of job)

Father's Occupation.................................. Own Income...

(In case of students)

Father's Income.................................... Religion............... Caste *(If any)*...................

School.............................. or Place of Work...........................

INSTRUCTIONS

1. On the left side is given a key to the coding system. Go through it and solve the example on the right.

KEY

A	B	C	D	E	F	G
÷	=	/	✓	?	::	×

EXAMPLE

::	/	+	=	?	×	✓

2. This test measures your expectations regarding your performance in a series of task in which you have to write letters for symbols according to the above key. On each of the following pages there is the key followed by seventy-five (75) codes. Your task is to write the letter A, B, C, D, E, F or G, above each symbol according to the key. Work as quickly as possible, but not at the expense of accuracy.
3. There are eleven (11) parts of the test, all exactly alike. Each part has five rows of codes just like those in the example. You have to write a letter above each symbol.
4. You will have only 1 minute for each part. Start when I tell you to start and don't work when I say STOP.
5. ON THE LEFT TOP OF EACH PART WRITE THE NUMBER OF CODES YOU EXPECT TO COMPLETE IN THE 1 MINUTE THAT WILL BE ALLOWED TO YOU FOR EACH PART. WRITE THE NUMBER BEFORE YOU START TO WORK.

6. IN EACH PART, AFTER YOU HAVE STOPPED WORKING, COUNT THE NUMBER OF CODES YOU HAVE COMPLETED, AND WRITE THE NUMBER IN THE SPACE PROVIDED AT THE LEFT BOTTOM OF THE PAGE.
7. You will get one mark for each code correctly solved. For example, if you correctly solve 20 single codes in a page you will get 20 marks, if you solve 50 single codes correctly you will get 50 marks, and so on.
8. Write the correct letters for the symbols in a continuation, starting from the first symbol, then doing the second, then the third, then the fourth, and so on. DO NOT LEAVE ANY SYMBOL UNSOLVED IN THE MIDDLE.
9. If there is anything you would like me to clarify or any question you would like me to answer in this connection it should be done now, but don't ask any question after you have started working.

PLEASE CONCENTRATE OVER THE TASK

तिथि ____________________ नाम ____________________

आयु ____________________ लिंग ____________________

शिक्षा (या कक्षा) ____________________ स्कूल या कार्य करने का स्थान ____________________

अपना कार्य (अगर कर्मचारी हैं तो यह लिखिए कि किस प्रकार का कार्य है) ____________________

पिता का कार्य (यदि वह स्वयं विद्यार्थी है) ____________________

अपनी आय ____________________ पिता की आय ____________________

धर्म ____________________ जाति (अगर कोई जाति है) ____________________

निर्देश

१. निम्नलिखित बायें ओर कुछ अंग्रेजी के कुछ अक्षर खानों में दिये हुए है और हर अक्षर के लिए चिन्ह् (code) इसके नीचे वाले खाने में दिया हुआ है। अक्षरों और उनके निश्चित चिन्हों को अच्छी प्रकार समझ कर दाहिनी ओर दिये हुए उदाहरण को हल कीजिए।

KEY

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	✓	?	::	×

EXAMPLE

::	/	+	=	?	×	✓

२. इस टेस्ट का उद्देश्य आपके कार्यक्षमता की उस आशा को मापना है जो आप किसी लगातार कार्य को करने से पह लगाते है। इस टेस्ट (Test) में आपको दिये गये चिन्हों के ऊपर उनके निश्चित अक्षर लिखने है। अगले हर पृष्ठ प चिन्हों की सूची दी गई हैं और उसके नीचे ७५ चिन्ह दिये गये हैं। आपका कार्य यह है कि प्रत्येक चिन्ह के ऊ A, B, C, D, E, F व G, में से जो निश्चित अक्षर हो उसे लिख दीजिए। यह कार्य आप जितनी तेज़ी से कर स कोशिश परन्तु यह ध्यान में रहे कि कोई गलती न हो।

३. इस टेस्ट के ११ भाग है और सब एक-से हैं प्रत्येक भाग में उदाहरण की तरह ही चिन्हों की पाँच लाइनें दी गयी हैं आपको हर चिन्ह के ऊपर उसका निश्चित अक्षर लिखना है।

आपको टेस्ट के हर भाग को करने के लिए केवल १ मिनट (1 Minute) का समय दिया जायगा। जब तक मैं आपं न कहूँ काम आरम्भ न कीजिए और जब मैं समाप्त करने को कह दूं तो उसके बाद तुरन्त कार्य बन्द कर दीजिए।

५. हर पृष्ठ पर बायीं ओर कार्य आरम्भ करने से पहले १ मिनट में जितने चिन्ह हल कर लेने की आपको आशा हो उनकं गिनती लिख दीजिए। यह गिनती आप काम आरम्भ करने से पहले लिखेंगे।

६. हर भाग का कार्य समाप्त कर लेने पर आपने जितने चिन्ह उस भाग में हल कर लिये है उन्हें गिन कर नीचे पृष्ट बायीं ओर कोने पर निश्चित स्थान पर लिख दीजिए।

७. आपको हर सही हल किये गये चिन्ह के लिए एक अंक प्राप्त होगा उदाहरणतया यदि आप किसी भाग के २० चिन्ह सही हल कर लेते है तो आपको २० अंक प्राप्त होंगे और अगर आप ५० चिन्ह सही हल कर लेते हैं तो आपको ५० अंक मिलेंगे।

८. आपको चिन्हों के ऊपर सही अक्षर लगातार लिखने होंगे। अथवा पहले चिन्ह नम्बर एक को हल कीजिए, फिर चिन्ह नम्बर दो को, फिर चिन्ह नम्बर तीन को, फिर चिन्ह नम्बर चार को, और इसी तरह अन्त तक।

मध्य में किसी चिन्ह को हल किये बिना न छोड़िये।

९. ऊपर दिये गये निर्देशों को पढ़ते समय यदि कोई बात समझ में न आई हो तो पूछ लीजिए परन्तु काम आरम्भ करने के बाद कोई प्रश्न न पूछिये।

अच्छा अब कृपया अपने कार्य की ओर पूरा-पूरा ध्यान दीजिए।

تاریخ .... نام ....

عمر .... جنس ....

تعلیم (یا کلاس) .... اسکول یا کام کرنے کی جگہ ....

اپنا پیشہ (اگر ملازمت ہے تو یہ لکھئے کہ کس طرح کی ملازمت ہے)

باپ کا پیشہ (اگر خود طالبعلم ہیں) ....

اپنی آمدنی .... باپ کی آمدنی ....

مذہب .... ذات (اگر کوئی ذات ہے) ....

هدایت

۱—نیچے بائیں طرف انگریزی کے چند حروف خانوں میں دئے ہوئے ہیں اور ہر حرف کے لئے ایک نشان (Code) اس کے نیچے والے خانہ میں دیا ہوا ہے - حروف اور ان کے مقررہ نشانات کو اچھی طرح [illegible] مثال کو حل کیجئے

KEY

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	✓	?	::	×

EXAMPLE

::	/	+	=	?	×	✓

۲—اس جانچ (Test) کا مقصد یہ ہے کہ کسی سلسلہ وار کام (Task) کو پورا کرنے میں آپ جس حد تک کامیابی حاصل کرنے کی توقع کرتے ہیں، اس کو معلوم کیا جائے - اس ٹیسٹ (Test) میں آپ کو دئے ہوئے نشانات کے اوپر مقررہ حروف لکھنے ہیں - اگلے ہر صفحے پر نشانات کی شرح درج کردی گئی ہے اور اس کے نیچے پچھتر (۷۵) نشانات دئے گئے ہیں - آپ کا کام یہ ہے کہ آپ ہر نشان کے اوپر A, B, C, D, E, F, یا G, میں سے جو حرف بھی شرح کے مطابق ہو اسے لکھ دیجئے - یہ کام آپ جتنی تیزی سے کر سکیں کیجئے لیکن اس بات کا خیال رہے کہ کوئی غلطی نہ ہو -

۳—اس ٹیسٹ (Test) کے ۱۱ حصے ہیں اور سب ایک جیسے ہیں - ہر حصہ میں نشانات کی پانچ لائنیں دی گئی ہیں - یہ نشانات وہی ہیں جو مثال میں شامل ہیں - آپ کو ہر نشان کے اوپر اس کا مقررہ حرف لکھنا ہے -

۴—آپ کو ٹیسٹ کے ہر حصے کو حل کرنے کے لئے صرف ایک منٹ (1 Minute) کا وقت دیا جاتا ہے آپ کام اس وقت شروع کریں جب آپ سے شروع کرنے کو کہوں، اور جب کہوں رک جائیے تو آپ فوراً کام بند کر دیجئے -

۵—ہر حصے کے بائیں طرف کام شروع کرنے سے پہلے ایک منٹ (1 Minute) کے وقفہ میں جتنے نشانات حل کرلینے کی آپ کو امید ہو ان کی تعداد لکھ دیجئے - یہ تعداد آپ کام شروع کرنے سے پہلے ہی لکھیں گے -

۶—ہر صفحہ پر کام ختم کرنے کے بعد اس صفحے کے ان نشانات کی تعداد جن کو آپ نے مکمل کرلیا ہے گنئے اور یہ تعداد صفحے کے نچلے بائیں کونے پر جہاں اس کی جگہ مقرر ہے لکھ دیجئے۔

۷—ہر نشان کے لئے جس کو آپ نے صحیح حل کیا ہے آپ کو ایک نمبر ملے گا۔ مثال کے طور پر اگر آپ نے کسی صفحہ پر ۲۰ نشانات صحیح حل کئے ہیں تو آپ کو ۲۰ نمبر ملیں گے اور اگر آپ نے ۵۰ نشانات صحیح حل کئے ہیں تو آپ کو ۵۰ نمبر ملیں گے۔

۸—آپ کو نشانات کے اوپر صحیح حروف سلسلہ وار لکھنے ہوں گے۔ یعنی سب سے پہلے، پہلے نشان کے لئے مقررہ حرف لکھئے اس کے بعد دوسرے نشان کے لئے حرف لکھئے اس کے بعد تیسرے نشان کے لئے، اس کے بعد چوتھے نشان کے لئے، اسی طرح آخیر تک۔
کوئی نشان درمیان میں اس کا مقررہ حرف لکھے بغیر نہ چھوڑئے۔

۹—اگر آپ اس سلسلے میں مجھ سے کسی بات کی مزید وضاحت چاہیں یا کسی سوال کا جواب چاہیں تو اسی وقت معلوم کرلیں لیکن جب کام شروع کردیں تو درمیان میں ہرگز کوئی سوال نہ پوچھیں۔ اچھا اب برائے مہربانی آپ اپنے کام کی طرف پورا پورا دھیان دیجئے۔

PART I

No. of Codes I expect
o complete..

मुझे आशा है कि मैं..
(संख्या लिखिए)
चिन्ह हल कर लूंगा

مجھے توقع ہے کہ میں.............................
نشانات حل کرلوں گا (تعداد لکھئے)

KEY

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	✓	?	::	×

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
?	::	?	/	=	+	×	::	×	✓	?	×	+	?	=

16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
=	?	+	✓	::	×	?	::	+	×	✓	?	/	::	=

31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45
+	×	::	+	✓	/	?	=	×	?	✓	+	×	+	?

46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
×	::	+	=	✓	×	?	×	✓	+	×	=	::	+	✓

61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75
+	/	?	✓	×	×	?	✓	+	=	?	×	✓	=	?

Not. of Codes I Completed........................

मैंने.. चिन्ह हल किये
(संख्या लिखिए)

میں نے.............................. نشانات حل کئے
(تعداد لکھئے)

PART II

No. of Codes I expect to complete....................................
मुझे आशा है कि मैं.................................... (संख्या लिखिए) चिन्ह हल कर लूंगा
مجھے توقع ہے کہ میں.................................... نشانات حل کرلوں گا (تعداد لکھیے)

KEY

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	✓	?	::	×

A

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
+	::	+	=	?	✓	×	✓	+	?	+	×	=	::	/

B

16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
/	×	::	+	✓	?	?	=	::	×	?	::	✓	+	/

C

31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45
—	::	+	✓	::	?	=	×	=	::	✓	+	/	?	/

D

46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
✓	?	+	=	::	×	?	/	+	::	✓	+	::	?	×

E

61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75
/	?	::	+	✓	+	?	=	×	?	+	✓	+	/	::

No. of Codes I Completed....................................
मैंने.................................... चिन्ह हल किये (संख्या लिखिए)
میں نے.................................... نشانات حل کئے (تعداد لکھیے)

PART III

No. of Codes I expect to complete..
मुझे आशा है कि मैं.. (संख्या लिखिए) चिन्ह हल कर लूँगा
مجھے توقع ہے کہ میں.............................. نشانات حل کرلوں گا (تعداد لکھیے)

KYE

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	√	?	::	×

A															
	+	/	?	+	×	=	?	/	+	=	?	×	+	=	::
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15

B															
	/	::	+	=	√	×	?	×	√	+	×	=	::	/	√
	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30

C															
	+	/	√	?	×	+	?	?	+	=	?	×	√	::	√
	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45

D															
	+	?	×	/	×	?	/	√	√	+	=	::	×	=	/
	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60

E															
	=	?	+	?	::	×	√	/	+	×	√	?	?	::	×
	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75

No. of Codes I Completed............................
मैंने .... चिन्ह हल किये (संख्या लिखिए)
میں نے ....نشانات حل کئے (تعداد لکھیے)۔

PART IV

No. of Codes I expect to complete..

मुझे आशा है कि मैं..
(संख्या लिखिए)
चिन्ह हल कर लूँगा

مجھے توقع ہے کہ میں..
نشانات حل کرلوں گا
(تعداد لکھئے)

KEY

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	✓	?	::	×

A	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
	?	×	✓	/	=	+	×	::	?	✓	?	×	/	✓	=

B	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
	::	/	=	::	×	=	?	+	+	=	?	×	::	=	::

C	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45
	[illegible]	×	+	?	/	+	?	×	=	+	×	::	=	?	✓

D	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
	✓	×	::	+	/	×	?	=	×	/	?	✓	+	/	?

E	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75
	?	×	?	/	=	+	/	::	×	✓	?	×	/	?	=

No. of Codes I Completed..

मैंने.. चिन्ह हल किये
(संख्या लिखिए)

میں نے.. نشانات حل کئے
(تعداد لکھئے)

PART V

No. of Codes I expect to complete..

मुझे आशा है कि मैं..
(संख्या लिखिए)
चिन्ह हल कर लूँगा

مجھے توقع ہے کہ میں..............................
نشانات حل کرلوں گا (تعداد لکھئے)

KEY

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	✓	?	::	×

A															
	?	×	?	/	=	+	=	::	×	✓	?	×	/	?	=
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15

B															
	?	✓	/	×	?	✓	::	::	+	=	?	×	✓	×	=
	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30

C															
	::	✓	::	+	✓	×	✓	/	+	×	✓	?	?	::	×
	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45

D															
	=	?	+	✓	::	×	?	/	+	×	✓	?	✓	::	×
	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60

E															
	=	::	+	=	?	×	/	=	?	+	×	=	/	✓	::
	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75

No. of Codes I Completed..............................

मैंने .... चिन्ह हल किये
(संख्या लिखिए)

میں نے..............................نشانات حل کئے
(تعداد لکھئے)

PART VI

No. of Codes I expect to complete.............................

मुझे आशा है कि मैं ....
(संख्या लिखिए)
चिन्ह हल कर लूंगा

مجھے توقع ہے کہ میں ....
نشانات حل کرلوں گا (تعداد لکھیے)

KEY

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	✓	?	::	×

A

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
[illegible]	✓	?	=	?	::	/	=	?	/	+	::	+	/	?

B

16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
	::	✓	×	[illegible]	×	?	✓	::	::	/	?	+	=	×

C

31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45
::	+	=	✓	/	×	+	×	/	+	=	::	?	?	/

D

46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
	[illegible]	[illegible]	::	=	?	/	?	×	::	+	=	/	?	✓

61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75
[illegible]	✓	+	/	+	=	+	?	::	×	::	×	?	/	+

No. of Codes I Completed.............................

मैंने .... चिन्ह हल किये
(संख्या लिखिए)

میں نے .... نشانات حل کئے
(تعداد لکھیے)

PART VII

No. of Codes I expect to complete..
मुझे आशा है कि मैं.............................. (संख्या लिखिए) चिन्ह हल कर लूंगा
مجھے توقع ہے کہ میں.............................. (تعداد لکھئے) نشانات حل کرلوں گا

KEY

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	✓	?	::	×

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
::	?	×	?	=	✓	+	?	?	+	×	?	✓	/	::

B

16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
::	=	/	✓	×	+	?	+	::	+	=	?	×	✓	/

C

31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45
?	::	×	+	=	✓	/	×	?	✓	×	::	+	/	?

D

46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
?	+	?	=	::	×	✓	/	+	×	✓	?	×	::	+

E

61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75
?	/	+	✓	::	?	×	=	✓	?	?	::	×	/	=

No. of Codes I Completed..
मैंने.............................. चिन्ह हल किये (संख्या लिखिए)
میں نے.............................. نشانات حل کئے (تعداد لکھئے)

PART VIII

No. of Codes I expect to complete..

मुझे आशा है कि मैं.. (संख्या लिखिए) चिन्ह हल कर लूंगा

مجھے توقع ہے کہ میں............................ نشانات حل کرلوں گا (تعداد لکھیے)

KEY

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	✓	?	::	×

A															
	=	?	+	✓	+	::	?	/	×	?	+	✓	+	/	?
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
B															
	::	=	+	×	?	=	+	/	?	+	/	?	+	×	=
	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
C															
	✓	×	?	::	/	=	+	=	×	/	×	/	×	✓	/
	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45
D															
	✓	/	::	/	::	✓	=	?	×	+	/	/	/	::	?
	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
E															
	✓	?	✓	::	×	✓	+	?	/	✓	/	×	=	?	/
	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75

No. of Codes I Completed..............................

मैंने .... चिन्ह हल किये

(संख्या लिखिए)

میں نے.............................. نشانات حل کئے

(تعداد لکھیے)

PART IX

No. of Codes I expect to complete...

मुझे आशा है कि मैं... (संख्या लिखिए) चिन्ह हल कर लूँगा

مجھے توقع ہے کہ میں .... نشانات حل کرلوں گا (تعداد لکھئے)

Key

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	√	?	::	×

A	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
	::	×	√	×	+	?	+	?	√	/	×	=	::	=	/

B	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
	?	/	×	::	=	×	::	√	=	√	=	√	::	+	×

C	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45
	+	=	√	×	?	×	√	+	×	::	+	::	√	/	=

D	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
	×	/	::	?	√	×	+	::	?	×	=	/	×	√	?

E	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75
	√	/	?	=	×	::	?	√	+	+	?	×	+	::	√

No. of Codes I Completed........................

मैंने... चिन्ह हल किये (संख्या लिखिए)

میں نے .... نشانات حل کئے (تعداد لکھئے)

PART X

No. of Codes I expect to complete..

मुझे आशा है कि मैं .... चिन्ह हल कर लूँगा (संख्या लिखिए)

مجھے توقع ہے کہ میں .... نشانات حل کرلوں گا (تعداد لکھئے)

KEY

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	✓	?	::	×

A														
/	?	/	✓	+	::	=	×	=	?	::	✓	+	::	=
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15

B														
+	+	=	?	×	::	=	+	?	?	✓	×	/	✓	×
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30

C														
/	=	+	::	::	✓	?	×	/	✓	=	×	?	×	?
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45

D														
✓	/	+	×	✓	?	?	::	×	+	×	?	=	✓	✓
46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60

E														
/	✓	::	×	=	+	?	/	=	×	=	?	+	::	✓
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75

No. of Codes I Completed..

मैंने .... चिन्ह हल किये (संख्या लिखिए)

میں نے .... نشانات حل کئے (تعداد لکھئے)

PART XI

No. of Codes I expect to complete..............................

मुझे आशा है कि मैं .... (संख्या लिखिए) चिन्ह हल कर लूंगा

مجھے توقع ہے کہ میں .... (تعداد لکھئے) نشانات حل کرلوں گا

KEY

A	B	C	D	E	F	G
+	=	/	✓	?	::	×

A

✓	::	/	×	+	×	/	✓	::	?	=	=	?	/	+
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15

B

/	::	×	+	✓	+	?	=	×	✓	+	=	::	?	/
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30

C

=	✓	+	::	✓	+	×	=	?	::	=	×	✓	?	×
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45

D

×	=	/	::	✓	?	+	?	=	✓	×	/	?	::	+
46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60

E

?	+	::	=	✓	/	×	?	=	::	+	=	✓	/	?
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75

No. of Codes I Completed..............................

मैंने .... चिन्ह हल किये

(संख्या लिखिए)

میں نے .... نشانات حل کئے

(تعداد لکھئے)

SCORING SHEET

PART NO.	NUMBER OF CODES EXPECTED	PART NO.	NUMBER OF CODES COMPLETED	SCORES			SHIFTS			
				A. D. SCORE	G. D. SCORE					
					With a Algebraic Sign (+ or −)	*With out Algebraic Sign*	*Extent & Nature of Shifts (+ or −)*	*Frequency of N. S.*	*Frequency of U. S.*	
I										
II		I								
III		II								
IV		III								
V		IV								
VI		V								
VII		VI								7
VIII		VII								
IX		VIII								
X		IX								10
XI		X								11
		XI								12
Total										13
Mean										14
	1		2	3	4	5	6	7	8	

संशोधित सामूहिक परीक्षा (...) की उत्तर तालिका

APPENDIX NO.5

GENERAL — सामान्य मानसिक योग्यता

[आवृत्ति 70]

STANINE

Score Scale	Class 10	9	8
9	88+	76+	73+
8	78-87	67-75	66-72
7	68-77	58-66	57-65
6	59-67	49-57	48 56
5	48-58	42-48	39-47
4	39-47	34-41	30-38
3	29-38	28-33	21-29
2	19-28	19-27	11-20
1	0-18	0-18	0-11

पृष्ठ 1	पृष्ठ 2	पृष्ठ 3	पृष्ठ 4	पृष्ठ 5
4	1	9	3	3
3	31	4	2	19
2	2	3	3	5
2	21	[illegible]	[illegible]	[illegible]
3	1	2	1	5
5	3	3	24	3
1	3	3	2	2
2	41	4	4	3
3	1	1	1	4
2	4	2	20	2
4	57	4	3	2
3	4	12	2	11
2	32	3	3	3
4	2	3	2	6
3	5	26	8	2
1	3	2	4	3
4	2	4	28	4
3	1	3	4	2
2	64	1	2	2
1	2	17	3	4
जोड़	जोड़	जोड़	जोड़	जोड़

(बिंदु रेखा के साथ साथ काटिए)